सूर्योदय 7:08 सूर्यास्त 6:03

आज का तापमान

शिमला	8.0 न्यू	17.0 अधि
धर्मशाला	10.0 न्यू	20.0अधि

बाजार

सेंसेक्स	83,313
निफ्टी	25,642

सोना 1,49,000 चांदी 2,52,750

www.anantgyaan.in

अनंत ज्ञान

आरएनआई नं. HPHIN/25/A0284 | कांगड़ा | सोमवार, 9 फरवरी 2026 | 29 माघ, विक्रमी संवत 2082 | वर्ष 3, अंक 43, कुल पृष्ठ 14 | मूल्य : 5 रुपए | follow us on: | 8894521702

न्यूज शॉर्ट्स

गोगोई केस को केंद्र में भेजेगी असम सरकार

एजेंसी, गोवाहाटी। असम सरकार कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई के पाकिस्तान कनेक्शन मामले को केंद्रीय गृह मंत्रालय भेजेगी। असम कैबिनेट ने शनिवार को यह फैसला लिया। जिसके बारे में रविवार को मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जानकारी दी। असम सरकार कांग्रेस सांसद गौरव की पत्नी एलिजाबेथ कोलबर्न का ओसीआई वीजा रद्द करने की मांग भी करेगी, क्योंकि उनकी मौजूदगी भारत के लिए नुकसानदायक है। असम के सीएम का आरोप है कांग्रेस सांसद गौरव और उनकी पत्नी एलिजाबेथ, पाकिस्तानी एजेंट अली तौकीर शेख के बहुत करीब हैं। एक पाकिस्तानी फर्म ने गौरव की पत्नी को नौकरी दी, फिर उन्हें भारत ट्रांसफर कर दिया। (अनंत ज्ञान)

कोटा में इमारत गिरी दो की मौत, 13 घायल

एजेंसी, कोटा। राजस्थान राज्य के कोटा के तलवंडी में शनिवार देर रात तीन मंजिला इमारत ढहने के बाद हर तरफ चीख-पुकार मच गई। खाना खा रहे कोचिंग स्टूडेंट समेत कई लोग मलबे में दब गए। इस हादसे में 20 साल के कोचिंग स्टूडेंट और 14 साल के बच्चे ने अपनी जान गंवा दी, जबकि 13 घायलों को कोटा मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। मलबे में दबे एक युवक ने जिंदगी की आस में अपनों को फोन किया और बचाने की गुहार लगाई। इमारत गिरने की खबर मिलते ही पुलिस और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची। हालात इतने दर्दनाक थे कि मलबे में दबे लोग चीख रहे थे, हमें बचा लो। मलबे में दबे लोगों का कहीं हाथ दिख रहा था तो कहीं पैर। एक शख्स के तो दोनों पैर कटकर अलग हो गए थे। 3 मंजिला बिल्डिंग में नॉनवेज रेस्टोरेंट चलता था। सबसे नीचे वाले हिस्से में खाना बनता था और ऊपर के फ्लोर खाली थे। (अनंत ज्ञान)

पाकिस्तान से 8 महीने बाद घर लौटेगा अमृतपाल

एजेंसी, फाजिल्का। अमृतपाल की रिहाई की खबर सामने आई है। सरहदी गांव खैरेके उताड़ का किसान अमृतपाल 21 जून, 2025 को अनजाने में अंतरराष्ट्रीय सीमा पार कर पाकिस्तान पहुंच गया था। किसान के पिता जगराज सिंह के अनुसार, अमृतपाल खेत में चूहों को बेहोश करने वाली दवा का छिड़काव कर रहा था। दवा के असर और उसके बाद चाय पीने की वजह से उसे चक्कर आने लगे और बेहोशी की हालत में वह गलती से पाक सीमा में दाखिल हो गया। वहां उसे पाकिस्तानी रेंजर्स ने हिरासत में लेकर कंगनपुर के अस्पताल में दाखिल कराया था। बीते दिन पाकिस्तान की जेल में बंद पंजाब के 7 लोगों की सजा पूरी होने के बाद रिहाई की गई है, जिनकी अंबेसी बुधवार को क्लीयर हो गई थी। जगराज के अनुसार अमृतपाल के केस की अंबेसी शुक्रवार को क्लीयर हो चुकी है और किसी भी समय अमृतपाल की रिहाई हो सकती है। (अनंत ज्ञान)

अंदर के पन्नों पर पढ़ें

- हिमाचल को 46 करोड़ का प्रोत्साहन ग्रामीण सड़कों को पहचान -पेज 2
- हिमाचल का पर्यटन बनेगा प्रदेश की अर्थव्यवस्था का स्तंभ: शेखावत -पेज 3
- सुख शिक्षा योजना में धर्मशाला कांगड़ा ब्लॉक से जीरो आवेदन -पेज 4
- ग्राम पंचायत मसौली बनी विकास, आस्था व समरसता की मिसाल -पेज 9
- सोलन जिला में मनरेगा की धीमी प्रगति पर उठे सवाल -पेज 12

आरडीजी खत्म होने से हिमाचल पर गंभीर संकट: सीएम

वित्त विभाग की प्रेजेंटेशन ने बढ़ाई प्रदेश सरकार की चिंता

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की अध्यक्षता में हुई राज्य मंत्रिमंडल की अहम बैठक में हिमाचल प्रदेश की वित्तीय स्थिति को लेकर गंभीर मंथन हुआ। बैठक में वित्त विभाग ने विस्तृत प्रेजेंटेशन के माध्यम से राज्य की वर्तमान आर्थिक स्थिति और भविष्य में आने वाली चुनौतियों की स्पष्ट तस्वीर रखी। खास तौर पर राजस्व घाटा अनुदान यानी आरडीजी की संभावित समाप्ति से राज्य की अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभावों को लेकर कैबिनेट को आगाह किया गया।

वित्त विभाग ने बताया कि जीएसटी लागू होने के बाद राज्यों के स्वतंत्र राजस्व संसाधनों की सीमाएं काफी हद तक सिमट गई हैं। इसके बावजूद राज्य सरकार ने विभिन्न उपकर लगाकर लगभग 300 करोड़ रुपए की अतिरिक्त वसूली की है। गैर कृषि उपयोग के लिए भूमि पर नया भूमि राजस्व लागू किया गया है, वहीं राज्य की संपत्तियों के मौद्रिकरण और पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप परियोजनाओं को बढ़ावा देने पर भी जोर दिया जा रहा है। राजस्व में हो रही चोरी को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने की बात भी प्रेजेंटेशन में रखी गई।

◆ **कर्मचारियों व पेंशनर्स को महंगाई भत्ता और एरियर का भुगतान करना सरकार के लिए बना चुनौतीपूर्ण**

16वें वित्त आयोग की सिफारिशों का हवाला देते हुए बताया गया कि आने वाले समय में बिजली वितरण कंपनियों के निजीकरण, विभिन्न विभागों और सार्वजनिक उपक्रमों के विलय या निजीकरण जैसे कठिन निर्णयों पर भी विचार करना पड़ सकता है। आर्थिक तंगी के चलते नई भर्तियों पर रोक और लंबे समय से खाली पड़े पदों को समाप्त करने की संभावना जताई गई है। साथ ही भविष्य में ओल्ड पेंशन स्कीम के स्थान पर यूनिफाइड पेंशन स्कीम पर भी मंथन के संकेत दिए गए।

कैबिनेट बैठक

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू कैबिनेट बैठक की अध्यक्षता करते हुए। अनंत ज्ञान

सरकार को लेना पड़ेगा 10 हजार करोड़ रुपए का कर्ज

वित्त विभाग ने जो प्रस्तुति रखी है, उसने आने वाले समय की मुश्किलों की झलक साफ तौर पर दिखा दी है। इस प्रेजेंटेशन में खर्च, कर्ज और संसाधनों की सीमाओं को लेकर सरकार के सामने कई कड़े विकल्प उभरकर आए हैं। वित्त विभाग की प्रस्तुति में संकेत दिए गए हैं कि प्रदेश में नए पे कमीशन की फिलहाल कोई गुंजाइश नहीं बनती। इसके साथ ही कर्मचारियों को महंगाई भत्ता देने में भी कठिनाई बताई गई हैं। यहां तक कि पिछले एरियर के भुगतान पर भी सवाल खड़े हो गए हैं, जिससे कर्मचारी वर्ग में असमंजस और चिंता बढ़ना तय माना जा रहा है। प्रेजेंटेशन के अनुसार प्रदेश को केंद्र से 14 हजार करोड़ और राज्य करों से करीब 18 हजार करोड़ रुपए मिलने की संभावना है, जबकि लगभग 10 हजार करोड़ रुपए का कर्ज लेने की गुंजाइश बताई गई है। कुल मिलाकर बजट का आकार करीब 42 हजार करोड़ रुपए आंका गया है, लेकिन इसमें से वास्तविक खर्च की क्षमता सीमित मानी जा रही है। पुराने कर्ज और ट्रेजरी बिलों के भुगतान का दबाव भी लगातार बढ़ता जा रहा है। वित्त विभाग ने यह भी साफ किया है कि आगे चलकर एचआरटीसी जैसी संस्थाओं को मिलने वाली सब्सिडी कम हो सकती है और निगमों को अपने खर्च खुद उठाने पड़ सकते हैं। इसके अलावा करीब 30 प्रतिशत सरकारी संस्थानों को डाउनसाइज करने की जरूरत जताई गई है, जिससे प्रशासनिक ढांचे में बड़े बदलाव की संभावना बनती दिख रही है।

वित्त विभाग ने चेताया कि यदि आरडीजी का प्रावधान समाप्त होता है तो कर्मचारियों व पेंशनर्स को महंगाई भत्ता और एरियर का भुगतान करना सरकार के लिए बेहद चुनौतीपूर्ण हो जाएगा। वर्तमान में पिछले वेतन आयोग से जुड़ा करीब 8500 करोड़ रुपए का एरियर और लगभग 5000 करोड़ रुपए का डीए/डीआर भुगतान लंबित है, जो संकट की स्थिति में फंस सकता है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए कैबिनेट के समक्ष हर संभावित विकल्प पर विचार की जरूरत जताई गई।

जारी रहेंगी कल्याणकारी योजनाएं

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने बैठक के बाद स्पष्ट किया कि आरडीजी की समाप्ति किसी एक सरकार का नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश के हितों से जुड़ा विषय है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार अपने स्तर पर अब तक 26,683 करोड़ रुपए का राजस्व अर्जित कर चुकी है, लेकिन प्रदेश के सीमित संसाधनों के कारण चुनौतियां बड़ी हैं। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि कल्याणकारी योजनाएं जारी रहेंगी और प्रदेश के अधिकारों व संसाधनों की रक्षा के लिए संघर्ष लगातार जारी रहेगा।

हिमाचल अपने अधिकारों की रक्षा के लिए जा सकता है अदालत

मुख्यमंत्री ने विधानसभा के बजट सत्र से पहले दिया संकेत

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश इस समय गंभीर वित्तीय संकट के ऐसे दौर से गुजर रहा है, जहां सरकार को भर्तियों से लेकर पेंशन व्यवस्था तक कड़े और दूरगामी फैसले लेने पड़ सकते हैं।

◆ **कहा-केंद्र की नीतियों के चलते प्रदेश के सामने एक नया और गंभीर संकट खड़ा**

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने साफ संकेत दिए हैं कि हालात सामान्य नहीं हैं और यदि जरूरत पड़ी तो राज्य अपने अधिकारों की रक्षा के लिए न्यायालय का दरवाजा भी खटखटा सकता है। सरकार का मानना है कि केंद्र सरकार की नीतियों के चलते प्रदेश के सामने एक नया और गंभीर संकट खड़ा हो गया है, जिससे निपटने के लिए असाधारण कदम उठाने पड़ सकते हैं।

यही नहीं वित्तीय संकट पर व्यापक चर्चा के लिए सरकार ने पहले एक विशेष सत्र बुलाने का प्रस्ताव भेजा था, लेकिन राज्यपाल द्वारा यह प्रस्ताव लौटाए जाने के बाद पूरा ध्यान अब बजट सत्र पर केंद्रित हो गया है। सरकार की ओर से जारी अधिसूचना के अनुसार विधानसभा का बजट सत्र 16 फरवरी से शुरू होगा। माना जा रहा है कि इसी सत्र में प्रदेश की आर्थिक दिशा तय करने वाले कई बड़े फैसलों की रूपरेखा सामने आएगी, जिनका असर सरकारी कर्मचारियों से लेकर आम जनता तक पड़ेगा।

रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट बंद होने से बजट पर 20 प्रतिशत तक सीधा असर पड़ने की आशंका

वित्त विभाग ने कैबिनेट के समक्ष जो आकलन रखा है, उसने सरकार की चिंता और बढ़ा दी है। केंद्र सरकार द्वारा रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट बंद किए जाने की स्थिति में राज्य के कुल बजट पर 15 से 20 प्रतिशत तक का सीधा असर पड़ सकता है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने इस मुद्दे पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा है कि आरडीजी समाप्त होने से हिमाचल की आर्थिक रीढ़ कमजोर होगी और राज्य के साथ अन्याय होगा। उन्होंने स्पष्ट किया है कि यदि बातचीत और संवैधानिक तरीकों से समाधान नहीं निकला तो सरकार न्यायालय का सहारा लेने से पीछे नहीं हटेगी।

प्रदेश में बढ़ सकता है निजीकरण का दायरा

वित्तीय संतुलन बनाने के लिए सरकार राजस्व बढ़ाने की रणनीति पर भी तेजी से काम कर रही है। राज्य की परिसंपत्तियों के मोनेटाइजेशन, पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप परियोजनाओं को गति देने और राजस्व चोरी पर सख्ती के संकेत दिए गए हैं। इसके साथ ही घाटे में चल रहे बोर्डों और परियोजनाओं को बंद करने या निजी हाथों में सौंपने जैसे विकल्पों पर भी गंभीर विचार हो रहा है। गैर कृषि उपयोग की भूमि पर नए करों के जरिए अतिरिक्त संसाधन जुटाने की संभावनाएं भी टटोली जा रही हैं।

सर्वदलीय बैठक में भाजपा विधायकों का न आना दुर्भाग्यपूर्ण

वित्तीय संकट पर चर्चा के लिए मुख्यमंत्री द्वारा बुलाई गई सर्वदलीय बैठक में विपक्ष की अनुपस्थिति को सरकार ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह लड़ाई किसी एक दल की नहीं, बल्कि पूरे प्रदेश के अस्तित्व और अधिकारों से जुड़ी हुई है। उनका कहना है कि ऐसे समय में राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठकर प्रदेशहित में एकजुट होना जरूरी है, ताकि हिमाचल प्रदेश इस कठिन आर्थिक दौर से बाहर निकल सके।

हिमाचल में कल से बदलेगा मौसम बारिश और बर्फबारी के आसार

प्रदेश के कई क्षेत्रों में अंधड़ और बिजली गिरने का अलर्ट

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश में मौसम एक बार फिर करवट लेने जा रहा है। रविवार को जहां प्रदेश के अधिकतर हिस्सों में धूप खिली रही और लोगों को दिन में राहत मिली, वहीं सोमवार से पश्चिमी विक्षोभ की सक्रियता मौसम का मिजाज बदलने वाली है। मौसम विभाग के अनुसार 10 फरवरी को पूरे प्रदेश में बारिश और ऊंचाई वाले इलाकों में बर्फबारी के प्रबल आसार हैं। इसके साथ ही कई क्षेत्रों में अंधड़ और आसमानी बिजली गिरने का अलर्ट भी जारी किया गया है।

राजधानी शिमला और आसपास के ऊंचाई वाले क्षेत्रों में 9 फरवरी से बादल छाने लगेंगे और तापमान में गिरावट महसूस की जाएगी। किन्नौर, लाहौल-स्पीति, कुल्लू और चंबा के ऊपरी इलाकों में पहले चरण में बर्फबारी की संभावना जताई गई है, जबकि 10 फरवरी को शिमला सहित पूरे प्रदेश में बारिश-बर्फबारी हो सकती है। मौसम विज्ञान केंद्र शिमला के अनुसार कुछ इलाकों में 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं, जिससे ठंड का असर और तेज होगा।

मौसम विभाग का कहना है कि 9 से 11 फरवरी तक प्रदेश के कई हिस्सों में बारिश और बर्फबारी का सिलसिला बना रह सकता है। इस दौरान न्यूनतम तापमान में पहले 2 से 3 डिग्री की बढ़ोतरी और फिर अगले कुछ दिनों में गिरावट के आसार हैं। 12 फरवरी से प्रदेश में मौसम साफ होने की संभावना जताई गई है। शिमला समेत पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाले लोगों और पर्यटकों को मौसम को देखते हुए सावधानी बरतने की सलाह दी गई है।

कुकुमसेरी में दर्ज किया माइनस 13.4 डिग्री न्यूनतम तापमान

लाहौल-स्पीति और किन्नौर के कई क्षेत्रों में तापमान शून्य से नीचे बना हुआ है। कुकुमसेरी में न्यूनतम तापमान माइनस 13.4 डिग्री सेल्सियस और ताबो में माइनस 10.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि कल्पा में तापमान माइनस 1.0 डिग्री सेल्सियस रहा। अन्य स्थानों की बात करें तो मनाली में 0.7 डिग्री, भुंतर में 2.7 डिग्री, सोलन में 3.0 डिग्री और सुंदरनगर में 3.8 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। कांगड़ा में 4.7 डिग्री, मंडी में 5.2 डिग्री, धर्मशाला में 5.1 डिग्री और शिमला में 5.6 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। इसके अलावा बिलासपुर में 6.0 डिग्री, जुब्बड़हट्टी में 6.4 डिग्री, ऊना में 6.6 डिग्री, कसौली में 7.2 डिग्री, देहरा गोपीपुर में 7.0 डिग्री, पालमपुर में 8.5 डिग्री, नेरी में 8.9 डिग्री और पांवटा साहिब में 9.0 डिग्री सेल्सियस तापमान दर्ज किया गया। आने वाले दो दिनों में बादल छाने और बारिश-बर्फबारी की गतिविधियों से तापमान में हल्की गिरावट आ सकती है, जिससे ठंड का असर और बढ़ेगा।

आर्मेनिया ने पहली बार दिखाए भारत से खरीदे गए हथियार

एजेंसी, नई दिल्ली। भारत से खरीदे गए हथियारों का आर्मेनिया ने पहली बार सार्वजनिक तौर पर प्रदर्शन किया है। भारतीय सशस्त्र बलों के प्रमुख जनरल अनिल चौहान इस समय आर्मेनिया दौरे पर हैं। उनके सामने आर्मेनियाई और भारतीय हथियारों के अलग-अलग यूएवी और आर्मेनिया में बनाए गए हवाई बमों के लिए सुधार मॉड्यूल भी दिखाए गए। प्रदर्शित हथियारों में भारत से मिले आकाश एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल सिस्टम, पिनाका मल्टीपल रॉकेट लॉन्चर सिस्टम और सेल्फ प्रोपेल्ड हॉवित्जर हैं। हाल के वर्षों में आर्मेनिया के साथ भारत के रक्षा संबंध और भी गहरे हुए हैं। आर्मेनिया ने साल 2022 में पहले विदेशी खरीदार के तौर पर भारत को 720 मिलियन डॉलर में 15 आकाश मिसाइल प्रणालियों का ऑर्डर दिया था। यह आकाश-1एस प्रणाली लड़ाकू विमानों, निर्देशित मिसाइलों और ड्रोन जैसे हवाई खतरों के खिलाफ विश्वसनीय सुरक्षा प्रदान करती है। डीआरडीओ निर्मित यह प्रणाली दुश्मन के लड़ाकू विमानों का 30 किलोमीटर पहले ही पता लगाकर उसे नीचे ला सकती है। आकाश मीडियम रेंज की हवा में मार करने वाली मिसाइल है। इसे डिफेंस रिसर्च एंड डेवलपमेंट ऑर्गेनाइजेशन, भारत डायनामिक्स और भारत इलेक्ट्रॉनिक्स ने तैयार किया है। चीन के साथ तनाव की शुरुआत के समय से ही पूर्वी लद्दाख सीमा पर भारत ने स्वदेश निर्मित आकाश एयर डिफेंस सिस्टम तैनात कर रखा है। भारतीय सेना की आर्टिलरी रेजिमेंट 155 मिमी/52 कैलिबर टोड गन की उपयोगिता अपने पड़ोसी अजरबैजान से आत्मरक्षा में लगे आर्मेनिया को भी पसंद आई है। इसलिए नवंबर, 2022 में आर्मेनिया ने आर्टिलरी गन की आपूर्ति के लिए भारत को 155.5 मिलियन डॉलर का ऑर्डर दिया था, जो 155 मिमी हथियार प्रणाली के लिए किसी स्थानीय कंपनी को दिया गया पहला ऑर्डर था। (अनंत ज्ञान)

◆ **भारत के सीडीएस के समक्ष किए प्रदर्शित**

दलाई लामा ने जीवन में कभी नहीं की एपस्टीन से मुलाकात

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। तिब्बती धर्मगुरु दलाई लामा के कार्यालय ने अमेरिकी अपराधी जेफरी एपस्टीन से उनके नाम को जोड़कर चल रही खबरों का खंडन किया है। धर्मशाला स्थित दलाई लामा मुख्यालय ने रविवार को जारी अपने आधिकारिक बयान में स्पष्ट कहा कि दलाई लामा ने अपने पूरे जीवन में कभी भी एपस्टीन से मुलाकात नहीं की और न ही किसी व्यक्ति को उनकी ओर से ऐसी किसी बैठक के लिए अधिकृत किया गया था। कार्यालय ने सोशल मीडिया पर चल रही इन खबरों को पूरी तरह झूठा और भ्रामक बताया है।

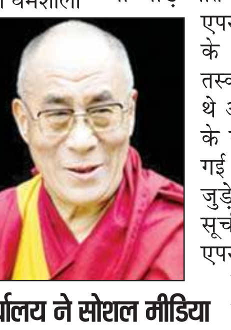

◆ **कार्यालय ने सोशल मीडिया पर चल रही खबरों को झूठा और भ्रामक बताया**

यह मामला उस समय चर्चा में आया जब अमेरिकी न्याय विभाग द्वारा सार्वजनिक की गई एपस्टीन से जुड़ी लाखों दस्तावेजों की फाइलों में दलाई लामा का नाम कई बार सामने आने की बात कही गई। रिपोर्टों के अनुसार वर्ष 2012 और 2015 के कुछ ई-मेल संवादों में एपस्टीन और उसके सहयोगियों द्वारा दलाई लामा से मिलने की संभावनाओं पर चर्चा की गई थी।

हालांकि कानूनी विशेषज्ञों का कहना है कि किसी दस्तावेज या ईमेल में नाम आने का यह मतलब नहीं होता कि वास्तव में कोई मुलाकात हुई हो या किसी प्रकार की गलत गतिविधि से संबंध रहा हो।

कई बार बड़े और प्रसिद्ध व्यक्तियों के नाम केवल चर्चा या प्रभाव दिखाने के लिए भी जोड़े जाते हैं। गौरतलब है कि जेफरी एपस्टीन पर नाबालिग लड़कियों के यौन शोषण और मानव तस्करी जैसे गंभीर आरोप लगे थे और वर्ष 2019 में गिरफ्तारी के बाद जेल में उसकी मौत हो गई थी। जांच के दौरान उससे जुड़े कई दस्तावेज और संपर्क सूची सामने आई थीं, जिन्हें एपस्टीन फाइल्स कहा जाता है।

वहीं दलाई लामा के समर्थकों और तिब्बत से जुड़े संगठनों ने इस पूरे विवाद को राजनीतिक साजिश बताया है।

उनका कहना है कि हाल ही में धर्मगुरु दलाई लामा को मिले अंतरराष्ट्रीय सम्मान के बाद उनकी छवि को नुकसान पहुंचाने के लिए इस मुद्दे को जानबूझकर उछाला जा रहा है। धर्मशाला स्थित दलाई लामा मुख्यालय ने साफ किया है कि दलाई लामा और एपस्टीन के बीच किसी भी प्रकार के व्यक्तिगत या आर्थिक संबंध का कोई प्रमाण मौजूद नहीं है। कार्यालय ने लोगों से सोशसल मीडिया पर अपुष्ट खबरों पर विश्वास न करने की अपील की गई है।

मलेशिया में खुलेगा भारतीय वाणिज्यिक दूतावास

पीएम मोदी के दौरे से दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय संबंधों को मिली नई मजबूती

एजेंसी, कुआलालंपुर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मलेशिया की आधिकारिक यात्रा के दौरान भारत और मलेशिया के द्विपक्षीय संबंधों को नई मजबूती मिली है। दोनों देशों के बीच रक्षा, व्यापार, डिजिटल, ऊर्जा, स्वास्थ्य, शिक्षा व सांस्कृतिक सहयोग से जुड़े महत्वपूर्ण समझौतों के साथ जनहित से जुड़ी अहम घोषणाएं भी की गईं, जो भारत-मलेशिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी को और सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं।

मलेशिया में भारतीय वाणिज्य दूतावास की स्थापना का निर्णय शामिल है, जिससे वहां रह रहे भारतीय समुदाय को कांसुलर सेवाएं और अधिक सुलभ होंगी। (अनंत ज्ञान)

भारत और मलेशिया के बीच हुए ये समझौते

- **भारत** की सरकार और मलेशिया की सरकार के बीच ऑडियो-विजुअल सह-निर्माण समझौता।
- **आपदा** प्रबंधन में सहयोग पर मलेशिया सरकार और भारत गणराज्य की सरकार के बीच समझौता ज्ञापन।
- **भ्रष्टाचार** से निपटने और उसे रोकने में सहयोग हेतु मलेशिया सरकार और भारत सरकार के बीच समझौता ज्ञापन।
- **भारत** और मलेशिया के बीच संयुक्त राष्ट्र शांतिरक्षा सहयोग पर समझौता ज्ञापन पर पत्र का आदान-प्रदान।
- **भारत** की सरकार और मलेशिया की सरकार के बीच सेमीकंडक्टर क्षेत्र में सहयोग पर नोट का आदान-प्रदान।
- **अंतरराष्ट्रीय** बिग कैट्स एलायंस पर ढांचागत समझौता।
- कर्मचारी राज्य बीमा निगम भारत और सामाजिक सुरक्षा संगठन (पीईआरकेईएसओ) मलेशिया के बीच में बीमित व्यक्तियों के रूप में भारतीय नागरिकों के लिए सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमों और गतिविधियों पर सहयोग ज्ञापन।
- **भारत**-मलेशया के बीच व्यावसायिक शिक्षा एवं प्रशिक्षण में सहयोग पर नोट का आदान-प्रदान।
- **भारत** के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और मलयेशिया के राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के बीच सुरक्षा सहयोग पर नोट का आदान-प्रदान।

तकनीक: देश की शिक्षा व्यवस्था में होने जा रहा बड़ा बदलाव, बन रहा यूपीआई जैसा प्लेटफॉर्म

एआई बदलेगा पढ़ाई का तरीका, मोबाइल पर पसंदीदा टीचर का लेक्चर

एजेंसी, नई दिल्ली

देश की शिक्षा व्यवस्था में बड़ा बदलाव होने जा रहा है। एआई से पढ़ाई के लिए यूपीआई जैसा राष्ट्रीय डिजिटल प्लेटफॉर्म तैयार किया जा रहा है। इसके जरिए स्कूल-कॉलेज के किसी भी विषय का कोई भी टॉपिक मोबाइल पर ऑडियो और वीडियो में उपलब्ध होगा। छात्र अपनी पसंद की भाषा और टीचर की आवाज में लेक्चर सुन सकेंगे। यह प्लेटफॉर्म 'भारत बोधन एआई स्टैक' के नाम से विकसित किया जा रहा है। जिस तरह भीम, गूगलपे, पेटीएम और फोनपे जैसे ऐप यूपीआई पर काम करते हैं, उसी तरह शिक्षा से जुड़े मोबाइल ऐप 'भारत बोधन' एआई स्टैक पर काम करेंगे। यह प्लेटफॉर्म पूरी तरह कस्टमाइज होगा। छात्र जैसे सवाल पूछेगा, उसी के अनुसार लेक्चर तैयार होगा। छात्र ऑडियो या वीडियो का ऑप्शन चुन सकेंगे। भाषा बदलने पर भी शिक्षक का टोन और पढ़ाने का अंदाज वही रहेगा। यह इंटरेक्टिव होगा, जिससे छात्र सवाल पूछकर तुरंत जवाब पा सकेंगे। (अनंत ज्ञान)

नई दिल्ली के भारत मंडपम में 12 फरवरी को होगी 'बोधन एआई' की शुरुआत

शिक्षा में एआई के संस्थागत उपयोग को बढ़ावा देने के लिए 12 फरवरी को नई दिल्ली के भारत मंडपम में 'बोधन एआई' पहल की औपचारिक शुरुआत की जाएगी। इस मौके पर 'भारत बोधन एआई कॉन्क्लेव' में चुनिंदा एआई समाधानों का प्रदर्शन भी किया जाएगा। भारत बोधन एआई स्टैक के तहत स्कूली शिक्षा, उच्च शिक्षा, कौशल विकास, एआई रिसर्च और डीप टेक्नोलॉजी से जुड़े प्रस्ताव मांगे गए हैं। ये सभी राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 और राष्ट्रीय पाठ्यचर्या रूपरेखा के अनुरूप होंगे। प्लेटफॉर्म को चरणबद्ध तरीके से देशभर में लागू किया जाएगा।

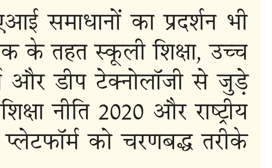

क्लास से लेकर प्रतियोगी परीक्षा तक करेगा मदद

यह प्लेटफॉर्म यूनिवर्सिटी स्तर की पढ़ाई, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी, लैब टेस्ट के थ्री-डी अनुभव और रिसर्च स्कॉलर्स के शोध में भी मदद करेगा। शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने बताया कि हाल ही में बजट भाषण को एआई के जरिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण की आवाज और टोन में हिंदी और कन्नड़ में प्रसारित किया गया था। इसी तकनीक का इस्तेमाल शिक्षा में किया जाएगा।

आईआईटी मद्रास में सेंटर फॉर एक्सीलेंस स्थापित

शिक्षा मंत्रालय ने आईआईटी मद्रास में एआई इन एजुकेशन के लिए सेंटर फॉर एक्सीलेंस की स्थापना की है। इसे 'आईआईटी मद्रास बोधन एआई फाउंडेशन' नाम दिया गया है। इस केंद्र को भारत बोधन एआई स्टैक के तहत स्केलेबल एआई समाधान विकसित करने की जिम्मेदारी दी गई है। मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों के अनुसार, 12वीं का कोई छात्र अगर ऑप्टिक्स पढ़ना चाहता है तो वह प्लेटफॉर्म पर विषय चुन सकेगा। एनसीईआरटी और राज्य बोर्डों की पाठ्यपुस्तकों को एआई रिपोजिटरी का हिस्सा बनाया जाएगा। इसे दो साल में पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

न्यूज ब्रीफ

अंडर-17 क्रिकेट प्रतियोगिता में बलग टीम बनी विजेता

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। मशोबरा ब्लॉक के चीखर गांव में करोली पब्लिक स्कूल कोटी के सौजन्य से आयोजित तीन दिवसीय अंडर-17 क्रिकेट प्रतियोगिता रविवार को संपन्न हो गई। प्रतियोगिता में जिला शिमला के विभिन्न क्षेत्रों से आई 15 टीमों ने भाग लिया और पूरे आयोजन के दौरान खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट खेल भावना का परिचय दिया। फाइनल मुकाबले में ठियोग तहसील के गांव बलग की टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए चीखर की टीम को पराजित कर ट्रॉफी अपने नाम की। प्रतियोगिता के समापन समारोह की अध्यक्षता पशुपालन विभाग के औषधि संयोजक हरिचंद शर्मा ने की। उन्होंने विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कार वितरित किए। इससे पहले करोली पब्लिक स्कूल कोटी के संस्थापक एवं प्रधानाचार्य राजेश शर्मा ने मुख्य अतिथि का स्वागत किया और प्रतियोगिता के आयोजन के उद्देश्य पर प्रकाश डाला।

घाटा रोकने को बिजली विभाग के निजीकरण की आहट

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश इस वक्त जिस गहरे वित्तीय संकट से गुजर रहा है, उसने सरकार के सामने अब वे फैसले खड़े कर दिए हैं, जो अब तक केवल विकल्प भर माने जाते थे। बढ़ते घाटे, सीमित संसाधनों और लगातार बढ़ रहे खर्चों के दबाव में वित्त विभाग ने प्रदेश सरकार को स्पष्ट संकेत दिए हैं कि बिजली विभाग का निजीकरण अब टाला नहीं जा सकता। विभागीय आकलन में कहा गया है कि मौजूदा ढांचे के साथ बिजली क्षेत्र सरकार के लिए बोझ बनता जा रहा है और इसके संचालन में निजी भागीदारी से ही वित्तीय संतुलन की दिशा में ठोस कदम उठाया जा सकता है। वित्त विभाग की सिफारिश में यह भी सामने आया है कि बिजली विभाग में सुधार और निजीकरण से न केवल राजस्व बढ़ेगा, बल्कि घाटे में चल रहे उपक्रमों पर सरकार की निर्भरता भी घटेगी। मौजूदा हालात में वेतन, पेंशन और विकास कार्यों के बीच संतुलन साधना सरकार के लिए बड़ी चुनौती बन चुका है। ऐसे में बिजली विभाग के निजीकरण को वित्तीय अनुशासन और दीर्घकालिक स्थिरता की दिशा में एक जरूरी, हालांकि कठिन, कदम के तौर पर देखा जा रहा है।

कोटी क्षेत्र में 10 फरवरी को बिजली रहेगी बाधित

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। कोटी क्षेत्र में आगामी 10 फरवरी को आवश्यक मरम्मत कार्य के चलते बिजली आपूर्ति बाधित रहेगी। 11 केवी जोघो और गोरपा फीडर पर किए जाने वाले रखरखाव कार्य के कारण विद्युत अनुभाग कोटी के अंतर्गत आने वाले कई गांवों में निर्धारित समय के लिए बिजली नहीं रहेगी। विद्युत उपमंडल जुन्गा के सहायक अभियंता यशवंत सिंह ने बताया कि जोघो और गोरपा फीडर से जुड़े कोटी, सतलाई, बलोग, डुब्लु, लखोटी, ठूंड, मुंडाघाट, शिलोनबाग, कोटीधार, जटोली, डुमेहर, नाला, भराड़िया, घरोथ और कोहन सहित आसपास के क्षेत्रों में 10 फरवरी को प्रातः 11 बजे से सायं 4 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।क्षउन्होंने स्पष्ट किया कि विद्युत लाइनों की मरम्मत का कार्य मौसम की स्थिति पर निर्भर करेगा। यदि मौसम अनुकूल रहा तो कार्य समय पर पूरा कर आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी। सहायक अभियंता ने संबंधित क्षेत्रों के लोगों से आग्रह किया है कि सामान्य और सुरक्षित विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बिजली बोर्ड के कार्य में सहयोग करें और असुविधा के लिए पूर्व से आवश्यक तैयारी कर लें।

हिमाचल पर चढ़ा कर्ज का पहाड़

आमदनी अठन्नी, खर्चा रुपइया, ब्याज के चक्रव्यूह में फंसी सरकार

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश मौजूदा समय में अपने सबसे कठिन आर्थिक दौर से गुजर रही है। राज्य की अपनी सालाना कमाई मात्र 18,000 करोड़ रुपए सिमट कर रह गई है, जबकि शासन-प्रशासन चलाने और विकास कार्यों का सालाना खर्च 48,000 करोड़ रुपए तक जा पहुंचा है। आय और व्यय के बीच का यह 30,000 करोड़ का विशाल अंतर्राज्य की आर्थिक सेहत के लिए एक रेड सिग्नल है। अपनी मूलभूत जरूरतों को पूरा करने के लिए सरकार की निर्भरता पूरी तरह से केंद्रीय मदद और बाजार से लिए गए ऋणों पर टिकी हुई है।

सूत्र बताते हैं कि राज्य की आर्थिकी की सबसे डरावनी तस्वीर इसके ऋण प्रबंधन में दिखती है। स्थिति यह है कि सरकार को 10,000 करोड़ रुपए के नए लोन की किश्तें चुकाने और पुराने हिसाब को बराबर करने के लिए करीब 13,000 करोड़ रुपए केवल ब्याज के रूप में देने पड़ रहे हैं, यानी जितना पैसा विकास के लिए उधार लिया जा रहा है, उससे कहीं ज्यादा राशि केवल पुराने कर्जों के सूद को चुकाने में स्वाहा हो रही है। यह ब्याज का चक्रव्यूह प्रदेश को एक ऐसे वित्तीय जाल में फंसा रहा है जिससे निकलना फिलहाल नामुमकिन नजर आता है।

◆ वित्तीय असंतुलन में आय व व्यय की गहरी खाई

◆ मूलधन से भारी किस्तें, वेतन और पेंशन का भारी बोझ

खर्चों के इस बेकाबू होने का एक बड़ा कारण कर्मचारियों का भारी-भरकम लाव-लशकर है। कुल बजट का एक बड़ा हिस्सा वेतन, भत्तों और पेंशन की अदायगी में चला जाता है। हाल के वर्षों में पुरानी पेंशन बहाली और छठे वेतन आयोग की सिफारिशों को लागू करने के बाद राजकोष पर दबाव और बढ़ गया है। जब कमाई का अधिकांश हिस्सा केवल प्रशासनिक खर्चों में ही खत्म हो जाएगा, तो प्रदेश में नई सड़कों, स्कूलों और अस्पतालों के निर्माण के लिए पूंजी कहां से आएगी? यह सवाल आज हर हिमाचली के सामने खड़ा है।

कंगाली की ओर बढ़ते कदम

यदि आय के नए स्रोत नहीं खोजे गए, तो हिमाचल आने वाले समय में एक गंभीर डेट ट्रैप (कर्ज के जाल) में फंस सकता है। पर्यटन, जलविद्युत और बागवानी जैसे क्षेत्रों से राजस्व बढ़ाने की तमाम कोशिशें अभी नाकाफी साबित हो रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि यदि वित्तीय अनुशासन और कठोर कटौती के कदम नहीं उठाए गए, तो वह दिन दूर नहीं जब राज्य को अपनी सामान्य गतिविधियों के संचालन के लिए भी केंद्र की बैसाखियों का मोहताज होना पड़ेगा।

हिमाचल को 46 करोड़ का प्रोत्साहन ग्रामीण सड़कों को राष्ट्रीय पहचान

विक्रमादित्य बोले-दुर्गम हालात में गुणवत्तापूर्ण निर्माण का मिला पुरस्कार

अनंत ज्ञान

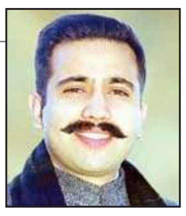

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश को 46 करोड़ रुपए की प्रोत्साहन राशि मिली है। लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह ने इसे राज्य के ग्रामीण सड़क नेटवर्क को मजबूत करने की दिशा में किए गए सतत प्रयासों की औपचारिक सराहना बताया। उन्होंने कहा कि पहाड़ी और दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद निर्धारित मानकों के अनुरूप निर्माण, उन्नयन और रखरखाव सुनिश्चित किया गया, जिसका प्रतिफल यह प्रदर्शन-आधारित प्रोत्साहन है।

लोक निर्माण मंत्री ने कहा कि हिमाचल जैसे संवेदनशील पर्वतीय राज्य में सड़कें केवल आवागमन नहीं, बल्कि स्वास्थ्य, शिक्षा, कृषि, पर्यटन और आपदा प्रबंधन की जीवनरेखा हैं। विभागीय इंजीनियरों, परियोजना इकाइयों और कार्य एजेंसियों ने सीमित कार्य अवधि, भूस्खलन और भारी वर्षा जैसी चुनौतियों के बीच गुणवत्ता और समयसीमा से समझौता किए बिना काम पूरा किया। पारदर्शी प्रक्रियाएं, आधुनिक तकनीक, नियमित निगरानी और तृतीय-पक्ष गुणवत्ता परीक्षण ने राज्य को राष्ट्रीय स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने वाले राज्यों में स्थापित किया।

◆ पहाड़ों में सड़कें विकास की जीवनरेखा

◆ ग्रामीण सड़कों पर केंद्र की औपचारिक सराहना

दूरदराज इलाकों को मिलेगी नई रफ्तार

उन्होंने बताया कि यह राशि विशेष रूप से दूरस्थ, जनजातीय और सीमा क्षेत्रों में सड़कों की मजबूती, क्रॉस-ड्रेनेज संरचनाओं, सुरक्षा कार्यों और आवश्यक उन्नयन पर खर्च होगी। इससे किसानों को बाजार तक पहुंच, युवाओं को शिक्षा व रोजगार के अवसर, विद्यार्थियों और मरीजों को सुरक्षित व समय पर आवाजाही सुनिश्चित होगी। मंत्री ने विश्वास जताया कि पीएमजीएसवाई-3 और 4 के साथ यह प्रोत्साहन हर गांव तक अच्छी सड़क, संतुलित विकास के लक्ष्य को और मजबूती देगा तथा लोक निर्माण विभाग विकास की गति को लगातार तेज करता रहेगा।

तीन पीढ़ियों से वन भूमि पर काबिज लोगों को मिला अधिकार का रास्ता

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल में वर्षों से वन भूमि पर आश्रित परिवारों के लिए बड़ी राहत की खबर है। तीन पीढ़ियों से वन भूमि पर रहकर अपनी आजीविका चला रहे लोगों को अब जमीन पर अधिकार मिलने की प्रक्रिया तेज कर दी गई है। वन अधिकार अधिनियम, 2005 के तहत जिला प्रशासन ने दावे स्वीकार करने और उन्हें आगे बढ़ाने की कार्रवाई शुरू कर दी है। प्रशासन का कहना है कि पात्र परिवारों को उनका हक दिलाने के लिए ग्राम स्तर से लेकर जिला स्तर तक स्पष्ट और पारदर्शी व्यवस्था अपनाई जा रही है।

जानकारी के अनुसार, वही परिवार इस कानून के दायरे में आएंगे जो 13 दिसंबर 2005 से पहले वन भूमि पर निवास या खेती कर रहे हैं। आवेदकों को पंचायतों के माध्यम से अपने दावे दाखिल करने होंगे। राजस्व रिकॉर्ड उपलब्ध होने पर प्रक्रिया आसान होगी, जबकि रिकॉर्ड न होने की स्थिति में गांव के बुजुर्गों की गवाही और अन्य साक्ष्यों को भी मान्य किया जाएगा। पंचायत स्तर पर गठित वन अधिकार समितियां पहले दावों की जांच करेंगी और सही पाए जाने पर उन्हें आगे भेजा जाएगा।

◆ वन अधिकार कानून के तहत दावे दाखिल करने की प्रक्रिया तेज

◆ 13 दिसंबर 2005 से पहले कब्जा साबित करना जरूरी

ग्रामीणों को कानून की जानकारी देने के लिए प्रशासन ने विशेष जागरूकता अभियान भी चलाया है। पंचायतों में बैठकों और शिविरों के जरिए लोगों को आवेदन प्रक्रिया, जरूरी दस्तावेज और पात्रता की शर्तें समझाई जा रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि सही पाए गए दावों को अंतिम मंजूरी मिलने के बाद संबंधित परिवारों को वन भूमि पर कानूनी अधिकार सौंपे जाएंगे। प्रशासन को उम्मीद है कि इस पहल से वर्षों से अनिश्चितता में जी रहे परिवारों को स्थायी सुरक्षा और सम्मानजनक जीवन का सहारा मिलेगा।

स्मार्ट मीटर से रियल टाइम बिजली खपत पर नजर

9 से 23 फरवरी तक हिमाचल में चलेगा जागरूकता अभियान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश में बिजली उपभोक्ताओं को आधुनिक तकनीक से जोड़ने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। हिमाचल प्रदेश राज्य बिजली बोर्ड 9 से 23 फरवरी तक स्मार्ट मीटर जागरूकता अभियान चलाएगा। इस अभियान के तहत प्रदेश भर में पुराने मीटरों को चरणबद्ध तरीके से स्मार्ट मीटर से बदला जाएगा, ताकि उपभोक्ताओं को बिजली खपत से जुड़ी सटीक और पारदर्शी जानकारी मिल सके। अभियान की शुरुआत शिमला से होगी, जहां जागरूकता कार्यशाला के साथ पखवाड़े का शुभारंभ किया जाएगा।

स्मार्ट मीटर लगने के बाद उपभोक्ता मोबाइल ऐप के माध्यम से अपनी बिजली खपत और लोड की जानकारी रियल टाइम में देख सकेंगे। घंटे, दिन और महीने के हिसाब से ऊर्जा उपयोग का पूरा विवरण उपलब्ध होगा, जिससे उपभोक्ता अपनी जरूरत के अनुसार खपत का आकलन कर सकेंगे और अनावश्यक खर्च पर भी नियंत्रण रख पाएंगे।

ऑनलाइन रीडिंग से खत्म होगी बिलिंग की गलती

बिजली बोर्ड के अनुसार स्मार्ट मीटर की रीडिंग पूरी तरह ऑनलाइन ली जाएगी, जिससे मैनुअल रीडिंग की जरूरत समाप्त हो जाएगी। इससे बिजली बिल में गड़बड़ी की संभावना लगभग खत्म हो जाएगी। साथ ही बिजली आपूर्ति बाधित होने और बहाली से जुड़ी सूचनाएं भी उपभोक्ताओं को मोबाइल ऐप के जरिए तुरंत मिल सकेंगी, जिससे सेवा व्यवस्था अधिक भरोसेमंद और पारदर्शी बनेगी।

कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन ने किया 12 फरवरी को पूर्ण हड़ताल का ऐलान

आमसभा में उपस्थित कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन के सदस्य। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। आईजीएमसी कॉन्ट्रैक्ट वर्कर्स यूनियन (सीटू) की आमसभा आईजीएमसी परिसर में आयोजित की गई। आमसभा में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि चार लेबर कोड सहित अन्य लंबित मांगों को लेकर 12 फरवरी को पूर्ण हड़ताल की जाएगी। सभा में सीटू प्रदेशाध्यक्ष विजेंद्र मेहरा, जिला सचिव विवेक कश्यप, यूनियन अध्यक्ष वीरेंद्र लाल पामटा, उपाध्यक्ष निशा देवी और उमा देवी, महासचिव विद्या देवी, कोषाध्यक्ष सीताराम सहित बड़ी संख्या में आउटसोर्स और ठेका मजदूर मौजूद रहे।

सभा को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने मांग की कि सभी मजदूरों को हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा समय-समय पर घोषित न्यूनतम मजदूरी का पूरा भुगतान किया जाए और अब तक कम दिए गए वेतन का समस्त बकाया एरियर ब्याज सहित एकमुश्त दिया जाए। उन्होंने कहा कि आउटसोर्स के तहत कार्य कर रहे नर्सिंग स्टाफ को उच्च कुशल श्रेणी का वेतन मिलना चाहिए, जबकि वर्तमान में उन्हें केवल कुशल श्रेणी का वेतन दिया जा रहा है।

◆ चार लेबर कोड और लंबित मांगों को लेकर आंदोलन तेज करने का निर्णय

यूनियन ने प्रत्येक मजदूर को श्रम विभाग से सत्यापित फोटोयुक्त पहचान पत्र जारी करने, ओवरटाइम की स्थिति में दोगुनी दर से भुगतान, हर माह सात तारीख से पहले बैंक खाते में पूरा वेतन देने और विस्तृत वेतन पर्ची उपलब्ध कराने की मांग रखी।

विकसित भारत की दिशा में निर्णायक बजट: अजय

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी रहे एवं प्रदेश कार्यसमिति सदस्य अजय श्याम ने कहा कि केंद्र सरकार द्वारा वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए प्रस्तुत बजट भारतीय अर्थव्यवस्था को दूरगामी प्रभावों के साथ विकसित और आत्मनिर्भर राष्ट्र की ओर ले जाने वाला मील का पत्थर है। उन्होंने कहा कि बजट में निवेश बढ़ाने, कृषि विकास के लिए अनुकूल माहौल बनाने, उद्यमिता को प्रोत्साहित करने और नवाचार आधारित नीतियों के साथ स्थायी तथा ढांचागत विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है, जो देश की आर्थिक रफ्तार को नई दिशा देगा।

◆ बोले-निवेश, कृषि और नवाचार को मजबूती

अजय श्याम के अनुसार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विज़न को प्रतिबिंबित करता यह बजट सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य, स्वरोजगार, डिजिटल भारत और पारदर्शिता को केंद्र में रखता है। बजट में प्रस्तुत आर्थिक रोडमैप एक विकासशील अर्थव्यवस्था से विकसित अर्थव्यवस्था की ओर बढ़ती भारत की यात्रा का संकेत देता है और समाज के हर वर्ग को साथ लेकर आगे बढ़ने की भावना को मजबूत करता है। उन्होंने कहा कि यह बजट हिमाचल प्रदेश के लिए भी बेहद लाभकारी है, जहां पर्यटन की अपार संभावनाओं को विस्तार देने, रेलवे नेटवर्क के विस्तार और ग्रामीण विकास को गति देने के प्रावधान किए गए हैं।

हिमाचल में वित्तीय प्रबंधन को मजबूती देने की तैयारी

2000 करोड़ का डेबिट बनेगा बजट का मुख्य एजेंडा

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश के वित्तीय गलियारों में इन दिनों हलचल तेज है, क्योंकि सरकार ने अपनी बैलेंस शीट को सुधारने के लिए एक बड़ा साहसिक कदम उठाने का फैसला किया है। वित्त विभाग की गोपनीय प्रेजेंटेशन से यह बड़ी बात निकलकर सामने आई है कि राज्य पर मौजूदा 2000 करोड़ रुपए के ट्रेजरी बिलों का बोझ अब अगली सरकार की नहीं, बल्कि आगामी बजट की प्राथमिकता होगी। यह केवल एक भुगतान की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि यह राज्य की आर्थिक साख को बचाने और उसे नए सिरे से परिभाषित करने की एक ईमानदार कोशिश है, जो आने वाले समय में प्रदेश की विकास दर को नई दिशा देगी।

जानकारी के अनुसार राज्य सरकार ने अपनी कार्यप्रणाली में एक बड़ा बदलाव करते हुए यह स्पष्ट कर दिया है कि वह अब 'आज का कर्ज कल पर' छोड़ने की नीति का अंत करना चाहती है। वित्त विभाग के अधिकारियों ने अपनी विस्तृत रिपोर्ट में रेखांकित किया है कि 2000 करोड़ के इन ट्रेजरी बिलों को बजट के मुख्य प्रावधानों में शामिल करना एक अनिवार्य कदम है। इस निर्णय से न केवल बैंकिंग संस्थानों में राज्य की विश्वसनीयता बढ़ेगी, बल्कि बाजार से मिलने वाले भविष्य के ऋणों पर ब्याज दरों में भी गिरावट आने की संभावना है। यह कदम राज्य के आर्थिक ढांचे को दीर्घकालिक मजबूती प्रदान करने वाला साबित होगा।

आगामी बजट को लेकर मुख्यमंत्री और वित्त सचिव के बीच हुई गहन चर्चा के बाद यह निष्कर्ष निकला है कि विकास की रफ्तार को बनाए रखने के लिए पुराने बोझ को उतारना जरूरी है। जानकारों का कहना है कि ट्रेजरी बिलों का यह भुगतान आगामी योजनाओं के लिए 'स्पेस' बनाने जैसा है। जब सरकार अपने अल्पकालिक ऋणों को बजट से चुकता करती है, तो इससे जनता और निवेशकों के बीच यह संदेश जाता है कि सरकार आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर होने की दिशा में बढ़ रही है। यह रणनीति न केवल वर्तमान वित्तीय चुनौतियों का समाधान करेगी, बल्कि भविष्य के राजस्व संग्रह के लिए भी एक स्वस्थ आधार तैयार करेगी।

पूंजीगत व्यय और भविष्य की आर्थिक सुरक्षा

वित्त विभाग की इस प्रेजेंटेशन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि भुगतान के बावजूद विकास कार्यों की गति को बाधित नहीं होने दिया जाएगा। सरकार एक ऐसी सूक्ष्म वित्तीय योजना पर काम कर रही है जिसमें ऋण अदायगी के साथ-साथ बुनियादी ढांचे पर निवेश को संतुलित रखा जा सके। शिमला से लेकर दिल्ली तक के आर्थिक विश्लेषक इस कदम को राज्य की 'सर्जिकल स्ट्राइक ऑन डेब्ट' के रूप में देख रहे हैं। यदि बजट के माध्यम से इस भारी भरकम राशि का सुचारू प्रबंधन होता है, तो हिमाचल प्रदेश अन्य पहाड़ी राज्यों के लिए राजकोषीय प्रबंधन का एक बेहतरीन रोल मॉडल बनकर उभरेगा।

बस हादसे में घायल चालक ने तोड़ा दम

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। हिमाचल प्रदेश पथ परिवहन निगम की विकासनगर-कवाणू-मीनस मार्ग पर मंगलवार को हुई बस दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल चालक दिनेश शर्मा का निधन हो गया। शनिवार देर रात पीजीआई चंडीगढ़ में उपचार के दौरान उन्होंने दम तोड़ दिया। हादसे के बाद स्थानीय ग्रामीणों और युवाओं ने मानवता का परिचय देते हुए उन्हें बस से बाहर निकालकर सड़क तक पहुंचाया और तत्काल उपचार के लिए भेजा, लेकिन उनकी हालत लगातार नाजुक बनी रही।

चिकित्सकों की सलाह पर पहले उन्हें उत्तराखंड के सेलाकुई स्थित अस्पताल और बाद में पीजीआई चंडीगढ़ रेफर किया गया, जहां तमाम प्रयासों के बावजूद उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। दिनेश शर्मा के निधन से उनकी पत्नी, बेटा और बेटी गहरे सदमे में हैं, वहीं पूरे चौपाल उपमंडल में शोक की लहर है। उनका अंतिम संस्कार सोमवार को पैतृक गांव मझौटली में किया जाएगा।

शिंगला हेलिपैड के पास जंगल में भड़की आग

अनंत ज्ञान ब्यूरो, शिमला। जिला शिमला के उपमंडल रामपुर बुशहर के शिंगला क्षेत्र में रविवार शाम उस समय अफरातफरी मच गई, जब शिंगला पंचायत स्थित हेलिपैड के पास जंगल में अचानक आग भड़क उठी। तेज हवाओं के कारण आग ने कुछ ही देर में आसपास के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। दूर-दराज से धुएं के गुबार और लपटें साफ दिखाई देने लगीं, जिससे ग्रामीणों में चिंता का माहौल बन गया।

जानकारी के अनुसार जंगल में लंबे समय से पड़ी सूखी घास और चीड़ के पेड़ों के कारण आग पर काबू पाना मुश्किल हो गया। आग तेजी से फैलती गई और कई चीड़ के पेड़ इसकी चपेट में आ गए। स्थानीय लोगों ने हालात बिगड़ते देख तुरंत इसकी सूचना वन विभाग को दी, ताकि नुकसान को और बढ़ने से रोका जा सके।

सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके के लिए रवाना हो गई और आग पर काबू पाने के प्रयास शुरू कर दिए गए हैं। विभाग की ओर से बताया गया कि आग को फैलने से रोकने के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं। फिलहाल किसी बड़े जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है, लेकिन आग की घटनाएं लगातार बढ़ने से वन संपदा पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है।

परेशानी सेब बागवानी डगमगाने का अंदेशा, एमआईएस में डीबीटी की एंट्री

अब एचपीएमसी में बागवान को नहीं मिलेगा कोई सामान

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। हिमाचल प्रदेश की सेब बागवानी इस वक्त ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां राहत और चिंता साथ-साथ चल रही हैं। मंडी मध्यस्थता योजना में बड़े बदलाव के साथ सरकार ने सेब खरीद का भुगतान सीधे बागवानों के बैंक खातों में करने का फैसला लिया है। पारदर्शिता और समयबद्ध भुगतान के लिहाज से यह कदम अहम माना जा रहा है, लेकिन इसके साथ ही एचपीएमसी के माध्यम से मिलने वाले स्प्रे ऑयल, खाद और कीटनाशकों जैसी सामग्री के बंद होने की आहट ने बागवानों की परेशानी बढ़ा दी है। प्राकृतिक आपदाओं से जूझ रहे बागगवानों के लिए यह बदलाव कई सवाल खड़े कर रहा है।

जानकारी के अनुसार एमआईएस में अब किसी तरह की सामग्री उपलब्ध नहीं होगी। सरकार का इरादा है कि जो भी राशि बजट के जरिए उपलब्ध होगी, वह पूरी तरह डीबीटी के माध्यम से बागवानों तक पहुंचे। नई व्यवस्था में छोटे और सीमांत बागवानों को प्राथमिकता दी जाएगी, जबकि अन्य बागवानों को बाद में भुगतान होगा। सरकार मानती है कि मौजूदा प्रणाली अपेक्षित रूप से कारगर नहीं रही, इसलिए भुगतान को तेज और पारदर्शी बनाने के लिए यह रास्ता चुना गया है। हालांकि, योजना के तहत 115 करोड़ रुपये से अधिक की देनदारियां लंबित हैं, जिन्हें उपलब्ध संसाधनों में समायोजित करने की चुनौती भी सामने है।

इसी बीच एचपीएमसी के जरिए मिलने वाली सामग्री पर रोक की आशंका ने हालात को और उलझा दिया है। स्प्रे ऑयल, पेस्टिसाइड, इंसेंटिसाइड, केंचुआ खाद, पोटाश और कैल्शियम नाइट्रेट जैसी जरूरी चीजें समय पर न मिलने से खासकर मध्यम वर्ग के बागवानों को भारी झटका लग सकता है। छोटे बागवानों को भले ही खाते में सीधा पैसा मिलने की बात कही जा रही हो, लेकिन जिन बागवानों ने सीजन की तैयारी सामग्री के भरोसे की थी, उनके लिए विकल्प सीमित होते जा रहे हैं। आपदा के असर से पहले ही कमजोर हुई बागवानी अर्थव्यवस्था पर यह दबाव धीरे-धीरे बढ़ता दिख रहा है।

सेब पर आयात शुल्क घटाने का प्रस्ताव इस चिंता में इजाफा कर रहा है। अमेरिका से आयात होने वाले सेब पर शुल्क 50 प्रतिशत से घटाकर 25 प्रतिशत किए जाने की चर्चाओं ने बाजार में बेचैनी बढ़ाई है। बागवानों का कहना है कि इससे विदेशी सेब सस्ते होंगे और स्थानीय उत्पादकों को सीधा नुकसान पहुंचेगा। हिमाचल प्रदेश फल, फूल एवं सब्जी उत्पादक संघ ने चेताया है कि कीमतों पर दबाव बढ़ने से किसानों की आय प्रभावित होगी और पहले से जारी संकट गहरा सकता है।

केंद्र सरकार से माकूल बजट न मिलने से वित्तीय संकट बढ़ा: नेगी

बागवानी मंत्री जगत सिंह नेगी का कहना है कि एमआईएस केंद्र सरकार की योजना है, लेकिन लंबे समय से इसके लिए ठोस बजट प्रावधान नहीं हुआ। पूर्व सरकारों के दौर की देनदारियां भी चुनौती बनी हुई हैं। आयात शुल्क के सवाल पर उन्होंने बताया कि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हिमाचल आए थे, तब शुल्क बढ़ाने की मांग रखी गई थी और एक समय इसे 75 से बढ़ाकर 100 प्रतिशत किया भी गया, लेकिन अंतरराष्ट्रीय समझौतों के चलते बाद में बदलाव हुए। नेगी ने माना कि शुल्क घटने से बागवानों की आर्थिकी प्रभावित हो सकती है और इस मुद्दे को उचित मंचों पर उठाया जाएगा। कुल मिलाकर, डीबीटी से पारदर्शिता की उम्मीद जगी है, लेकिन एचपीएमसी के जरिए मिलने वाली सामग्री के अभाव और आयात शुल्क की मार ने सेब बागवानी को एक जटिल दौर में ला खड़ा किया है, जहां सरकार और किसान संगठनों के बीच ठोस समाधान की जरूरत और भी बढ़ गई है।

◆ योजना के तहत 115 करोड़ रुपए से अधिक की देनदारियां लंबित

◆ आपदा के असर से बागवानी पहले ही कमजोर, नए फरमानों से बागवानों में बढ़ा आक्रोश

कार की टक्कर से बाइक सवार घायल

अनंत ज्ञान, शिमला। प्रदेश में सड़क हादसों की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए पुलिस लगातार लोगों से यातायात नियमों का पालन करने की अपील कर रही है, लेकिन तेज रफ्तार और लापरवाही के कारण दुर्घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। ऐसा ही एक मामला शिमला जिला के सुन्नी क्षेत्र में सामने आया है। शिकायतकर्ता सौरभ के अनुसार वह 7 फरवरी की शाम करीब 7:40 बजे तत्तापानी से अपने घर की ओर मोटरसाइकिल पर जा रहे थे। जब वह तत्तापानी पुल के पास पहुंचे तो सामने से तेज रफ्तार में आ रही एक कार ने उनकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। टक्कर के बाद वह पुल पर गिरकर घायल हो गए, जबकि कार चालक मौके से फरार हो गया।

बाद में जांच के दौरान वाहन चालक की पहचान नवल किशोर, निवासी पांगी (जिला किन्नौर) के रूप में हुई है। घायल को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया गया और पुलिस ने वाहन की जानकारी जुटाकर कार्रवाई शुरू की। इस संबंध में बीएनएस की धारा 281 व 125(ए) बीएनएस, 187 मोटर वाहन अधिनियम में मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

हिमाचल का पर्यटन बनेगा अर्थव्यवस्था का स्तंभ : शेखावत

10,000 टूरिस्ट गाइड्स को डिजिटल प्रशिक्षण, हेरिटेज साइट्स को बनाया जाएगा विश्व स्तरीय

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि पर्यटन आज भारत की अर्थव्यवस्था का एक बड़ा ग्रोथ इंजन बन चुका है और हिमाचल प्रदेश जैसे राज्यों के लिए यह विकास की रीढ़ है। उन्होंने कहा कि हिमाचल की कुदरती खूबसूरती और समृद्ध सांस्कृतिक विरासत देश-विदेश के सैलानियों को आकर्षित कर रही है और केंद्र सरकार इस क्षमता को ठोस आर्थिक अवसरों में बदलने के लिए लगातार काम कर रही है।

केंद्रीय मंत्री ने शिमला में आयोजित पत्रकार में बताया कि स्पेशल असिस्टेंस टू स्टेट्स फॉर कैपिटल इंफ्रास्ट्रक्चर योजना के तहत हिमाचल को पर्यटन से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए पचास वर्ष की अवधि का ब्याज-मुक्त ऋण दिया गया है, जो व्यवहारिक रूप से अनुदान के समान है। इससे प्रदेश में पर्यटन सुविधाओं, बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी को नई गति मिलेगी और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

पत्रकार वार्ता करते केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत। अनंत ज्ञान

उन्होंने कहा कि बजट 2026 में 15 प्रमुख पुरातात्विक स्थलों को विश्वस्तरीय अनुभव गंतव्य के रूप में विकसित करने की घोषणा की गई है। अब केवल खुदाई कर स्थलों को छोड़ देने की पुरानी सोच से आगे बढ़ते हुए उन्हें वैज्ञानिक ढंग से विकसित किया जाएगा, ताकि पर्यटक इतिहास को जीवंत रूप में महसूस कर सकें। गुजरात के वडनगर मॉडल की तरह देश के विभिन्न हिस्सों में नए हेरिटेज एक्सपीरियंस जोन तैयार किए जाएंगे।

शेखावत ने बताया कि बढ़ते पर्यटन और होटल उद्योग को देखते हुए प्रशिक्षित मानव संसाधन की मांग तेजी से बढ़ रही है। इसी जरूरत को ध्यान में रखते हुए बजट में नेशनल हॉस्पिटैलिटी इंस्टीट्यूट की स्थापना का प्रावधान किया गया है।

इसके साथ ही चयनित पर्यटन स्थलों पर दस हजार टूरिस्ट गाइड्स को आधुनिक तकनीक, एआर-वीआर और डिजिटल टूल्स से प्रशिक्षित किया जाएगा, जिससे पर्यटकों को बेहतर अनुभव मिल सके।

उन्होंने कहा कि बजट में ट्रैकिंग ट्रेल्स, बर्डिंग ट्रेल्स और विशेष ईको-टूरिज्म सर्किट के विकास पर भी जोर दिया गया है। इससे हिमाचल जैसे पर्वतीय राज्यों को सीधा लाभ मिलेगा। साथ ही कृषि क्षेत्र में किसानों की आय बढ़ाने के लिए नारियल, काजू, कोको और चंदन जैसी हाई वैल्यू फसलों पर फोकस किया गया है। उन्होंने कहा कि बजट 2026 पर्यटन और कृषि दोनों को विकास के मजबूत स्तंभ के रूप में आगे बढ़ाने वाला दस्तावेज है।

भारत निर्यात में चमकेगा, हिमाचल को केंद्र का विशेष सहयोग

शिमला। केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने कहा कि भारत मजबूत आर्थिक आधार पर खड़ा है और आने वाले वर्षों में टेक्सटाइल, हैंडीक्राफ्ट, इलेक्ट्रॉनिक्स, मोबाइल, कंज्यूमर गुड्स और कृषि उत्पादों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में अवसर खुलेंगे। उन्होंने हालिया अंतरराष्ट्रीय व्यापार समझौतों को 'मदर ऑफ ऑल डील्स' करार दिया और कहा कि यह भारत की उत्पादन क्षमता और निर्यात को बढ़ाएगा, जिससे राज्यों को लाभ पहुंचेगा। आरडीजी पर उन्होंने स्पष्ट किया कि यह अस्थायी राहत के लिए था और अब वित्त आयोग का जोर राजस्व वृद्धि और व्यय अनुशासन पर है। हिमाचल प्रदेश को पहले से अधिक आरडीजी मिला है।

पर्यटन और सांस्कृतिक विकास के लिए केंद्र ने विशेष पूंजीगत सहायता योजना के तहत 50 साल का ब्याज-मुक्त दीर्घकालिक ऋण स्वीकृत किया है। आपदा प्रबंधन, स्वदेश दर्शन, प्रसाद और कृषि योजनाओं में भी सहायता जारी है। शेखावत ने सेब और कृषि उत्पादों पर न्यूनतम बेस प्राइस और टैक्स व्यवस्था का जिक्र करते हुए भ्रम फैलाने वाली विपक्षी दावों को खारिज किया।

राजस्व घाटा अनुदान खत्म करना जनता के हक पर चोट : सीएम

सरकार चुप नहीं बैठेगी, आरडीजी बंद होना जनता के संवैधानिक अधिकारों पर कुठाराघात

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने स्पष्ट शब्दों में कहा है कि राजस्व घाटा अनुदान (आरडीजी) की समाप्ति किसी सरकार का विषय नहीं, बल्कि हिमाचल प्रदेश की जनता के अधिकारों से जुड़ा गंभीर मसला है। उन्होंने चेताया कि यदि यह अनुदान समाप्त किया गया, तो राज्य की आर्थिक स्थिरता के साथ-साथ जनकल्याणकारी योजनाओं पर भी गहरा असर पड़ेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस मुद्दे पर भाजपा सांसदों और विधायकों के साथ मिलकर दिल्ली जाकर प्रधानमंत्री से मिलने के लिए राज्य सरकार पूरी तरह तैयार है।

अपनी बात रखते मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू।

वित्त विभाग द्वारा राज्य की वित्तीय स्थिति और 16वें वित्त आयोग की सिफारिशों पर दी गई विस्तृत प्रस्तुति के बाद मुख्यमंत्री ने कहा कि इन सिफारिशों का असर केवल मौजूदा सरकार तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि आने वाले वर्षों में हिमाचल की अर्थव्यवस्था और बजट ढांचे पर इसका दीर्घकालिक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने अफसोस जताया कि प्रस्तुति के लिए आमंत्रित किए जाने के बावजूद भाजपा विधायक इसमें शामिल नहीं हुए, जबकि उन्हें इस मंच से राज्य की वास्तविक वित्तीय स्थिति को समझना चाहिए था।

मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के 17 राज्यों के लिए आरडीजी समाप्त की जा चुकी है, लेकिन हिमाचल प्रदेश पर इसका सबसे अधिक प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है, क्योंकि राज्य के कुल बजट का 12.7 प्रतिशत हिस्सा इसी अनुदान से आता है। जीएसटी व्यवस्था लागू होने के बाद कर संग्रह की दर में भारी गिरावट आई है। हिमाचल एक उत्पादक राज्य है, जबकि जीएसटी उपभोग आधारित कर प्रणाली है, जिससे राज्य की कर लगाने की स्वायत्तता भी प्रभावित हुई है। पहाड़ी भौगोलिक परिस्थितियों और सीमित संसाधनों के कारण यह चुनौती और भी गंभीर हो जाती है।

उन्होंने केंद्र सरकार से मांग की कि जिन जल विद्युत परियोजनाओं ने अपना पूरा ऋण चुका दिया है, उन पर कम से कम 50 प्रतिशत रॉयल्टी राज्य को दी जाए और जिन परियोजनाओं के संचालन के 40 वर्ष पूरे हो चुके हैं, उन्हें हिमाचल को वापस सौंपा जाए। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि भाखड़ा-ब्यास प्रबंधन बोर्ड की लंबित राशि और शानन पावर प्रोजेक्ट के मसले पर राज्य अपने अधिकारों की कानूनी लड़ाई मजबूती से लड़ रहा है। मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि राज्य सरकार ने आम आदमी पर अतिरिक्त बोझ डाले बिना संसाधन जुटाने की दिशा में ठोस नीतियां अपनाई हैं। उन्होंने कहा कि आत्मनिर्भर हिमाचल के लक्ष्य को हासिल करने के लिए संघर्ष जारी रहेगा और जनता के हक की रक्षा के लिए सरकार किसी भी स्तर पर पीछे नहीं हटेगी।

हिमाचल को 2032 तक देश का समृद्धतम राज्य बनाने का लक्ष्य

शिमला। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने कहा कि प्रदेश सरकार व्यवस्था परिवर्तन के माध्यम से हिमाचल प्रदेश को वर्ष 2032 तक देश का समृद्धतम राज्य बनाने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए स्वास्थ्य, शिक्षा, ग्रामीण अर्थव्यवस्था और पर्यटन क्षेत्रों में संरचनागत सुधारों के साथ-साथ नई योजनाएं लागू की जा रही हैं। मुख्यमंत्री ने यहां पर एक विशेष कार्यक्रम में कहा कि हिमाचल प्रदेश उत्तर भारत में स्वच्छ वायु और जल संसाधनों का महत्वपूर्ण स्रोत है और इनके संरक्षण को सरकार सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है। इसी दिशा में हरित ऊर्जा को बढ़ावा दिया जा रहा है।

उन्होंने बताया कि राज्य में ग्रीन हाइड्रोजन, ई-वाहन और जिओ थर्मल जैसी भविष्योन्मुखी तकनीकों को अपनाया जा रहा है। हाल ही में आइसलैंड के साथ जिओ थर्मल ऊर्जा के क्षेत्र में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की भौगोलिक परिस्थितियों के कारण आय सृजन के अवसर सीमित हैं, जिस वजह से केंद्र सरकार से राजस्व घाटा अनुदान मिलता रहा है। हालांकि, इस वर्ष के केंद्रीय बजट में इस अनुदान को समाप्त कर दिया गया है, जो हिमाचल के हितों के प्रतिकूल है। इसके बावजूद प्रदेश सरकार गंभीर वित्तीय चुनौतियों के बीच भी सभी वर्गों के कल्याण, रोजगार और स्वरोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता और पारदर्शिता के साथ कार्य कर रही है।

हिमाचल के निजी स्कूलों में शिक्षा के नाम पर नहीं चलेगा बाजार

निजी स्कूलों की मनमानी पर लगा ब्रेक, किसी तय दुकान से किताबे-कॉपियां व वर्दी खरीदने की बाध्यता खत्म

अनंत ज्ञान

सत्यदेव भारद्वाज, शिमला। नए शैक्षणिक सत्र की दस्तक से पहले राज्य सरकार ने शिक्षा व्यवस्था से जुड़ा ऐसा फैसला लिया है, जो सीधे तौर पर लाखों अभिभावकों को सुकून देने वाला है। हर साल किताबों, कॉपियों और स्कूल वर्दी की खरीद को लेकर निजी स्कूलों की मनमानी से परेशान अभिभावकों की शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए शिक्षा विभाग ने साफ शब्दों में संदेश दे दिया है कि अब शिक्षा के नाम पर बाजार नहीं चलेगा। सरकार के इस फैसले को शिक्षा को व्यापार बनने से रोकने की दिशा में एक अहम कदम माना जा रहा है।

◆ पीटीए की भूमिका होगी अहम, पारदर्शिता पर जोर

जानकारी के अनुसार शिक्षा विभाग की ओर से जारी अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि निजी स्कूल अब अभिभावकों को किसी एक विशेष दुकान से किताबें, कॉपियां या वर्दी खरीदने के लिए मजबूर नहीं कर सकेंगे। इसके साथ ही स्कूल किसी खास प्रकाशक की किताबें थोपने का दबाव भी नहीं बना पाएंगे। विभाग का कहना है कि अभिभावक अपनी सुविधा और सामर्थ्य के अनुसार खुले बाजार से सामग्री खरीदने के लिए स्वतंत्र होंगे।

सरकार ने निर्देश दिए हैं कि शैक्षणिक सत्र शुरू होने से पहले पीटीए के माध्यम से जनरल हाउस आयोजित किया जाएगा, जिसमें किताबों और वर्दी से जुड़े सभी निर्णय पारदर्शी तरीके से लिए जाएंगे। इन फैसलों को स्कूल के नोटिस बोर्ड और वेबसाइट पर सार्वजनिक करना अनिवार्य होगा, ताकि किसी भी तरह की भ्रम या दबाव की गुंजाइश न रहे। शिक्षा विभाग ने सभी उपनिदेशकों, स्कूल प्रबंधकों, प्रधानाचार्यों और मुख्याध्यापकों को इस संबंध में साफ दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं।

स्कूल खुद नहीं बेच सकेंगे किताबें और वर्दियां

अधिसूचना में यह भी साफ किया गया है कि कोई भी निजी स्कूल स्वयं किताबें, कॉपियां या वर्दी नहीं बेच सकेगा और न ही किसी खास दुकान से खरीदने के लिए अभिभावकों को बाध्य किया जाएगा। इसके अलावा स्कूल के प्रतीक चिन्ह वाली किताबें और कॉपियां खरीदने के लिए भी छात्रों पर कोई दबाव नहीं बनाया जा सकेगा।

लापरवाही की, तो रद्द हो सकती है एनओसी

शिक्षा निदेशालय ने चेतावनी दी है कि यदि कोई निजी स्कूल इन आदेशों की अवहेलना करता है या उसके खिलाफ शिकायत मिलती है, तो संबंधित स्कूल का अनापत्ति प्रमाण पत्र रद्द किया जा सकता है। विभाग ने दो टूक कहा है कि नियमों की अनदेखी करने वाले संस्थानों के लिए अब कोई नरमी नहीं बरती जाएगी।

जयराम ठाकुर बोले-सुक्खू सरकार खोखला मॉडल

अनंत ज्ञान

नगरोटा बगवां/देहरा। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने प्रदेश की बिगड़ती राजनीतिक और वित्तीय स्थिति पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए सीधे तौर पर मुख्यमंत्री सुक्खू के व्यवस्था परिवर्तन के नारे को एक खोखला मॉडल करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री की केवल सब कुछ बंद करने और बदलने की जिद ने आज हिमाचल को इस दयनीय मोड़ पर खड़ा कर दिया है।

उन्होंने तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री अपनी प्रशासनिक विफलताओं और गलत निर्णयों का ठीकरा अब केंद्र सरकार के बजट पर फोड़ने की नाकाम कोशिश कर रहे हैं, जबकि उन्हें अपनी ऊर्जा अगले माह पेश होने वाले प्रदेश के बजट पर केंद्रित करनी चाहिए।

जयराम ठाकुर को सम्मानित करते पार्टी कार्यकर्ता। अनंत ज्ञान

जयराम रविवार को दूसरे दिन नगरोटा बगवां विधानसभा क्षेत्र के बाबा बड़ोह मंडल और तत्पश्चात देहरा मंडल में भाजपा पदाधिकारियों के साथ महत्वपूर्ण बैठकों में शिरकत करने के दौरान बोल रहे थे।

उन्होंने जनता को आगाह किया कि सरकार अपनी नाकामियों का बोझ आम आदमी पर डालने की तैयारी में है। बजट से पहले ही बजट का रोना मुख्यमंत्री की भविष्य की विफलताओं की पूर्व-तैयारी है, जो यह दर्शाता है कि सरकार के पास विकास का कोई रोडमैप नहीं है। इस दौरान नगरोटा में पूर्व विधायक अरुण कुमार कुक्का और देहरा में भाजपा पूर्व कर्मचारी प्रकोष्ठ के कार्यक्रम में पूर्व विधायक होशियार सिंह और कर्मचारी नेता घनश्याम शर्मा भी साथ रहे।

अनुराग ने देहरा सीयू कैंपस का किया निरीक्षण

बोले-कैंपस में बिजली देने की प्रक्रिया में लाएं तेजी

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं हमीरपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद अनुराग ठाकुर ने रविवार को देहरा में निर्माणाधीन सेंट्रल यूनिवर्सिटी कैंपस का दौरा किया। उन्होंने निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए कैंपस में बिजली व पानी की व्यवस्था जल्द करने के निर्देश दिए। अनुराग ने एडीसी कांगड़ा को कैंपस में बिजली देने की प्रक्रिया में तेजी लाने तथा एक सप्ताह के भीतर स्टेटस रिपोर्ट जमा करवाने के निर्देश दिए। वहीं, सीपीडब्ल्यूडी अधिकारियों ने आश्वस्त किया कि सीयू कैंपस देहरा को मार्च से जून 2026 तक सौंप दिया जाएगा।

सीयू कैंपस का दौरा करते अनुराग। अनंत ज्ञान

निरीक्षण के दौरान सांसद ने निर्माण की गति और गुणवत्ता पर संतोष व्यक्त किया और कहा कि उनके पिछले दौरे के बाद से परियोजना में काफी सुधार और गति आई है। उन्होंने कहा कि अधिकांश इमारतें अब काफी हद तक पूरी हो चुकी हैं और रहने के लिए तैयार होने वाली हैं।

बिजली की प्रतिक्षित सीपीडब्ल्यूडी अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि कैंपस को मार्च और जून 2026 के बीच चरणबद्ध तरीके से सौंप दिया जाएगा। यह बताया गया कि कैंपस के लिए जल आपूर्ति योजना को राज्य सरकार द्वारा पहले ही मंजूरी दे दी गई है, लेकिन लगभग 10 करोड़ की अनुमानित लागत वाली बिजली आपूर्ति योजना के लिए वित्तीय मंजूरी अभी भी प्रतीक्षित है। कैंपस की टेस्टिंग, कमीशनिंग और पूरी कार्यक्षमता के लिए बिजली और पानी दोनों की उपलब्धता आवश्यक है।

मामले को गंभीरता से लेते हुए, सांसद ने कहा कि कैंपस को बिजली और पानी की आपूर्ति की व्यवस्था करना राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। उन्होंने इसके अनुसार एडीसी कांगड़ा को सीयूएची कैंपस में बिजली देने की प्रक्रिया में तेजी लाने और एक हफ्ते के अंदर स्टेटस रिपोर्ट जमा करने का निर्देश दिया। सांसद ने संबंधित अधिकारियों को कैंपस के जल्दी आंशिक रूप से चालू होने में मदद करने के लिए अस्थायी बिजली कनेक्शन देने की संभावना तलाशने का भी निर्देश दिया। इसके अलावा सांसद ने जल शक्ति विभाग को जून 2026 तक जल आपूर्ति योजना पूरी करने का निर्देश दिया।

सीयू के वीसी प्रो. सत प्रकाश बंसल ने अधिकारियों से कहा कि नए बने भवनों में अगले शैक्षणिक सत्र से शैक्षणिक गतिविधियां शुरू करने की योजना है और प्रशासनिक ब्लॉक को भी जल्द ही देहरा कैंपस में स्थानांतरित कर दिया जाएगा, जो स्थायी कैंपस के पूरी तरह से चालू होने की दिशा में एक बड़ा कदम होगा। उन्होंने कहा कि पूरी तरह से विकसित स्थायी कैंपस की उपलब्धता विश्वविद्यालय की प्रगति को और तेज करेगी और उच्च शिक्षा और अनुसंधान में इसके योगदान को मजबूत करेगी।

सुंदरनगर पुलिस ने 3.293 ग्राम चिट्टे समेत दो दबोचे

आरोपी पुलिस टीम के साथ। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर। डीएसपी भारत भूषण के नेतृत्व में नशे के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान में पुलिस थाना सुंदरनगर को सफलता मिली है। पुलिस टीम ने किरतपुर-मनाली फोरलेन, धनेसरी में पेट्रोलिंग के दौरान दो युवकों के कब्जे से 3.293 ग्राम चिट्टा बरामद किया।

अभियान में शामिल अधिकारी एसआई दौलत राम, मुख्य आरक्षी हंसराज, आरक्षी कुलदीप और सतीश ने आरोपी विक्रम पुत्र सुंदर राम, खुराहल, मंडी और डिंपल पुत्र रोशन लाल, बैरी राजदियां, बिलासपुर को गिरफ्तार किया। दोनों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 और 29 के तहत एफआईआर दर्ज की गई है।

एसपी मंडी विनोद कुमार ने कहा कि जिला पुलिस नशे के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई कर रही है और तस्करी में संलिप्त किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे नशे से दूर रहें और नशे से जुड़ी किसी भी जानकारी पर तुरंत पुलिस को सूचित करें। अभियान भविष्य में इसी तरह जारी रहेगा।

हिमाचल में जनजातीय अधिकारों की हुंकार

शिमला में महासंघ का गठन, अधिकारों की रक्षा का लिया गया संकल्प

अनंत ज्ञान

सोलन। हिमाचल प्रदेश के जनजातीय समाज के नैसर्गिक, संवैधानिक एवं सांस्कृतिक अधिकारों की रक्षा तथा सुरक्षित भविष्य के उद्देश्य से शिमला में एक महत्वपूर्ण जनजातीय सम्मेलन का सफल आयोजन किया गया। यह सम्मेलन हिमालय जनजातीय लोक अधिकार महासंघ के गठन एवं उसकी कार्यकारिणी के चयन हेतु आयोजित किया गया, जिसकी अध्यक्षता देव भगत नेगी ने की।

सम्मेलन को संबोधित करते हुए महासंघ के महा सचिव भगत सिंह किन्नर ने कहा कि किन्नौर, लाहौल-स्पीति तथा चंबा जिले के पांगी-भरमौर जैसे जनजातीय क्षेत्र हजारों वर्षों से अपनी विशिष्ट सभ्यता, संस्कृति, भाषा, धर्म एवं परंपराओं को संरक्षित करते आए हैं। उन्होंने कहा कि जनजातीय समाज और श्रमजीवी वर्ग के योगदान के बिना हिमाचल प्रदेश की सामाजिक-सांस्कृतिक पहचान अधूरी है।

भगत सिंह किन्नर ने जनजातीय समाज के समक्ष वर्तमान समय में खड़ी गंभीर चुनौतियों पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि संविधान प्रदत्त अधिकारों, विशेषकर आरक्षण व्यवस्था के विरुद्ध फैलाया जा रहा दुष्प्रचार अत्यंत चिंताजनक है। साथ ही सरकारी एवं गैर-सरकारी सेवा क्षेत्रों में जनजातीय समुदाय से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ हो रहा भेदभाव एक कटु वास्तविकता बनता जा रहा है।

हिमालय जनजातीय लोक अधिकार महासंघ की नई कार्यकारिणी। अनंत ज्ञान

सम्मेलन में जनजातीय समाज के प्राकृतिक संसाधनों को बाहरी पूंजीवादी शक्तियों से बचाने, पारंपरिक पहचान के संरक्षण तथा संवैधानिक अधिकारों की सुनिश्चितता जैसे विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया गया। महासंघ ने प्रदेश के सभी जनजातीय सामाजिक, सांस्कृतिक, युवा एवं महिला संगठनों तथा प्रबुद्ध बुद्धिजीवियों से एकजुट होकर जनजातीय आंदोलन को सशक्त बनाने का आह्वान किया।

लाहौल-स्पीति एवं पांगी-भरमौर सहित विभिन्न जनजातीय क्षेत्रों से शिमला पहुंचे सभी भाई-बहनों के प्रति आभार व्यक्त किया गया। नव-चयनित पदाधिकारियों ने इस सम्मेलन को जनजातीय समाज के अस्तित्व, स्वाभिमान और भयमुक्त भविष्य के लिए नवजागरण का शंखनाद बताया।

पहचान | मुख्यमंत्री के भरोसेमंद प्रोजेक्ट-हैंडलर के रूप में उभर कर सामने आए राजेश धर्माणी

घुमारवीं में काम; सरकार में कमान, धर्माणी पर सुक्खू का भरोसा

अनंत ज्ञान

अरुण डोगरा रीतू, बिलासपुर। हिमाचल प्रदेश की सियासत में कुछ चेहरे शोर से पहचान बनाते हैं और कुछ काम से। घुमारवीं विधानसभा क्षेत्र से विधायक और तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी आज दूसरे वर्ग में मजबूती से खड़े नजर आते हैं। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की सरकार में धर्माणी न केवल एक विभागीय मंत्री हैं, बल्कि उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जिन पर सरकार मैदानी और रणनीतिक दोनों स्तरों पर जिम्मेदारियां निभाने का भरोसा करती है।

घुमारवीं विधानसभा क्षेत्र में विकास कार्यों की निरंतरता ने यह साफ कर दिया है कि यहां योजनाएं कागजों तक सीमित नहीं, बल्कि जमीन पर उतर रही हैं। सड़क, शिक्षा, संस्थागत ढांचा और क्षेत्रीय संतुलन, हर मोर्चे पर काम दिखाई देता है। यही वजह है कि क्षेत्र में विकास को लेकर विपक्ष के पास न सवाल हैं और न ही कोई ठोस आरोप। राजनीतिक शोर के बजाय यहां विकास खुद बोलता नजर आता है।

अनंत ज्ञान स्पैशल

तकनीकी शिक्षा मंत्री के रूप में राजेश धर्माणी ऐसे विभाग की कमान संभाल रहे हैं, जो सीधे तौर पर प्रदेश के युवाओं, रोजगार और औद्योगिक भविष्य से जुड़ा है। आईटीआई और पॉलिटेक्निक संस्थानों को सशक्त करना, तकनीकी पाठ्यक्रमों को समय के अनुरूप बनाना और युवाओं को हुनर आधारित शिक्षा से जोड़ना सरकार की प्राथमिकताओं में शामिल है और इस मोर्चे पर धर्माणी की सक्रियता और पकड़ साफ दिखाई देती है। बीते दिनों मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू की सरकार में राजेश धर्माणी को केवल विभागीय दायित्वों तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि 'न्यू हिमाचल' की परिकल्पना से जुड़े कई अहम प्रोजेक्ट्स की जिम्मेदारी भी उन्हें सौंपी गई। इसके तहत धर्माणी ने नई दिल्ली में राष्ट्रीय स्तर के उच्च एवं तकनीकी शिक्षा संस्थानों से जुड़े विषयों पर राज्य का पक्ष मजबूती से रखा। वहीं बेंगलुरु और कर्नाटक में बायोएनर्जी तथा कौशल विकास के सफल मॉडलों का गहन अध्ययन किया, ताकि उन्हें हिमाचल की भौगोलिक और सामाजिक परिस्थितियों के अनुरूप लागू किया जा सके।

यहीं नहीं, मुख्यमंत्री ने हिमुडा के माध्यम से नई टाउनशिप, नियोजित शहरी विकास और भविष्य की शहरी आवश्यकताओं से जुड़े कार्यों के समन्वय में भी राजेश धर्माणी को महत्वपूर्ण भूमिका दी है। शिक्षा, कौशल, ऊर्जा और शहरी विकास जैसे विविध और संवेदनशील क्षेत्रों में सौंपी गई ये जिम्मेदारियां इस बात का स्पष्ट संकेत हैं कि राजेश धर्माणी आज सरकार में सिर्फ एक मंत्री नहीं, बल्कि मुख्यमंत्री के भरोसेमंद प्रोजेक्ट-हैंडलर के रूप में उभर कर सामने आए हैं।

मुख्यमंत्री सुक्खू का यह भरोसा केवल बयानबाजी तक सीमित नहीं है। कई अहम मौकों पर धर्माणी को फील्ड-लेवल समन्वय और जमीनी क्रियान्वयन की जिम्मेदारी दी गई है, जो इस बात का संकेत है कि सरकार जिनसे परिणाम चाहती है, वही नेतृत्व के केंद्र में हैं।

घुमारवीं में विकास की राजनीति, विपक्ष बेअसर

जहां एक ओर कांग्रेस सरकार अपने मंत्रियों के जरिए काम के आधार पर पहचान बना रही है, वहीं घुमारवीं में विपक्ष की स्थिति खामोशी में सिमटी नजर आती है। विकास कार्यों पर सवाल उठाने के बजाय विपक्ष या तो मौन है या मुद्दों से भटकने की कोशिश करता दिखता है। राजेश धर्माणी की कार्यशैली आक्रामक भाषणों से ज्यादा आक्रामक काम पर आधारित रही है। यही कारण है कि वे आज न केवल घुमारवीं के लोकप्रिय विधायक हैं, बल्कि सरकार के भीतर भी एक ऐसे नेता के रूप में स्थापित हो चुके हैं, जिस पर जिम्मेदारी भी है और भरोसा भी।

प्रदेश के पैसे से एक भी विकास कार्य किया हो तो बताएं सीएम : डॉ. बिंदल

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। जिला कांगड़ा दौरे पर आए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. राजीव बिंदल ने प्रदेश की सुक्खू सरकार पर बड़ा हमला बोला है। सत्ता प्राप्ति के लिए कई आडंबर करने वाली प्रदेश की सुक्खू सरकार, प्रदेश में एक भी विकास कार्य अपने पैसे से नहीं करवा पाई है। सरकार का साढ़े तीन साल का कार्यकाल केवल केंद्र सरकार और भाजपा को कोसने में बित गया है।

प्रदेश की सुक्खू सरकार की एक भी उपलब्धि नहीं है, जिसे जनता के सामने रख सकें, जबकि केंद्र सरकार के खिलाफ नेरेटिव खड़ा करने में सरकार जुटी हुई है। रविवार को धर्मशाला में प्रेसवार्ता में बिंदल ने कहा कि सूक्खू सरकार ने केवल तालाबंदी का काम किया है, फिर चाहे स्कूल-कालेज हों या फिर पीएचसी। उन्होंने दावा किया कि प्रदेश के गांवों में निर्मित सड़कें प्रिधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, सेंट्रल फंड या फिर आपदा के तहत मिली राशि से बनी हैं। हर गांव में एक से दो बस रूट बंद कर दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की नींव झूठ पर रखी गई है सरकार रेत का महल है। प्रदेश की महिलाएं सरकार की घोषणा के तहत अब तक 1500 रुपए की एवज 60 हजार रुपए का इंतजार कर रही हैं।

डॉ. राजीव बिंदल धर्मशाला में प्रेसवार्ता करते हुए। अनंत ज्ञान

बिंदल ने आरोप लगाया कि पूर्व यूपीए सरकार में 22 लाख करोड़ रुपए के घोटाले सामने आए थे, जिससे उस समय के बजट प्रभावित हुए, जबकि मोदी सरकार ने डिजिटल माध्यम से लाभार्थियों तक राशि पहुंचाने का काम किया है। यूपीए सरकार के समय जो प्रति व्यक्ति आय 80 हजार थी, जो अब बढ़कर 2 लाख से अधिक प्रति व्यक्ति हो गई है।

यूपीए सरकार के समय हिमाचल को करों के हिस्से के रूप में 12600 करोड़ मिले, जबकि मोदी सरकार में यह राशि 73800 करोड़ हो गई। यूपीए सरकार में हिमाचल को 50 हजार करोड़ रुपए का अनुदान मिलता था, जो अब एक लाख 4 हजार करोड़ हो गया है, जिसमें 54000 करोड़ की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सत्ता प्राप्ति के लिए आडंबर करने वाली कांग्रेस को प्रदेश की जनता आईना दिखाएगी।

पल्स मेडिसिटी मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल ने लगाया रक्तदान शिविर

शिविर में रक्तदान करते रक्तदाता। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। पल्स मेडिसिटी मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल शाहपुर ने भगवान बुद्ध चैरिटेबल ब्लड बैंक कांगड़ा के सहयोग से रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

शिविर में रक्तदाताओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और मानव सेवा में अपना अमूल्य योगदान दिया। पल्स मेडिसिटी मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल शाहपुर ने प्रशासन ने सभी रक्तदाताओं, स्वयंसेवकों, चिकित्सा टीम एवं आयोजन से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति का धन्यवाद किया। पल्स मेडिसिटी मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल शाहपुर के प्रबंध निदेशक डॉ. रिपिन हीरा का यह उद्देश्य है कि आम जन मानस को आधुनिक स्तर की चिकित्सीय सुविधाओं का समय पर लाभ मिलता रहे इसी उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए पल्स मेडिसिटी मल्टी स्पेशियलिटी हॉस्पिटल शाहपुर आस पास की पंचायतों में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर भी आयोजित करता है जिसमें निशुल्क चिकित्सीय परामर्श, नि:शुल्क लैब टेस्ट की चांच और नि:शुल्क दवाइयों का भी वितरण किया जाता है।

सुख शिक्षा योजना में धर्मशाला कांगड़ा ब्लॉक से जीरो आवेदन

कांगड़ा के आधा दर्जन ब्लॉक दहाई के अंक से भी दूर, योजना में आवेदन न होने व कम होने के पूछे कारण

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। इंदिरा गांधी सुख शिक्षा योजना में धर्मशाला व कांगड़ा ब्लॉक से 18 से 27 आयु वर्ग में एक भी आवेदन नहीं पाया गया है। इतना ही नहीं कांगड़ा जिले के आधा दर्जन से अधिक ब्लॉक दहाई के अंक से भी दूर रह गए हैं।

यह खुलासा जिला कांगड़ा मुख्यालय धर्मशाला में हाल ही में आयोजित जिला कल्याण समिति की वार्षिक बैठक में हुआ है। योजना में आवेदन न होने व कम होने के जिला कल्याण समिति के अध्यक्ष संजय रत्न और उपायुक्त कांगड़ा हेमराज बैरवा ने संबंधित विभाग से इसके कारण पूछे हैं। साथ ही इस संबंध में गहन जांच

◆ योजना को धरातल पर पहुंचाने के दिए निर्देश

पड़ताल करने के निर्देश जारी किए गए हैं। इसके अलावा योजना को धरातल पर पहुंचाने के लिए व्यापक कार्य करने के दिशा-निर्देश भी दिए गए हैं। गौरतलब है कि इंदिरा गांधी सुख शिक्षा योजना के तहत प्रदेश के स्थाई निवासी विधवा, तलाकशुदा व परित्यक्ता महिला व जिसके पति पिछले साल साल से लापता हों या 70 प्रतिशत दिव्यांगता वाले माता-पिता जिनकी आय एक लाख से अधिक न हो, के जीरो से 18 साल तक के बच्चों को एक हजार रुपए प्रतिमाह प्रदान किया जाता है। इसके तहत 18 वर्ष तक की आयु के पांच हजार 424 बच्चों को छह करोड़ 33 लाख 48 हजार रुपए प्रदान किए गए हैं। 18 से 27 आयु वर्ग के बच्चों को सरकारी संस्थान में उच्च शिक्षा एवं छात्रावास के लिए समस्त खर्च प्रदान किया जाता है। 18 से 27 वर्ष आयु वर्ग के 275 बच्चों को 21 लाख नौ हजार रुपए की सहायता राशि प्रदान की गई है। इसी वर्ग में जिले में चौंकाने वाले आंकड़े भी सामने आए हैं। इसमें 18 से 27 आयु वर्ग में उच्च शिक्षा प्राप्त करने में धर्मशाला ब्लॉक से शून्य, कांगड़ा से शून्य, भवारना से एक, देहरा से दो, इंदौरा से एक, नगरोटा सूरियां से एक व पंचरुखी से भी मात्र एक ही आवेदन आया है। ऐसे में उक्त आंकड़ें को देखकर समिति के अध्यक्ष एवं डीसी कांगड़ा भी सकते में आ गए। उन्होंने महिला एवं बाल विकास विभाग से उचित जांच पड़ताल करने की बात रखी है। संजय रत्न ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि पंचायत स्तर तक व्यापक जागरुकता शिविर आयोजित किए जाएं, जिनमें विभिन्न योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया और आवश्यक दस्तावेजों की जानकारी सरल एवं सहज भाषा में जनता तक पहुंचाई जाए। उन्होंने कहा कि स्कूलों, कॉलेजों, आईटीआई, पॉलिटेक्निक एवं अन्य शैक्षणिक संस्थानों में विद्यार्थियों को सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी जाए।

बाल कलाकार आशवी ने की नेता प्रतिपक्ष जयराम से भेंट

पूर्व विधायक रवि धीमान भी मौजूद रहे। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

अजय पाल, पालमपुर। प्रदेश की बाल कलाकार आशवी धीमान ने नेता प्रतिपक्ष एवं प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर से शिष्टाचार भेंट की और उनका आशीर्वाद प्राप्त किया।

इस अवसर पर पूर्व मुख्यमंत्री ने आशवी की छोटी आयु में हिमाचल की संस्कृति विरासत को बढ़ावा देने के प्रयासों की सराहना की तथा उनके उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी। आशवी धीमान हिमाचल की उभरती हुई बाल कलाकार हैं, जिन्हें सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से राज्य की लोककला को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने में योगदान मिला है। पमंडल पालमपुर के पंचरुखी की रहने वाली आशवी ने 18 महीना में 150 अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय पुरस्कार अपने नाम कर लिए हैं। इस दौरान विधानसभा जयसिंहपुर के पूर्व विधायक रवि धीमान भी मौजूद रहे।

दौलतपुर में जिला कांगड़ा पेंशनर्स संघ की ब्लॉक स्तरीय बैठक आयोजित

पेंशनर्स के ज्वलंत मुद्दों पर मंथन

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। जिला कांगड़ा पेंशनर्स संघ की खंड कांगड़ा की महत्वपूर्ण ब्लॉक स्तरीय बैठक दौलतपुर में आयोजित की गई, जिसमें बड़ी संख्या में पेंशनर्स ने भाग लेकर संगठन की एकजुटता और सजगता का परिचय दिया।

बैठक से पूर्व स्वर्ग सिधार चुकी दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। बैठक में पेंशनर्स से जुड़े ज्वलंत मुद्दों, विशेषकर बुजुर्ग पेंशनर्स को पेश आ रही प्रशासनिक दिक्कतों, पेंशन संबंधी अड़चनों एवं लंबित देयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। समस्याओं के ठोस और व्यावहारिक समाधान सुनिश्चित करने को लेकर गंभीर चर्चा हुई। जिला कांगड़ा पेंशनर्स संघ के मुख्य सलाहकार पुरुषोत्तम सिंह तथा पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन, हिमाचल प्रदेश के राज्य वरिष्ठ उपाध्यक्ष एवं हिमाचल प्रदेश पेंशनर्स ज्वाइंट फ्रंट के राज्य प्रवक्ता कल्याण भंडारी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कल्याण भंडारी ने संगठन को जमीनी स्तर पर और अधिक सशक्त बनाने पर बल देते हुए कहा कि पेंशनर्स संघ के प्रत्येक सक्रिय सदस्य की यह नैतिक और सामाजिक जिम्मेदारी है कि वे विशेष रूप से बुजुर्ग पेंशनर्स को उनके पेंशन संबंधी अधिकारों, सुविधाओं एवं सरकारी अधिसूचनाओं की पूरी जानकारी दें और समयबद्ध कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने स्पष्ट रूप से कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के पेंशनभोगियों को सरकारी अधिसूचना के अनुरूप उनके शेष 30 प्रतिशत बकाया राशि का भुगतान वास्तव में हुआ है या नहीं, केवल कागजी दावे स्वीकार्य नहीं होंगे। साथ ही, वर्ष 2016 से 2022 के बीच सेवानिवृत्त हुए चतुर्थ श्रेणी पेंशनर्स के मामले में यह जांचना अनिवार्य बताया गया कि क्या उनके अवकाश नकदीकरण एवं ग्रेच्युटी के बिल संबंधित विभागों द्वारा ट्रेज़री में जमा किए गए हैं या नहीं, ताकि अनावश्यक देरी और शोषण को रोका जा सके।

नंद लाल को ब्लॉक अध्यक्ष की कमान

बैठक में ब्लॉक अध्यक्ष सरदार पुरुषोत्तम सिंह धन्ना ने अपने स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए अध्यक्ष पद की जिम्मेदारी निभाने में असमर्थता जताई और स्वेच्छा से पद से हटने की इच्छा व्यक्त की। उन्होंने जल शक्ति विभाग से सेवानिवृत्त नंद लाल के नाम का प्रस्ताव रखा, जिसे सदन ने सर्वसम्मति से अनुमोदित किया। नंद लाल को जिला कांगड़ा पेंशनर्स संघ का नया ब्लॉक अध्यक्ष निर्वाचित घोषित किया गया।

पहाड़ी क्षेत्रों की समस्याओं पर 10-11 को होगी बैठक

अनंत ज्ञान, बैजनाथ। पर्वतीय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, भारत की लोक जिम्मेदार पार्टी के राष्ट्रीय महामंत्री तथा भारत गठबंधन के राष्ट्रीय सह संयोजक जीवन चंद उप्रेती ने बताया कि हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और उत्तराखंड की अनेक ज्वलंत समस्याओं के समाधान में वर्तमान सरकारें निकाम साबि त हुई हैं। ऐसे में पर्वतीय क्षेत्रों की समस्याओं के स्थायी समाधान और आदर्श राजनीतिक व सामाजिक व्यवस्था स्थापित करने के उद्देश्य से 10 व 11 फरवरी को जगदीश होटल, लाल कुआं (उत्तराखंड) में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित होगी। इसमें हिमाचल-उत्तराखंड मिशन 2027 की रुपरेखा पर विस्तृत विचार-विमर्श किया जाएगा। साथ ही आदर्श समाज निर्माण, सहकारिता के माध्यम से ग्राम स्वराज व्यवस्था, ग्रामीण उद्योगों का विकास, महिला सशक्तिकरण, नशावंदी और चकबंदी जैसे विषयों पर चर्चा होगी।

377 लोगों ने करवाई आंखों की जांच

भविष्य में भी चिकित्सा शिविर, शिक्षा से जुड़े कार्यक्रम और रोजगार मेले होंगे आयोजित: पराशर

अनंत ज्ञान

चिकित्सा शिविर में आंखों की जांच करवाने पहुंचे लोग। अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। शांतला गांव में रविवार को आंखों की जांच के लिए शिविर लगाया गया। जसवां-परागपुर क्षेत्र को मोतियाबिंद मुक्त बनाने के संकल्प के साथ कैप्टन संजय पराशर द्वारा समाज कल्याण सैनिक सभा के सहयोग से आयोजित किए नि:शुल्क नेत्र चिकित्सा शिविर ने आंखों की जांच का अवसर दिया और यह भरोसा भी जगाया कि समाज में आज भी ऐसे व्यक्तित्व हैं, जो समाज के अंतिम पायदान पर खड़े आदमी की पीड़ा को समझते हैं और उसे दूर करने के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। संजय पराशर ने कैंप में लाभार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि कई बुजुर्ग आर्थिक तंगी के कारण समय पर इलाज नहीं करवा पाते, जिसके चलते छोटी-सी बीमारी धीरे-धीरे अंधेपन में बदल जाती है। इसी पीड़ा को समझते हुए उन्होंने करीब पांच वर्ष पूर्व नि:शुल्क चिकित्सा शिविरों का अभियान शुरू किया था, जो आज भी पूरी संवेदनशीलता और समर्पण के साथ जारी है।

संजय पराशर ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार किसी भी समाज की रीढ़ होते हैं और जब तक इन तीनों क्षेत्रों में मजबूती नहीं आएगी, तब तक विकास अधूरा रहेगा। इसी सोच के तहत भविष्य में भी ऐसे चिकित्सा शिविर, शिक्षा से जुड़े कार्यक्रम और रोजगार मेले लगातार आयोजित किए जाते रहेंगे। शिविर के दौरान कुल 377 मरीजों की आंखों की जांच की गई, जिनमें 47 मरीजों में मोतियाबिंद की पुष्टि हुई। संजय पराशर के सौजन्य से इन सभी मरीजों के ऑपरेशन जालंधर स्थित एक निजी अस्पताल में करवाए जाएंगे। 308 लोगों को नि:शुल्क चश्मे प्रदान किए गए। शिविर में 107 लोगों ने बीपी और शुगर की जांच भी करवाई। समाज कल्याण

◆ कैप्टन संजय पराशर और समाज कल्याण सैनिक सभा के संयुक्त तत्वावधान में लगाया शिविर

सैनिक सभा से सेवानिवृत्त कर्नल विपिन शर्मा ने भी कहा कि संजय पराशर लंबे समय से सामाजिक सरोकारों को लेकर इस क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि आज के समय में जब अधिकांश लोग केवल अपने हितों तक सीमित हो गए हैं, तब संजय पराशर जैसे लोग समाज के लिए प्रेरणा बनकर सामने आते हैं। इस अवसर पर वेदप्रकाश प्रभाकर, नेरश राणा, अजीत कुमार, राजीव, प्रदीप, केवल कृष्ण, किशोरी लाल, लक्की ठाकुर, अरविंद, गुरमीत राणा, डा. सुनील, हर्ष भारद्वाज, सक्षम, सचिन, उदय और विजय कुमार भी उपस्थित रहे।

आरडीजी बंद करने का पूरे देश के लिए नीतिगत निर्णय: सुधीर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट (आरडीजी) केवल हिमाचल के लिए बंद नहीं हुई, बल्कि यह नीतिगत निर्णय पूरे देश के लिए हुआ है। यह बात धर्मशाला के विधायक सुधीर शर्मा ने पत्रकारों से अनौचारिक बातचीत में कही। सुधीर ने कहा कि पिछले वित्त आयोग 12,13,14 व 15 इस ओर बढ़ रहे थे तथा राज्यों को बार-बार यह बताया गया था कि आरडीजी राज्यों के लिए बंद कर दी जाएगी। कर्नाटक में कांग्रेस की सरकार है, जबकि कर्नाटक ने आरडीजी बंद करने की बात कही थी। सुधीर शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री ने स्वयं कहा था कि वर्ष 2027 में हिमाचल आत्मनिर्भर हो जाएगा, अब उनके कार्यकाल का एक ही वर्ष बचा है, ऐसे में सरकार कुछ न कुछ कर रही होगी। यही नहीं सीएम ने वर्ष 2032 में हिमाचल के सबसे अमीर राज्य होने की बात कही थी, ऐसे में सरकार इस दिशा में कुछ तो कर रही होगी। सीएम को उक्त बातों के संबंध में अपने रोड़मैप को जनता के सामने रखना चाहिए। अब सीएम जनता को संघर्ष के लिए तैयार रहने की बात कह रहे हैं, सुधीर ने कहा कि जनता ने संघर्ष ही करना है तो जनता सरकार क्यों चुनेगी। प्रजातंत्र में लोकहित के लिए सरकारें बनती हैं। मुख्यमंत्री ने प्रदेश की स्थिति बहुत ही हास्यास्पद बनाकर रख दी है।

वित्त सचिव का विधायक को चिट्ठी लिखने का नहीं प्रोटोकाल: सुधीर ने कहा कि अब सीएम कह रहे हैं कि सर्वदलीय बैठक की जाएगी, उसकी चिट्ठी वित्त सचिव निकाल रहे हैं, जबकि वित्त सचिव का विधायक को चिट्ठी लिखने का कोई प्रोटोकॉल नहीं है। वित्त सचिव केवल निवेदन कर रहे हैं विधानसभा सचिव से कि ऑल पार्टी मीट बुलाइए, जिसके लिए सबसे पहले नेता प्रतिपक्ष से सबसे पहले बात होती है। सुधीर ने आरोप लगाया कि प्रदेश सरकार प्रोटोकॉल फॉलो न करके जनता में यह भ्रम फैलाने का प्रयास कर रही है कि केवल हिमाचल की ही आरडीजी बंद हुई है।

कॉम्पिटेटिव एग्जाम पास करने वाले मेधावी नवाजे

परीक्षा में दसवीं और बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने लिया भाग। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

जवाली। स्प्रिंग डेल कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल जवाली में द न्यूज राडार (गुरु स्टडी सेंटर धर्मशाला) की ओर से जिला कांगड़ा के कई स्कूल में कॉम्पिटेटिव एग्जाम की परीक्षा ले गई थी। इसमें दसवीं तथा बारहवीं कक्षा के बच्चों ने भाग लिया। इस परीक्षा में 12वीं के छात्र-छात्राओं श्रुति, रसम, इशिता, रिजूल, रिंपी, अंशिका मनकोटिया, अंशिका तथा दसवीं के बच्चों आदित्य, धैर्य, आशनीत, आयुष भारद्वाज, एकांश, समरपरीत ने अपने कड़ी मेहनत और लगन से पूरे कांगड़ा जोन में परीक्षा को उत्तीर्ण किया। परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले बच्चों को सम्मानित करने के लिए धर्मशाला ऑडिटोरियम में आमंत्रित किया गया।

इस परीक्षा को उत्तीर्ण करने पर न्यूज राडार की ओर से उन्हें ट्रॉफी तथा प्रशंसनीय पत्र प्रदान किए गए। पूरे कांगड़ा जोन में परीक्षा अध्ययन कर छात्र-छात्राओं में माता-पिता व स्कूल का नाम रोशन किया है। प्रधानाचार्य डॉक्टर राजीव सिंह निरयाल, अध्यक्ष डॉ. राजेंद्र, एमडी पवन चौधरी तथा अन्य कमिटी मेंबर्स ने बच्चों की खुशी को दुगना करते हुए उन्हें बधाई देते हुए उन्हें इसी तरह आगे बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित किया। साथ ही बाकी बच्चों को भी प्रेरित करते हुए बताया कि यह स्कूल के लिए नहीं बल्कि जवाली सिटी के लिए भी बहुत बड़ी उपलब्धि है।

अक्षेणा मंदिर ननाओं में जिलास्तरीय शिवरात्रि महोत्सव 15 से

अनंत ज्ञान, डरोह। सुलह विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत अक्षेणा मंदिर ननाओं में जिलास्तरीय शिवरात्री महोत्सव 15 से 17 फरवरी तक मनाया जा रहा है। मेला कमेटी प्रधान प्रभात परमार, महासचिव सुरजीत परमार ने बताया कि शिवरात्री महोत्सव का शुभारंभ एसडीएम पालमपुर डॉ. ओपी यादव 15 फरवरी को प्रात: 11.00 बजे करेंगे। मेले का समापन 17 फरवरी को सायं 3 बजे विधायक सुलह एवं पूर्व विधानसभा अध्यक्ष विपिन सिंह परमार द्वारा किया जाएगा। मेले में विभिन्न विभागों द्वारा प्रदर्शनियां लगाई जाएंगी, साथ ही वॉलीबाल व कबड्डी के मैच भी करवाए जाएंगे। लोक गायकों द्वारा भी मनोरंजन किया जाएगा। इसमें पूनम भारद्वाज सांस्कृतिक प्रस्तुति देंगी। खेलों के लिए एंट्री फीस वॉलीबाल की 1000 व कबड्डी 500 रुपए रखी गई है। वहीं, वॉलीबाल में प्रथम पुरस्कार विजेता को 15000 व उपविजेता को 11000 दिया जाएगा। कबड्डी में विजेता को 11000 व उपविजेता को 8000 की नकद राशि व स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया जाएगा। कमेटी सदस्यों ने बताया कि एंट्री फीस 15 फरवरी को शाम 5 बजे तक ली जाएगी। सभी खिलाड़ियों एवं अतिथियों के लिए खाने की व्यवस्था भी मंदिर में सुचारु रूप से रहेगी।

अधूरे भवन, ठप योजनाएं और अदालतों में उलझी सरकार: परमार

अनंत ज्ञान

राकेश डोगरा, डरोह। प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष एवं विधायक सुलह विपिन सिंह परमार ने कहा कि प्रदेश सरकार आज जिस तथाकथित व्यवस्था परिवर्तन का ढोल पीट रही है, उसकी वास्तविक तस्वीर सुलह विधानसभा क्षेत्र की जमीन पर खड़ी अधूरी इमारतों, ठप पड़ी योजनाओं और जर्जर ढांचों में साफ दिखाई देती है।

ये अधूरे भवन केवल प्रशासनिक विफलता नहीं हैं, बल्कि जनता के साथ किया गया खुला और सुनियोजित विश्वासघात हैं। अखबारों में प्रकाशित एक के बाद एक रिपोर्ट यह प्रमाणित करती है कि सुलह क्षेत्र में पंचायत भवनों से लेकर आईटीआई, किसान भवन, अस्पतालों के अतिरिक्त भवन और फार्मेसी कॉलेज जैसी लगभग हर महत्वपूर्ण योजना भारतीय जनता पार्टी के शासनकाल में स्वीकृत हुई, लेकिन कांग्रेस सरकार ने सत्ता में आते ही इन योजनाओं को या तो ठंडे बस्ते में डाल दिया या जानबूझकर अधर में लटका दिया। सुलह विधानसभा क्षेत्र में गठित 14 नई पंचायतों को बने पांच वर्ष से अधिक का समय बीत चुका है। पूर्व भाजपा सरकार ने हर पंचायत के लिए 33-33 लाख रुपए की राशि स्वीकृत की थी। कई पंचायतों में निर्माण कार्य शुरू भी हुआ, लेकिन कांग्रेस सरकार की निष्क्रियता के कारण आज भी पंचायतें किराए के कमरों, निजी भवनों या अस्थायी स्थानों से चल रही हैं। यह केवल लापरवाही नहीं, बल्कि पंचायती राज व्यवस्था को कमजोर करने का सुनियोजित प्रयास है। आईटीआई रंघू युवाओं के भविष्य पर कांग्रेस का ताला 2019 में भाजपा सरकार ने रंघू में आईटीआई की स्थापना की। 11.78 करोड़ का बजट स्वीकृत हुआ, 460.21 लाख रुपए की पहली किस्त जारी हुई और भवन निर्माण शुरू हुआ, लेकिन आज 3 साल बाद भी भवन मात्र 30 प्रतिशत ही बन पाया है। कांग्रेस सरकार ने युवाओं के भविष्य के साथ सीधा खिलवाड़ किया। परमार ने कहा कि भाजपा ने विकास की नींव रखी, कांग्रेस ने उस विकास को रोक दिया।

जीजीडीएसडी कॉलेज में 'एआई फॉर आत्मनिर्भर भारत' पर व्याख्यान

अनंत ज्ञान

एआई क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार के अवसरों की दी जानकारी। अनंत ज्ञान

पालमपुर। गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म महाविद्यालय राजपुर के इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल की ओर से एआई फॉर आत्मनिर्भर भारत: एचईआई प्री-समिट एंगेजमेंट्स टुवर्ड्स इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के अंतर्गत एक विशेष व्याख्यान का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम मिनिस्ट्री ऑफ एजुकेशन इनोवेशन सेल तथा ऑल इंडिया काउंसिल फॉर टेक्निकल एजुकेशन के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया।

इसमें वी क्रिएट प्रॉब्लम्स कंपनी के सीनियर सॉफ्टवेयर इंजीनियर आदित्य शर्मा मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने हाउ स्टूडेंट्स कैन लर्न आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस : ए गाइड टू लर्निंग पाथ्स एंड एसेंशियल टूल्स विषय पर विद्यार्थियों को विस्तार से जानकारी दी। साथ ही उन्होंने एआई क्षेत्र में उपलब्ध रोजगार के अवसरों और भविष्य की संभावनाओं के बारे में भी मार्गदर्शन प्रदान किया। महाविद्यालय के निदेशक एवं प्रधानाचार्य डॉ. विवेक शर्मा ने इस अवसर पर कहा कि आईआईसी के अंतर्गत आयोजित ऐसी गतिविधियां विद्यार्थियों के कौशल विकास और करियर निर्माण में अत्यंत सहायक सिद्ध होती हैं।

संदीप जोशी एएसआई पद पर पदोन्नत

जितेंद्र कौशल, अनंत ज्ञान, बैजनाथ। पुलिस थाना बैजनाथ में कार्यरत संदीप जोशी के पुलिस विभाग में सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) पद पर पदोन्नत हुए हैं। इस अवसर पर थाना परिसर में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें डीएसपी संदीप शर्मा ने संदीप जोशी को स्टार लगाकर सम्मानित किया। समारोह के दौरान डीएसपी संदीप शर्मा ने कहा कि संदीप जोशी की यह उपलब्धि उनकी कड़ी मेहनत, अनुशासन और कर्तव्यनिष्ठा का प्रतिफल है। उन्होंने कहा कि संदीप जोशी ने अपने कार्यकाल के दौरान हमेशा ईमानदारी, समर्पण और जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन किया है। डीएसपी ने विश्वास जताया कि पदोन्नति के बाद भी संदीप जोशी पूरी निष्ठा और ईमानदारी से कार्य करते हुए कानून व्यवस्था बनाए रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे तथा पुलिस विभाग की गरिमा और विश्वास को और मजबूत करेंगे। इस अवसर पर पुलिस थाना बैजनाथ के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने भी संदीप जोशी को शुभकामनाएं दीं।

कैंप गदियाड़ा में विधिक साक्षरता शिविर लगाया, यातायात नियमों के प्रति लोगों को किया जागरूक

किसी भी व्यक्ति को नहीं रख सकते न्याय से वंचित: गौरव

अनंत ज्ञान

लोगों से की प्रकृति के संरक्षण के लिए अपनी जिम्मेदारी निभाने की अपील। अनंत ज्ञान

पालमपुर। उपमंडल पालमपुर की पंचायत सामुदायिक केंद्र गदियाड़ा में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से तीन विषयों पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिनमें नशामुक्त समाज, भारत का संकल्प, पर्यावरण संरक्षण व ग्रह बचाओ और आपदा पीड़ितों का पुनर्वास शामिल रहे। शिविर में सिविल जज अतिरिक्त मुख्य न्यायाधीश दंडाधिकारी गौरव कुमार विशेष रुप से उपस्थित रहे।

गौरव ने कहा कि न्याय पाना हर नागरिक का संवैधानिक अधिकार है और आर्थिक स्थिति के कारण किसी भी नागरिक को न्याय से वंचित नहीं रखा जा सकता। उन्होंने कहा कि समाज के गरीब व असहाय लोगों को सुलभ व समयबद्ध न्याय प्रदान करने के उद्देश्य से राज्य में विधिक सेवा प्राधिकरण की स्थापना की गई है। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, महिलाओं, दिव्यांगजनों तथा अन्य पात्र जरूरतमंद लोगों को निशुल्क न्याय की व्यवस्था प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि यातायात नियमों के प्रति भी लोगों को जागरूक किया। शराब पीकर व बिना हेलमेट के वाहन चलाने पर 15 से 25 हजार तक का जुर्माने का प्रावधान है। उन्होंने कहा कि लोगों को उनके अधिकारों तथा कर्तव्यों के प्रति जागरूक करने के लिये समय समय पर पंचायत स्तर तक विधिक साक्षरता शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। अधिवक्ता अरविंद ने नशामुक्त समाज के निर्माण को लेकर भारत का संकल्प संदेश दिया गया। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति, परिवार और समाज तीनों के लिए घातक है। युवाओं को नशे से दूर रखकर शिक्षा, खेल और सकारात्मक गतिविधियों से जोड़ना आवश्यक है। नशामुक्त भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए समाज के हर वर्ग को जागरूक होकर मिलकर प्रयास करने होंगे, तभी एक स्वस्थ, सशक्त और प्रगतिशील राष्ट्र का निर्माण संभव है। अधिवक्ता राजेश कटोच ने आमजन से अपील की गई कि प्रकृति के संरक्षण के लिए सभी को अपनी जिम्मेदारी निभानी होगी। बढ़ते प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और प्राकृतिक संसाधनों के अंधाधुंध दोहन से पृथ्वी पर गंभीर संकट उत्पन्न हो रहा है।

ऐसे में वृक्षारोपण, जल संरक्षण, प्लास्टिक का कम उपयोग तथा स्वच्छ ऊर्जा को अपनाना समय की आवश्यकता है। पर्यावरण को सुरक्षित रखकर ही आने वाली पीढ़ियों के लिए एक स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य सुनिश्चित किया जा सकता है। बीडीओ पंचरुखी, मनीष कुमार, प्रधान राजेश्वरी व्यास उप प्रधान रमेश चंद शर्मा और गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

डे-बोर्डिंग स्कूलों को बनाया जाए सीबीएसई

खैरा स्कूल में प्रदेश स्कूल प्रवक्ता संघ जिला कांगड़ा का वार्षिक जनरल हाउस आयोजित

◆ राज्य शिक्षा बोर्ड संबंधित स्कूलों से न किया जाए सीबीएसई का अनुचित प्रयोग : प्रवक्ता संघ

जनरल हाउस की अध्यक्षता प्रदेश स्कूल प्रवक्ता संघ जिला कांगड़ा के अध्यक्ष सिकंदर ने की। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

राकेश डोगरा, डरोह। हिमाचल प्रदेश स्कूल प्रवक्ता संघ जिला कांगड़ा का वार्षिक जनरल हाउस राजकीय आदर्श वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खैरा में हुआ। इसमें कांगड़ा जिले के लगभग 150 प्रवक्ताओं ने उपस्थिति दर्ज करवाई। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रदेश स्कूल प्रवक्ता संघ जिला कांगड़ा के अध्यक्ष सिकंदर मिन्हास ने की।

जनरल हाउस में प्रदेश स्कूल प्रवक्ता संघ के राज्य महासचिव इंद्र सिंह ठाकुर एवं जिला मंडी के अध्यक्ष देवेंद्र शर्मा विशेष रूप से उपस्थित हुए। इस कार्यक्रम में प्रवक्ताओं द्वारा मंच के माध्यम से आपनी समस्याओं, शंकाओं एवं मांगों को साझा किया। प्रवक्ताओं के एक स्वर में सीबीएसई के वर्तमान प्रारूप की कड़ी अलोचना की। उन्होंने कहा कि प्रवक्ता हमेशा गुणात्मक शिक्षा का पक्षधर रहा है तथा उस दिशा में समर्पित भाव से कर्मशील भी हैं। प्रदेश के सरकारी विद्यालयों का यदि गहन आकलन किया जाए तो हमेशा यह पाओगे कि सरकारी विद्यालयों में विद्यार्थी संख्या 10+1 एवं 10+2 कक्षाओं की वजह से संरक्षित है। वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालयों में 11वीं एवं 12वीं के उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं अभिभावकों के विश्वास के कारण बच्चे सीबीएसई एवं आईसीएसई बोर्ड को छोड़ कर सरकारी विद्यालयों के राज्य बोर्ड संचालित विद्यालयों में आते हैं, परंतु सरकार द्वारा अधिसूचित लगभग 130 सीबीएसई विद्यालयों के संचालन के लिए राज्य बोर्ड से संबंधित अध्यापकों की परीक्षा आयोजित करने एवं अलग कैडर बनाने को जल्द में लिया गया अनुचित निर्णय करार दिया। उन्होंने कहा कि अगर सीबीएसई विद्यालय संचालित करने ही हैं तो सरकार के विचाराधीन डे-बोर्डिंग विद्यालयों को किया जाए। राज्य शिक्षा बोर्ड से संबंधित विद्यालयों में सीबीएसई न थोपा जाए। सिकंदर मिन्हास ने सरकार एवं शिक्षा विभाग का हाल ही में प्रवक्ता पदोन्नति के लिए धन्यवाद किया। साथ में एक्सपोजर विसिट पर भेजे मेधावी बच्चों एवं अध्यापकों के लिए भी धन्यवाद किया। उन्होंने कहा कि बोर्ड मानकों से कम परिणाम देने वाले कुछ प्रवक्ताओं की रोकी गई वार्षिक वेतन वृद्धि को पुनः बहाल किया जा, क्योंकि खराब परिणाम आने के कई कारण होते हैं, लेकिन कम परिणाम का ठीकरा अध्यापकों पर मढ़ देना कतई न्यायोचित नहीं है। राज्य महासचिव इंद्र सिंह ठाकुर ने कहा कि राज्य कार्यकारिणी राज्य अध्यक्ष अजय नेगी के नेतृत्व में प्रवक्ताओं की मांगों को हर मंच पर उठाने का भर्सक प्रयास कर रही है, जिसके धरातल पर परिणाम देखने को भी मिल रहे हैं। राज्य अध्यक्ष अजय नेगी एवं टीम के साकारात्मक दबाव के कारण प्रधानाचार्य पदोन्नति हुई, टीचर डायरी बंद हुई, बायोमेट्रिक हाजिरी विकल्प बंद हुआ, छठी से आठवीं तक पढ़ाने के आदेश लंबित हुए अत: अब सीबीएसई की लड़ाई लड़ी जा रही है। जिले के मुख्य संरक्षक राकेश भड़वाल राज्य संरक्षक पारस धीमान एवं गुरमेल राणा महासचिव बलजीत सिंह अटवाल वरिष्ठ उपाध्यक्ष राज कुमार, रमेश ठाकुर, संजय डोगरा, अजय पटियाल वित सचिव तिलक राज राणा आदि ने सरकार, शिक्षा सचिव एवं शिक्षा विभाग के समक्ष अपनी मांगें प्रेषित कीं।

डीएलएड रिक्त सीटों के लिए दूसरे राउंड की काउंसिलिंग कल से

अनंत ज्ञान

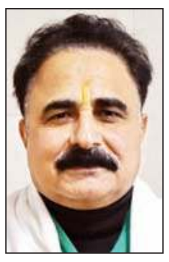

ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल प्रदेश स्कूल शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. राजेश शर्मा ने जानकारी दी कि डीएलएड काउंसिलिंग का द्वितीय चरण 4 फरवरी से 7 फरवरी 2026 तक सुचारु, पारदर्शी एवं व्यवस्थित ढंग से संपन्न किया गया। इस चरण में कुल 296 सब्सिडाइज्ड तथा 351 नॉन-सब्सिडाइज्ड सीटों पर काउंसिलिंग की गई।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार 4 फरवरी को 92, 5 फरवरी को 78, 6 फरवरी को 73 तथा 7 फरवरी को 73 सीटें भरी गईं। कुल 316 सीटों का आवंटन किया गया, जबकि 331 सीटें अभी शेष हैं। डॉ. शर्मा ने बताया कि द्वितीय चरण को दो राउंड में आयोजित किया गया है। प्रथम राउंड के उपरांत अब शेष रिक्त सीटों को भरने के लिए दूसरा राउंड 10 फरवरी से 12 फरवरी 2026 तक आयोजित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुरूप शिक्षा बोर्ड युवाओं को शिक्षक प्रशिक्षण के अधिकतम अवसर प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि कोई भी पात्र अभ्यर्थी अवसर से वंचित न रहे। काउंसिलिंग की पूरी प्रक्रिया मेरिट आधारित, निष्पक्ष एवं पारदर्शी तरीके से संचालित की जा रही है। अध्यक्ष ने अभ्यर्थियों से अपील की कि वे बोर्ड द्वारा जारी आगामी सूचनाओं पर नियमित रूप से नजर रखें, समयसीमा का पालन करें तथा किसी भी प्रकार की असुविधा से बचने के लिए आवश्यक दस्तावेज पूर्ण रूप से तैयार रखें। बोर्ड की ओर से काउंसिलिंग केंद्रों पर समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, ताकि अभ्यर्थियों को सुगम, सुरक्षित एवं सुविधाजनक वातावरण उपलब्ध हो सके।

हैप्पी बर्थडे

टक्का (ऊना) की जाह्नवी को जन्मदिवस पर 'अनंत ज्ञान' परिवार की ओर से हार्दिक शुभकामनाएं।

बर्थडे व सालगिरह के फोटो भेजें

बर्थडे हो या शादी की सालगिरह। आपकी खुशियों में हम भी हैं शामिल। अपना फोटो अनंत ज्ञान में प्रकाशित करवाने के लिए नाम और पते सहित व्हाट्सऐप नंबर 88945-21702 पर भेजें।

बीपीएल में आने से वंचित परिवार करें 17 तक आवेदन

कोहली, अनंत ज्ञान, शाहपुर। विकास खंड अधिकारी रैत कमलजीत गुप्ता ने समस्त पंचायतों के परिवारों से अपील की है कि जो पात्र परिवार बीपीएल सूची में शामिल होने से वंचित रह गए हैं, वे 17 फरवरी तक अपनी संबंधित पंचायत के कार्यालय में पंचायत सचिव के पास प्रार्थना पत्र जमा करवा सकते हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार के निर्देशानुसार यह बीपीएल चयन प्रक्रिया का चतुर्थ चरण सर्वेक्षण है। उन्होंने जानकारी दी कि इस चयन प्रक्रिया में ऐसे परिवार शामिल किए जाएंगे, जिनके परिवार मुखिया 40 प्रतिशत से अधिक विकलांग हों। इसके अतिरिक्त वे परिवार भी पात्र होंगे, जिनके सभी व्यस्क सदस्यों ने पिछले वित्तीय वर्ष में मनरेगा के अंतर्गत कम से कम 80 दिन कार्य किया हो। साथ ही, ऐसे परिवार जिनमें कमाने वाला सदस्य किसी दुर्घटना या रीढ़ की हड्डी में गंभीर चोट के कारण स्थायी रूप से कार्य करने में असमर्थ हो गया हो, उन्हें भी बीपीएल सूची में शामिल किया जा सकता है। सभी पात्र परिवारों से आग्रह किया कि वे समय रहते पंचायत सचिव से संपर्क कर आवश्यक दस्तावेजों सहित आवेदन प्रक्रिया पूरी करें, ताकि वे सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें।

प्रदेश को विशेष वित्तीय पैकेज देने बारे पीएमओ का एक्शन

वित्तीय मामले और वित्तीय सेवा विभाग को भेजा मामला

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। प्रदेश को मिलने वाले 40 हजार करोड़ के राजस्व घाटा अनुदान बंद होने के बाद विशेष आर्थिक पैकेज देने के मामले में प्रधानमंत्री कार्यालय ने कार्रवाई शुरू की है। राजकीय टीजीटी कला संघ प्रदेश महासचिव विजय हीर ने इस मामले में एक ज्ञापन संघ की ओर से प्रधानमंत्री कार्यालय भेजा था, ताकि कर्मचारियों के वेतन और पेंशन सहित हिमाचल के विकास की योजनाओं हेतु केंद्र से बड़ा आर्थिक पैकेज अन्य राज्यों की तर्ज पर मिल सके। इस मामले में संघ के ज्ञापन को प्रधानमंत्री कार्यालय ने वित्तीय मामले विभाग की प्रशासनिक सलाहकार अर्पणा भाटिया और वित्तीय सेवाओं के निदेशक सुरजीत कार्तिकेयन को भेजा है।

हीर ने कहा कि सरकार, हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट में भी अपने जायज वित्तीय अधिकार के लिए अपील करें, मगर प्रदेश सरकार कर्मचारी वेतन और पेंशन कटौती, आगे वेतन बढ़ाने पर रोक, डीए फ्रीज करना, आगे वेतन आयोग का लाभ पूर्णतय बंद करना, वेतन आयोग एरियर और डीए एरियर्स की अदायगी बंद करना, ओल्ड पेंशन की जगह यूपी इस अपनाना, कोर्ट केस निर्णयों से देय वित्तीय अदायगी रोकने, कर्मचारियों के खाली पद समाप्त करने, 30 प्रतिशत संस्थान बंद करने, स्टाफ की कटौती, बोर्ड और कार्पोरेशन मर्ज करने जैसे सुझावों को तत्काल स्वीकार न करे और आय बढ़ाने के नए तरीके निकाले। राज्य की ट्रेजरी पर पहला हक कर्मचारियों और पेंशनर्स का होता है। कोरोनाकाल में कर्मचारियों का 18 प्रतिशत डीए फ्रीज किया गया और इसके बाद तीन साल तक 13 प्रतिशत डीए नहीं दिया गया। अब बकाया डीए और एरियर देने से इनकार कर्मचारी बर्दाश्त नहीं करेंगे। अगर राज्य में वित्तीय आपातकाल है तो समाधान कर्मचारियों की जायज वेतन, पेंशन घटाने में नहीं, बल्कि फालतू खर्च और मुफ्त योजनाओं की समीक्षा, नए आय स्रोत तलाशने और केंद्र से विशेष आर्थिक पैकेज लेने में है। संघ ने कहा कि पंजाब द्वारा हिमाचल में लगाए गए प्रोजेक्ट्स में हिमाचल का हजारों करोड़ का शेयर, चंडीगढ़ में 7.19 प्रतिशत हिस्सेदारी और एनपीएस के करीब 11 हजार करोड़ रुपए जैसे मामलों को गंभीरता से आगे बढ़ाया जाए। राज्य में न तो वित्तीय आपातकाल लगा है और न ही उसकी संवैधानिक घोषणा हुई है, इसलिए कर्मचारियों के वैधानिक अधिकारों पर रोक पूरी तरह गलत है।

भट्टू-समूला में 21-22 को लगेगा इलेक्ट्रो होम्योपैथी शिविर

अनंत ज्ञान ब्यूरो, धर्मशाला। हिमाचल इलेक्ट्रो होम्योपैथिक चिकित्सक एसोसिएशन व आरोग्य भारती के तत्वावधान में 21-22 फरवरी को दो दिवसीय मेगा हेल्थ शिविर का आयोजन भट्टू-समूला स्थित आरोग्य इलेक्ट्रो होम्योपैथिक हेल्थ केयर सेंटर में किया जाएगा। इसमें पालमपुर मंडल के सैकड़ों ग्रामीण लोगों की निःशुल्क स्वास्थ्य जांच होगी और उन्हें आवश्यक दवाएं न्यूनतम दरों पर उपलब्ध कराई जाएंगी। राज्य संयोजक डॉ. सुरेंद्र ठाकुर ने बताया कि इस शिविर का शुभारंभ पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर और पूर्व विधानसभा अध्यक्ष विपिन सिंह परमार द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा।

यह शिविर प्रदेश में हर्बल चिकित्सा पद्धति को बढ़ावा देने और स्वास्थ्य के प्रति जागरुकता बढ़ाने के लिए किया जा रहा है। गौरतलब है कि प्रदेश में इलेक्ट्रो होम्योपैथी चिकित्सा पद्धति का विकास और प्रसार विगत तीन दशकों से निरंतर जारी है, जिसके लिए एसोसिएशन ने अपनी प्रतिबद्धता व्यक्त करते हुए इस अभियान को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है। आरोग्य भारती हिमाचल प्रदेश के सचिव व हेडा सलाहकार समिति के उपाध्यक्ष डॉ. सीएम मिश्रा ने कहा कि स्वस्थ भारत-श्रेष्ठ भारत की संकल्पना को साकार करना हमारी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि देश में स्वदेशी और प्राकृतिक संसाधनों पर आधारित चिकित्सा प्रणाली की जरूरत है, ताकि लोगों को बेहतर इलाज मिल सके। इस शिविर में रोगियों की जांच नाड़ी परीक्षण और टेंपरामेंट स्टडी के जरिए की जाएगी।

मार्च माह से मल्टीफ्लोरा शहद प्राप्ति का शुरू होगा सिलसिला

अनंत ज्ञान

◆ लीची, सेब सहित अन्य से भी तैयार होता है फ्लोरा शहद

◆ सर्दियों में सरसों की खेती वाले राज्यों में ले जाई जाती हैं मधुमक्खियां

ब्यूरो, धर्मशाला। मार्च माह से मधुमक्खियों से मल्टी फ्लोरा शहद प्राप्ति का सिलसिला शुरू होने वाला है। सर्दियों में मधुमक्खियों को जिन राज्यों में सरसों की खेती होती है, वहां ले जाया जाता है, जहां से लौटने के बाद मल्टी फ्लोरा शहद मिलना शुरू हो जाता है। लीची, सेब, कड़ीपत्ता व खैर का भी शहद तैयार किया जाता है। धर्मशाला के समीप चैतडू स्थित शहद प्रोसेसिंग यूनिट में निजी स्तर पर मधुमक्खी पालन करने वाले मौनपालक मल्टीफ्लोरा शहद को लेकर प्रोसेसिंग के लिए पहुंचते हैं।

एसएमएस एपिकल्चर नार्थ जोन कांगड़ा डॉ. निशा मेहरा के अनुसार प्राकृतिक रूप से जब मधुमक्खियों को जीवित रहने के लिए फ्लोरा की जरूरत पड़ती है तो उस समय उन्हें कृत्रिम रूप से चीनी का घोल दिया जाता है और जहां भी फूल उपलब्ध होते हैं, उन्हें स्थानांतरण कर दिया जाता है। जैसे कि दिसंबर, जनवरी व फरवरी में पंजाब, हरियाणा, गुजरात, राजस्थान में सरसों की भरपूर खेती है, ऐसे में मधुमक्खियों को इस समय मे वहां ले जाया जाता है। मार्च अप्रैल में हिमाचल में लीची का शहद, अप्रैल-मई में मल्टीफ्लोरा और जून-जुलाई में खैर का शहद निकाला जाता है यानी किसी भी फ्लोरा से शहद लिया जा सकता है। बकौल डॉ. निशा जिस भी फ्लोरा के शहद की डिमांड होती है, वहां पर मधुमक्खियों के बाक्स को रखकर उसका शहद तैयार किया जा सकता है। लीची, सेब या फिर कड़ी पत्ता कहीं बहुत मात्रा में है, तो वहां भी मधुमक्खियों के बाक्स रखकर उस फ्लोरा का शहद लिया जा सकता है। मार्च माह के आसपास ही मल्टी फ्लोरा शहद मिलता है, क्योंकि सर्दियों में अधिकतर मधुमक्खी पालक बाहर चले जाते हैं। अधिकतर मधुमक्खी पालक सर्दियों में पंजाब व हरियाणा में जाते हैं। जून-जुलाई में खैर का शहद उपलब्ध हो जाता है। डॉ. निशा ने बताया कि विभाग के पास मल्टी फ्लोरा शहद कम होता है, क्योंकि विभाग के पास बहुत कम मधुमक्खियां हैं, जबकि निजी स्तर पर मधुमक्खी पालन करने वालों के पास मल्टी फ्लोरा शहद ज्यादा होता है। विभाग के पास जो भी मल्टी फ्लोरा शहद आता है, उसे विभाग बेचता है।

लंबित बिल जमा करवाएं नहीं तो कटेगा कनेक्शन

पिंकी, अनंत ज्ञान, डाडासीबा। विद्युत उपमंडल ढलियारा के तहत आने वाले उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि जिन उपभोक्ताओं ने जनवरी माह का बिजली बिल या उससे भी अधिक समय से लंबित बिल अभी तक जमा नहीं करवाया है, वे सभी अपना बिजली बिल अतिशीघ्र विद्युत उपमंडल ढलियारा या बिजूली बोर्ड की ऑनलाइन साइट के माध्यम से जमा करवा दें। इसके बाद बिना किसी पूर्व सूचना के अस्थायी तौर पर उनके बिजली कनेक्शन काट दिए जाएंगे। इस संबंध में अलग से कोई नोटिस नहीं दिया जाएगा। इसे अंतिम सूचना या नोटिस माना जाएगा। यह सूचना सहायक अभियंता ई. मनीष कुमार संधू, विद्युत उपमंडल ढलियारा द्वारा दी गई है।

डाडासीबा में 10 को होगी मछली ठेके की नीलामी

अनंत ज्ञान, डाडासीबा। दी वलघार आदर्श मत्स्य सहकारी समिति में मछली उठाने के ठेके की अवधि 31 मार्च को समाप्त हो रही है। सभा सचिव विनय सपेहिया ने बताया कि आगामी वर्ष 2026-2027 के लिए मछली ठेके की नीलामी के लिए खुली बोली 10 फरवरी को आयोजित की जाएगी। यह बोली मत्स्य अधिकारी कार्यालय, डाडासीबा में दोपहर 1 बजे होगी। बोली में भाग लेने वाले बोलीदाताओं को पहले एक लाख रुपए की जमा राशि जमा करवानी होगी। सबसे अधिक बोली लगाने वाले ठेकेदार को ठेका दिया जाएगा।

दोदरा की बेटी ने जेआरएफ में राष्ट्रीय स्तर पर हासिल किया 25वां रैंक

अनंत ज्ञान, डाडासीबा। जसवां-परागपुर विधानसभा क्षेत्र के छोटे से गांव दोदरा की होनहार बेटी कामनी पठानिया ने जेआरएफ परीक्षा में राष्ट्रीय स्तर पर 25वां स्थान प्राप्त कर पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। कामनी पूर्व सैनिक संजीव सिंह पठानिया की पुत्री है। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने यह सिद्ध कर दिया कि मजबूत संकल्प, अनुशासन और कड़ी मेहनत के सामने कोई भी बाधा टिक नहीं सकती। राष्ट्रीय स्तर की इस प्रतिष्ठित और कठिन परीक्षा में 25वीं रैंक हासिल करना अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। कामनी की इस सफलता से न केवल उनके परिवार, बल्कि पूरे जसवां-प्रागपुर क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है।

गांव दोदरा में इस उपलब्धि को लेकर विशेष उत्साह का माहौल है। एक पूर्व सैनिक की बेटी द्वारा शिक्षा के क्षेत्र में हासिल किया गया यह मुकाम आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत बनेगा। यह उपलब्धि यह भी दर्शाती है कि ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाएं भी राष्ट्रीय मंच पर अपनी सशक्त पहचान बना सकती हैं। कामगार एवं कर्मचारी कल्याण बोर्ड के पूर्व उपाध्यक्ष ठाकुर सुरेंद्र सिंह मनकोटिया ने कामनी की इस शानदार सफलता पर उन्हें ढेरों बधाइयां देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि ऐसी होनहार बेटियां समाज की असली पूंजी होती हैं, जो प्रदेश और देश को नई दिशा देती हैं।

कामनी की इस ऐतिहासिक सफलता पर उनके परिवार, शिक्षकों और शुभचिंतकों को भी हार्दिक बधाई दी जा रही है। पूरे क्षेत्र को इस बेटी पर गर्व है और ईश्वर से कामना है कि वह आगे भी सफलता के नए शिखर छूती रहें।

बैजनाथ में स्कूटी की टक्कर में 10 वर्षीय बच्ची घायल, टांडा रेफर

अनंत ज्ञान, बैजनाथ। पुलिस थाना बैजनाथ क्षेत्र में एक सड़क हादसे में 10 वर्षीय बच्ची के घायल होने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार रविवार को तहसील चौक बैजनाथ में एक स्कूटी ने 10 वर्षीय लड़की रूपा को टक्कर मार दी। हादसे के तुरंत बाद स्थानीय लोगों की मदद से घायल बच्ची को सिविल अस्पताल बैजनाथ पहुंचाया गया। सिविल अस्पताल में चिकित्सकों ने प्राथमिक उपचार देने के बाद बच्ची की गंभीर हालत को देखते हुए उसे डॉ. राजेंद्र प्रसाद मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल टांडा रेफर कर दिया। पुलिस थाना बैजनाथ को घटना की सूचना मिलते ही मामले की जांच शुरू कर दी गई है। एएसपी कांगड़ा वीर बहादुर ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि पुलिस हादसे के कारणों की जांच की जा रही है।

बीड़ में 118 ग्राम चरस सहित व्यक्ति गिरफ्तार

अनंत ज्ञान, बैजनाथ। जिले के पुलिस स्टेशन बीड़ के तहत चरस बरामद करने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार, पुलिस थाना बीड़ की टीम जब गश्त पर थी तो कोटली में विक्की कुमार (42) निवासी कोटली से 118 ग्राम चरस बरामद की गई। पुलिस थाना बीड़ में आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज कर कारवाई की जा रही है। एएसपी कांगड़ा वीर बहादुर ने मामले की पुष्टि की है।

क्रेयॉन्स वर्ल्ड स्कूल बैजनाथ में 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों को दी विदाई पार्टी

यथांश मिस्टर और रिया बनी मिस फेयरवेल

क्रेयॉन्स वर्ल्ड स्कूल में विदाई पार्टी के दौरान उपस्थित अध्यापक और स्टूडेंट्स। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

जितेंद्र कौशल, बैजनाथ। बैजनाथ स्थित क्रेयॉन्स वर्ल्ड स्कूल में ग्यारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों द्वारा बारहवीं कक्षा के छात्रों के सम्मान में विदाई पार्टी दी गई।

इस अवसर पर स्कूल प्रबंधक ऋषभ अवस्थी, प्रधानाचार्या ऋषिभा शर्मा, उपप्रधानाचार्य बिंदु पठानिया, को-ऑर्डिनेटर किरण लता, हेमा धीमान तथा स्वदेश उपस्थिति रहीं। समारोह के दौरान विभिन्न गतिविधियों के आधार पर विद्यार्थियों का चयन किया गया, जिसमें मिस फेयरवेल का खिताब रिया, मिस्टर फेयरवेल का खिताब यथांश सूद, मिस्टर पर्सनैलिटी निशांत तथा मिस पर्सनैलिटी शगुन को प्रदान किया गया।

स्कूल के हेड बॉय निशांत एवं हेड गर्ल अर्पिता के विद्यालय में बिताए गए कार्यकाल और उनके द्वारा किए गए अनुशासित नेतृत्व, शैक्षणिक गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी तथा विभिन्न कार्यक्रमों के सफल संचालन में दिए गए योगदान की सराहना की गई। इस मौके पर 11वीं कक्षा के विद्यार्थियों की ओर से रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम नृत्य, गीत एवं मनोरंजक प्रस्तुतियों से समारोह को और भी यादगार बना दिया। अंत में विद्यालय प्रबंधक ऋषभ अवस्थी एवं प्रधानाचार्या ऋषिभा शर्मा ने विद्यार्थियों को आत्मविश्वास, अनुशासन एवं निरंतर परिश्रम के साथ आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

सहारा शिक्षा के लिए एक फीसदी ब्याज पर मिल रहा 20 लाख रुपए का ऋण, गरीब विद्यार्थी कर पा रहे अपनी पढ़ाई पूरी

डॉ. वाईएस परमार विद्यार्थी ऋण योजना से बच्चों के सपने साकार

अनंत ज्ञान

ब्यूरो, धर्मशाला। आर्थिक अभाव के कारण, बच्चों के अधूरे सपनों को साकार करने में हिमाचल प्रदेश में डॉ. वाईएस परमार विद्यार्थी ऋण योजना अहम भूमिका निभा रही है। जो सपने कभी आर्थिक अभाव के कारण दबकर रह जाते थे, उन सपनों को योजना के माध्यम से पूरा किया जा रहा है।

योजना का उद्देश्य उन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को आर्थिक संबल प्रदान करना है, जिनमें योग्यता और मेहनत तो है, लेकिन सीमित आर्थिक संसाधनों के कारण वे उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। यह योजना विशेष रूप से मध्यम वर्ग और आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के छात्रों के लिए एक मजबूत सहारा बनकर उभरी है। हिमाचल प्रदेश के प्रथम मुख्यमंत्री डॉ. वाईएस परमार के नाम पर शुरू की गई यह योजना शिक्षा को सामाजिक सशक्तिकरण का प्रभावी माध्यम मानती है। योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को मात्र एक प्रतिशत ब्याज दर पर 20 लाख रुपये तक का शिक्षा ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है, ताकि वे देश-विदेश के प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थानों में अध्ययन कर सकें। इस योजना का लाभ हिमाचल प्रदेश के स्थायी निवासी छात्र उठा सकते हैं। भारत तथा विदेश में उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा के लिए ऋण की सुविधा प्रदान की गई है। योजना का मुख्य उद्देश्य जरूरतमंद विद्यार्थियों की आर्थिक बाधाओं को दूर कर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करना है। इसके लिए पात्रता शर्तों के अनुसार विद्यार्थी की पारिवारिक वार्षिक आय 12 लाख रुपए तक होनी चाहिए तथा पिछली परीक्षा में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक अर्जित किए हों। 28 वर्ष तक की आयु के युवा इस योजना के लिए पात्र हैं।

योजना के तहत नर्सिंग कर रही कृतिका चौधरी

सत्यम कॉलेज ऑफ नर्सिंग में अध्ययनरत योजना की लाभार्थी कृतिका चौधरी बताती हैं कि वह एक गरीब परिवार से संबंध रखती हैं। जमा दो के बाद परिवार की कमजोर आर्थिक स्थिति के कारण उनके लिए आगे पढ़ाई करना संभव नहीं था, लेकिन डॉ. वाईएस परमार विद्यार्थी ऋण योजना का लाभ मिलने से वह नर्सिंग की पढ़ाई जारी रख पा रही हैं और अपने भविष्य को नई दिशा दे सकी हैं।

"डॉ. वाईएस परमार विद्यार्थी ऋण योजना हिमाचल प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही एक महत्वपूर्ण योजना है। इस योजना के तहत जो भी विद्यार्थी उच्च शिक्षा के लिए ऋण लेना चाहता है, उन्हें मात्र एक प्रतिशत ब्याज दर पर ऋण उपलब्ध कराया जाता है। इस योजना में 20 लाख रुपए तक का शिक्षा ऋण लेने का प्रावधान है। सरकार का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि प्रतिभाशाली और मेधावी बच्चों की उच्च शिक्षा धन की कमी के कारण बाधित न हो। इसी उद्देश्य से यह योजना प्रारंभ की गई है।

-हेमराज बैरवा, डीसी, जिला कांगड़ा

योजना में शामिल पाठ्यक्रम

डॉ. वाईएस परमार विद्यार्थी ऋण योजना के तहत लगभग सभी प्रमुख उच्च एवं व्यावसायिक पाठ्यक्रम शामिल किए गए हैं, जिनमें इंजीनियरिंग, मेडिकल, डेंटल, नर्सिंग, फार्मेसी, पैरामेडिकल, प्रबंधन (एमबीए), विधि, आईटीआई, पॉलिटेक्निक, तकनीकी शिक्षा, स्नातकोत्तर, शोध एवं पीएचडी जैसे पाठ्यक्रम सम्मिलित हैं। इसके अलावा विद्यार्थी विदेशों में मान्यता प्राप्त संस्थानों में भी अध्ययन कर सकते हैं। ऋण की राशि का उपयोग ट्यूशन फीस, हॉस्टल अथवा आवास, पुस्तकों, उपकरणों तथा अन्य शैक्षणिक खर्चों के लिए किया जा सकता है।

ऑनलाइन भी कर सकते आवेदन

मंडल प्रमुख पीएनबी संजय धर और मुख्य प्रबंधक पंजाब नेशनल बैंक पृथ्वी रणवीर बताते हैं कि डॉ. वाईएस परमार विद्यार्थी ऋण योजना के लिए ऑनलाइन भी आवेदन किया जा सकता है।

इस योजना का लाभ लेने के लिए विद्यार्थी किसी भी मान्यता प्राप्त बैंक में शिक्षा ऋण के लिए आवेदन कर सकता है। आवेदन के समय स्थायी निवास प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, शैक्षणिक प्रमाण पत्र तथा प्रवेश/एडमिशन लेटर जैसे आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत करने होते हैं।

बौद्ध मठ के धर्मगुरु ने बैजनाथ शिव मंदिर में की पूजा-अर्चना

बैजनाथ शिव मंदिर में पूजा करते बौद्ध मठ के धर्मगुरु। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

बैजनाथ। तिब्बती बौद्ध मठ बीड़ चौगान के धर्मगुरु ने रविवार को अपने विदेशी तथा स्थानीय अनुयायियों के साथ बैजनाथ शिव मंदिर में पूजा-अर्चना की। इस अवसर पर वैदिक मंत्रोच्चारण के बीच भगवान शिव का विधिवत पूजन किया गया।

समुदाय के प्रवक्ता ने बताया कि यह विशेष पूजा विश्व शांति, सद्भाव और जनमानुष के कल्याण की कामना के उद्देश्य से की गई। उन्होंने कहा कि विभिन्न देशों से आए अनुयायियों ने भारतीय आध्यात्मिक परंपरा के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए श्रद्धा और आस्था के साथ पूजा में भाग लिया। विदेशी अनुयायियों ने मंदिर की ऐतिहासिक और धार्मिक महत्ता को भी जाना तथा भारतीय संस्कृति की समृद्ध परंपराओं की सराहना की। स्थानीय लोगों और श्रद्धालुओं ने भी इस आयोजन का स्वागत किया और इसे धर्मों के बीच आपसी सौहार्द और सांस्कृतिक एकता का प्रतीक बताया। आयोजन के समापन पर विश्व कल्याण की प्रार्थना के साथ शांति संदेश दिया गया। इस दौरान काफी संख्या में स्थानीय लोग भी इस अनूठे प्रकार के धार्मिक अनुष्ठान का आनंद लेते रहे।

मेडिकल कॉलेज में 15 दिन से अल्ट्रासाउंड की मशीन खराब

गर्भवती महिलाओं को महंगे दामों पर बाहर करवाने पड़ रहे अल्ट्रासाउंड, बढ़ी दिक्कतें

अनंत ज्ञान

अनिल कुमार, हमीरपुर। प्रदेश सरकार लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने की बात कर रही है, लेकिन मेडिकल कॉलेज हमीरपुर में इन दिनों मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। मेडिकल कॉलेज अस्पताल में गर्भवती महिलाएं खासी परेशान हैं।

गर्भवती महिलाओं को अल्ट्रासाउंड बाहर निजी सेंटरों में करवाना पड़ रहा है। मेडिकल कॉलेज में अल्ट्रासाउंड करने के लिए दो मशीनें लगाई गई हैं। इसमें जो मुख्य मशीन है, पिछले 15 दिन से खराब चल रही है। अस्पताल प्रशासन इसे ठीक करवाने में अभी तक नाकाम रहा है। इससे पहले भी कई मशीनें खराब हुई उन्हें ठीक करवाने में काफी समय लग गया। बता दें कि इससे पहले काला मोतिया जांच की मशीन का प्रिंटर खराब था, जिसकी वजह से काला मोतिया के ऑपरेशन नहीं हो रहे थे। अब अल्ट्रासाउंड की मशीन खराब है, जिसकी वजह से अल्ट्रासाउंड तो हो रहे हैं, लेकिन नार्मल बीमारियां के। इसमें सबसे बड़ी दिक्कत गर्भवती महिलाओं को हो रही है, उनके अल्ट्रासाउंड निशुल्क किए जाते हैं, जबकि अब उन्हें 400 से 500 रुपए खर्च करने पड़ रहे हैं। यही नहीं अस्पताल में प्रतिदिन मरीज अल्ट्रासाउंड करवाने के लिए आते हैं, लेकिन उन्हें एक डेढ़ महीने की डेट दी जाती है, लेकिन अब मरीजों को डेट भी नहीं दी जा रही, क्योंकि अस्पताल में अल्ट्रासाउंड की दूसरी मशीन तो है, लेकिन उससे सभी अल्ट्रासाउंड नहीं किए जा सकते। यही वजह है कि जहां अल्ट्रासाउंड करवाने के लिए रोजाना भीड़ लगी रहती थी अब वहां पर चंद मरीज ही नजर आते हैं। वैसे भी यहां पर आने वाले मरीजों को अल्ट्रासाउंड करवाने के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता था। अस्पताल प्रशासन का कहना है कि रेडियालॉजिस्ट की कमी से एक दिन में 150 से अधिक अल्ट्रासाउंड करना मुमकिन नहीं है, इसलिए जिन मरीजों का अल्ट्रासाउंड बाद में किया जा सकता है, उन्हें समय दिया जाता है। सबसे बड़ी परेशानी यह है कि यदि रात के समय किसी गर्भवती महिला का अल्ट्रासाउंड करना हो तो नहीं किया जा सकता, क्योंकि रात के समय प्राइवेट अल्ट्रासाउंड करने वाले भी नहीं होते, जबकि मेडिकल कॉलेज हमीरपुर में 24 घंटे अल्ट्रासाउंड किए जा सकते हैं। हालांकि, यह मशीन कब तक ठीक होगी, इस बारे में अस्पताल प्रशासन कुछ नहीं बता पाया है। यही कारण है कि पिछले 15 दिन से अस्पताल में आने वाले मरीज प्राइवेट अल्ट्रासाउंड सेंटर में महंगे दामों के करवाने को मजबूर हैं, क्योंकि जब तक अल्ट्रासाउंड में बीमारी की जांच नहीं होगी तब तक डॉक्टर भी दवाई नहीं लिखेगा। रेडियोलॉजिस्ट विभाग के एचओडी विजय कुमार का कहना है कि मशीन के खराब होने के बारे में स्वास्थ्य अधीक्षक और प्राचार्य को इसकी सूचना दे दी है।

मेडिकल कॉलेज हमीरपुर में अल्ट्रासाउंड करवाने के लिए बैठे इक्का-दुक्का मरीज। अनंत ज्ञान

> अल्ट्रासाउंड मशीन खराब होने की जानकारी मिली है। मशीन को ठीक करवाने के लिए कंपनी को बोला गया है। उन्होंने बताया कि कंपनी ही इस मशीन को ठीक करेगी।
>
> **-डॉ. देशराज शर्मा**
> **स्वास्थ्य अधीक्षक।**

10 हजार श्रद्धालुओं ने किए बाबा बालक नाथ के दर्शन

बाबा बालक नाथ के दर्शनों को पहुंचे श्रद्धालु। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

एसके ठाकुर, बड़सर। उत्तरी भारत के विश्व प्रसिद्ध सिद्ध पीठ बाबा बालक नाथ मंदिर दियोटसिद्ध में रविवार को 10 हजार के करीब श्रद्धालुओं ने गुफा दर्शन करके बाबा जी का आशीर्वाद लिया।

हालांकि, आज कल मंदिर दियोटसिद्ध में एडीबी प्रोजेक्ट के तहत बकरा स्थल तथा सत्संग हाल को तोड़कर नए सिरे से तैयार किया जा रहा है, लेकिन मंदिर टस्ट ने सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हैं, ताकि श्रद्धालु कोई परेशान न आए। मंदिर अधिकारी जोगिंदर का कहना है कि रविवार को गुफा दर्शनों के लिए लगभग 10000 श्रद्धालु बाबा की नगरी में पहुंचकर गुफा दर्शन किए। हिमाचल प्रदेश के साथ-साथ अन्य राज्यों के श्रद्धालु भी गुफा दर्शनों के लिए पहुंचे हुए थे। उन्होंने बताया कि एडीबी के तहत मंदिर परिसर में बकरा स्थल और सत्संग घर का कार्य चला हुआ है, इसलिए श्रद्धालुओं के लिए थोड़ी असुविधा हो सकती है, फिर भी मंदिर परिसर में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए हुए हैं।

रोगियों के भोजन पर 65 लाख रुपए होंगे खर्च

अनंत ज्ञान

◆ **सीनियर सिटीजन काउंसिल हमीरपुर ने किया वित्तीय वर्ष 2026-27 का बजट पारित**

हमीरपुर। सीनियर सिटीजन काउंसिल हमीरपुर की प्रबंधन कमेटी की बैठक आयोजित की गई, जिसमें वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए 1.75 करोड़ रुपए की राशि का प्रावधान किया गया है। बैठक में मरीजों के तीन समय दिए जाने वाले भोजन के साथ मरीजों की दवाइयों और गरीब बच्चों की पढ़ाई के लिए भी बजट का प्रावधान किया गया है।

संस्था के अध्यक्ष विजय कुमार पुरी ने बताया कि मरीजों, गरीब बच्चों के अलावा गोशाला में पालतु पशुओं के लिए विशेष तौर पर ध्यान रखा गया है। उन्होंने बताया कि कर्मचारियों के वेतन भत्तों के लिए 13 लाख रुपए, गरीब रोगियों की दवाई के लिए 10 लाख, गरीब बच्चों की पढ़ाई के लिए 10 लाख, रोगियों के भोजन के लिए 65 लाख रुपए, गीता जयंती, बसंत पंचमी, शिव रात्रि, राम नवमी, आदि त्योहारों के लिए 3 लाख रुपए, अग्नि पीड़ित और बाढ़ प्रभावित परिवारों के लिए 40 लाख रुपए का प्रावधान किया है। इसके अलावा गरीब कन्याओं की शादी के लिए 4 लाख रुपए, हमीरपुर की 19 गोशालाओं को फीड के लिए 15 लाख, बिजली के बिल एवं सीए की फीस, कूलर रिपेयर, चपाती मशीन की रिपेयर के लिए 4 लाख रुपए, भोजन भंडार, बहुआयामी भवन, श्मशानघाटों की सफाई एवं रंग रोगन के लिए 8 लाख रुपए अन्य फुटकर आदि के लिए 3 लाख रुपए का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि प्रबंधन कमेटी के सभी सदस्यों ने इसका समर्थन किया है। उन्होंने बताया कि बैठक में संस्था के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ओपी शर्मा, उपाध्यक्ष हेम राज शर्मा, महासचिव कुलदीप कमल, हंस राज शर्मा, सुरेश कुमार, रमेश चंद, पीसी वर्मा आदि उपस्थित रहे।

गुरुद्वारा नादौन में धूमधाम से मनाया फतेह दिवस

गुरुद्वारा से लेकर नादौन शहर तक शोभायात्रा निकाली, भारी संख्या में पहुंची संगत

फतेह दिवस पर नादौन शहर में पंज प्यारों की अगुवाई में निकाली गई शोभायात्रा। (दाएं) गुरुद्वारा में लंगर ग्रहण करती संगत। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

नादौन। नादौन शहर में फतेह दिवस धूमधाम से मनाया जाएगा। इस दौरान भारी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। फतेह दिवस पर आयोजित अखंड पाठ साहिब के भोग डाले गए। कीर्तन दरबार का आयोजन किया गया। हर वर्ष की भांति अटूट लंगर का आयोजन भी किया गया, जिसमें भारी संख्या में संगत ने लंगर का प्रसाद ग्रहण किया। इस अवसर पर देसी घी की जलेबियों का प्रसाद काफी चर्चा में रहा। लोगों को फ्रूट भी बांटा गया।

इस अवसर पर पंज प्यारों की अगुवाई में गुरु की पालकी के साथ गुरुद्वारा से लेकर नादौन शहर शोभायात्रा निकाली गई। इसमें काफी संगतों ने हिस्सा लिया। गुरुद्वारा नादौन साहिब के हेड ग्रंथी सिमरजीत सिंह ने बताया कि गुरु गोबिंद सिंह जी द्वारा मुगल सेनाओं पर फतेह पाने के उपलक्ष्य में आयोजित इस फतेह दिवस पर इस वर्ष भी आनंदपुर साहिब से आए कीर्तन जत्थे ने संगत को गुरु की महिमा का गुणगान करके निहाल किया। इस अवसर पर हिमाचल के शिरोमणि गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी के आंतरिक मेंबर डॉक्टर दलजीत सिंह भिंडर, जत्थेदार कुलदीप सिंह के अलावा मैनेजर के अलावा सरदार सुशील कुमार,अमर सिंह, मंजीत सिंह, सरकार अमर सिंह, सरदार गुरप्रीत सिंह, एडवोकेट कश्मीर सिंह भारती, सरदार वरिंद्र सिंह, तारा सिंह,निर्मल सिंह, प्राणतोष, मधुसूदन आदि सेवादार भी उपस्थित रहे।

19 को मनाई जाएगी ब्रह्मलीन महंत श्रीश्री 1008 शिव गिरि महाराज की पुण्यतिथि

अनंत ज्ञान, बड़सर। ब्रह्मलीन महंत श्रीश्री 1008 शिव गिरि महाराज की 22वीं पुण्यतिथि 19 फरवरी को दियोटसिद्ध में मनाई जाएगी। गद्दीनशीन महंत श्रीश्री 1008 राजेंद्र गिरि महाराज ने बताया कि देश-विदेश से लाखों श्रद्धालु दियोटसिद्ध स्थित महंत निवास पहुंचेंगे। कार्यक्रम के तहत सुबह 11 बजे संत समाज की अगुवाई में बाबा बालक नाथ की पावन गुफा में झंडा चढ़ाया जाएगा। श्रद्धालुओं के लिए लंगर की व्यवस्था की गई है। उन्होंने चकमोह गांव में संस्कृत महाविद्यालय, स्नातक महाविद्यालय और सीनियर सेकेंडरी स्कूल की स्थापना की। चकमोह में 100 बिस्तरों वाले अस्पताल की परिकल्पना भी उन्हीं की थी, जिसकी नींव तत्कालीन मुख्यमंत्री शांता कुमार से रखवाई गई थी। पुण्यतिथि के अवसर पर प्रसिद्ध गायक ईशांत भारद्वाज, रोशन प्रिंस और गौरव भारद्वाज बाबा जी की चौकी में भजन प्रस्तुत करेंगे।

सुक्खू सरकार खुद ही प्रदेश की वित्तीय हालत को बिगाड़ रही : राणा

अनंत ज्ञान

हमीरपुर । भाजपा के वरिष्ठ प्रवक्ता एवं सुजानपुर के पूर्व विधायक राजेंद्र राणा ने मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू पर जोरदार हमला बोलते हुए कहा कि एक ओर प्रदेश सरकार आर्थिक तंगी का रोना रो रही है। वहीं, दूसरी ओर मुख्यमंत्री और उनके करीबी सरकारी खजाने का खुलकर दुरुपयोग कर रहे हैं।

प्रेस बयान में राजेंद्र राणा ने कहा कि मुख्यमंत्री आए दिन यह कहते नहीं थकते कि प्रदेश का खजाना खाली है और केंद्र से पर्याप्त मदद नहीं मिल रही, लेकिन उनके रहन-सहन और खर्चे देखकर लगता है कि सरकार खुद ही प्रदेश की वित्तीय हालत को बिगाड़ रही है। उन्होंने कहा कि हिमाचल के इतिहास में पहली बार इस सरकार के कार्यकाल में कोषागार बंद होने की नौबत आई है, जो बेहद शर्मनाक है।

उन्होंने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री आम जनता को मितव्ययिता का पाठ पढ़ाते हैं, जबकि खुद फाइव स्टार होटलों में ठहरते हैं। राणा ने सवाल उठाते हुए कहा कि जब सरकार के पास अपना हिमाचल भवन उपलब्ध है, तो वहां रुकने के बजाय महंगे होटलों में ठहरने की क्या मजबूरी है? देर रात फाइव स्टार होटल में जाना, सुरक्षा को इधर-उधर करना और गुप्त बैठकों का सिलसिला कई शंकाएं पैदा करता है। आखिर इन होटलों में रात के अंधेरे में कौन-सी डील होती है, कौन-सी फाइलें पास होती हैं और प्रदेश की जनता को उसका क्या फायदा मिलता है। उन्होंने पूछा कि यदि खजाना खाली है, तो इन होटलों के भारी-भरकम बिल कौन चुका रहा है। यदि कोई और भुगतान कर रहा है, तो बदले में उसे क्या लाभ दिया जा रहा है। अगर किसी और के नाम पर कमरे बुक होते हैं और मुख्यमंत्री वहां ठहरते हैं, तो यह भी अपने आप में गंभीर सवाल है।

राजेंद्र राणा ने कहा कि क्या हिमाचल भवन में कोई ऐसी दिक्कत है कि मुख्यमंत्री वहां नहीं रुक सकते या फिर फाइव स्टार संस्कृति ही इस सरकार की पहचान बन चुकी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता अब जवाब चाहती है हिसाब देना ही होगा, क्योंकि प्रदेश का खजाना जनता का है, किसी व्यक्ति विशेष की मौज-मस्ती का साधन नहीं।

सामान्य वर्ग के हितों से भेदभाव पर जताया आक्रोश

◆ **लाहौल में हुई राजपूत महासभा की बैठक**

अनंत ज्ञान

सुजानपुर। जिला राजपूत महासभा के महासचिव जोगिंदर ठाकुर की उपस्थिति मे सामान्य वर्ग की बैठक सुजानपुर उपमंडल की चबूतरा पंचायत के लाहौल गांव में आयोजित की गई।

बैठक में विभिन्न सरकारों द्वारा सामान्य वर्ग के प्रति किए जा रहे भेदभाव पूर्ण व्यवहार के प्रति आक्रोश प्रकट किया। इस दौरान सामान्य वर्ग के हितों के विपरीत बनाई जा रही नीतियों की भी सभी ने निंदा की और केंद्र सरकार द्वारा हाल ही मे यूजीसी के माध्यम से थोपे गए काले कानून को तुरंत वापस लेने की मांग की। प्रदेश के सभी सांसदों से भी केंद्र सरकार के पास उस वर्ग का पक्ष जोर-शोर से रखने की मांग की। यूजीसी की इन गाइडलाइन के लागू होने से जहां सामान्य वर्ग के बच्चे उच्च शिक्षण संस्थानों मे मानसिक दवाब मे रहेंगे, वहीं इस कानून के दुरुपयोग की संभावना को रोकने की कोई व्यवस्था न होने के कारण इसे एकतरफा और सामान्य वर्ग के बच्चों को शिक्षण संस्थानों से बाहर करने का षड्यंत्र ही साबित होने वाला है। सभी ने यूजीसी के खिलाफ इस अभियान को आगे बढ़ाने का प्रण लिया साथ ही इस जनजागरण अभियान को और तेज करके गांव गांव तक पहुंचाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर जिला संयुक्त सचिव विनोद सहित ललित कुमार दीपक शर्मा, जगधीर सिंह, महिला मंडल प्रधान विजय कुमारी, रुचि, प्रोमिला, सलोचना, प्रेम सिंह, मदन, कुलदीप सुभाष, गायत्री, शिमशा जमनाधार और दर्जनों लोग उपस्थित रहे।

जिला राजपूत महासभा की बैठक में उपस्थित लोग। अनंत ज्ञान

जाड़ गांव में लगाया वित्तीय साक्षरता शिविर, कृषि कार्ड, फसल बीमा योजना की दी जानकारी

अनंत ज्ञान, भोरंज। हिमाचल प्रदेश ग्रामीण बैंक शाखा सुलगवान की ओर से कड़ोहता पंचायत के जाड़ गांव में वित्तीय साक्षरता विशेष शिविर का आयोजन किया गया। इसमें ग्रामीणों को बैंक से जुड़ी विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। शाखा प्रबंधक अशोक भारद्वाज ने बताया कि बैंक उपभोक्ताओं को प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, डिजिटल बैंकिंग सेवाओं सहित अन्य सामाजिक सुरक्षा योजनाओं से लाभान्वित कर रहा है। उन्होंने एम-स्वास्थ्य ई-क्लिनिक सुविधा की जानकारी देते हुए कहा कि मात्र 365 रुपए वार्षिक प्रीमियम पर उपभोक्ता एमबीबीएस चिकित्सकों से वीडियो परामर्श, प्रमुख वाइटल टेस्ट और किफायती स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ ले सकते हैं। उन्होंने लोगों से पंजीकरण कराने की अपील की। शिविर के दौरान एक दर्जन नए खाते भी खोले गए। कार्यक्रम में पूर्व उप प्रधान विरेंद्र डोगरा, बूथ अध्यक्ष देशराज शर्मा, महिला मंडल अध्यक्ष अमृति देवी सहित अन्य ग्रामीण उपस्थित रहे।

बाल आश्रम सुजानपुर के बच्चे शैक्षणिक भ्रमण पर रवाना

बस को हरी झंडी दिखाकर रवाना करतीं डीसी गंधर्वा। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

सुजानपुर। जिला प्रशासन ने वीनस फाउंडेशन ट्रस्ट के सहयोग से बाल आश्रम सुजानपुर के बच्चों के लिए जयपुर भ्रमण की विशेष व्यवस्था की है। रविवार को ये बच्चे पांच दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण के लिए रवाना हुए।

डीसी गंधर्वा राठौड़ ने बच्चों की बस को हरी झंडी दिखाकर यात्रा की शुरुआत करवाई और बच्चों व उनके साथ जा रहे आश्रम स्टाफ को शुभकामनाएं दीं। उपायुक्त ने बताया कि बाल आश्रम सुजानपुर के बच्चों को आवास, शिक्षा के साथ-साथ सम्मानजनक जीवन, मनोरंजन तथा उच्च एवं व्यावसायिक शिक्षा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन और वीनस फाउंडेशन ट्रस्ट के बीच एमओयू किया गया है। ट्रस्ट की ओर से ही जयपुर भ्रमण प्रायोजित किया है, जिसकी समन्वयक ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी एकता चौधरी हैं। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार बच्चे 8 फरवरी को चंडीगढ़ पहुंचकर वंदे भारत एक्सप्रेस से जयपुर जाएंगे। 12 फरवरी को बच्चे हवाई यात्रा से चंडीगढ़ लौटकर सड़क मार्ग से सुजानपुर पहुंचेंगे। इस अवसर पर जिला बाल संरक्षण अधिकारी कुलदीप सिंह चौहान सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

विधायक लखनपाल ने क्षेत्र की अनदेखी पर सरकार पर साधा निशाना- कहा

बड़सर हलके की अनदेखी नहीं होगी बर्दाश्त

अनंत ज्ञान

एसके ठाकुर, बड़सर। वित्त विभाग की योजना बैठक में बड़सर विधानसभा क्षेत्र की लगातार हो रही अनदेखी को लेकर विधायक इंद्रदत्त लखनपाल ने प्रदेश सरकार को कठघरे में खड़ा किया है। विधायक ने विकास, स्वास्थ्य, परिवहन, शिक्षा, जल शक्ति, ऊर्जा, पर्यटन और रोजगार से जुड़े दर्जनों लंबित मुद्दों को मजबूती से उठाते हुए सरकार से स्पष्ट जवाब मांगा। उन्होंने कहा कि सरकार घोषणाओं में आगे है, लेकिन बड़सर की जमीनी जरूरतें आज भी अधूरी पड़ी हैं।

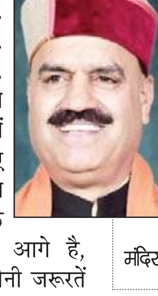

उन्होंने ताल स्टेडियम बिझड़ी के अपवर्धन का मुद्दा उठाते हुए कहा कि वर्ष 2023 में घोषित 50 लाख रुपए की राशि आज तक जारी न होना सरकार की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े करता है। बड़सर भोटा बस स्टैंड के विकास, नए बीडीओ भवन के निर्माण, सीएचसी बिझड़ी के लिए नए भवन व आधुनिक मशीनरी, पीएचसी भोटा को अपग्रेड करने, मुख्यमंत्री लोक भवन बिझड़ी के अधूरे कार्य को शीघ्र पूर्ण करने तथा सिविल अस्पताल बड़सर को 100 बेड का करने और क्रिटिकल केयर यूनिट स्थापित करने की मांग प्रमुखता से रखी। विधायक ने दो टूक कहा कि बड़सर के हक की अनदेखी अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। यदि लंबित योजनाओं के लिए तुरंत बजट और ठोस निर्णय नहीं लिए गए, तो सरकार को इसका राजनीतिक जवाब देना पड़ेगा।

अग्निशमन केंद्र बिझड़ी स्थायी भवन से वंचित

विधायक इंद्रदत्त लखनपाल ने कहा कि अग्निशमन केंद्र बिझड़ी आज भी अपने स्थायी भवन से वंचित है, जबकि भूटलाड़ में 12 बीघा भूमि पर सौर ऊर्जा प्लांट स्थापित करने की मांग वर्षों से लंबित है। उन्होंने अनुसूचित जाति कंपोनेंट में सड़क व भवन निर्माण के लिए बजट न दिए जाने को बड़सर के साथ खुला भेदभाव बताया। शिक्षा क्षेत्र में सीसे बनी, घोड़ी धाबीरी, रैली जजरी और बड़सर में नए विद्यालय भवनों की मांग उठाते हुए कहा कि बिना आधारभूत ढांचे के शिक्षा सुधार संभव नहीं। परिवहन, आयुर्वेदिक स्वास्थ्य सेवाओं, पुलिस चौकी स्थायी करने, जल शक्ति विभाग में पाइप आपूर्ति, खड्डों के चैनलाइजेशन और नई पेयजल योजनाओं को लेकर भी उन्होंने सरकार से त्वरित कार्रवाई की मांग की।

132 रुपए करोड़ की पेयजल योजना पर पर उठाए सवाल : 132 रुपए करोड़ की पेयजल योजना पर सवाल उठाते हुए विधायक ने कहा कि जब योजना बड़सर के लिए है, तो कई गांवों को इससे बाहर रखना अन्याय है। उन्होंने अनेक गांवों में पेयजल टैंकों के निर्माण की स्पष्ट मांग रखी। धार्मिक एवं पर्यटन विकास के अंतर्गत बाबा बालक नाथ मंदिर दियोटसिद्ध में नई भर्तियां, रोप-वे निर्माण और मंदिर ट्रस्ट के कॉलेज को सरकार के अधीन करने की मांग भी उठाई।

जमली में कलश यात्रा के साथ महाशिव पुराण कथा शुरू

अनंत ज्ञान, हमीरपुर। गोशाला जमली धाम के महाकलेशवर मंदिर में रविवार को भव्य कलश यात्रा के साथ श्री महाशिव पुराण की भागवत कथा शुरू हुई। कथावाचक पंकज हरी गोपाल आचार्य जी के मुखार मुखारविंद से शिव महिमा का गुणगान करेंगे। शिवरात्रि के पर्व 15 फरवरी तक प्रातः 11 बजे से 2 बजे तक जारी रहेगी। कथा समाप्ति के बाद प्रतिदिन दानकर्ताओं के सहयोग से लंगर व्यवस्था की गई है। इस कलश यात्रा में महिला मंडल काले अम्ब, भारीं, भलेडा, तरोपका, सिहाणी, सेर व कथियाल की महिलों ने स्वदेशी परिवेश में भाग लिया। आचार्य पंकज हरी गोपाल ने बताया कि जहां शिव पुराण की कथा होती है, वहां की धरती शिवालय बन जाती है। इस कार्यक्रम में गोशाला कमेटी के अध्याक्ष रसील सिंह मनकोटिया और कमेटी सदस्य जगदीश चंद, सुनील कुमार, राजेश शर्मा, वालक राम, तिलक शर्मा, संजीव शर्मा, राजेश दीवान, लाला रूप लाल विशेष रूप से उपस्थित रहे।

परेशानी गड्ढों से चालकों और राहगीरों को झेलनी पड़ रही दिक्कतें, प्रतिदिन गुजरते हैं सैकड़ों वाहन

भरेड़ी पीएचसी व सहकारी डिपो पपलाह के पास सड़क बदहाल

अनंत ज्ञान

भोरंज। उपमंडल भोरंज के तहत भरेड़ी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) तथा सहकारी डिपो पपलाह के समीप मुख्य सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे पड़ गए हैं। इस सड़क से प्रतिदिन सैकड़ों वाहन गुजरते हैं। गड्ढों के कारण वाहन चालकोंव राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। इसी मार्ग से ग्रामीण इलाज के लिए भरेड़ी पीएचसी पहुंचते हैं। वहीं, राशन लेने के लिए भी लोग इसी सड़क का उपयोग करते हैं। सड़क के बीचों-बीच बने गहरे गड्ढों के कारण पैदल चलने वालों, बुजुर्गों, महिलाओं और दोपहिया वाहन चालकों को विशेष कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। कई बार वाहन चालकों को अचानक ब्रेक लगानी पड़ती है, जिससे दुर्घटना की आशंका बनी रहती है, खासकर रात के समय स्थिति और भी जोखिमभरी हो जाती है। स्थानीय लोगों ने विभाग से शीघ्र सड़क की मरम्मत की मांग की है, ताकि आम जनता को राहत मिल सके।

लोक निर्माण विभाग के कनिष्ठ अभियंता प्रवीण कुमार ने बताया कि सड़क पर पड़े गड्ढों में बजरी डलवाई जाएगी तथा शीघ्र ही पेवर ब्लॉक भी लगवाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि विभाग समस्या को गंभीरता से लेते हुए शीघ्र आवश्यक कार्रवाई करेगा।

भरेड़ी पीएचसी व सहकारी डिपो पपलाह के पास खस्ताहाल सड़क । अनंत ज्ञान

श्री कबीर मंदिर परिसर में कल लगेगा भंडारा

अनंत ज्ञान, भोरंज। उपमंडल भोरंज के तहत बडैहर स्थित श्री कबीर मंदिर परिसर में 10 फरवरी को श्री दुर्गा माता (कड़ोहते बाली) की पावन जयंती मनाई जाएगी। वहीं, विशाल भंडारे का भी आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम में कबीर समाज के सदस्यों, अपना भाईचारा, कबीर महा पंचायत के पदाधिकारी, पड़ोसी गांवों व जिलों की कार्यकारिणी, कबीर राज्य स्तरीय प्रधान एवं कार्यकारिणी सदस्य तथा समस्त कबीर भक्तों को सपरिवार आमंत्रित किया गया है। आयोजन समिति के अनुसार सुबह पूजा-अर्चना व सत्संग के उपरांत श्रद्धालुओं के लिए भंडारा आयोजित किया जाएगा। कबीर सभा बडैहर के महासचिव एवं भूतपूर्व सैनिक सूबेदार मेजर बलवंत सिंह ने भोरंज उपमंडल सहित आसपास के क्षेत्रों के लोगों से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम की शोभा बढ़ाने की अपील की है।

न्यूज ब्रीफ

विशाल कुमार प्रधान, हितेश बने उपप्रधान

अनंत ज्ञान, चंबा। वन मंडल चंबा की वन मंडल स्तरीय कार्यकारिणी समिति की महत्वपूर्ण बैठक रविवार को वन परिक्षेत्र अधिकारी कार्यालय, निम्न चंबा में आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा, वन संरक्षण से जुड़े मुद्दों पर चर्चा तथा नई कार्यकारिणी समिति का गठन करना रहा। बैठक में वन मंडल चंबा के अंतर्गत विभिन्न वन परिक्षेत्रों से आए कुल 35 सदस्यों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। गहन विचार-विमर्श के बाद सर्वसम्मति से नई कार्यकारिणी समिति के गठन का प्रस्ताव पारित किया गया, जिसके अंतर्गत पदाधिकारियों का चयन संपन्न हुआ। सर्वसम्मति से विशाल कुमार को प्रधान एवं वरिष्ठ उप प्रधान पद की जिम्मेदारी सौंपी गई। उपप्रधान पद के लिए हितेश का चयन किया गया। वहीं सुरेश कुमार को महासचिव, विनोद कुमार को कोषाध्यक्ष तथा नेक राम को मीडिया प्रभारी नियुक्त किया गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों ने संगठन को और अधिक सशक्त बनाने, वन संरक्षण से संबंधित गतिविधियों को प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाने तथा कर्मचारियों की समस्याओं के समाधान के लिए एकजुट होकर कार्य करने का संकल्प व्यक्त किया। बैठक के समापन पर सदस्यों ने नवगठित कार्यकारिणी को शुभकामनाएं देते हुए संगठन से जुड़ी अपेक्षाओं पर भरोसा जताया।

गीत हटने के बाद संगठन बनाने का ऐलान

अनंत ज्ञान, चुराह। क्षेत्र के लोक कलाकारों में उस समय हड़कंप मच गया, जब प्रसिद्ध गायक टेकचंद हिमगिरी और पूजा वशिष्ठ द्वारा गाया गया गीत 'चांद बिरवाल' यूट्यूब से हटा दिया गया। यह गीत बीते कुछ समय से खासा लोकप्रिय हो रहा था, लेकिन अचानक इसके हटाए जाने से कलाकार समुदाय में नाराजगी और चिंता दोनों देखी जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार, गीत में किसी व्यक्ति विशेष का नाम जुड़ने को लेकर आपत्ति सामने आई, जिसके बाद किसी की भावनाओं को ठेस न पहुंचे। इस सोच के तहत गीत को प्लेटफॉर्म से हटाने का फैसला लिया गया। हालांकि, चुराह के कलाकारों का कहना है कि हर बार इस तरह का समझौता संभव नहीं होगा। कलाकारों ने स्पष्ट किया कि 'कोई भी गीत बिना कहानी, प्रेरणा या सामाजिक संदर्भ के नहीं बनता। साथ ही, बिना अनुमति किसी व्यक्ति का नाम जोड़ने का आरोप पूरी तरह गलत है। ' इस पूरे घटनाक्रम को गंभीरता से लेते हुए चुराह के कलाकारों ने अब एक आधिकारिक संगठन बनाने का ऐलान किया है। यह संगठन जल्द ही जिला भाषा अधिकारी कार्यालय में रजिस्टर्ड करवाया जाएगा, ताकि भविष्य में कलाकारों के अधिकार सुरक्षित रहें, रचनात्मक स्वतंत्रता पर अनावश्यक रोक न लगे और ऐसे विवादों का समाधान संस्थागत स्तर पर हो सके। कलाकारों का मानना है कि यह कदम चुराह की लोक संस्कृति और कला को एक सशक्त मंच देगा और भविष्य में किसी भी तरह के भ्रम या विवाद से बचाव करेगा।

राष्ट्र निर्माण के लिए निष्ठा से कार्य करने की ली शपथ

अनंत ज्ञान, सुंदरनगर। भारत विकास परिषद की सुंदरनगर शाखा का शपथ ग्रहण समारोह रविवार को गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर परिषद की नवगठित कार्यकारिणी ने समाज सेवा, संस्कार एवं राष्ट्र निर्माण के लिए निष्ठा से कार्य करने की शपथ ली। समारोह में शिवांश सोनी ने भारत विकास परिषद सुंदरनगर शाखा के अध्यक्ष पद की शपथ ग्रहण की। उनके साथ संजय शर्मा ने महासचिव और करण अग्रवाल ने कोषाध्यक्ष पद का दायित्व संभाला। कार्यक्रम में भारत विकास परिषद की प्रांतीय कार्यकारिणी के पदाधिकारी भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में भारत विकास परिषद सुंदरनगर शाखा सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सेवा कार्यों में नई पहचान स्थापित करेगी।

पांगी-भरमौर की आवाज किसकी जिम्मेदारी?

आपदाओं पर लोकसभा सांसद की भूमिका पर उठाए सवाल

अनंत ज्ञान

राहुल सहगल, चंबा। कांग्रेस के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष सुरजीत भरमौरी ने मीडिया से बातचीत में पांगी-भरमौर से जुड़े मुद्दों को लेकर एक कूटनीतिक, लेकिन असरदार बयान देते हुए राजनीतिक हलकों में नई बहस छेड़ दी है।

यह तथ्य अपने आप में विचारणीय है कि पांगी घाटी जैसे संवेदनशील क्षेत्र के मुद्दे संसद में राज्यसभा सांसद हर्ष महाजन द्वारा उठाए गए, जबकि नैतिक और संवैधानिक दृष्टि से इसका पहला अधिकार और दायित्व मंडी लोकसभा क्षेत्र की सांसद कंगना रनौत का बनता था। भरमौरी ने स्पष्ट किया कि राज्यसभा सांसद द्वारा दिल्ली में पांगी से जुड़े विषयों को मजबूती से उठाना सराहनीय है, लेकिन इससे यह सवाल भी स्वाभाविक रूप से खड़ा होता है कि जिस क्षेत्र ने जनादेश देकर अपनी सांसद चुनी, उसकी आवाज सबसे पहले उसी मंच से क्यों नहीं गूंजी। उन्होंने कहा कि पांगी मंडी संसदीय क्षेत्र का अभिन्न हिस्सा है और वहां के लोगों को यह अपेक्षा थी कि उनकी पीड़ा और मांगें लोकसभा में पूरे जोर-शोर से रखी जाएंगी। उन्होंने कूटनीतिक लहजे में कहा कि पांगी और भरमौर के लोगों को यह महसूस हो रहा है कि आपदा और संकट के समय उनकी उपस्थिति और समस्याएं राष्ट्रीय स्तर पर उतनी प्राथमिकता नहीं पा सकीं, जितनी मिलनी चाहिए थी। भरमौर में मणिमहेश यात्रा के दौरान आई प्राकृतिक आपदा, हाल ही में दो युवकों की असामयिक मृत्यु तथा पांगी के कुमार गांव में हुई त्रासदी का उल्लेख करते हुए भरमौरी ने कहा कि ऐसे मौकों पर जनप्रतिनिधियों की संवेदनशीलता और सक्रियता क्षेत्र के लोगों के विश्वास से सीधे जुड़ी होती है। चुनाव के दौरान क्षेत्र की जनता ने पूरे भरोसे के साथ अपने प्रतिनिधियों का स्वागत किया और उन्हें जमीनी हकीकत से परिचित कराया, लेकिन आज वही जनता विकास, संवाद और निरंतर संपर्क की प्रतीक्षा कर रही है। उन्होंने दावा किया कि यह भावना केवल विपक्ष तक सीमित नहीं है, बल्कि भाजपा के अंदरूनी विमर्श में भी इस विषय पर चर्चाएं सामने आई हैं।

कांग्रेस हर परिस्थिति में पांगी के लोगों के साथ खड़ी रहेगी

भरमौरी ने साफ किया कि उनका उद्देश्य किसी व्यक्ति विशेष पर व्यक्तिगत टिप्पणी करना नहीं, बल्कि पांगी-भरमौर के लोगों की उस पीड़ा को सामने लाना है, जो आज भी अपनी बुनियादी मांगों के लिए संघर्ष कर रहे हैं। कांग्रेस हर परिस्थिति में पांगी घाटी के लोगों के साथ खड़ी रहेगी और चैहणी टनल पांगी का अधिकार है, इस मांग को हर मंच पर मजबूती से उठाया जाता रहेगा। इन घटनाक्रमों के बीच राजनीतिक हलकों में यह चर्चा भी धीरे-धीरे जोर पकड़ रही है कि पांगी-भरमौर से जुड़े मुद्दों को लेकर उठ रहे सवालों का असर क्या भाजपा के अंदरूनी समीकरणों पर भी पड़ रहा है।

लिल्ह प्रीणा मार्ग पर बोलेरो दुर्घटनाग्रस्त

अनंत ज्ञान, चंबा। लिल्ह प्रीणा सड़क मार्ग पर शनिवार देर रात को बोलेरो गाड़ी गहरी खाई में जा गिरी। बताया जा रहा है कि बोलेरो गाड़ी, जिसे चालक बाला राम पुत्र लबधी गांव अंगारी डाकघर प्रीणा शनिवार शाम तकरीबन 7:00 बजे प्रीणा से चंबा की तरफ जा रहा था।

अचानक रजोटी नामक स्थान पर खड़ी उतराई पर ड्राइवर ने गाड़ी से नियंत्रण खो दिया जिससे गाड़ी गहरे नाले में जा गिरी। प्रारंभिक दृष्टि से गाड़ी दुर्घटना का मुख्य कारण ब्रेक फेल होना बताया जा रहा है हादसा इतना भयानक था कि इस दौरान गाड़ी के परखच्चे उड़ गए। राहत की बात यह रही कि इस भयंकर हादसे में किसी तरह ड्राइवर की सूझबूझ से ड्राइवर बच निकला वह मामूली चोटें आई जो की सुरक्षित बताया जा रहा है। हादसे के दौरान सिर्फ गाड़ी में ड्राइवर ही मौजूद था फिलहाल पुलिस को सूचना दे दी गई है जांच के दौरान ही हादसे के मुख्य कारणों का पता चल पाएगा। खबर लिखे जाने तक किसी भी तरह की विभागीय कार्रवाई नहीं हुई है।

भुवनेश सिंह बने नेशनल स्कूल गेम्स के थांग-ता इवेंट के तकनीकी डायरेक्टर

अनंत ज्ञान

चंबा। हिमाचल प्रदेश के चंबा जिले के लिए यह क्षण गर्व और सम्मान से भरा है। मैहला क्षेत्र के प्रख्यात मार्शल आर्ट प्रशिक्षक भुवनेश सिंह कटोच को दिल्ली में आयोजित खेलो इंडिया यूथ स्कूल गेम्स के तहत नेशनल स्कूल गेम्स के थांग-ता इवेंट का तकनीकी डायरेक्टर नियुक्त किया गया।

उनकी यह उपलब्धि न केवल चंबा बल्कि पूरे हिमाचल प्रदेश के लिए गौरव का विषय है। भुवनेश सिंह कटोच के कुशल मार्गदर्शन में उनके शिष्यों ने राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में अनेक पदक हासिल किए हैं। उनकी प्रशिक्षण क्षमता, तकनीकी समझ और अनुभव को देशभर में सराहा जाता है। कटोच स्वयं एक उत्कृष्ट हिमाचली खिलाड़ी रहे हैं और भारत का अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रतिनिधित्व भी कर चुके हैं। वर्ष 1998 में उन्होंने पारंपरिक मार्शल आर्ट थांग-ता को हिमाचल प्रदेश में स्थापित करने में अहम भूमिका निभाई। इसके बावजूद, थांग-ता आज तक हिमाचल प्रदेश के स्कूल गेम्स में विधिवत शामिल नहीं किया गया है। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि यदि समय रहते थांग-ता को स्कूल खेलों में स्थान मिला होता, तो आज हिमाचल के कई प्रतिभाशाली खिलाड़ी राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर रहे होते। खेल प्रेमियों ने सरकार और शिक्षा विभाग से मांग की है कि इस दिशा में शीघ्र और ठोस कदम उठाए जाएं, ताकि हिमाचल प्रदेश के युवा खिलाड़ी भी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर सकें।

विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान पर विस्तार से की गई चर्चा

त्रिलोचन महादेव मंडल के ग्रामकेंद्र गैहरा में ग्राम चौपाल की बैठक में उपस्थित बूथ अध्यक्ष, पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

गैहरा। त्रिलोचन महादेव मंडल के आईटी संयोजक राकेश कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि रविवार को ग्रामकेंद्र गैहरा में ग्राम चौपाल बैठक का सफल आयोजन हुआ। बैठक में ग्रामकेंद्र के अंतर्गत आने वाले सभी बूथों के कार्यकर्ता और पदाधिकारी सक्रिय रूप से उपस्थित रहे।

बैठक में भारत निर्वाचन आयोग द्वारा संचालित विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान पर विस्तार से चर्चा की गई। मतदाता सूचियों की शुद्धता, नए मतदाताओं का पंजीकरण और त्रुटि सुधार को लेकर कार्यकर्ताओं को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। साथ ही विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एवं आजीविका मिशन (ग्रामीण) के उद्देश्यों और ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार सृजन की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में केंद्र सरकार द्वारा पारित वर्ष 2026-27 के केंद्रीय बजट के प्रमुख बिंदुओं और आम जनता को मिलने वाले लाभों पर भी चर्चा हुई। ग्रामकेंद्र के अंतर्गत आने वाले गैहरा (1)-81, गैहरा (2)-82 और लड्डा-83 बूथों के अध्यक्षों और विभिन्न पदाधिकारियों ने बैठक में भाग लिया। बैठक का उद्देश्य संगठन को सशक्त बनाना और सरकारी योजनाओं को जन-जन तक प्रभावी रूप से पहुंचाना था।

नशामुक्त समाज बनाने में सहयोग की अपील की

अनंत ज्ञान, चंबा। नशामुक्त समाज के निर्माण के उद्देश्य से स्वास्थ्य विभाग, चंबा द्वारा चलाए जा रहे डी-एडिक्शन आईईसी अभियान के तहत पुलिस ग्राउंड, बरगा में जिला स्तरीय एंटी-ड्रग जागरूकता क्रिकेट मैच का आयोजन किया गया।

यह मैत्री मैच हिमाचल मेडिकल ऑफिसर्स एसोसिएशन और पं. जवाहर लाल नेहरू राजकीय मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल, चंबा की टीमों के बीच खेला गया। मैच से पहले सभी खिलाड़ियों और दर्शकों ने नशा न करने की शपथ ली। कार्यक्रम में नशे के दुष्प्रभावों के संबंध में बैनर, उद्घोषणा और आईईसी सामग्री वितरित की गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. जालम भारद्वाज ने युवाओं से खेलों में भाग लेने और नशे से दूर रहने का आह्वान किया। स्वास्थ्य विभाग ने कहा कि यह अभियान निरंतर जारी रहेगा।

पुखरी में क्रिकेट का महाकुंभ ईसीसी पुखरी बनी चैंपियन

अनंत ज्ञान

चंबा। पुखरी क्षेत्र में इमर्जिंग क्रिकेट क्लब (ईसीसी) पुखरी द्वारा आयोजित क्रिकेट प्रतियोगिता क्षेत्र के युवाओं के लिए उत्साह और खेल भावना का बड़ा मंच साबित हुई। प्रतियोगिता में 42 टीमों ने भाग लेकर अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। पूरे टूर्नामेंट के दौरान दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला।

प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला ईसीसी पुखरी और भूमनी की टीमों के बीच खेला गया। पहले बल्लेबाजी करते हुए ईसीसी पुखरी की टीम ने निर्धारित ओवरों में 179 रन का मजबूत स्कोर खड़ा किया। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भूमनी की टीम दबाव में आ गई और 8 विकेट पर ऑलआउट हो गई। शानदार गेंदबाजी और सटीक फील्डिंग के दम पर ईसीसी पुखरी ने मुकाबला जीतकर खिताब अपने नाम किया। समापन समारोह में ग्राम पंचायत पुखरी के समाजसेवी परवेश ठाकुर ने बतौर मुख्यातिथि शिरकत की। मैदान में पहुंचने पर खिलाड़ियों और क्लब सदस्यों ने उनका भव्य स्वागत किया तथा उन्हें शॉल, टोपी और बैच पहनाकर सम्मानित किया गया।

अपने संबोधन में परवेश ठाकुर ने युवाओं से खेलों के प्रति रुचि बढ़ाने और नशे से दूर रहने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि खेल शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ अनुशासन, आत्मविश्वास और टीम भावना को भी मजबूत करते हैं। समापन अवसर पर मुख्यातिथि द्वारा विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कार वितरित कर सम्मानित किया गया। प्रतियोगिता को सफल बनाने में इमर्जिंग क्रिकेट क्लब पुखरी की भूमिका सराहनीय रही।

चंबा में 5 आपराधिक मामले हुए दर्ज

अनंत ज्ञान, चंबा। जिला चंबा में कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में वृद्धि देखने को मिली है। जिला पुलिस द्वारा विभिन्न पुलिस थानों में कुल पांच आपराधिक अभियोग पंजीकृत किए गए हैं। सभी मामलों में नियमानुसार जांच प्रक्रिया अमल में लाई जा रही है। सदर थाना क्षेत्र में दर्ज अभियोग संख्या 30/26 में शिकायतकर्ता रजब रहमान ने लियाकत खान व एक अन्य व्यक्ति पर आरोप लगाया है कि आरोपियों ने जेसीबी मशीन से उनका खेत उजाड़ दिया तथा उन्हें जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पांगी थाना में अभियोग संख्या 04/26 के तहत आंच निवासी संजय कुमार की शिकायत पर राज कुमार व एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। शिकायत के अनुसार आरोपियों ने उन्हें घर बुलाकर मारपीट की और एक कमरे में बंद कर दिया। तीसा थाना में दर्ज अभियोग संख्या 19/2026 में छल्ला निवासी करण शर्मा ने आरोप लगाया है कि घर लौटते समय खुर्शीद व एक अन्य व्यक्ति ने रास्ता रोककर गाली-गलौज और मारपीट की। खैरी थाना क्षेत्र में अभियोग संख्या 07/2026 के अंतर्गत बगियाला निवासी चुंको देवी ने डल निवासी वंदना कुमारी के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई है। शिकायत में बताया गया है कि काम पर जाते समय आरोपी महिला ने रास्ता रोककर मारपीट और अभद्र व्यवहार किया। वहीं, महिला थाना चंबा में अभियोग संख्या 04/26 के तहत एक महिला ने अपने पति के खिलाफ लाठियों से पिटाई, क्रूरता और लगातार उत्पीड़न के गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस अधीक्षक जिला चंबा ने बताया कि सभी मामलों में अन्वेषण जारी है और दोषियों के खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी।

समदृष्टि से ही मानवता का कल्याण संभव: महात्मा अनिल

अनंत ज्ञान

चंबा। रविवार को संत निरंकारी भवन मुगला में महात्मा अनिल शर्मा जी की अध्यक्षता में साप्ताहिक सत्संग का आयोजन श्रद्धा एवं भक्ति भाव के साथ किया गया। सत्संग में दूर-दराज क्षेत्रों से आए सैकड़ों श्रद्धालु-भक्तों ने भाग लेकर आध्यात्मिक लाभ प्राप्त किया।

सत्संग का शुभारंभ आरती-वंदना से किया गया। इस अवसर पर साहू, जडेरा, मंगला राख, जांघी मेहला, धरावाला, मुगला, आदर्शनगर सहित विभिन्न गांवों व कस्बों से पधारे संत-महात्माओं ने सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज की शिक्षाओं को भजनों एवं विचारों के माध्यम से संगत के समक्ष प्रस्तुत किया। सत्संग के अंत में मंच पर विराजमान महात्मा अनिल शर्मा ने सतगुरु माता जी के पावन प्रवचनों को साझा करते हुए कहा कि समदृष्टि का अर्थ है समान दृष्टि, जिसमें किसी भी प्रकार का द्वैत या भेदभाव नहीं होता। उन्होंने कहा कि मन और शरीर से भले ही मानव भिन्न हो, लेकिन आत्मिक स्तर पर सम्पूर्ण मानवता एक है। महात्मा ने कहा कि हमारे पीर-पैगंबर एवं धर्मग्रंथ कभी भी पक्षपात की शिक्षा नहीं देते, फिर भी समाज में भेदभाव देखने को मिलता है। ईश्वर ने सभी को समान दृष्टि प्रदान की है, किंतु सोच और भावनाओं में अंतर मानव स्वयं उत्पन्न करता है। समदृष्टि सतगुरु की कृपा से ही संभव है। उन्होंने आगे बताया कि जब ब्रह्मज्ञान के माध्यम से जिज्ञासु का आत्मसात निरंकार से हो जाता है, तब उसे सम्पूर्ण सृष्टि में परमात्मा के दर्शन होने लगते हैं। वह वनस्पति, पर्वत, जीव-जंतु और प्रत्येक जीवित प्राणी में ईश्वर को अनुभव करता है। ऐसे व्यक्ति के जीवन से वैर-विरोध समाप्त हो जाता है और वह निरवैर भाव को अपनाता है। महात्मा ने कहा कि ब्रह्मज्ञानी व्यक्ति काम, क्रोध, लोभ, मोह और अहंकार पर विजय प्राप्त कर दया, करुणा एवं सहनशीलता से परिपूर्ण जीवन जीता है। वह स्वयं भी आनंदमय जीवन व्यतीत करता है और समाज के लिए प्रेरणा स्रोत बन जाता है।

अंजली ने बढ़ाया क्षेत्र का मान

अनंत ज्ञान, सरकाघाट। तहसील बलद्वाड़ा की पंचायत समैला के गांव केरण की अंजली ठाकुर ने संघ लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित ईएसआईसी नर्सिंग ऑफिसर परीक्षा में अखिल भारतीय रैंक 180 प्राप्त कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है।

अंजली ठाकुर के पिता ओमकार ट्रक चालक हैं, जबकि माता रीता देवी गृहिणी हैं। अंजली ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला समैला से प्राप्त की। इसके पश्चात उन्होंने डॉ. वाईएस परमार नाहन से जीएनएम किया तथा आईजीएमसी शिमला से पोस्ट बेसिक नर्सिंग की पढ़ाई पूरी की। अंजली ने पहले ही प्रयास में एनओआरसीईटी-7 परीक्षा उत्तीर्ण की और वर्तमान में एम्स जोधपुर में सेवाएं दे रही ह, अब उन्होंने यूपीएससी ईएसआईसी नर्सिंग ऑफिसर परीक्षा में अखिल भारतीय रैंक 180 हासिल कर सफलता का नया कीर्तिमान स्थापित किया है। उनका चयन ईएसआईसी अस्पताल बद्दी के लिए हुआ है।

भजन संध्या में संगत ने आत्मसात की गुरु की शिक्षाएं

अनंत ज्ञान

चंबा । संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज के 649वें जन्मोत्सव के उपलक्ष्य में गुरु रविदास गुरुद्वारा में कीर्तन दरबार एवं गुरु का अटूट लंगर श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ आयोजित किया गया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में संगत ने भाग लेकर गुरु महाराज की शिक्षाओं को आत्मसात किया। प्रात:काल आसा दी वार के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इसके उपरांत गुरु जस कीर्तन, पाठ का भोग, आरती एवं अरदास संपन्न हुई। इससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। कीर्तन दरबार में भाई अजीत भट्ट, भाई रोहित कुमार (मैहला), भाई कुलबीर सिंह, भाई सुनील कुमार, भाई अमरजीत सिंह, ओंकार सिंह तथा रागी जत्था गैहरा वालों द्वारा गुरु रविदास महाराज की महिमा का गुणगान किया गया। 'कह रविदास आस लग जीवो, माटी का पुतरा कैसे नचत है,बहुत जनम बिछुड़े थे माधो,नाम तेरे की जोत लगाई, 'कह रविदास सभे जग लुटेया, हम तो एक राम कह छुटेया' सहित अनेक शबदों से संगत भावविभोर हो उठी। इस अवसर पर गुरु रविदास सभा लकड़ोलू मैहला के प्रधान एवं कार्यकारिणी सदस्यों द्वारा विशेष अतिथियों को शिरोपा पहनाकर तथा संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज का बैज भेंट कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में एलआर ठाकुर, गुरु रविदास सभा मैहला के प्रधान इंद्र सिंह, सचिव अश्वनी कुमार, कोषाध्यक्ष अशोक कुमार, रमेश कुमार, पुन्नू राम, सुनील कुमार, योगेश कुमार, नीरज कुमार, अमन कुमार, नारो देवी, बबली देवी, ऊषा कुमारी, बिमला देवी, शैलजा, अनिता देवी, ग्रंथी रवि कुमार उपस्थित रहे। इसके अतिरिक्त गुरु रविदास सभा चंबा के प्रधान जितेंद्र सूर्या, वरिष्ठ उपप्रधान अविनाश पाल, कोषाध्यक्ष सुदेश चंद्रा, हिमाचल प्रदेश गुरु रविदास महासभा के वरिष्ठ उपप्रधान जीतेश्वर सूर्या, अंबेडकर मिशन सोसाइटी चंबा के अध्यक्ष योगेश्वर अहीर, महासचिव अनूप राही, गुरु रविदास सभा काकड़ोलू के प्रधान रमेश चंद, सिहुंता के प्रधान जगदीश चंद, लेख राम, राजिंद्रा सूर्या, दलबीर सूर्या, डॉ. राजीव चंद्रा, नर्वदा अहीर, भोला सिंह भट्ट, सुरिंदर सिंह सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। अंत में गुरु का अटूट लंगर वितरित किया गया। आयोजन के माध्यम से गुरु रविदास महाराज के समता, प्रेम, भाईचारे और मानवता के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प दोहराया गया।

500 वर्ष की दहलीज की ओर बढ़ते मंडी नगर की विरासत से जोड़ेगी हेरिटेज वॉक

अनंत ज्ञान ब्यूरो, मंडी। अंतरराष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव के दौरान मंडी नगर की ऐतिहासिक, सामाजिक और धार्मिक विरासत से आमजन को रूबरू करवाने के उद्देश्य से पहली बार हेरिटेज वॉक आयोजित की जा रही है। यह आयोजन मंडी नगर के 500 वर्ष की ऐतिहासिक दहलीज की ओर बढ़ते गौरवपूर्ण सफर की पृष्ठभूमि में किया जा रहा है, जिसके माध्यम से शहर की सदियों पुरानी सांस्कृतिक पहचान को नजदीक से जानने और समझने का अवसर मिलेगा। अतिरिक्त उपायुक्त गुरसिमर सिंह ने बताया कि हेरिटेज वॉक 15, 17, 18 और 20 फरवरी को आयोजित की जाएगी। यह वॉक प्रतिदिन दो सत्रों में करवाई जाएगी। पहला सत्र प्रातः 10:30 बजे तथा दूसरा सत्र अपराह्न 2:30 बजे आरंभ होगा। हेरिटेज वॉक सेरी मंच से शुरू होकर राजमहल, माधो राय मंदिर, बाबा भूतनाथ मंदिर, पंचवक्त्र मंदिर, हनुमानघाट, खुहारानी मंदिर, अर्धनारीश्वर मंदिर, त्रिलोकीनाथ मंदिर, महामृत्युंजय मंदिर, टारना देवी, बरसील्ले और गणपति मंदिर होते हुए घंटाघर, इंदिरा मार्केट (सिद्धकाली मंदिर) में संपन्न होगी। हेरिटेज वॉक में सीमित संख्या में ही प्रतिभागी शामिल हो सकेंगे, जिसके लिए पूर्व पंजीकरण अनिवार्य रखा गया है। पंजीकरण पूरी तरह निशुल्क होगा। इच्छुक व्यक्ति मोबाइल नंबर 9418123001 और 9805373758 पर संपर्क कर पंजीकरण करवा सकते हैं। हेरिटेज वॉक के दौरान सत्य महेश प्रतिभागियों का मार्गदर्शन करेंगे, जिन्होंने मंडी के मंदिरों और इतिहास पर कई पुस्तकें लिखी हैं।

अदालती नोटिस
व अदालत सहायक समाहर्ता द्वितिय श्रेणी पामलपुर जिला कांगड़ा हि.प्र.।

किस्म मुकदमा
तकसीम
मुकदमा न. 136/2023
तारीख पेशी 10.02.2026

वालम चन्द बनाम रणजीत कुमार

समन बनामः-1. रणजीत कुमार पुत्र व 2. विमला देवी 3. गंगो देवी 4. पिंकी देवी पुत्री शिवू राम 5. ब्रहमू राम 7. सतीश कुमार पुत्र व 8. मानो देवी पुत्री व 9. कृष्णा देवी विध्वा रमेश कुमार 10. भेवतू पुत्र माहिया 11. सतीश कुमार 12 .राजिन्द्र कुमार पुत्रान व 13. कमलेश रानी पुत्री व 14 कान्ता देवी विध्वा किरलू उपनाम किरपू राम पुत्र माहिया भोटलू उपनाम रमेश कुमार 2. चान्नू राम पुत्र व श्रीमति शान्ति देवी पुत्री नानकू पुत्र लखू 4. करतार चन्द पुत्र व 5. ब्रहमी देवी 6. हरयाली देवी 7. लोहकू देवी पुत्री पिपलू पुत्र लोहकू 8. कमेलश कुमार पुत्र व 9 मीरा देवी 10. कुमारी सीमा देवी पुत्री सिमरो देवी 11. किशोरी लाल 12 सोहन चन्द पुत्र मूल राम 13. गोल्डी पुत्री मूल राम 14. कान्ता देवी पत्नि मूल राज निवासी कलियालकड़, मौजा विन्द्रावन, तहसील पालमपुर, जिला कांगड़ा हि. प्र.।

विषयः- भूमि तकसीम खाता न. 121 खतौनी न. 196 ता. 198 खसरा न. किता-17 रकवा तादादी 0-34-68 हैक्ट. स्थित महाल कलियालकड़, तहसील पालमपुर जिला कांगड़ा हि.प्र. जमाबन्दी वर्ष 2017-18

उपरोक्त मुकदमा इस न्यायालय में विचाराधीन है। इसमें प्रतिवादी को कई बार समन किए गए परन्तु साधारण तरीके से तामील न हो रही है। अतः अब इश्तहार द्वारा प्रतिवादी उपरोक्त को सूचित किया जाता है कि इस केस बारे कोई भी एतराज पेश करना हो तो वह दिनांक 10.02.2026 को अधोहस्ताक्षरी की अदालत में हाजिर होकर पेश कर सकता है। गैर हाजिर की सूरत में एक तरफा कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

आज दिनांक 02.02.2026 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर सहित जारी हुआ।

सहायक समाहर्ता द्वित्तीय श्रेणी पालमपुर जिला कांगड़ा हि.प्र.।

आरडीजी बंद करना गहरे आर्थिक संकट में डालने की साजिश: संजीव

अनंत ज्ञान, रिवालसर। हिमाचल प्रदेश में रिवेन्यू डिफिसिट ग्रांट (आरडीजी) को लेकर सियासत तेज हो गई है। कांग्रेस नेता व मंडी जिला एपीएमसी के अध्यक्ष संजीव गुलेरीया ने केंद्र सरकार पर हिमाचल के साथ भेदभाव के आरोप जड़े हैं। उन्होंने कहा कि आपदा में प्रधानमंत्री ने अपने हिमाचल दौरे के दौरान राहत के तौर पर 1500 करोड़ देने की घोषणा की थी, लेकिन महीनों बीत जाने के बाद 15 रुपए भी नहीं मिले है। उन्होंने कहा की अब केंद्र सरकार द्वारा आरडीजी बंद कर प्रदेश को गहरे आर्थिक संकट में धकेलने की गहरी साजिश रची गई है। गुलेरिया ने कहा कि आरडीजी कोई सब्सिडी या एहसान नहीं, बल्कि राज्यों के बीच न्याय और संतुलन की बात है। प्रदेश का लगभग 90 प्रतिशत क्षेत्र पर्वतीय है, उद्योग सीमित है, जबकि शासन और जनसेवाओं का खर्च कहीं अधिक है। दूरदराज इलाकों में सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा व आपदा राहत पर अतिरिक्त संसाधन लगते हैं। राजस्व घाटा अनुदान संविधान में दी गई व्यवस्था है, ताकि ऐसे राज्यों के साथ अन्याय न हो। आरडीजी के बिना बोझ सीधे किसान, मजदूर और गरीब वर्ग पर पड़ेगा, कल्याण योजनाएं कमजोर होंगी और प्रदेश गंभीर आर्थिक दबाव में आ जाएगा।

धार्मिक आस्था, विश्वास व पर्यटन गतिविधियों का केंद्र बनकर उभरा तत्तापानी

गर्म पानी के प्राकृतिक चश्मों को पुनर्जीवित करने के लिए ठोस कदम उठा रही प्रदेश सरकार

अनंत ज्ञान

अनिल शर्मा, मंडी। मंडी जिले के करसोग क्षेत्र में स्थित तत्तापानी तेजी से नए पर्यटन गंतव्य के रूप में उभर रहा है।

अपने गर्म पानी के चश्मों के लिए मशहूर यह ऐतिहासिक नगर कोल डैम में रोमांचक वॉटर स्पोर्ट्स गतिविधियों के लिए भी अब विख्यात हो रहा है। प्रदेश की राजधानी शिमला से महज 55 किमी दूर तत्तापानी आस्था, विश्वास और साहसिक पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनता जा रहा है। अपने मनोरम प्राकृतिक दृश्यों और गहरी आध्यात्मिक जड़ों के कारण यह क्षेत्र हर तरह के सैलानियों को आकर्षित करता है। कोलडैम परियोजना के कारण तत्तापानी में बनी झील में कई जलक्रीड़ा गतिविधियां शुरू की गई हैं। यहां आने वाले पर्यटकों के लिए पानी में अठखेलियां करती मोटर बोट से लेकर जेट स्की और हॉट एयर बैलून जैसी क्रीड़ाएं करवाई जा रही हैं।

मंडी जिले के करसोग क्षेत्र में स्थित तत्तापानी में स्नान करते हुए श्रद्धालु। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान स्पैशल

मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू के नेतृत्व में राज्य सरकार द्वारा तत्तापानी क्षेत्र को एक नए पर्यटन गंतव्य के रूप में विकसित करने की कवायद शुरू की गई है। इसके अंतर्गत कोलडैम प्रबंधन के साथ हाल ही में बैठक कर राज्य सरकार ने धार्मिक आस्था व विश्वास की इस धरती पर स्थित गर्म पानी के प्राकृतिक चश्मों को पुनर्जीवित करने की पहल की है। साथ ही पहले से मौजूद कुंडों की हालत सुधारने तथा उनमें गर्म पानी उचित मात्रा में उपलब्ध करवाने के भी प्रयास किए जा रहे हैं।

इन कार्यों के दृष्टिगत कोलडैम प्रबंधन को विस्तृत डीपीआर तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं, ताकि इस स्थान को विकसित कर, यहां के धार्मिक महत्व और प्राकृतिक सौंदर्य को बरकरार रखा है। सतलुज नदी के किनारे स्थित तत्तापानी अपने प्राकृतिक गर्म पानी के चश्मों के लिए विश्व प्रसिद्ध है। यहां का गंधकयुक्त गर्म पानी औषधीय गुणों से भरपूर है। मान्यता है कि यहां स्नान करने से चर्म रोग और जोड़ों के दर्द ठीक हो जाते हैं। इसके अतिरिक्त, यहां का धार्मिक व सांस्कृतिक महत्व भी है। मान्यता है कि यहां स्नान करने से कुंभ स्नान के बराबर पुण्य मिलता है। हर वर्ष मकर संक्रांति पर, गर्म पानी के कुंडों में हजारों लोग आस्था की डुबकी लगाकर पुण्य के भागी बनते हैं। सूर्य देव के उत्तरायण होने पर यहां मकर संक्रांति उत्सव मनाया जाता है। इसमें हजारों लोग शामिल होते हैं।

गर्म पानी के चश्मों में स्नान कर तुलादान करने की परंपरा भी रही है। लोग श्रद्धानुसार अन्न, वस्त्र आदि दान करते हैं। मान्यता अनुसार इससे ग्रह दोष शांत होते हैं व व्यक्ति को सुख-समृद्धि व मोक्ष की प्राप्ति होती है। इस क्षेत्र का ऐतिहासिक महत्व भी है, क्योंकि यह सप्तऋषियों में से एक ऋषि जमदग्नि की तपोस्थली मानी गई है। तत्तापानी वाटर स्पोर्ट्स एसोसिएशन के सचिव प्रेम रैना का कहना है कि यह स्थान धार्मिक आस्था, विश्वास और पर्यटन गतिविधियों का केंद्र बन कर उभरा है। ऋषि जमदग्नि की तपोभूमि होने, यहां का धार्मिक महत्व, औषधीय गुणों से भरपूर गर्म पानी के कुंड और झील में आयोजित होने वाली जलक्रीड़ा गतिविधियां पर्यटकों को आकर्षित करती हैं।

अदालती नोटिस
व अदालत नायव-तहसीलदार एंव कार्यकारी दंडाधिकारी तहसील पालमपुर जिला कांगड़ा हि.प्र.।

मुकदमा न. -01/NT/26
तारीख पेशीः- 10.02.2026
पवना देवी पुत्री विक्रम राम वर्तमान पता पत्नि प्रशोतम चन्द निवासी वार्ड न. 4 गांव थला डा. कण्डी तहसील पालमपुर जिला कांगड़ा हि.प्र.।

बनाम
आम जनता
प्रार्थना पत्र वराये जन्म पंजीकरण

पवना देवी पुत्री विक्रम राम वर्तमान पता पनि प्रशोतम चन्द निवासी वार्ड न. 4 गांव थला डा. कण्डी तहसील पालमपुर जिला कांगड़ा हि.प्र., ने इस कार्यालय में प्रार्थना पत्र पेश किया है कि उनका जन्म दिनांक 01.07.1971 को गांव बन्दला, डा. नच्छिर, तहसील पालमपुर में हुआ है लेकिन सम्वन्धित ग्राम पंचायत/नगर निगम पालमपुर में जन्म पंजीकरण अभिलेख में दर्ज न है।

अतः सर्व साधारण को इस इतलाह वजरिया अखबारी ईश्तहार द्वारा करवाई जा रही है। यदि किसी को इस मुकद्दमा वारे कोई उज्र/एतराज है तो वह असालतन या वकालतन अधोहस्ताक्षरी की अदालत में दिनांक 10.02.2026 हाजिर होकर अपना पक्ष रख सकता है। गैर हाजरी की सूरत में प्रार्थी का प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाएगा ।

आज दिनांक 17.01.2026 को हमारे हस्ताक्षर व मोहर सहित जारी किया गया।

कार्यकारी दण्डाधिकारी पालमपुर।

संयम संस्कृति का मूल है। विलासिता निर्बलता और चाटुकारिता के वातावरण में न तो संस्कृति का उद्‌भव होता है और न विकास।

-काका कालेलकर

संपादकीय

सरकारी तंत्र में सेंध

हिमाचल प्रदेश में वाहनों के पंजीकरण से जुड़े फर्जीवाड़े के मामले इन दिनों गंभीर चिंता का विषय बने हुए हैं। खासकर बिलासपुर और सोलन जिलों से सामने आए प्रकरणों ने परिवहन विभाग की कार्यप्रणाली और साइबर सुरक्षा व्यवस्था पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। वाहनों का पंजीकरण एवं लाइसेंसिंग प्राधिकरण (आरएलए) कार्यालयों में ई-वाहन पोर्टल के माध्यम से किए जा रहे इस कथित फर्जी सत्यापन ने यह स्पष्ट कर दिया है कि तकनीक के सहारे अपराधी अब सरकारी तंत्र में भी सेंध लगाने में सक्षम हो चुके हैं। सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि आरएलए कार्यालय के एक क्लर्क की लॉगिन आईडी को बाहर से एक्सेस किया गया और उसी के माध्यम से दर्जनों वाहनों का पंजीकरण कर दिया गया। यह महज तकनीकी चूक नहीं, बल्कि एक संगठित अपराध की ओर इशारा करता है। सवाल यह है कि किसी कर्मचारी की निजी लॉगिन आईडी अपराधियों तक कैसे पहुंची? क्या यह केवल लापरवाही का परिणाम है या फिर इसके पीछे किसी की अंदरूनी मिलीभगत? यदि यह मिलीभगत है, तो मामला केवल साइबर अपराध तक सीमित नहीं रह जाता, बल्कि भ्रष्टाचार और तंत्र की कमजोरी का भी प्रमाण बन जाता है। यह तथ्य भी बेहद गंभीर है कि न तो मोटर व्हीकल इंस्पेक्टर (एमवीआई) को इन मामलों की जानकारी थी और न ही आरएलए स्तर पर किसी को भनक लगी। शातिर व्यावसायिक वाहनों का पंजीकरण खुद ही कर रहे थे और उनकी वजन उठाने की क्षमता में मनमाने बदलाव भी कर रहे थे। इतना ही नहीं, वाहनों के ट्रांसफर रिकॉर्ड से भी छेड़छाड़ की गई। यह सब लंबे समय से चलता रहा और विभाग को इसका पता तक नहीं चला। यह स्थिति विभागीय निगरानी प्रणाली की कमजोरी को उजागर करती है।

साइबर अपराध आज केवल बैंक फ्रॉड या ऑनलाइन ठगी तक सीमित नहीं रह गया है, बल्कि अब यह सरकारी पोर्टलों और प्रशासनिक प्रक्रियाओं को भी निशाना बना रहा है। हिमाचल प्रदेश ही नहीं, बल्कि पूरे देश में साइबर अपराध तेजी से बढ़ रहा है। अपराधी इतने शातिर हो चुके हैं कि वे तकनीकी खामियों का फायदा उठाकर कानून की आंखों में धूल झोंक देते हैं। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि पुलिस और संबंधित एजेंसियां अब भी इस चुनौती से निपटने के लिए पूरी तरह सक्षम नजर नहीं आतीं। आरएलए सोलन की फर्जी आईडी से 40 से अधिक वाहनों का पंजीकरण होना इस बात का प्रमाण है कि यह कोई छोटा-मोटा खेल नहीं, बल्कि बड़ा नेटवर्क सक्रिय हो सकता है। जिन वाहनों का पंजीकरण हुआ है, उनमें अधिकांश दूसरे राज्यों के बताए जा रहे हैं। इनमें कमर्शियल और टैक्सी वाहन ही नहीं, बल्कि कुछ निजी वाहन भी शामिल हैं। इससे यह आशंका और गहरी हो जाती है कि कहीं चोरी की गाड़ियों को फर्जी दस्तावेजों के सहारे वैध बनाने का प्रयास तो नहीं किया गया। इस पूरे मामले में पुलिस की जांच अब तक किसी ठोस नतीजे तक नहीं पहुंच पाई है। यह भी चिंता का विषय है कि यदि इतने बड़े पैमाने पर फर्जीवाड़ा हो चुका है, तो अब तक दोषियों की पहचान क्यों नहीं हो सकी। क्या जांच एजेंसियों के पास साइबर अपराध से निपटने के लिए पर्याप्त तकनीकी संसाधन और प्रशिक्षित कर्मी नहीं हैं? यदि नहीं, तो सरकार इस दिशा में गंभीर पहल करनी चाहिए।

परिवहन विभाग ने एनआईसी दिल्ली से आरएलए वाहन पोर्टल का रिकॉर्ड मांगा है, क्योंकि इसी संस्था ने पोर्टल का निर्माण और उसकी निगरानी की है। यह कदम स्वागतयोग्य है, लेकिन केवल रिकॉर्ड मंगाने से समस्या का समाधान नहीं होगा। आवश्यकता इस बात की है कि पूरे सिस्टम का ऑडिट कराया जाए और यह पता लगाया जाए कि सुरक्षा में कहां चूक हुई। साथ ही, जिन अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका संदिग्ध है, उनसे सख्ती से पूछताछ होनी चाहिए। इस प्रकरण ने यह भी स्पष्ट कर दिया है कि डिजिटल इंडिया के दौर में केवल पोर्टल बनाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उनकी सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित करना उतना ही जरूरी है। यदि सरकारी सिस्टम में ही इस तरह की सेंधमारी संभव है, तो आम नागरिक का भरोसा कैसे कायम रहेगा? वाहन पंजीकरण जैसे संवेदनशील कार्य में यदि फर्जीवाड़ा हो सकता है, तो सड़क सुरक्षा, कर संग्रह और कानून-व्यवस्था सभी पर इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा। सरकार और प्रशासन को चाहिए कि वह इस मामले को उदाहरण बनाकर सख्त कार्रवाई करे। दोषियों को केवल निलंबन या स्थानांतरण तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उनके खिलाफ कठोर कानूनी कदम उठाए जाएं। साथ ही, साइबर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए आधुनिक तकनीक, नियमित पासवर्ड अपडेट, दो-स्तरीय प्रमाणीकरण (टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन) और कर्मचारियों को साइबर प्रशिक्षण देना अनिवार्य किया जाए। यह मामला केवल बिलासपुर और सोलन तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे प्रदेश के प्रशासनिक ढांचे के लिए चेतावनी है। यदि समय रहते इस पर कड़ा प्रहार नहीं किया गया, तो भविष्य में ऐसे फर्जीवाड़े और बड़े पैमाने पर सामने आ सकते हैं। उम्मीद की जानी चाहिए कि एनआईसी और पुलिस की संयुक्त जांच से इस गोरखधंधे में शामिल बड़े मगरमच्छों का पर्दाफाश होगा और जनता का भरोसा फिर से व्यवस्था पर कायम हो सकेगा। यह केवल अपराधियों को पकड़ने का मामला नहीं, बल्कि सिस्टम को मजबूत करने की परीक्षा भी है। ■

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

आज की प्रमुख हस्ती

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री

एकनाथ संभाजी शिंदे भारत के राजनीतिज्ञ और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री हैं। वे महाराष्ट्र सरकार में शहरी विकास और लोक निर्माण (सार्वजनिक उपक्रम) के कैबिनेट मंत्री भी रह चुके हैं। शिंदे ठाणे के कोपरी-पाचपाखाड़ी विधानसभा क्षेत्र से विधायक हैं और महाराष्ट्र विधानसभा में लगातार चार बार (2004, 2009, 2014, 2019) निर्वाचित हुए हैं।

एकनाथ संभाजी शिंदे
जन्म : 9 फरवरी, 1964

महाराष्ट्र की राजनीति में लंबे संघर्ष के बाद एकनाथ शिंदे राज्य के मुख्यमंत्री बने थे, उन्हें 40 से अधिक विधायकों का समर्थन प्राप्त था। वहीं, पूर्व मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे फ्लोर टेस्ट में शामिल नहीं हुए, क्योंकि उनके पास पर्याप्त विधायकों का समर्थन नहीं था। इस प्रकार शिंदे ने 30 जून 2022 से महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली थी। एकनाथ शिंदे का जन्म मुंबई में 9 फरवरी 1964 को हुआ। उनके पिता का नाम संभाजी नवलू शिंदे और माता का नाम गंगुबाई शिंदे है। उनका विवाह लता शिंदे से हुआ और उन्हें एक पुत्र, श्रीकांत शिंदे है। प्रारंभिक जीवन में परिवार आर्थिक रूप से कमजोर था। 16 साल की उम्र में उन्होंने अपने परिवार की मदद के लिए ऑटो रिक्शा चलाना शुरू किया और कुछ समय के लिए शराब बनाने वाली फैक्टरी में भी काम किया।

शिंदे का राजनीतिक सफर संघर्ष और मेहनत की मिसाल है। सामान्य जीवन से उठकर उन्होंने महाराष्ट्र की राजनीति में मजबूती और पहचान बनाई, और राज्य के मुख्यमंत्री के रूप में भी जिम्मेदारी निभा चुके हैं। ■

कविता

पतझड़

वीरेंद्र शर्मा वात्स्यायन
ऊना (हिमाचल प्रदेश) मो. 9417280333

पतझड़ का आया है मौसम, पत्तियों का अस्तित्व टूट कर
है धरा पर बिखर सा रहा, पतझड़ मौसम का आना
फूल-पत्तों का नीचे गिरना, दे जाता हमें यह संदेश
आत्मा परमात्मा का है मेल, गिरते पत्तों के ही समान
आत्मा बदलती है नए वस्त्र, बहार आकर देती है दस्तक
क्यों होता है व्यथित तू प्राणी, पतझड़ की यही है कहानी
प्रकृति का यह है अद्‌भुत नियम, मौसमों का यहां आना-जाना
जन्म -मरण का है यह खेल, आवागमन का है यह चक्कर
पतझड़ आई तो क्या हुआ, बहार भी तो आएगी यहां
पतझड़ से मुंह न मोड़ो, प्रकृति से तुम नाता जोड़ो
समझ लो जीवन की कहानी

पाठकों से अनुरोध है कि वे अपनी प्रतिक्रिया, सुझाव, आलेख कविताएं और अपनी बात कॉलम के लिए सामग्री *editoranantgyaan@gmail.com* पर या व्हाट्सऐप नंबर 8894521702 व 8091450407 पर भेज सकते हैं।

हिमाचल की अनदेखी और दिल्ली की चुप्पी

केंद्रीय मंत्री निर्मला सीतारमण का आम बजट हिमाचल प्रदेश के लिए उम्मीद नहीं, बल्कि एक गहरी निराशा और राजनीतिक उपेक्षा का दस्तावेज बनकर सामने आया है। जिस राज्य को उसके कठिन भौगोलिक हालात, सीमित संसाधनों और पर्यावरणीय जिम्मेदारियों के कारण विशेष सहयोग की आवश्यकता थी, उसे इस बजट में न केवल नजरअंदाज किया गया, बल्कि ऐसे फैसले थोप दिए गए, जिनका असर आने वाले कम से कम एक दशक तक हिमाचल की अर्थव्यवस्था, विकास और सामाजिक स्थिरता पर पड़ेगा। यह बजट हिमाचल के लिए दोहरे आर्थिक प्रहार समान है। एक तरफ राजस्व घाटा अनुदान यानी रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया और दूसरी तरफ विदेशी फलों पर आयात शुल्क न बढ़ाकर प्रदेश के बागवानों की कमर तोड़ दी। इन दोनों फैसलों को अलग-अलग नहीं, बल्कि संयुक्त रूप से देखा जाए तो यह साफ हो जाता है कि यह केवल नीतिगत चूक नहीं, बल्कि सुनियोजित उदासीनता है।

हिमाचल प्रदेश कोई सामान्य राज्य नहीं है। यह देश का ऐसा पहाड़ी राज्य है जहां 90 प्रतिशत से अधिक क्षेत्र दुर्गम पहाड़ियों से घिरा है। यहां न तो बहुत ज्यादा उद्योगों की भरमार है, न ही बड़े महानगरों जैसी राजस्व क्षमता। राज्य की आर्थिकी मुख्य रूप से पर्यटन, बागवानी, कृषि, जलविद्युत और केंद्र सरकार से मिलने वाली वित्तीय सहायता पर निर्भर करती है। ऐसे में राजस्व घाटा अनुदान हिमाचल के लिए कोई भीख नहीं, बल्कि संघीय ढांचे के तहत मिला संवैधानिक अधिकार है। आरडीजी का मूल उद्देश्य ही यही था कि जिन राज्यों की आय उनके अनिवार्य खर्चों से कम है, उन्हें केंद्र सहयोग दे ताकि वे अपने प्रशासनिक और सामाजिक दायित्वों को निभा सकें, लेकिन इस बजट में इस अधिकार को बेरहमी से छीन लिया गया।

सरल शब्दों में समझें तो राज्य सरकारें कर लगाकर जो आय जुटाती हैं, वही उनका राजस्व होता है। इसके बाद उनके खर्चों का आकलन किया जाता है। यदि खर्च आय से अधिक हो तो उसे रेवेन्यू डेफिसिट कहा जाता है और उस घाटे की भरपाई के लिए केंद्र सरकार रेवेन्यू डेफिसिट ग्रांट देती रही है।

हिमाचल प्रदेश को पिछले 73 सालों से लगातार आरडीजी मिलती रही है। ऐसा पहली बार हुआ है जब हिमाचल को दरकिनार किया गया है। यह कदम प्रदेश के लिए चिंता का विषय है और सरकार की परेशानी भी बढ़ा सकता है। 2019 से 2025 तक हिमाचल को कुल 48 हजार करोड़ रुपए आरडीजी के रूप में प्राप्त हुए थे, जिसने विकास और सामाजिक कल्याण के कई प्रोजेक्ट्स को संभव बनाया। अब आरडीजी बंद होने से प्रदेश की आर्थिकी कमजोर होना स्वाभाविक है। इससे हिमाचल के विकास की गति प्रभावित हो सकती है और प्रदेश को नई चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है।

हिमाचल में जहां वेतन, पेंशन, ब्याज और बुनियादी सेवाओं पर खर्च अपरिहार्य है, इस ग्रांट के बिना वित्तीय संतुलन बनाए रखना लगभग असंभव हो जाता है, लेकिन अब यह व्यवस्था ही समाप्त कर दी गई है। इसका अर्थ यह है कि चाहे हिमाचल पर कितना भी घाटा क्यों न आ जाए, केंद्र सरकार उसकी भरपाई नहीं करेगी। यह फैसला आर्थिक रूप से कठोर ही नहीं, बल्कि संघीय ढांचे की भावना के खिलाफ भी है।

16वें वित्त आयोग की सिफारिशों के बाद आरडीजी को बंद कर देने से हिमाचल प्रदेश को अगले पांच वर्षों में लगभग 50 हजार करोड़ रुपए का सीधा नुकसान होगा। यह कोई अनुमान नहीं, बल्कि ठोस वित्तीय आकलन है। राज्य की कुल आय का लगभग 85 प्रतिशत हिस्सा पहले ही वेतन, पेंशन और कर्ज के ब्याज में खर्च हो जाता है। ऐसे में विकास कार्यों, नई योजनाओं और बुनियादी ढांचे के लिए बहुत सीमित राशि ही बचती है। अब जब आरडीजी भी समाप्त हो गई है, तो स्थिति और भयावह हो जाएगी। वेतन और पेंशन के भुगतान में देरी की आशंका बढ़ेगी, सड़कें, पुल, जलापूर्ति जैसी बुनियादी परियोजनाएं प्रभावित होंगी और नई योजनाओं की कल्पना करना भी कठिन हो जाएगा।

यथार्थ

समरजीत

यहां यह भी याद रखना जरूरी है कि हिमाचल पहले से ही भारी कर्ज के बोझ तले दबा हुआ है। राज्य पर एक लाख करोड़ रुपए से अधिक का कर्ज है। मौजूदा सरकार ने कर्ज की सीमा बढ़ाने की मांग जरूर की है, लेकिन केंद्र सरकार ने इस पर भी कोई सकारात्मक रुख नहीं दिखाया। आरडीजी के बिना सरकार के पास दो ही विकल्प बचते हैं-या तो खर्चों में भारी कटौती करे, जिसका सीधा असर जनता पर पड़ेगा, या फिर और अधिक कर्ज ले, जिससे राज्य की वित्तीय सेहत और बिगड़ेगी। यह एक ऐसा आर्थिक फंदा है, जिसमें फंसकर हिमाचल लंबे समय तक उबर नहीं पाएगा। भाजपा के नेता और समर्थक यह तर्क देकर केंद्र का बचाव कर रहे हैं कि आरडीजी केवल हिमाचल की ही नहीं, बल्कि कुल 17 राज्यों की बंद की गई है। इनमें 10 राज्य भाजपा या एनडीए शासित हैं और सात राज्य विपक्षी दलों के शासन में हैं, लेकिन यह तर्क बेहद सतही है। सभी राज्यों की परिस्थितियां एक जैसी नहीं होतीं। हिमाचल का भौगोलिक और पर्यावरणीय दायित्व बाकी राज्यों से कहीं अधिक है। राज्य का लगभग 68 प्रतिशत क्षेत्र वन भूमि के अंतर्गत आता है और करीब 28 प्रतिशत क्षेत्र घने जंगलों से ढका है। इतना ही नहीं, यहां से पांच प्रमुख नदियां भी निकलती हैं, जिनका संरक्षण केवल हिमाचल नहीं, बल्कि पूरे उत्तर भारत के लिए जरूरी है। इन नदियों की वजह से कई राज्यों का जीवन चलता है। वनों और जलस्रोतों की रक्षा पर ही राज्य को करीब 90 हजार करोड़ रुपए खर्च करने पड़ते हैं, लेकिन इसके बदले कोई ठोस मुआवजा या विशेष पैकेज नहीं दिया जाता।

बजट में दूसरा बड़ा झटका हिमाचल की बागवानी आर्थिकी को लगा है। प्रदेश के ढाई लाख से अधिक परिवार बागवानी पर निर्भर हैं और सेब यहां की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। बागवान लंबे समय से मांग कर रहे थे कि विदेशी फलों, खासकर सेब पर आयात शुल्क बढ़ाया जाए ताकि घरेलू उत्पादकों को संरक्षण मिल सके। अपेक्षा यह थी कि आयात शुल्क कम से कम 100 प्रतिशत किया जाएगा, जिससे विदेशी सेब महंगा हो और हिमाचल का सेब बाजार में टिक सके लेकिन बजट में न केवल यह मांग अनसुनी कर दी गई, बल्कि विदेशी सेब पर लगने वाला कर और घटा दिया गया।

इस फैसले का सीधा असर हिमाचल की 5000 करोड़ रुपए से ज्यादा की बागवानी आर्थिकी पर पड़ेगा। विदेशी सेब अब बड़े महानगरों से निकलकर हिमाचल के बाजारों तक पहुंच चुका है। जब उपभोक्ताओं को सस्ता विदेशी फल मिलेगा, तो जाहिर है कि वे महंगा स्थानीय सेब क्यों खरीदेंगे? इसका परिणाम यह होगा कि बागवानों की आय घटेगी, उनका मनोबल टूटेगा और धीरे-धीरे लोग बागवानी से विमुख होने लगेंगे। यह केवल आर्थिक नुकसान नहीं, बल्कि सामाजिक संकट को जन्म देगा।

कुल मिलाकर इस बजट में हिमाचल को ट्रैक और ट्रैकिंग जैसे कुछ सतही प्रावधानों के अलावा कुछ भी ठोस नहीं मिला। न कोई विशेष पैकेज, न कोई बड़ी परियोजना और ऊपर से आरडीजी भी बंद। इसका असर केवल सरकार तक सीमित नहीं रहेगा। कर्मचारी, पेंशनभोगी, बागवान, ठेकेदार और आम नागरिक सभी इसकी मार झेलेंगे। विकास की रफ्तार थम सकती है और प्रदेश आर्थिक अनिश्चितता के दौर में प्रवेश कर सकता है।

इस संकट के बीच सुक्खू सरकार ने अपने स्तर पर आय बढ़ाने के प्रयास शुरू किए हैं। बिजली परियोजनाओं पर भू-राजस्व कर लगाने का फैसला इसी कड़ी का हिस्सा है। प्रदेश में संचालित 191 जलविद्युत परियोजनाओं से अब राजस्व वसूला जाएगा। छोटे प्रोजेक्टों पर एक प्रतिशत और बड़े प्रोजेक्टों पर औसत बाजार मूल्य के आधार पर दो प्रतिशत भू-राजस्व कर लगाया जाएगा। यह फैसला दरअसल वाटर सेस के विकल्प के रूप में सामने आया है, जिसे सुप्रीम कोर्ट में झटका लग चुका था।

इसके अलावा सरकार नई आबकारी नीति के जरिए भी आय बढ़ाने की कोशिश कर रही है। फिलहाल शराब से राज्य को सालाना करीब 2800 करोड़ रुपए की आय होती है, लेकिन सरकार को इसमें 10 से 20 प्रतिशत तक बढ़ोतरी की संभावना दिख रही है। यदि नीति में बदलाव किए जाते हैं तो यह आय 500 से 1000 करोड़ रुपए तक बढ़ सकती है। इतना ही नहीं, बैंक ब्रांचों और बीमा कंपनियों पर दो रुपए प्रति यूनिट बिजली सेस भी लगाया गया है। प्रदेश में 2100 से अधिक बैंक और बीमा संस्थान हैं, जिनसे यह वसूली की जा रही है, लेकिन इन सभी प्रयासों के बावजूद यह स्पष्ट है कि राज्य अपने दम पर उस नुकसान की भरपाई नहीं कर सकता, जो आरडीजी बंद होने से हुआ है। यही कारण है कि अब राजनीतिक एकजुटता की बात सामने आ रही है। मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने यह कहकर गेंद विपक्ष के पाले में डाल दी है कि यदि प्रधानमंत्री केवल भाजपा नेताओं की सुनते हैं, तो वे भाजपा विधायकों के साथ दिल्ली जाने को तैयार हैं। भाजपा सांसदों ने भी इस पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी है। सरकार विशेष सत्र बुलाकर आडीजी की बहाली के लिए प्रस्ताव पारित कर केंद्र को भेजना चाहती थी, लेकिन राज्यपाल ने इसकी मंजूरी नहीं दी। अब सरकार 16 फरवरी से प्रस्तावित बजट सत्र में प्रस्ताव पास कर भेजेगी। देखना यह होगा कि विपक्ष का रुख क्या रहता है। अगर विपक्ष भी इस पर सर्वसम्मति देता है तो उसकी ताकत कहीं अधिक होगी, लेकिन यदि यह मुद्दा भी राजनीति की भेंट चढ़ गया, तो केंद्र सरकार पर कोई दबाव नहीं बनेगा और हिमाचल की उम्मीदें पानी की तरह बह जाएंगी।

बहरहाल, यह आम बजट हिमाचल प्रदेश के लिए चेतावनी है। आरडीजी का बंद होना और बागवानी की अनदेखी ऐसे फैसले हैं, जिनका असर लंबे समय तक रहेगा। संकट की इस घड़ी में कांग्रेस और भाजपा दोनों दलों को राज्य के हितों के लिए एक साथ आना ही होना ही होगा। सुझाव यही है कि हिमाचल के विशेष भौगोलिक और पर्यावरणीय दायित्वों को आधार बनाकर विशेष पैकेज की मांग की जाए, आरडीजी की बहाली या उसके समकक्ष वैकल्पिक व्यवस्था के लिए ठोस दबाव बनाया जाए और बागवानी को बचाने के लिए आयात नीति में बदलाव की मांग की जाए। यदि ऐसा नहीं हुआ, तो विकास का रास्ता और संकरा होगा और बर्बादी की आशंका और गहरी होती जाएगी। आने वाला समय तय करेगा कि हिमाचल राजनीति की बलि चढ़ता है या अपने हक के लिए एकजुट होकर खड़ा होता है।

रिस्पांस करें: editoranantgyaan@gmail.com

दिल्ली : राजधानी या लापता होती जिंदगियों का शहर?

देश की राजधानी दिल्ली को अक्सर सत्ता, सुरक्षा और आधुनिकता का प्रतीक बताया जाता है। ऊंची इमारतें, स्मार्ट सिटी के दावे, चौबीसों घंटे निगरानी के कैमरे और दुनिया की सबसे बड़ी पुलिस व्यवस्थाओं में से एक- ये सब मिलकर यह भरोसा दिलाते हैं कि दिल्ली सुरक्षित है लेकिन वर्ष 2026 के पहले पंद्रह दिनों के आंकड़े इस भरोसे को गहरे संदेह में बदल देते हैं।

डॉ. सत्यवान सौरभ
स्वतंत्र टिप्पणीकार

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

दिल्ली पुलिस के आधिकारिक आकड़ों के अनुसार, केवल 1 से 15 जनवरी के बीच 807 लोग लापता हुए। औसतन हर दिन 54 लोग, यानी हर घंटे दो से अधिक लोग, इस शहर में ग़ायब हो गए। यह कोई साधारण अपराध आकड़ा नहीं है जिसे रोजमर्रा की रिपोर्टिंग का हिस्सा मानकर नजरअंदाज कर दिया जाए। इस पूरी तस्वीर का सबसे भयावह पहलू यह है कि लापता लोगों में से 509 महिलाएं और लड़कियां हैं। यानी लगभग दो-तिहाई मामले सीधे तौर पर महिला सुरक्षा से जुड़े हैं। जिस राजधानी में महिला सुरक्षा को लेकर सबसे ज्यादा दावे किए जाते हैं, वहीं इतने बड़े पैमाने पर महिलाओं और लड़कियों का लापता होना व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करता है। यह केवल अपराध का नहीं, बल्कि असुरक्षा के सामान्यीकरण का संकेत है, जहां महिलाओं का गायब हो जाना भी एक आंकड़े में बदल जाता है।

इन 807 लापता मामलों में 191 नाबालिग शामिल हैं। इनमें से 146 नाबालिग लड़कियां हैं। इसका अर्थ यह है कि केवल पंद्रह दिनों में हर दिन औसतन 13 बच्चे लापता हुए, और उनमें बहुसंख्यक लड़कियां थीं। यह तथ्य किसी भी संवेदनशील समाज के लिए चेतावनी की घंटी होना चाहिए, लेकिन हमारी सामाजिक प्रतिकिया अक्सर उतनी तीव्र नहीं होती, जितनी होनी चाहिए। आंकड़े पढ़े जाते हैं,

बहस होती है, और फिर अगली खबर आ जाती है। दिल्ली पुलिस के अनुसार, 235 लोगों को ढूंढ लिया गया है, लेकिन 572 लोग अब भी लापता हैं। यह संख्या केवल एक प्रशासनिक प्रगति रिपोर्ट नहीं है। यह 572 परिवारों की अनिश्चितता, पीड़ा और अंतहीन प्रतीक्षा का प्रतीक है।

सवाल यह नहीं है कि कुछ लोग मिल गए, सवाल यह है कि इतनी बड़ी संख्या में लोग अब भी क्यों नहीं मिले। एक असहज, लेकिन जरूरी सवाल यह भी है कि क्या हर लापता व्यक्ति के मामले को समान गंभीरता से लिया जाता है। व्यवहारिक सच्चाई यह है कि गरीब, प्रवासी मजदूर, घरेलू कामगार और झुग्गी-बस्तियों में रहने वाले लोगों की गुमशुदगी को अक्सर हल्के में लिया जाता है। कई मामलों में शुरुआती प्रतिक्रिया ही संदेह से भरी होती है-यह मान लिया जाता है कि व्यक्ति स्वेच्छा से कहीं चला गया होगा। महिलाओं और बच्चों के मामलों में यह सोच विशेष रूप से खतरनाक है, क्योंकि शुरुआती घंटों की लापरवाही बाद में अपूरणीय क्षति में बदल सकती है। महिलाओं और बच्चों के लापता होने के पीछे केवल व्यक्तिगत कारण नहीं होते। इसके पीछे मानव तस्करी, संगठित अपराध, अवैध श्रम, यौन शोषण, घरेलू हिंसा और जबरन विवाह जैसे गंभीर अपराध जुड़े होते हैं। दिल्ली जैसे महानगर इन नेटवर्कों के लिए गंतव्य के साथ-साथ ट्रांजिट प्वाइंट भी बन चुके हैं। इसलिए हर गुमशुदगी को सामान्य घटना मानने के बजाय संभावित अपराध की दृष्टि से देखना अनिवार्य है। चिंताजनक यह है कि तकनीक के युग में, जहां मोबाइल, सीसीटीवी कैमरे , डिजिटल भुगतान और लोकेशन डेटा उपलब्ध हैं-इतने बड़े पैमाने पर लोग लापता हो रहे हैं। यह या तो संसाधनों के सही उपयोग की कमी दर्शाता है या दृढ़ इच्छाशक्ति की।

यह संकट केवल प्रशासन की विफलता नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक उदासीनता का भी परिणाम है। महिलाओं और बच्चों के लापता मामलों को आपात स्थिति मानते हुए संवेदनशील, समयबद्ध और जवाबदेह कार्रवाई ही इसका स्थायी समाधान हो सकती है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

ज्ञान का सागर, शब्दों के सेतु और भावाभिव्यक्ति की नाव

पिछले लेख '23.5 डिग्री का झुकाव और समझ का पड़ाव' को शिक्षकों ने सकारात्मक रूप से लिया। विशेष सहमति इस बात पर रही कि शिक्षा की गुणवत्ता केवल शिक्षक के व्यक्तिगत प्रयास से नहीं, बल्कि संस्था और व्यवस्था के सहयोग से तय होती है।

अन्नू रानी शर्मा
स्वतंत्र लेखिका

अनंत ज्ञान दैनिक समाचार पत्र

चर्चा में यह भी स्पष्ट हुआ कि हम अक्सर शिक्षण को पाठ्यक्रम, मूल्यांकन और उपदेश तक सीमित कर देते हैं, जबकि वास्तविक शिक्षा इन सीमाओं से कहीं आगे जाती है।

आज भी शिक्षा पर चर्चा प्राय: पाठ्यक्रम, मूल्यांकन और परिणामों तक सीमित रहती है, परंतु मूल प्रश्न यह रह जाता है कि पाठ्यक्रम की समझ बच्चों तक कैसे पहुंच रही है। क्या लेसन प्लान्स केवल कानों तक पहुंचते हैं, या वे बच्चों के मन और हृदय में उतरते हैं? मेरे विचार से इसका उत्तर है भावाभिव्यक्ति। शिक्षक के हावभाव, आंखों के भाव, आवाज का उतार-चढ़ाव और विषय के प्रति उसका जुड़ाव, वही माध्यम हैं जो ज्ञान को केवल पहुंचने से आगे ले जाकर बच्चों के भीतर उतराते हैं।

अक्सर हम बच्चों को सपाट, नीरस तरीके से पढ़ा देते हैं। जानकारी तो कानों तक पहुंच जाती है, लेकिन वह समझ में बैठती नहीं, जबकि शिक्षा का उद्देश्य केवल सुनाना नहीं, बल्कि समझ में बैठाना होना चाहिए।

समझ की छाप स्मृति से कहीं गहरी और स्थायी होती है। पिछले लेख में पृथ्वी के 23.5 डिग्री झुकाव का उदाहरण इसी बात को दर्शाता है कि सतह पर दिखाई देने वाली छोटी-सी बात के भीतर कितनी गहरी सच्चाई छिपी हो सकती है। ठीक उसी तरह पाठ्यक्रम भी केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं होना चाहिए।

उसे बच्चों के मस्तिष्क और हृदय दोनों में उतरना चाहिए। यही तालमेल बच्चे के व्यक्तित्व को समझने में मदद करता है और उनके भविष्य के चुनाव को सजग बनाता है। शिक्षक की भूमिका इस प्रक्रिया में महत्वपूर्ण है।

प्रश्न केवल यह नहीं कि शिक्षक विषय में उत्साहित है या नहीं, बल्कि यह भी कि क्या उसे संस्थागत सहयोग और उपयुक्त प्रशिक्षण प्राप्त है। क्या उसे ऐसा वातावरण मिलता है, जहां उसका आंतरिक उत्साह जीवित रह सके, या व्यवस्थागत दबाव उसे औपचारिक दायित्व तक सीमित कर देता है? क्योंकि शिक्षक का विषय से जुड़ाव आगे चलकर विद्यार्थियों के जुड़ाव की दिशा तय करता है। जब भाव, हावभाव और विषयवस्तु का मिश्रण कक्षा में आता है, तो पाठ्यक्रम जीवित हो उठता है। कक्षा केवल सूचना का केंद्र नहीं रहती, बल्कि अनुभव का स्थल बन जाती है। यही वह बिंदु है जहां शिक्षा प्रचार नहीं, संस्कार बन जाती है, और पाठ्य, म निर्देश नहीं, दिशा देने लगता है।

संक्षेप में, शिक्षा का वास्तविक प्रसार केवल पुस्तकों तक सीमित नहीं है, बल्कि संवेदनशील संवाद और अनुभव के माध्यम से होता है। जब शिक्षक स्वयं सीखने की प्रक्रिया में सक्रिय और सहभागी होता है, तभी विद्यार्थी भी उत्साह और समझ के साथ सीखते हैं। इसी प्रक्रिया से ऐसी पीढ़ी का निर्माण होता है, जो सिर्फ पढ़ी-लिखी नहीं, बल्कि सोचने, समझने और आत्मनिर्णय लेने में सक्षम होती है। ज्ञान का सागर अथाह है, लेकिन जब उसे शब्दों के सेतु और भावाभिव्यक्ति की नाव मिलती है, तब उसका कुछ छोर अवश्य नापा जा सकता है। शिक्षा का उद्देश्य केवल जानकारी देना नहीं, बल्कि विद्यार्थियों को इतना सक्षम बनाना है कि वे स्वयं अपने जीवन और सीखने की यात्रा तय कर सकें।

(ये लेखिका के निजी विचार हैं)

अनंत ज्ञान

प्रकाशक, मुद्रक एवं मुख्य संपादक डॉ. दिलीप धाकड़ द्वारा फोकस हिमाचल मीडिया प्रा. लि. के लिए बायोसर्ट इंटरनेशनल प्रा. लि. प्लॉट नंबर 8, फेज-2 इंडस्ट्रियल एरिया, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा (हि.प्र.), पिन नंबर-176047 से मुद्रित एवं प्रकाशित। समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन के लिए पीआरबी एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी।

आरएनआई संदर्भ संख्या-HPHIN/25/A0284
ई-मेल : anantgyaanmedia@gmail.com
फोन नंबर : 01892-299098

पंचायतनामा
गांव की गुफ्तगू से राजधानी की राजनीति तक

ग्राम पंचायत मसौली बनी विकास, आस्था व समरसता की मिसाल

अनंत ज्ञान, अभिषेक शर्मा, जोगिंद्रनगर। जोगिंद्रनगर विधानसभा क्षेत्र की ग्राम पंचायत मसौली आज क्षेत्र में अपनी एक विशिष्ट पहचान बना चुकी है। बीते पांच वर्षों के कार्यकाल में पंचायत ने योजनाबद्ध विकास, सामाजिक सौहार्द व धार्मिक आस्था के क्षेत्र में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल की हैं। बुनियादी सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण से लेकर सामाजिक व सांस्कृतिक गतिविधियों को बढ़ावा देने तक, मसौली पंचायत निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर रही है। ग्राम पंचायत मसौली कुल नौ वार्डों में विभाजित है और यहां की कुल आबादी करीब साढ़े चार हजार के आसपास है। पंचायत में 3528 मतदाता पंजीकृत हैं, जिनमें 1765 महिलाएं व 1763 पुरुष मतदाता शामिल हैं। यह आंकड़े पंचायत में सामाजिक संतुलन व लोकतांत्रिक सहभागिता को दर्शाते हैं। भौगोलिक दृष्टि से भी मसौली पंचायत महत्वपूर्ण स्थान पर स्थित है। यहां से मुख्यमंत्री नागरिक अस्पताल तथा राजकीय महाविद्यालय की दूरी मात्र चार से पांच किलोमीटर है, जिससे स्थानीय लोगों को शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी बेहतर सुविधाएं सहज रूप से उपलब्ध हो रही हैं।

शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में मजबूत आधार

शिक्षा के क्षेत्र में ग्राम पंचायत मसौली ने मजबूत नींव रखी है। पंचायत क्षेत्र में तीन प्राथमिक पाठशालाएं व एक वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला संचालित है, जहां आसपास के गांवों के बच्चे शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। पंचायत प्रशासन की ओर से विद्यालयों में मूलभूत सुविधाओं पर विशेष ध्यान दिया गया है। सभी स्कूलों में कूलर की व्यवस्था कर विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध करवाया गया है। वहीं, स्वास्थ्य सेवाओं की बात करें तो, पंचायत मुख्यालय मसौली में स्थापित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ग्रामीणों के लिए संजीवनी साबित हो रहा है। इसके अतिरिक्त सभी वार्डों तक एंबुलेंस रोड सुविधा उपलब्ध होने से आपातकालीन परिस्थितियों में मरीजों को समय पर चिकित्सा सहायता मिल रही है।

विकास कार्यों की लंबी सूची

पिछले पांच वर्षों में पंचायत द्वारा अनेक विकास कार्य करवाए गए हैं। बच्चों के मनोरंजन और स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए पंचवटी वाटिका का निर्माण किया गया, जहां झूलों के साथ ओपन जिम की सुविधा भी उपलब्ध है। महिला सशक्तिकरण और स्वच्छता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से महिला मंडल भवनों तथा श्मशानघाटों में शौचालय बनाए गए। डंगों, भूमि सुधार कार्यों और बावड़ियों के निर्माण के माध्यम से जल संरक्षण को भी प्राथमिकता दी गई। पंचायत में निर्मित दुकानों ने जहां स्थानीय लोगों को रोजगार दिया। वहीं, पंचायत की आमदनी का भी मजबूत साधन बनीं। सभी वार्डों में सोलर लाइटें स्थापित कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी सराहनीय पहल की गई।

कोरोना काल में मानवीय सेवा की मिसाल

कोरोना महामारी के कठिन दौर में ग्राम पंचायत मसौली ने मानव सेवा की अनूठी मिसाल पेश की। पंचायत प्रधान अंजना शर्मा ने अपने निजी खर्चे से पूरे पंचायत क्षेत्र में घर-घर जाकर सैनिटाइजेशन करवाया। इस अभियान में श्री अजियापाल युवक मंडल के प्रधान दीपन ठाकुर, मंडल के सदस्य और वार्ड सदस्य भी सक्रिय रूप से उपस्थित रहे। पंचायतवासियों का कहना है कि अंजना शर्मा उन्हें केवल प्रधान के रूप में नहीं, बल्कि एक संवेदनशील नेतृत्वकर्ता के रूप में मिलीं, जिन्होंने हर परिस्थिति में लोगों का साथ निभाया।

ग्राम पंचायत मसौली की तस्वीर। अनंत ज्ञान

मसौली में बना नाग मंदिर। अनंत ज्ञान

साहिल ठाकुर के अनुसार अंजना शर्मा युवाओं की सोच को समझने वाली प्रधान हैं। पंचायत में बने पार्क और जिम से युवा वर्ग स्वास्थ्य और विकास के प्रति जागरूक हुआ है। यदि उन्हें फिर से मौका मिलता है, तो युवा वर्ग पूरे जोश के साथ उनके समर्थन में खड़ा रहेगा।

साहिल ठाकुर (युवा स्थानीय)

चंद्र सिंह ठाकुर का कहना है कि उन्होंने अपने जीवन में कई प्रधान देखे, लेकिन अंजना शर्मा जैसा सरल, ईमानदार और निष्पक्ष नेतृत्व बहुत कम देखने को मिलता है। हर वार्ड में समान रूप से सड़कें, डंगे और कूल्हों का निर्माण निष्पक्ष विकास का उदाहरण है। उनके दोबारा प्रधान बनने से पंचायत को और मजबूती मिलेगी।

चंद्र सिंह ठाकुर (स्थानीय निवासी)

सोनी ठाकुर के अनुसार अंजना शर्मा ने कभी जाति, पार्टी या पहचान नहीं देखी। उनके लिए हर व्यक्ति समान रहा। पंचायत में बनी दुकानों से कई परिवारों को रोजगार मिला व पंचायत की आय भी बढ़ी। अगर वे फिर से चुनाव लड़ती हैं, तो जनता उन्हें दिल से समर्थन देगी।

सोनी ठाकुर (स्थानीय निवासी)।

प्रदेश की टॉप-10 पंचायतों में स्थान

प्रधान अंजना शर्मा के नेतृत्व में ग्राम पंचायत मसौली ने उत्कृष्ट कार्य करते हुए प्रदेश की टॉप-10 पंचायतों में स्थान प्राप्त किया। इस उपलब्धि के लिए पंचायत प्रधान को पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर द्वारा शिमला में सम्मानित भी किया गया, जो पूरे पंचायत क्षेत्र के लिए गर्व का विषय है।

दीपन ठाकुर का कहना है कि अंजना शर्मा ने सेवा को राजनीति से ऊपर रखा। कोरोना काल में घर-घर सैनिटाइजेशन आज भी लोग नहीं भूल पाए हैं। यदि वे दोबारा प्रधान बनती हैं, तो पंचायत का हर युवा उनके साथ मजबूती से खड़ा रहेगा।

दीपन ठाकुर (प्रधान, श्री अजियापाल युवक मंडल)।

आस्था और सामाजिक समरसता का संगम

धार्मिक और सांस्कृतिक दृष्टि से भी ग्राम पंचायत मसौली समृद्ध मानी जाती है। पंचायत परिसर में हाल ही में नाग मंदिर का निर्माण करवाया गया है, जो मसौली पंचायत का विशेष आकर्षण बन चुका है। इसके अलावा पंचायत के अंतर्गत स्थित प्रसिद्ध धार्मिक स्थल मच्छयाल में मत्स्य रूप में विराजमान श्री हरि विष्णु एवं शनि मंदिर श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र हैं। सामाजिक दृष्टि से पंचायत में सभी जातियों का मिश्रित और सौहार्दपूर्ण वातावरण है, जो विकास कार्यों को गति देने में अहम भूमिका निभाता है।

ग्राम पंचायत मसौली में बनी पंचवटी वाटिका। अनंत ज्ञान

न्यूज ब्रीफ

राम -हनुमान मंदिर में धार्मिक आयोजन की रही धूम

भीम बसेड़ू राजपूत, महादेव। महादेव पंचायत के प्राचीन शिव मंदिर में हर साल की भांति इस बार भी जहां शिवरात्रि पर्व को लेकर जोरदार तैयारियां की जा रही हैं और एक के बाद एक धार्मिक कथा, अनुष्ठान व अन्य धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। वहीं, स्थानीय राम -हनुमान मंदिर प्रांगण में पूर्व की भांति धार्मिक आयोजन की धूम रही। सुंदरता की प्रतिमूर्ति भव्य राम -हनुमान मंदिर में धार्मिक गायन का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है, फिर एक बार मंदिर प्रांगण में एक भजन संध्या का आयोजन किया गया। इसमें दूर-दूर के श्रद्धालु मग्न हुए। खासतौर पर संगीतमयी भजन -कीर्तनों की सुंदर प्रस्तुति में काहन सिंह गुलेरिया, राजेंद्र कुमार तथा स्वामी महेंद्र राणा को भजन में रमे विरेंद्र ठाकुर, चमन ठाकुर, प्रताप सिंह परमार, सुशील शर्मा, अनिल भारद्वाज, हरेंद्र राणा, लाल सिंह आदि ने सर आंखों पर बिठाया और भगवान के दर घंटों नतमस्तक होकर जयकारे लगाए।

ग्रामीणों की सतर्कता से संदिग्ध हरकतों पर रोक

अनंत ज्ञान, महादेव। नाचन विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत गांव घुकनू के पास घास संबंधी हल्की ऊंचाई वाले क्षेत्र में दो युवा जो मास्क जैसा कुछ पहन कर नशेड़ियों जैसी हरकत कर रहे थे, यह शोर जब बकरी चरा रहे एक व्यक्ति ने सुना, तो उसे उन युवकों द्वारा नशे में डूबे होने का शक हुआ, तो वह विरोध स्वरूप उन कथित नशेड़ियों की दिशा में आगे बढ़ा व अपनी लाठी हवा में लहराई। युवकों ने यह देख मारे डर के वहां से भागने में ही अपनी भलाई समझी, जो थोड़ी ही देर में नहर के रास्ते न जाने कहां गायब हो गए। इस गांव के आसपास पहले भी चिट्टा से संबंधित धरपकड़ की जा चुकी है।

बहोट नाला में सीवरेज का सीधा बहाव, पीने के पानी पर मंडराया खतरा

लाहौल की बावड़ी से लिफ्ट हो रहे पेयजल के साथ ही प्राकृतिक जल स्रोत भी हुए दूषित

अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान मुद्दा

मंडी। क्षेत्र के बहोट नाले में सीवरेज का सीधा बहाव होने से स्थानीय लोगों की चिंताएं लगातार बढ़ती जा रही हैं।

स्थिति यह है कि इसी नाले के किनारे से लाहौल की बावड़ी से लोगों के लिए पीने का पानी लिफ्ट किया जा रहा है, जिससे पेयजल की शुद्धता पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सीवरेज और पेयजल स्रोतों की इतनी नजदीकी न केवल नियमों के खिलाफ है, बल्कि यह जनस्वास्थ्य के लिए भी बड़ा खतरा बनती जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि क्षेत्र में लोगों द्वारा अपने उपयोग के लिए निकाले गए प्राकृतिक जल स्रोत अब दूषित हो चुके हैं। नाले में लगातार गिर रही सीवरेज के कारण पानी से दुर्गंध आने लगी है और आसपास का वातावरण भी प्रभावित हो रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि इस समस्या को लेकर कई बार संबंधित विभागों को अवगत करवाया गया, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान नहीं निकला है। स्थिति को और गंभीर बनाते हुए बताया गया है कि सीवरेज के लगभग सभी चैंबर पूरी तरह भर चुके हैं और कई स्थानों पर ओवरफ्लो हो रहे हैं। ओवरफ्लो होने से गंदा पानी खुले में फैल रहा है, जो नाले में मिलकर जल स्रोतों को और अधिक प्रदूषित कर रहा है। क्षेत्र में लोगों के पेट खराब हो चुके हैं, यदि समय रहते संज्ञान नहीं लिया गया तो बीमारियों का प्रकोप फैलने की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय निवासियों ने मांग की है कि सीवरेज व्यवस्था की तुरंत मरम्मत की जाए, चैंबरों की नियमित सफाई सुनिश्चित की जाए और पेयजल स्रोतों को सीवरेज से पूरी तरह अलग किया जाए।

लोगों का कहना है कि यदि समय रहते इस समस्या का समाधान नहीं किया गया, तो आने वाले समय में यह एक बड़े स्वास्थ्य संकट का रूप ले सकती है। जनता की मांग को आईपीएच महकमे के रूबरू किया गया, तो उन्होंने बताया कि जो पाइप अवरुद्ध हुए थे, उन्हें खोल दिया गया है और अब किसी प्रकार की अवरुद्धता नहीं है। महकमा ने अपने कनिष्ठ अभियंता विशाल चौहान को अवरुद्ध स्थान पर भेजा और किए गए कार्य की पुष्टि कराई।

गड्ढे में खड़ा सीवरेज का पानी। अनंत ज्ञान

सरकार करे भुगतान, नहीं तो होगा आंदोलन : नरेश ठाकुर

अनंत ज्ञान

मंडी। हिमाचल प्रदेश सरकार के वित्त विभाग द्वारा जारी 'देनदारियों का विश्लेषण' दस्तावेज ने यह स्पष्ट कर दिया है कि प्रदेश सरकार कर्मचारियों व पेंशनरों के लंबित डीए/डीआर और वेतन संशोधन एरियर का भुगतान करने में असमर्थ है।

प्रदेश के कर्मचारियों व पेंशनरों का लगभग 13 प्रतिशत डीए/डीआर बकाया है, जिसकी कई किश्तें लंबे समय से लंबित हैं। सातवें वेतन आयोग के तहत देय वेतन एवं पेंशन संशोधन का बड़ा हिस्सा वर्षों से आज भी एरियर के रूप में लंबित है। वित्त विभाग के अनुसार केवल वेतन/पेंशन संशोधन का एरियर ही लगभग 8500 करोड़ तथा डीए/डीआर एरियर लगभग 5000 करोड़ तक पहुंच चुका है। यह बात हिमाचल प्रदेश राज्य कर्मचारी महासंघ के राज्य अध्यक्ष नरेश ठाकुर ने कही। यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि सरकार डीए/डीआर और वेतन एरियर जैसे संवैधानिक व कानूनी अधिकारों को बोझ बताकर उनसे पल्ला झाड़ रही है। कर्मचारियों ने अपना पूरा कार्यकाल सेवा में दिया, लेकिन उनके हक के पैसे के लिए उन्हें इंतजार कराया जा रहा है। यदि सरकार ने शीघ्र ही लंबित 13% डीए/डीआर और वेतन संशोधन एरियर के भुगतान पर समयबद्ध निर्णय नहीं लिया, तो कर्मचारी प्रदेश भर में लोकतांत्रिक एवं चरणबद्ध आंदोलन शुरू करने के लिए बाध्य होंगे।

शिक्षा, स्वास्थ्य व सामाजिक सेवा में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को किया सम्मानित

अनंत ज्ञान

मंडी। हिमाचल एकता मंच द्वारा जोगिंद्रनगर में महिलाओं के सम्मान के लिए एक गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया।

इसका उद्देश्य समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाली महिलाओं को सम्मानित कर नारी शक्ति को प्रोत्साहित करना रहा। कार्यक्रम में मुख्यातिथि के रूप में प्रो. अनुपमा सिंह (पूर्व कुलपति, एसपीयू मंडी), मेघना ठाकुर, शशि किरण शर्मा, सूचिका एवं बिमला वर्मा विशेष रूप से उपस्थित रहीं, जिन्होंने अपने संबोधन में कहा कि महिलाएं आज शिक्षा, स्वास्थ्य, सामाजिक सेवा और अन्य क्षेत्रों में सशक्त भूमिका निभा रही हैं तथा ऐसे आयोजन महिला सशक्तिकरण को मजबूती प्रदान करते हैं। कार्यक्रम का आयोजन हिमाचल एकता मंच द्वारा किया गया, जिसमें मंच के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष दीप लाल भारद्वाज ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए मंच के उद्देश्यों पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के सफल संचालन में ममता भाटिया, राज्य संयुक्त सचिव, हिमाचल एकता मंच का विशेष योगदान रहा। समारोह के दौरान सलोनी, आशा, सविता, अमिता, लीना, शोभा, रागिनी, डॉ. आंचल, राजकुमारी सहित अन्य महिलाओं को उनके सराहनीय कार्यों के लिए सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में बड़ी संख्या में गणमान्य व्यक्ति एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे और आयोजन से क्षेत्र में सकारात्मक सामाजिक संदेश गया।

जोगिंद्रनगर में हिमाचल एकता मंच के आयोजित महिला सम्मान समारोह में मंचासीन अतिथि एवं सम्मानित महिलाएं। अनंत ज्ञान

अंतरराष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव में समृद्ध संस्कृति की खुशबू

अनंत ज्ञान

◆ **मुख्य मंच के अलावा भी होंगे आकर्षक सांस्कृतिक कार्यक्रम**

अनिल शर्मा, मंडी। छोटी काशी मंडी में आयोजित होने वाले अंतरराष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव आयोजन के अनेक महत्वपूर्ण, ऐतिहासिक और आकर्षक पहलू हैं।

प्रत्येक पहलु की अपनी एक रोचक गाथा है। सांस्कृतिक कार्यक्रम किसी भी उत्सव की एक महत्वपूर्ण कड़ी होती हैं, यदि शिवरात्रि महोत्सव के सांस्कृतिक पहलु की बात करें, तो मुख्य मंच पर होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अलावा मेला समिति द्वारा शिवरात्रि उत्सव पर तथा उससे पूर्व भी विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करके समृद्ध संस्कृति को पोषित किया जाता है। यह कार्यक्रम शिवरात्रि महोत्सव में आकर्षण का केंद्र रहते हैं। मंडी शहर के 500वें साल में प्रवेश होने के सफर को यादगार बनाने के लिए शिवरात्रि महोत्सव में इस वर्ष संस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति में भी विशेष आकर्षण रहेगा। अंतरराष्ट्रीय शिवरात्रि महोत्सव के आयोजन के दौरान आयोजित की जाने वाली वाद्य यंत्र और देवलु नाटी प्रतियोगिता तथा नाटय मंचन, कवि सम्मेलन, शास्त्रीय संगीत पर आधारित गायन वादन, नृत्य भी शिवरात्रि महोत्सव में एक विशेष आकर्षण का केंद्र रहेंगे।

किसी भी प्रदेश की लोक संस्कृति उसकी अमूल्य धरोहर होती है। लोक नृत्यों, लोक गीतों में जन-जीवन की भावनाओं का सजीव चित्रण देखने को मिलता है और यह सामाजिक एकता का प्रतीक भी है। शिवरात्रि महोत्सव में आयोजित होने वाली वाद्य यंत्र तथा देवलु नाटी प्रतियोगिता का आयोजन देव संस्कृति की धरोहर व परिचायक है। प्रतिवर्ष इस प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है। यह आयोजन समूचे वातावरण को देव संस्कृति, देव आस्था की ब्यार से सरावोर कर देता है। यह मनोरम दृश्य देव संस्कृति से रूबरू करवाता है। इस वर्ष भी देवलु नाटी और वाद्य यंत्र प्रतियोगिताओं के आयोजन को लेकर विशेष प्रयास किए गए हैं। भावनाओं की सुक्ष्म अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम शास्त्रीय संगीत भारतीय सांस्कृतिक धरोहर का अमूल्य रत्न है। शास्त्रीय संगीत में गायन, वादन, नृत्य तीनों में इसका प्रयोग होता है।

शिवरात्रि महोत्सव में इस बार भी शास्त्रीय संगीत पर आधारित नृत्य, गायन, वादन को अधिमान देकर स्तरीय कलाकारों को प्रोत्साहन दिया जाएगा, जिससे लोगों का मनोरंजन होगा तथा कलाकारों को अपनी कला का प्रदर्शन करने को मंच उपलब्ध होगा। नाटक केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि चिंतन और आत्म मंथन का माध्यम है, जो समाज, संस्कृति तथा मानवीय भावनाओं को प्रतिबिंब करता है।

नाटक मंचन की कला को जीवित रखने में मंडी शहर की अहम भूमिका है। मंडी शिवरात्रि में थिएटर कलाकारों को मंच प्रदान करके इस कला को प्रोत्साहित किया जा रहा है । इस वर्ष भी संस्कृति सदन में नाटकों का मंच होगा, जिसमें 8-10 थियेटर ग्रुप भाग लेंगे। जिससे लोगों का मनोरंजन होने के साथ ही थिएटर कलाकारों को सशक्त मंच उपलब्ध होगा। कवि मनोरंजन के साथ विचार प्रदान करते हैं । कवियों की अभिव्यक्ति कभी प्रहार, कभी समाधान और कभी चेतावनी के रूप में व्यक्त होती है। शिवरात्रि के अवसर पर कवि सम्मेलन का आयोजन होगा, जिसमें प्रतिष्ठित कवि व कवित्रियां भाग लेंगी।.

मंडी शहर के 500वें वर्ष में प्रवेश पर संकन गार्डन में भजन संध्या का होगा आयोजन

मंडी शहर 500वें साल में प्रवेश होने के सुअवसर पर संकन गार्डन मंडी में भजन संध्या का भव्य आयोजन होगा। इस मौके पर हिमाचल के सुप्रसिद्ध भजन गायन कलाकार अभिषेक सोनी एवं पार्टी तथा अन्य भजन मंडलियां शिवरात्रि से पूर्व भजन गाकर वातावरण को भक्तिमय बनाएंगे। उपरोक्त विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन पर प्रकाश डालते हुए इन कार्यक्रमों की संयोजिका जिला भाषा अधिकारी रेवती सैनी ने बताया कि 10 फरवरी को संकन गार्डन में सायं 6 बजे से शास्त्रीय संगीत गायन, वादन व नृत्य, 11 फरवरी को संकन गार्डन में सायं 6 बजे से भजन संध्या, 12-13 फरवरी को संस्कृति सदन मंडी में सुबह 11 बजे से नाटक मंचन, 17 फरवरी को संस्कृति सदन मंडी में ही कवि सम्मेलन व मंडयाली गीता पाठ तथा 20 फरवरी को पड्डल मैदान में देवलु नाटी व बजंतरी प्रतियोगिता करवाई जाएगी।

सरकाघाट के समग्र विकास को लेकर विधायक ने रखीं प्राथमिकताएं

अनंत ज्ञान

सरकाघाट। सरकाघाट विधानसभा क्षेत्र के विधायक दिलीप ठाकुर ने एक योजना बैठक के दौरान क्षेत्र के समग्र विकास के लिए अपनी प्राथमिकताएं स्पष्ट करते हुए सरकाघाट में केंद्रीय विद्यालय, पीडब्ल्यूडी विश्राम गृह बलद्वाड़ा, मिनी सचिवालय भदरोता, पुलिस चौकी भदरोता तथा सरकाघाट में बहुमंजिला बस अड्डे की स्थापना को शीर्ष प्राथमिकता बताया।

विधायक ने सड़क ढांचे को सुदृढ़ करने पर बल देते हुए राष्ट्रीय राजमार्ग के अंतर्गत बघेड़-घुमारवी-कुठेड़ा-बलद्वाड़ा-भाम्बला-पांवटा-सरकाघाट-धर्मपुर-बैजनाथ मार्ग तथा मुख्य जिला सड़क के अंतर्गत बलद्वाड़ा-खलयाना-बल्हड़ा-लेदा, प्लासी- समैला-त्रिफालघाट और ढलवान-कोलनी-पन्याली-चंदेश-समसौह-मसेरन-सरकाघाट सड़कों के उन्नयन की मांग रखी। स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के लिए उन्होंने बलद्वाड़ा अस्पताल और सरकाघाट अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की तैनाती, बलद्वाड़ा अस्पताल में अल्ट्रासाउंड मशीन, सरकाघाट अस्पताल में ट्रॉमा सेंटर, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जमनी में सभी आवश्यक चिकित्सकों की नियुक्ति तथा एम्बुलेंस सुविधा उपलब्ध कराने पर जोर दिया। इसके अतिरिक्त विधायक ने नग्रोटी खड्ड पर कारनी-पध्यान-हर्लायान-भरनाल-कोलनी सड़क के मध्य तथा ज्वाली खड्ड पर सत्संग भवन के समीप पुल निर्माण की आवश्यकता को प्रमुखता से उठाया। साथ ही उन्होंने पॉलिटेक्निक महाविद्यालय भदरोता तथा पशु चिकित्सालय पटडीघाट को शीघ्र बहाल करने की मांग रखी और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक पाठशाला चौक (हटली), मझियाठ एवं चौक बराड़ता में विद्यार्थियों की संख्या को देखते हुए नए भवन निर्माण की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

ध्यान — कभी सराज का व्यापारिक हब रहा कुकलाह, आज खामोशी और मलबे का ढेर

कब बनेगा कुकलाह में पुल, जनजीवन बेहाल

अनंत ज्ञान

बालक राम, पंडोह। सराज विधानसभा क्षेत्र का सबसे सुंदर और व्यापार का केंद्र रहा कुकलाह आज विरान है।

कुकलाह खड्ड की त्रासदी का दुखदाई मंजर आज भी स्थानीय लोगों की दुखती रग बना हुआ है। इसमें टुटे -फूटे आवास और खड्ड में बिखरे पड़े घरों के अवशेष लोगों को दिन-रात परेशान कर रहे हैं। कुछ लोग तो बजरी मलवे में अपनों के वापस आने के लिए नजरें गाड़े बैठे हैं, अब निकलें, अब आए, वो तो नहीं, मगर इनकी आंखें हमेशा भरी रहती है। कोई इनकी सुध लेने वाला नहीं है। आज तक के इतिहास में इस क्षेत्र की यह सबसे बड़ी त्रासदी थी। इसमें कई लोगों की जाने चली गई। घरों के घर बर्बाद हो गए। पशुधन के साथ सैकड़ों बिघा जमीन पानी हो गई। हर कहीं तबाही-तबाही ही तबाही। हालांकि, सरकार ने घर निर्माण के लिए और नुकसान की भरपाई तो की, मगर वे सब तभी हो सकेगा जब सड़कें बनेंगी, पुल लगेगा। जो अभी 8 महिनों के बाद भी कुछ नहीं हो सका है। बता दें कि बाखली के बाद कुकलाह तक 2 किलोमीटर सड़क का नामोनिशान मिट गया है। इसे फिर से बहाल करना नामुमकिन सा है, क्योंकि सड़क के उपर लाछ गांव की पुरी पहाड़ी धंस रही है। इसमें दो दर्जन से ज्यादा घरों में रहने वाले सैकड़ों लोगों को खतरा बना हुआ है, इसलिए सड़क का पुन: निकलना असंभव सा लगता है। हालांकि, स्थानीय लोग हिम्मत राम, नरपत, अमर सिंह, झाबे राम, बल राज, रेवती और किशन चंद ने बताया कि उन्होंने लोक निर्माण विभाग की मदद से खड्ड के साथ-साथ अस्थायी सड़क बनाई है, जहां से हल्के वाहनों की आवाजाही अपने रिस्क पर हो रही है। उन्होंने मांग है कि इस सड़क को फिर से निर्मित किया जाए, मगर उससे पहले प्राथमिकता पर कुकलाह पुल का निर्माण किया जाए, ताकि खड्ड के आरपार लोगों की आवाजाही बहाल हो सके और लोगों का जनजीवन सामान्य हो सके। कुकलाह पुल इस क्षेत के साथ मिडल सराज की भाग्य रेखा है। फिलहाल कुकलाह क्षेत्र के लोगों का जीवन बहुत ही मुश्किल और जोखिम भरा है। इसके लिए सरकार की सहायता अत्यंत आवश्यक है। इन्होंने नेता प्रतिपक्ष जयराम से भी अपिल की है कि वे इस क्षेत्र का दौरा करें और उनकी मदद करें। इस संबंध में लोक निर्माण विभाग के सहायक अभियंता प्रवीण तलवार ने बताया कि विभाग सड़क मुरम्मत कर रहा है, मगर सड़क पुरी तरह से खड्ड में तब्दील हो चुका है, जिसे फिर से निकालने में समय लगेगा।

यहां है पुल की दरकार। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान मुद्दा

लोकतंत्र और विकास को कुचल रही है सूबे की कांग्रेस सरकार : राकेश जम्वाल

विधायक ने बटवाड़ा दौरे के दौरान सरकार के पंचायत चुनाव टालने और प्रशासनिक फैसलों पर उठाए गंभीर सवाल। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

सुंदरनगर। हिमाचल प्रदेश में सियासी आरोप-प्रत्यारोप का दौर तेज हो गया है। भारतीय जनता पार्टी हिमाचल प्रदेश के मुख्य प्रवक्ता एवं विधायक सुंदरनगर राकेश जम्वाल ने कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि प्रदेश सरकार की कथनी और करनी में भारी अंतर है और सरकार लोकतांत्रिक व्यवस्था तथा विकास कार्यों को कमजोर कर रही है।

विधानसभा के बटवाड़ा क्षेत्र में जनसंपर्क अभियान के दौरान राकेश जम्वाल ने रविवार को आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू प्रदेश में आर्थिक संकट का हवाला देते हैं, लेकिन दूसरी ओर अपने करीबी लोगों और पार्टी नेताओं को लाभ वाले पदों पर नियुक्त कर सरकारी संसाधनों का दुरुपयोग किया जा रहा है। क्षेत्र में पटवार सर्कल को करने के फैसले को जनविरोधी व राजनीतिक प्रतिशोध की कार्रवाई बताया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार का मुख्य उद्देश्य विकास करना नहीं, बल्कि पिछली भाजपा सरकार के कार्यों को समाप्त करना है। राकेश जंवाल ने चेतावनी दी कि प्रदेश सरकार की नीतियों के खिलाफ भाजपा सड़क से लेकर विधानसभा तक संघर्ष करेगी और जनता के बीच सरकार की नीतियों को उजागर करेगी।

न्यूज ब्रीफ

एआई के व्यावहारिक उपयोगों से परिचित हुए छात्र

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। हाइड्रो इंजीनियरिंग कॉलेज बंदला के कंप्यूटर साइंस एवं इंजीनियरिंग विभाग द्वारा आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यशाला का संचालन यूनिसोल के संस्थापक अजय मोक्टा ने किया। कार्यक्रम का समन्वय डॉ. शशि गुरंग, विभागाध्यक्ष (सीएसई) द्वारा किया गया और यह निदेशक सहप्राचार्य उमेश चंद राठौर के मार्गदर्शन में आयोजित हुई। कार्यशाला का उद्देश्य छात्रों को एआई की बुनियादी जानकारी और इसके व्यावहारिक उपयोगों से परिचित कराना था। सत्र के दौरान अजय मोक्टा ने एआई के प्रमुख विषयों, रोजमर्रा के उदाहरणों और भविष्य में करियर अवसरों को सरल भाषा में समझाया। छात्रों ने कार्यशाला को उपयोगी, ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायक बताया। कुल मिलाकर,ए यह कार्यशाला एक सफल और लाभदायक सीखने का अनुभव रही।

घुमारवीं अस्पताल में चर्म रोग विशेषज्ञ की सुविधा शुरू

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। क्षेत्रवासियों के लिए राहत की खबर है कि सिविल अस्पताल घुमारवीं में अब चर्म रोग विशेषज्ञ की सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। लंबे समय से पद रिक्त होने के कारण मरीजों को बाहर उपचार के लिए जाना पड़ता था। तकनीकी शिक्षा मंत्री राजेश धर्माणी के हस्तक्षेप के बाद यह सुविधा शुरू हो पाई है। जानकारी के अनुसार डॉ. रजत कुमार शर्मा प्रत्येक सोमवार व मंगलवार को अस्पताल में सेवाएं देंगे। वे त्वचा रोगों से संबंधित विभिन्न बीमारियों की जांच और उपचार करेंगे। इस सुविधा से क्षेत्र के मरीजों को स्थानीय स्तर पर बेहतर चिकित्सा सेवाएं मिल सकेंगी। लोगों ने मंत्री राजेश धर्माणी और स्वास्थ्य विभाग का आभार जताया है।

कलश यात्रा में हजारों श्रद्धालुओं ने लिया भाग

अनंत ज्ञान, गोंदपुर बनेहड़ा। श्री छिन्नमस्तिका धाम हरवाल में महाशिवरात्री के उपलक्ष्य में श्री विष्णु पुराण कथा एवं 108 कुंडीय नारायण महायज्ञ का भव्य आयोजन 9 से 16 फरबरी को किया जा रहा है। इस मौके पर रविवार को भव्य कलश यात्रा निकाली गई। कलश यात्रा छिन्नमस्तिका धाम हरवाल से शुरू होकर वापस मंदिर पहुंची। इस अवसर पर पूजा-अर्चना के बाद विधीवत कलश स्थापित किए गए। कलशयात्रा के दौरान श्रद्धालुओं ने भजनों से क्षेत्र का वातावरण श्री कृष्ण रंग में रंगा नजर आया। वहीं, कलश यात्रा के दौरान काफी संख्या में श्रद्धालुओं में भाग लिया।

फिलिंग स्टेशन के पास कार-बाइक की भिड़ंत

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। घुमारवीं चुनाव क्षेत्र के अवारी स्थित शहीद धर्मेंद्र फिलिंग स्टेशन के समीप एक कार और मोटरसाइकिल के बीच हुई जोरदार टक्कर में मोटरसाइकिल चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को प्राथमिक उपचार के बाद क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर रेफर किया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार कार नंबर सी एच 01 बीजी -5419, जिसे नरेंद्र कुमार पुत्र सुखदेव निवासी गांव समोह, तहसील झंडूता, जिला बिलासपुर चला रहा था, जो फिलिंग स्टेशन के भीतर तेज रफ्तारी व कथित लापरवाही से मोड़ते समय सामने से आ रही मोटरसाइकिल नंबर एचपी 23 डी -6454 को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि मोटरसाइकिल चालक रामकुमार पुत्र बिशनदास निवासी गांव रोहिण गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों ने तुरंत एंबुलेंस को बुलाया और घायल को उपचार के लिए क्षेत्रीय अस्पताल बिलासपुर भेजा गया। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर आगामी जांच शुरू कर दी है। डीएसपी विशाल वर्मा ने मामले की पुष्टि करते हुए बताया कि दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है तथा दोषी पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

टक्का-तरखाना मोहल्ला लिंक रोड का निर्माण शुरू

अनंत ज्ञान, ऊना। कुटलैहड़ विधानसभा क्षेत्र के टक्का गांव में प्राथमिक विद्यालय से तरखाना मोहल्ला तक लिंक रोड निर्माण की वर्षों पुरानी मांग, अब पूरी होती नजर आ रही है। विधायक विवेक शर्मा के प्रयासों से इस महत्वपूर्ण सड़क के निर्माण कार्य की शुरुआत हो चुकी है, जिससे स्थानीय लोगों में खुशी की लहर है। यह लिंक रोड प्राथमिक विद्यालय से तरखाना मोहल्ला तक पक्का बनाया जाएगा। निर्माण कार्य के तहत सड़क को मजबूत आधार के साथ तैयार किया जा रहा है, जिस पर जल्द ही तारकोल बिछाकर इसे स्थायी और आवागमन के लिए सुगम बनाया जाएगा। सड़क के तैयार होने से क्षेत्र के सैकड़ों परिवारों को सीधा लाभ मिलेगा और रोजमर्रा की आवाजाही में होने वाली परेशानियों से राहत मिलेगी। स्थानीय निवासी दिनेश शारदा, निक्का राम, सरोज, आशा, सुरेंद्र कुमार सहित अन्य लोगों ने बताया कि सड़क न होने के कारण लंबे समय से उन्हें कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। बरसात के दिनों में हालात और भी खराब हो जाते थे।

कश्मीर सिंह ठाकुर ने पत्रकारों के हितों पर दिया जोर

अनंत ज्ञान, बिलासपुर। फेडरेशन ऑफ जर्नलिस्ट, बिलासपुर के नवनियुक्त अध्यक्ष कश्मीर सिंह ठाकुर ने पत्रकारिता क्षेत्र में अपने दृष्टिकोण और प्राथमिकताओं को साझा किया। उन्होंने कहा कि उनके कार्यकाल का मुख्य उद्देश्य पत्रकारों के हितों की सुरक्षा, पेशेवर विकास और मीडिया की स्वतंत्रता को मजबूत बनाना होगा। ठाकुर ने बताया कि पत्रकारों को आर्थिक सुरक्षा, कार्यस्थल पर सम्मान और कानूनी संरक्षण की आवश्यकता है। फेडरेशन के माध्यम से वे नियमित संवाद, प्रशिक्षण और समस्याओं के त्वरित समाधान पर ध्यान देंगे। उन्होंने स्थानीय प्रशासन और मीडिया संस्थानों के साथ समन्वय बढ़ाने, डिजिटल पत्रकारिता और नैतिक मानकों को बढ़ावा देने का आश्वासन दिया। उनका लक्ष्य है कि पत्रकार सुरक्षित और सम्मानजनक वातावरण में काम करें।

समूह चर्चा व नाट्य प्रस्तुति से बढ़ाई जागरूकता

अनंत ज्ञान, ऊना। राजकीय महाविद्यालय ऊना के रोवर्स ने राष्ट्रीय स्तर की एसडीजी (17 सतत विकास लक्ष्य) एडवोकेसी कार्यशाला में सक्रिय सहभागिता की। यह पांच दिवसीय कार्यशाला 1 से 5 फरवरी 2026 तक स्टेट ट्रेनिंग सेंटर, रिवालसर, मंडी में संपन्न हुई। इसमें हिमाचल प्रदेश, हरियाणा, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और नॉर्थ ईस्ट रेलवे क्षेत्र के लगभग 80 रोवर्स एवं रेंजर्स ने भाग लिया। कॉलेज की ओर से रोवर अभिषेक और रोवर सोनू सिंह ने प्रतिनिधित्व किया। संवादात्मक सत्र, समूह चर्चाएं, मैदानी गतिविधियां और नाट्य प्रस्तुति के माध्यम से सतत विकास लक्ष्यों का महत्व प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। समापन अवसर पर शिक्षा मंत्री रोहित ठाकुर ने विद्यार्थियों को सतत विकास लक्ष्यों के व्यावहारिक महत्व पर प्रकाश डालते हुए प्रेरित किया। प्राचार्य डॉ. मीता शर्मा ने रोवर्स के प्रयासों और नेतृत्व की सराहना की।

आर्थिक बाधा नहीं बनेगी सपनों की दीवार

डॉ. वाईएस परमार विद्यार्थी ऋण योजना से उच्च शिक्षा के संकल्प साकार

अनंत ज्ञान

ऊना। किसी होनहार विद्यार्थी का सपना सबसे अधिक तब आहत होता है, जब योग्यता होते हुए भी आर्थिक सीमाएं उसकी राह में दीवार बनकर खड़ी हो जाती हैं। मुख्यमंत्री सुक्खु ने बच्चों और अभिभावकों की इस पीड़ा को न केवल समझा है, बल्कि यह भी सुनिश्चित किया है कि प्रदेश का कोई भी प्रतिभाशाली छात्र केवल पैसों के अभाव में अपनी उच्च शिक्षा अधूरी न छोड़े।

इसी संवेदनशील और विद्यार्थी-केंद्रित सोच का परिणाम है डॉ. यशवंत सिंह परमार विद्यार्थी ऋण योजना, जो आज हिमाचल प्रदेश के युवाओं को सपने देखने की नहीं, उन्हें साकार करने का आत्मविश्वास भी दे रही है। वर्ष 2023 में प्रारंभ की गई यह योजना उन मेधावी विद्यार्थियों के लिए वरदान साबित हो रही है, जिनकी उच्च शिक्षा की राह आर्थिक संसाधनों के अभाव में बाधित हो रही थी।

योजना के तहत प्रदेश सरकार द्वारा 20 लाख रुपये तक का शिक्षा ऋण मात्र 1 प्रतिशत ब्याज दर पर उपलब्ध करवाया जा रहा है। इस ऋण राशि का उपयोग ट्यूशन फीस, हॉस्टल शुल्क, भोजन तथा अन्य शैक्षणिक आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए किया जा सकता है।

हर पात्र विद्यार्थी तक लाभ पहुंचाने को प्रशासन संकल्पबद्ध

इस संबंध में डीसी ऊना जतिन लाल का कहना है कि यह योजना प्रदेश सरकार की विद्यार्थी-केंद्रित सोच का सशक्त उदाहरण है। मुख्यमंत्री सुक्खु के निर्देशानुसार जिला प्रशासन यह सुनिश्चित कर रहा है कि सभी पात्र विद्यार्थियों को योजना का लाभ सरल, पारदर्शी और समयबद्ध ढंग से मिले, ताकि कोई भी योग्य छात्र जानकारी या प्रक्रिया के अभाव में पीछे न रह जाए।

आय सीमा बढ़ी, अवसरों का दायरा हुआ विस्तृत

ऊना जिला के उपनिदेशक उच्चतर शिक्षा अनिल कुमार बताते हैं कि पहले इस योजना के अंतर्गत लाभार्थी परिवार की वार्षिक आय सीमा 4 लाख रुपये निर्धारित थी, जिसे अब बढ़ाकर 12 लाख रुपए कर दिया गया है। उनका कहना है कि इस निर्णय से मध्यम वर्ग के कहीं अधिक विद्यार्थी योजना के दायरे में आएंगे और उच्च शिक्षा के अपने सपनों को साकार कर सकेंगे। वर्तमान में ऊना जिला के तीन विद्यार्थी इस योजना के अंतर्गत देश के प्रतिष्ठित संस्थानों में उच्च शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

ये है पात्रता व आवेदन प्रक्रिया

योजना का लाभ लेने के लिए आवेदक का हिमाचल प्रदेश का स्थायी निवासी होना अनिवार्य है। इसके साथ ही पिछली कक्षा में न्यूनतम 60 प्रतिशत अंक तथा अधिकतम आयु सीमा 28 वर्ष निर्धारित की गई है। योजना के अंतर्गत मेडिकल, फार्मेसी, नर्सिंग, इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट सहित विभिन्न व्यवसायिक पाठ्यक्रम शामिल किए गए हैं। आवेदन प्रक्रिया को पूर्णतः डिजिटल, सरल और पारदर्शी बनाया गया है। इच्छुक विद्यार्थी उप निदेशक उच्चतर शिक्षा ऊना की वेबसाइट www.ddheuna.in अथवा डायरेक्टर स्कूल शिक्षा शिमला की वेबसाइट से प्रपत्र-2 डाउनलोड कर सकते हैं। भरा हुआ प्रपत्र किसी भी कार्यदिवस में उप निदेशक उच्चतर शिक्षा कार्यालय, ऊना में जमा करवाया जा सकता है।

लेक्चरर से प्रिंसिपल का पदोन्नति कोटा 95 फीसदी किया जाए : राजन शर्मा

अनंत ज्ञान, गोंदपुर बनेहड़ा। हिमाचल प्रदेश स्कूल लेक्चरर संघ के प्रांतीय मुख्य मीडिया सचिव राजन शर्मा ने सरकार से आग्रह किया कि प्रिंसिपल पदोन्नति में लेक्चरर से 95 फीसदी कोटा स्कूल प्रिंसिपल के लिए किया जाए। उन्होंने सरकार से इस बारे में जल्द कार्रवाई करने की मांग की है। इसके अलावा उन्होंने डीए, एरियर का भुगतान करने मेडिकल बजट उपलब्ध करवाने जारी करने, बोर्ड परीक्षाओं का मूल्यांकन मेहनताना जारी करने का भी सरकार से आग्रह किया है। राजन शर्मा ने महिलाओं के लिए 25 कैजुअल लीव की व्यवस्था करने व लेक्चररों की शिक्षा परिणाम को लेकर रुकी हुई वेतन वृद्धि बहाल करने की सरकार से मांग की है। इसके अलावा लेक्चरर संघ के प्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष विकास रतन, उपाध्यक्ष वरुण लखनपाल ऊना जिला के प्रधान शशि सैनी महासचिव संजीव ठाकुर आदि ने संयुक्त बयान में बताया कि लेक्चरर संघ ने अपनी मांगों का एंजेडा तैयार कर लिया है और इसके बारे पहले भी सरकार को कहा गया है और अब दोबारा प्रदेश कार्यकारिणी के प्रधान अजय नेगी के नेतृत्व में सरकार को अपनी मांगों के बारे में ज्ञापन दिया जाएगा।

गोंदपुर बनेहड़ा में मिली अज्ञात बुजुर्ग महिला पहचान न होने पर पुलिस ने संभाला मामला

अनंत ज्ञान

गोंदपुर बनेहड़ा। शनिवार एक अज्ञात बुजुर्ग महिला अकेली गांव मे दिखाई दी। गांव वासियों ने बताया कि महिला शनिवार दोपहर तीन बजे से एक बंद दुकान के बाहर बैठी थी। आमूमन दूप में लोग विश्राम के लिए दुकानों के बाहर बैठ जाया करते है यही कारण था कि दोपहर का समय होने के कारण किसी ने उस महिला पर ज्यादा गौर नहीं किया, जब शाम का समय होने लगा, तब लोगों ने महिला से पूछताछ शुरू की।

जवाब में महिला अपना निवास स्थान बताने में असमर्थ थी व कोई स्थिर स्थान नहीं बता पा रही थी। कभी महिला का कहना था कि उसको यहा कोई छोड़ गया है, तो कभी की उसे लेने उसके परिजन आ रहे हैं। यहां तक कि महिला अपना नाम बताने में भी सक्षम नहीं थी। ततपश्चात लोगों ने महिला को चाय व खाना देकर अपना इंसानियत का धर्म निभाया और महिला को पास के मंदिर के शेड में बिठा दिया। इसके बाद रात्रि करीब 9:00 बजे गोंदपुर बनेहड़ा (लोअर) की पंचायत की पूर्व सदस्य एडवोकेट राजकुमारी ने डीएसपी अंब को इस पूरी घटना की सूचना दी। सूचना मिलते ही अंब थाना से पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस ने भी महिला से कुछ सवाल पूछे परंतु महिला कोई एक स्थिर जवाब देने में असमर्थ थी। महिला के पास कपड़े की एक गठड़ी थी। पुलिस द्वारा जांच में पता चला कि उस गठड़ी से एक-दो कपड़े व बर्तन थे। महिला के पास किसी भी तरह का कोई ऐसा दस्तावेज नहीं मिला, जिससे महिला की पहचान की जा सके। पुलिस महिला को आगामी कार्रवाई के लिए अपने साथ ले गई थी। इस मौके पर गांववासी शिव कुमार, सुनीता कुमारी, जोगिंदर पाल, रेखा, दिनेश कुमार, संदीप कुमार, सोनू शर्मा मौजूद थे। गोंदपुर बनेहड़ा पंचायत की पूर्व सदस्य एडवोकेट राजकुमारी शर्मा ने अब पुलिस की कार्यप्रणाली की सराहना की है। उन्होंने बताया कि इसके बारे में डीएसपी अंब को बताने के तुरंत बाद ही पुलिस की टीम गोंदपुर बनेहड़ा पहुंच गई थी।

10 बेड अस्पताल होने के बावजूद तलमेहड़ा में डॉक्टरों की भारी कमी

अनंत ज्ञान

जोल। तलमेहड़ा स्थित आयुर्वेदिक अस्पताल को 10 बेड अस्पताल का दर्जा प्राप्त होने के बावजूद यहां स्वास्थ्य सेवाएं गंभीर संकट से गुजर रही हैं। अस्पताल में डॉक्टरों की भारी कमी के चलते मरीजों को समुचित इलाज नहीं मिल पा रहा है।

अनंत ज्ञान मुद्दा

जानकारी के अनुसार अस्पताल में नियुक्त एक डॉक्टर को डेपुटेशन पर अन्य स्थान पर भेज दिया गया है, जबकि दूसरा डॉक्टर मेडिकल लीव पर चला गया है, ऐसे में पूरे अस्पताल की जिम्मेदारी केवल एक ही डॉक्टर के कंधों पर आ गई है। ओपीडी, इनडोर मरीजों का उपचार, आपात सेवाएं व प्रशासनिक कार्य एक ही डॉक्टर द्वारा संभाले जा रहे हैं, जिससे स्वास्थ्य सेवाएं प्रभावित हो रही हैं। स्थानीय लोगों का कहना है कि 10 बेड अस्पताल में कम से कम दो से तीन डॉक्टरों की नियमित तैनाती आवश्यक होती है, लेकिन मौजूदा हालात में डॉक्टर की अनुपस्थिति या अवकाश के दौरान अस्पताल के पूरी तरह बंद होने की स्थिति बन जाती है। इससे मरीजों को मजबूरी में निजी अस्पतालों या दूर-दराज के सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों का सहारा लेना पड़ता है। ग्रामीणों ने स्वास्थ्य विभाग व आयुष विभाग पर लापरवाही के आरोप लगाते हुए मांग की है कि आयुर्वेदिक अस्पताल तलमेहड़ा में जल्द अतिरिक्त डॉक्टरों की नियुक्ति की जाए, ताकि क्षेत्रवासियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकें। इस संबंध में जिला आयुष अधिकारी ऊना डॉक्टर किरण ने कहा कि उन्हें समस्या की जानकारी है और जल्द ही इसका समाधान कर दिया जाएगा। वहीं, चिंतपूर्णी क्षेत्र के विधायक सुदर्शन सिंह बबलू ने भी कहा कि यह मामला उनके ध्यान में आया है और जल्द ही समस्या का समाधान सुनिश्चित किया जाएगा।

आज का युवा ही राष्ट्र का भविष्य : गौरव

अनंत ज्ञान, अंब। अंब में बास्केटबॉल क्लब अंब द्वारा आयोजित बास्केटबॉल टूर्नामेंट में स्वामी विवेकानंद सेवा ट्रस्ट चिंतपूर्णी के अध्यक्ष गौरव कुमार मुख्यातिथि के रूप में शामिल हुए। कार्यक्रम में पहुंचने पर आयोजकों व खिलाड़ियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर युवाओं को संबोधित करते हुए गौरव ने कहा कि आज का युवा ही राष्ट्र का भविष्य है। यदि युवा शक्ति सही दिशा में आगे बढ़े, तो देश को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया जा सकता है। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे खेल, शिक्षा और सामाजिक सेवा के हर क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपने गांव और देश का नाम रोशन करें। उन्होंने कहा कि खेल शारीरिक मजबूती के साथ-साथ अनुशासन, नेतृत्व व टीम भावना भी सिखाते हैं। खेलों से जुड़ने वाला युवा नशे जैसी बुराइयों से दूर रहता है, इसलिए युवाओं को स्वस्थ जीवनशैली अपनाकर खेलों में आगे बढ़ना चाहिए।

सनातन संस्कृति व सामाजिक एकता का दिया संदेश

अनंत ज्ञान

हीना पठानिया, बड़ूही। उप तहसील जोल की ग्राम पंचायत अंबेहड़ा धीरज के अटया स्थित प्राचीन शिव मंदिर प्रांगण में विशाल हिंदू महासम्मेलन समिति ऊना द्वारा विराट हिंदू महा सम्मेलन का भव्य आयोजन किया गया। सम्मेलन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु, संत-महात्मा तथा हिंदू समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के मुख्यातिथि परम पूज्य ब्रह्मनिष्ठ महामंडलेश्वर श्री श्री महंत श्री विष्णु देवानंद जी महाराज के कृपापात्र पूज्य श्री उमेशानंद जी महाराज (जोगी पंगा धाम वाले) रहे। उन्होंने अपने आशीर्वचनों के माध्यम से श्रद्धालुओं को धर्म, अध्यात्म और सनातन मूल्यों का मार्गदर्शन प्रदान किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर्नल तरसेम राणा ने की, जबकि मुख्य वक्ता शिव कुमार शास्त्री रहे। आरएसएस चौकी मन्यार खंड से खंड संचालक निर्मल सिंह, कार्यवाहक पुपिंदर शर्मा, जिला कुटुंब प्रबोधक जगदीश धीमान तथा खंड कुटुंब प्रबोधन प्रमुख योगराज जोगी विशेष रूप से उपस्थित रहे।

विराट हिंदू महासम्मेलन के आयोजन पर गणमान्य। अनंत ज्ञान

सम्मेलन के दौरान जिला कुटुंब प्रबोधक जगदीश चंद धीमान ने सनातन संस्कृति की रक्षा, युवाओं को धर्म से जोड़ने तथा सामाजिक समरसता और एकता बनाए रखने पर विशेष जोर दिया। संत-महात्माओं ने कहा कि ऐसे धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन समाज में जागरूकता फैलाने तथा भारतीय संस्कृति के मूल्यों को सुदृढ़ करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यक्रम के समापन पर विशाल हिंदू महासम्मेलन समिति ऊना द्वारा आए हुए संत-महात्माओं व अतिथियों को सम्मानित किया गया। संपूर्ण आयोजन शांतिपूर्ण, अनुशासित व भक्तिमय वातावरण में संपन्न हुआ। इसमें कर्नल रघुवीर सिंह, वीओ तिलक राज शर्मा ,संयोजक प्रभात, वीरेंद्र संजू, स्वर्ण कुमार ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। फोटो कैप्शन: अटया के प्राचीन शिव मंदिर में विराट हिंदू महा सम्मेलन में शामिल महात्मा, हिंदू धर्म के प्रतिनिधि।

25 लोगों ने किया रक्तदान

अनंत ज्ञान, घुमारवीं। दरिद्र नारायण कल्याण समिति घुमारवीं के सौजन्य से चुवाड़ी बल्ली में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कुल 39 लोगों ने पंजीकरण करवाया। इनमें से स्वास्थ्य जांच के बाद 25 रक्तदाताओं ने रक्तदान किया। समिति अध्यक्ष शहजाद सिंह चौहान ने रक्तदान को महादान बताते हुए युवाओं से नियमित रूप से रक्तदान करने का आह्वान किया। रक्तदाताओं के लिए रिफ्रेशमेंट व भोजन की व्यवस्था बल्ली मंदिर परिसर कमेटी और श्याम लाल भाटिया की ओर से की गई। शिविर में बिलासपुर ब्लड बैंक की टीम ने डॉ. अंकिता शर्मा के नेतृत्व में सहयोग प्रदान किया। समिति महासचिव जगदीश कुमार ने बताया कि 20 फरवरी को कैरियर प्वाइंट यूनिवर्सिटी हमीरपुर और 22 फरवरी को धारवाड़ा में रक्तदान शिविर आयोजित किए जाएंगे।

तीन मई को सजेगा 'रुस्तम-ए-कहलूर' दंगल

अनंत ज्ञान

बिलासपुर। पीर लखदाता अखाड़ा कमेटी द्वारा बिलासपुर शहर के डियारा सेक्टर स्थित टमक टियाला मैदान में आगामी 3 मई 2026 को आयोजित होने वाले ऐतिहासिक 'रुस्तम-ए-कहलूर' दंगल की तैयारियों को लेकर विधिवत चौका पूजन किया गया।

इस दौरान लखदाता पीर के समक्ष दंगल की सफलता तथा बिलासपुर शहर के उत्थान के लिए विशेष प्रार्थना एवं अर्चना की गई। चौका पूजन की अध्यक्षता अखाड़ा कमेटी के प्रधान हुसैन अली ने की। इस अवसर पर अखाड़ा कमेटी की ओर से दंगल आयोजन को लेकर आधिकारिक इश्तिहार भी जारी किया गया। इस मौके पर कमेटी के सदस्य राकेश ठाकुर, पवन धीमान, प्रताप कोंडल, पहलवान निक्का राम ठाकुर, मनमोहन भगरी, कृष्ण कुमार चौहान, सुरेंद्र गुप्ता, जितेंद्र कोंडल, प्रताप सिंह राजवर्मा, राजीव

बैठक में उपस्थित आयोजन समिति के सदस्य। अनंत ज्ञान

राजकुमार, विनय कुमार, प्रकाश चंद, रघु सोनी, अमित कुंडी, पवन कुमार, जगदीश ठाकुर, राजपाल सरीन, राजकुमार सोनी, अशोक कुमार, सकील शेख, मुनीश मोहम्मद, अब्दुल मजीद, मोदित हंस और मनोहर सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

दंगल कार्यक्रम में विशेष आमंत्रित समाज सेविकाएं प्रीति भाटिया, नीलम सूद, मोनिका, चंपा देवी, औकार सिंह गुलेरिया, रत्न चंद निर्झर जोगिंदर महाजन, सुनीता धीमान, धर्मा धीमान और राजीव ने भी सहभागिता की। अखाड़ा कमेटी के प्रधान हुसैन अली ने जानकारी देते हुए बताया कि इस वर्ष दंगल में 'अंडर-17' वर्ग के मुकाबले 'बिलासपुर केसरी' खिताब के लिए आयोजित होंगे। इसमें विजेता पहलवान को 5100 रुपए तथा उपविजेता पहलवान को 3100 रुपए नकद पुरस्कार प्रदान किया जाएगा। इसके अलावा ऐतिहासिक 'रुस्तम-ए-कहलूर' खिताब के लिए होने वाले मुकाबलों में देश के विभिन्न राज्यों से पहलवान भाग लेंगे। इस वर्ग में विजेता पहलवान को 31,000 रुपए नकद एवं गुर्ज, जबकि उपविजेता पहलवान को 21,000 रुपए नकद पुरस्कार स्वरूप दिए जाएंगे।

तथ्यों पर बात करें, आमने-सामने बैठने को तैयार : संदीप सांख्यान

अनंत ज्ञान

बिलासपुर। प्रदेश कांग्रेस के पूर्व मीडिया कॉर्डिनेटर संदीप सांख्यान ने प्रदेश भाजपा अध्यक्ष राजीव बिंदल के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि भाजपा हिमाचल प्रदेश के हितों की रक्षा करने में पूरी तरह असफल रही है।

केंद्र सरकार द्वारा रेवन्यू डेफिसिट ग्रांट बंद किए जाने के मुद्दे पर हिमाचल के सातों सांसद (चार लोकसभा और तीन राज्यसभा) प्रदेश की जनता के पक्ष को प्रभावी ढंग से रखने में नाकाम रहे हैं। सांख्यान ने कहा कि यदि भाजपा सांसदों में हिमाचल की जनता के प्रति जरा भी संवेदना है, तो उन्हें इस मुद्दे पर नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सांसद ही प्रदेश के मूल मुद्दे केंद्र के समक्ष नहीं रख पा रहे हैं, तो उनके दायित्व पर बने रहने का क्या औचित्य है। सांख्यान ने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश की आर्थिक स्थिति को लेकर जो आंकड़े जनता के सामने रखे गए हैं, यदि भाजपा अध्यक्ष को उनमें कोई अतिशयोक्ति नजर आती है, तो वे तथ्य सामने रखें। उन्होंने स्पष्ट किया कि कांग्रेस तथ्यों के आधार पर आमने-

सामने चर्चा के लिए पूरी तरह तैयार है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा नेताओं के बयान जनता को गुमराह करने का प्रयास है, जबकि प्रदेश की जनता अब सच्चाई जान चुकी है। सांख्यान ने कहा कि हिमाचल के प्राकृतिक संसाधनों से केंद्र सरकार को प्रतिवर्ष करीब 90 हजार करोड़ रुपये का राजस्व मिलता है, ऐसे में छोटे पहाड़ी राज्य हिमाचल की रेवन्यू डेफिसिट ग्रांट बंद करने की मंशा अब पूरी तरह उजागर हो चुकी है।

ब्रह्माकुमारीज ने रक्कड़ कॉलोनी में दीप प्रज्वलन और ध्वजारोहण किया

अनंत ज्ञान

ऊना। महाशिवरात्रि पर्व के पावन अवसर पर प्रजापति ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के तत्वावधान में जिला ऊना में विशेष आध्यात्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसी कड़ी में 10 दिवसीय शिव संदेश यात्रा का शुभारंभ 6 फरवरी से किया गया।

इसका उद्देश्य महाशिवरात्रि के आध्यात्मिक एवं जीवन-मूल्यों से जुड़े पवित्र संदेश को जन-जन तक पहुंचाना है। यह यात्रा विभिन्न स्थानों और शिक्षण संस्थानों से होकर गुजर रही है। शिव संदेश यात्रा के जिला केंद्र रक्कड़ कॉलोनी पहुंचने पर भव्य समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ब्रह्मकुमारीज अंतरराष्ट्रीय मुख्यालय माउंट आबू से जारी ईश्वरीय ज्ञान के संदेश का वाचन किया गया तथा उस पर विस्तार से चर्चा की गई। इसके उपरांत शिव ध्वजारोहण एवं दीप प्रज्वलन किया गया। कार्यक्रम में ब्रह्मकुमारीज की जिला प्रभारी आशा दीदी, मैहतपुर केंद्र की प्रभारी बबिता बहन सहित अन्य वरिष्ठ सदस्य उपस्थित रहे। आशा दीदी ने उपस्थित भाई-बहनों को जीवन में पवित्रता अपनाने का संकल्प दिलाया।

वक्ताओं ने महाशिवरात्रि को आत्म-परिवर्तन का महान पर्व बताते हुए सकारात्मक जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान राजयोग ध्यान साधना का अभ्यास भी करवाया गया, जिससे उपस्थित लोगों ने आत्मिक शांति और सकारात्मक ऊर्जा की अनुभूति की। समापन पर प्रतिभागियों ने अपने अनुभव साझा किए।

वृद्धि पूंजीगत व्यय, इंफ्रास्ट्रक्चर और आत्मनिर्भर भारत पर केंद्रित बजट

सब्सिडी से निवेश की ओर बजट: जम्वाल

अनंत ज्ञान

बिलासपुर। अपने बिलासपुर प्रवास के दौरान भारतीय जनता पार्टी के मुख्य प्रवक्ता राकेश जम्वाल ने कहा कि केंद्र सरकार का बजट 2026-27 भारत की अर्थव्यवस्था को नई दिशा देने वाला है। उन्होंने कहा कि 2013-14 तक बजट जहां सब्सिडी आधारित था, वहीं आज का बजट पूंजीगत व्यय, मजबूत इंफ्रास्ट्रक्चर व आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य पर केंद्रित है, जिसका असर सड़क, रेल, शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के रूप में साफ दिखाई दे रहा है।

गरीब व ग्रामीण भारत को विशेष प्राथमिकता दी

राकेश जम्वाल ने कहा कि बजट में महिला, गरीब व ग्रामीण भारत को विशेष प्राथमिकता दी गई है। महिला श्रम भागीदारी दर 23 से बढ़कर 41 प्रतिशत से अधिक हुई है, जबकि बहुआयामी गरीबी 55 प्रतिशत से घटकर लगभग 11 प्रतिशत रह गई है। ग्रामीण विकास के लिए वीबी ग्राम योजना, मनरेगा, जल जीवन मिशन और प्रधानमंत्री आवास योजना में बड़े प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि बजट 2026-27 यह स्पष्ट करता है कि केंद्र सरकार का आर्थिक मॉडल निवेश, विकास और जनकल्याण पर आधारित है। यह बजट नए भारत और आत्मनिर्भर भारत की मजबूत नींव रखता है।

राकेश जम्वाल ने कहा कि पूंजीगत व्यय में हुई ऐतिहासिक बढ़ोतरी सरकार की दूरदर्शी सोच को दर्शाती है। 2013-14 में लगभग 1.98 लाख करोड़ रुपए रहा पूंजीगत व्यय बजट 2026-27 में बढ़कर 12.2 लाख करोड़ रुपए से अधिक हो गया है, यानी 516 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि। इससे इंफ्रास्ट्रक्चर, उद्योग व रोजगार को नई गति मिली है। राष्ट्रीय राजमार्गों में निवेश आठ गुना और रेलवे पूंजीगत व्यय पांच गुना बढ़ा है। उन्होंने कहा कि कृषि, शिक्षा व स्वास्थ्य जैसे जनकल्याणकारी क्षेत्रों में भी बड़ा निवेश किया गया है। कृषि बजट 27 हजार करोड़ से बढ़कर 1.32 लाख करोड़ रुपए, शिक्षा बजट 65 हजार करोड़ से बढ़कर 1.39 लाख करोड़ रुपए हो गया है। आयुष्मान भारत योजना के तहत 42 करोड़ से अधिक लोगों को मुफ्त इलाज की सुविधा मिल रही है।

देश में एम्स की संख्या 7 से बढ़कर 23 हो चुकी है, जिनमें एम्स बिलासपुर हिमाचल के लिए बड़ी उपलब्धि है। भाजपा मुख्य प्रवक्ता ने कहा कि हिमाचल प्रदेश को केंद्र की योजनाओं से विशेष लाभ मिला है। वर्ष 2026-27 में कर हस्तांतरण के तहत 13,949 करोड़ रुपए और अनुदान के रूप में 10,243 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। विशेष पूंजीगत सहायता योजना के तहत प्रदेश को ब्याज मुक्त ऋण मिला है। उड़ान योजना से नए हवाई मार्ग शुरू हुए हैं, मंडी ग्रीनफील्ड एयरपोर्ट को मंजूरी मिली है और राष्ट्रीय राजमार्गों पर 2,600 किलोमीटर से अधिक कार्य पूरा हुआ है।

झंडूता में जीतराम कटवाल ने बजट को आत्मनिर्भर भारत का रोडमैप बताया

अनंत ज्ञान

झंडूता। भाजपा विधायक जीतराम कटवाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पेश किए गए बजट को विकसित और आत्मनिर्भर भारत का रोडमैप करार दिया है। उन्होंने कहा कि यह केवल वित्तीय दस्तावेज नहीं, बल्कि युवा, किसान, महिला, गरीब और मध्यम वर्ग को सशक्त बनाने तथा समावेशी विकास सुनिश्चित करने का महत्वपूर्ण कदम है।

रविवार को पत्रकारों से बातचीत में कटवाल ने बताया कि वर्ष 2026-27 का बजट 53,47,315 करोड़ रुपए का है, जिसमें 7.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। उन्होंने कहा कि यह बजट रोजगार सृजन, ग्रामीण विकास, कृषि, महिला सशक्तिकरण और शिक्षा के क्षेत्रों पर केंद्रित है। विशेष रूप से मिशन शक्ति में 3,605 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है, साथ ही महिला छात्रावास और विश्वविद्यालय टाउनशिप विकसित करने की योजना भी शामिल है। विधायक ने कहा कि हिमाचल को माउंटेन ट्रेल जैसी योजनाओं से जोड़कर आर्थिक विकास को मजबूती दी गई है। वर्ष 2026-27 के लिए हिमाचल को 13,949 करोड़ रुपए के कर हस्तांतरण, 2,980 करोड़ रुपए की आपदा ग्रांट और 5 वर्षों के लिए 4,179 करोड़ रुपए ग्रामीण और शहरी विकास के लिए आवंटित किए गए हैं। इसके अलावा, मंडी में नए एयरपोर्ट के लिए 68 करोड़ रुपए की व्यवस्था की गई है, जबकि महात्मा गांधी ग्राम स्वराज योजना से हिमाचली हस्तशिल्प और ग्रामीण उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा। कटवाल ने कांग्रेस नेताओं पर निशाना साधते हुए कहा कि बजट की आलोचना केवल भ्रामक प्रचार और सुर्खियों में बने रहने का प्रयास है। उन्होंने प्रदेश सरकार से आग्रह किया कि केंद्रीय बजट से सीख लेकर सभी विधानसभा क्षेत्रों का समान विकास सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर झंडूता भाजपा मंडल अध्यक्ष रसम सिंह चंदेल, शाहतलाई मंडल अध्यक्ष डॉ. रामप्रकाश शर्मा, कार्यालय सचिव हरबंस लाल भभौरिया, जिला सचिव दिनेश चंदेल और किसान मोर्चा के मंडल अध्यक्ष मुख्त्यार सिंह पटियाल भी मौजूद थे।

अल्फा स्कूल में दिखी लोकतंत्र की झलक

अनंत ज्ञान, बरठीं। अल्फा पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल बरठीं में यूथ पार्लियामेंट का आयोजन अल्फा पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल बरठीं में विद्यार्थियों में लोकतांत्रिक मूल्यों व संसदीय प्रक्रिया की समझ विकसित करने के उद्देश्य से यूथ पार्लियामेंट का आयोजन किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने संसद की कार्यवाही का जीवंत मंचन किया। यूथ पार्लियामेंट में मानसी शर्मा ने अध्यक्ष की भूमिका निभाई, जबकि काव्या ने प्रधानमंत्री, मितुल ने गृह मंत्री, मनस्वी ने शिक्षा मंत्री, दिव्यांश ने रक्षा मंत्री, वंश ने स्वास्थ्य मंत्री, सौरव भारद्वाज ने रोजगार मंत्री, समीक्षा ने पर्यावरण मंत्री, सेजल ने खेल मंत्री तथा आकांक्षा ने विदेश मंत्री की भूमिका निभाई। अन्य विद्यार्थियों ने विपक्ष की भूमिका निभाते हुए सशक्त तर्क प्रस्तुत किए। इस अवसर पर स्कूल की प्रशासनिक प्रधानाचार्य रचना कुमारी ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए संसद की कार्यप्रणाली, लोकतंत्र में युवाओं की भूमिका तथा नेतृत्व के महत्व पर विस्तृत जानकारी दी और बच्चों के प्रयासों की सराहना की। कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यापिकाओं शशि कुमारी, लता कुमारी, मीना कुमारी एवं सरोज कुमारी का विशेष योगदान रहा।

यहां प्रकृति की बिखेरी अद्भुत छटा का हर पर्यटक दीवाना

सोलंगनाला सहित अटल टनल व अन्य पर्यटन स्थलों में खिली धूप के बीच बर्फ के दीदार को पहुंच रहे पर्यटक

अनंत ज्ञान

कमलेश वर्मा, कुल्लू/केलांग। कुल्लू- मनाली व लाहौल-स्पीति जिले में प्रकृति ने आसमान से जो बर्फ के रूप में अद्भुत छटा बिखेरी है, उसके दीदार के लिए हर पर्यटक लालायित है।

यही कारण है कि बर्फबारी के बाद मौसम खुलने के बाद से कुल्लू-मनाली घाटी एक बार फिर सैलानियों से गुलजार हो गई है। लंबे इंतजार के बाद हुई बर्फबारी ने जहां पहाड़ों को सफेद चादर से ढक दिया। वहीं, घाटी की फिजाओं में नई जान फूंक दी है। कुल्लू-मनाली सैर सपाटे के लिए पहुंचे देश-विदेश के पर्यटकों को चारों ओर फैली बर्फीली वादियां, देवदार के पेड़ों पर जमी बर्फ अपनी ओर आकर्षित कर रही है और पर्यटकों को बर्फ के बीच पर्यटकों को जन्नत सी अनुभूति हो रही है, वैसे तो मनाली के माल रोड सहित आसपास के अन्य पर्यटन स्थलों में पर्यटक घूमने का आनंद उठा रहे हैं, लेकिन मनाली के प्रसिद्ध पर्यटन स्थल सोलंगनाला में पर्यटकों का मेला लगा हुआ है। पर्यटक मैदान में पहुंचकर बर्फ में खूब मजे कर रहे हैं। हालांकि, कुछ एक पर्यटक फोर बाई फोर वाहन में सोलंगनाला से अटल टनल की ओर भी जा रहे हैं, लेकिन अधिकतर पर्यटक सोलंगनाला, अजनी महादेव व फातरु की वादियों में बर्फ के मजे ले रहे हैं। वही, कुल्लू-मनाली के आसमान झाबे मानव परिंदों से भर गए हैं। सोलंगनाला में पैराग्लाइडिंग, स्कीइंग और स्नो एक्टिविटीज का आनंद लेने के लिए देश-विदेश से सैलानी यहां उमड़ पड़े हैं। मनाली, सोलंगनाला, अटल टनल के आसपास के क्षेत्र और गुलाबा जैसे पर्यटन स्थलों पर सैलानियों की खासी भीड़ देखने को मिल रही है।

इससे पर्यटन कारोबारियों के चेहरे खिले हुए हैं। बर्फबारी से पर्यटन कारोबार को संजीवनी मिली है, जबकि किसानों और बागवानों के लिए भी यह किसी वरदान से कम नहीं है। सेब, सब्जी और अन्य नकदी फसलों के लिए यह बर्फबारी बेहद लाभकारी मानी है। खेतों में नमी लौटने से आने वाले सीजन के लिए अच्छी पैदावार की उम्मीद जगी है। घाटी में पहुंचे सैलानी कुदरत के इस अनोखे रंग में पूरी तरह डूबे नजर आ रहे हैं। बर्फ से ढके पहाड़ों के बीच फोटो सेशन, स्नो मैन बनाना और बच्चों की किलकारियां पूरे माहौल को जीवंत बना रही हैं।

सैलानियों का कहना है कि कुल्लू-मनाली की सर्दियों की यह खूबसूरती उन्हें बार-बार यहां आने के लिए मजबूर करती है। स्थानीय लोगों के लिए भी यह मौसम खुशियां लेकर आया है। पर्यटन से जुड़े टैक्सी चालक, होटल कर्मी, ढाबा संचालक और छोटे व्यवसायियों की आमदनी में बढ़ोतरी हुई है। हालांकि, बर्फबारी के कारण ऊंचाई वाले क्षेत्रों में यातायात प्रभावित हुआ, लेकिन प्रशासन द्वारा सड़कों की बहाली और बिजली आपूर्ति बहाली का कार्य लगातार युद्धस्तर पर जारी है, जिससे स्थिति नियंत्रित बनी हुई है। कुल मिलाकर बर्फबारी ने कुल्लू-मनाली घाटी को फिर से रौनक से भर दिया है। खेत-खलिहानों से लेकर पर्यटन तक हर क्षेत्र में खुशहाली की बयार बह रही है और कुदरत की इस मेहरबानी ने हर चेहरे पर मुस्कान ला दी है।

कुल्लू-मनाली में लगा सैलानियों का तांता। अनंत ज्ञान

22 सड़कें व 3 डीटीआर अभी भी बाधित

कुल्लू जिले में बारिश व बर्फबारी के कारण पिछले दिनों बाधित हुए सड़क मार्ग व डीटीआर को बहाल किया जा रहा है। अभी जिला में 22 सड़क मार्ग व 3 डीटीआर बाधित हैं, जिससे लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।

पटरी पर लौट रहा जनजीवन

उधर, जनजातीय जिला लाहौल-स्पीति में बर्फबारी के बाद से अब धीरे-धीरे जनजीवन पटरी पर लौट रहा है। पूरा जिला बर्फ की मोटी चादर से ढका हुआ है। संपर्क सड़कों की बहाली का कार्य जारी है। वहीं, लाहौल का खूबसूरत पर्यटक स्थल सिस्सु सहित अन्य जगहों पर भी कुछ दिनों बाद पर्यटकों का मेला लगेगा। फिलहाल सिस्सू व कोकसर में पर्यटकों की आवाजाही के लिए प्रतिबंध है।

> **जिले** में बारिश व बर्फबारी के कारण जहां-जहां सड़कें व बिजली आपूर्ति बाधित हुई हैं, उन्हें बहाल करने का कार्य युद्धस्तर पर जारी है। अधिकतर सड़कें बहाल कर दी गई हैं।
> **तोरुल एस रवीश, डीसी कुल्लू।**

पीएम किसान सम्मान योजना का लाभ लेने के लिए किसान आएं आगे

अनंत ज्ञान ब्यूरो, काजा। काजा उपमंडल में किसान सम्मान योजना के लिए कुल 932 किसानों मे से 626 किसानों को प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में सूचीबद्ध किया है। इसमें 274 किसानों को पंजीकृत कर लिया गया है तथा बाकि किसानों को भी आग्रह किया जा रहा है कि या तो वे सीधे कृषि विभाग कार्यलय काजा में खुद आ कर पंजीकरण करें। लोकमित्र केंद्र से भी आप लोग सीधे अपना पंजीकरण करवा सकते हो। यह जानकारी कृषि विकास अधिकारी काजा अनिल बौद्ध ने दी है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार की यह स्कीम सीधे किसानों के लिए लाभदायक है और किसानों को बढ़चढ़ कर आगे आना चाहिए। उन्होंने बताया कि किसानों का आधर कार्ड बैंक से लिंक होना चाहिए और उनके मोबाइल नंबर के साथ ही ऑनलाइन प्रक्रिया में खसरा नंबर बताने पर लोकमित्र केंद्र मे सुगमता से पंजीकरण हो जाता है। बौद्ध ने बताया कि सर्दियों के दौरान अधिकतर किसान स्पीति से बाहर रिवालसर, बौद्धग्या, धर्मशाला अथवा साउथ में रहते हैं ऐसे मे वे भी लोकमित्र केंद्र से अपना पंजीकरण कर सकते हैं।

कुल्लू में क्षय रोग उन्मूलन के लिए व्यापक स्तर पर हो रहा कार्य

अनंत ज्ञान

कुल्लू। जिले में क्षय रोग उन्मूलन के लिए व्यापक स्तर पर कार्य किया जा रहा है। क्षय रोगियों की पहचान के लिए घरद्वार स्क्रीनिंग, एक्स-रे और सैंपल लिए जा रहे हैं। इसके अलावा अब आशा कार्यकर्ता अपने संबंधित क्षेत्रों में क्षय रोगियों की पहचान करेंगी। पहले क्षय रोगियों की पहचान की जाएगी। इसके उपरांत उन्हें आशा कार्यकर्ता उपचार के लिए अस्पताल भी लाएंगी, ताकि समय पर उपचार मिले और वे स्वस्थ जीवन जी सकें। बता दें कि प्रदेश व जिले को इस साल के अंत तक क्षय रोग मुक्त बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इसी के तहत व्यापक स्तर पर योजनाएं बनाकर घरद्वार पर क्षय रोगियों की पहचान की जा रही है।

◆ आशा वर्कर्स को मरीज अस्पताल लाने का जिम्मा

> **इस** संबंध में जिला स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. सुरेश ने कहा कि जिले के पांचों खंडों में टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत लोगों की घर-द्वार स्क्रीनिंग करवाई गई है। अब आशा कार्यकर्ताओं को क्षय रोगी मिलने पर उनका उपचार का जिम्मा सौंपा गया है।

> **जिले** को क्षय रोग मुक्त बनाने के लिए स्वास्थ्य विभाग सजग है। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत लोगों की घर-द्वार स्क्रीनिंग, एक्स-रे और बलगम जांच का प्रावधान किया गया है। बीमारी के उन्मूलन के लिए जागरूकता कार्यक्रम भी चलाए जा रहे हैं।
> **डॉ. रणजीत ठाकुर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी कुल्लू।**

घरद्वार स्क्रीनिंग में 72,511 लोगों की जांच पूरी

हालांकि, जिला के पांचों स्वास्थ्य खंडों जरी, नग्गर, बंजार, आनी और निरमंड में टीबी उन्मूलन की दिशा में स्वास्थ्य विभाग ने नई उपलब्धि दर्ज की है। टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत घर-द्वार स्क्रीनिंग में 72,511 लोगों की जांच पूरी कर ली गई है। अब विभाग का ध्यान लोगों के एक्स-रे, टेस्ट और रिपोर्ट पर रहेगा, ताकि किसी भी मरीज की समय पर पहचान कर उनका उपचार सुनिश्चित किया जा सके।

न्यूज ब्रीफ

क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ, 75 टीमें मैदान में

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। जिला मुख्यालय कुल्लू के ढालपुर स्थित खेल मैदान में रविवार से जिला स्तरीय क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ हो गया। जिला कुल्लू क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता का उद्घाटन संघ के जिला अध्यक्ष दानवेंद्र सिंह ने किया। प्रतियोगिता में जिले भर से 75 टीमें भाग ले रही हैं। दानवेंद्र सिंह ने बताया कि संघ द्वारा यह प्रतियोगिता हर वर्ष आयोजित की जाती है, जिसका मुख्य उद्देश्य युवाओं को नशे से दूर रखकर खेलकूद व रचनात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करना है। उन्होंने कहा कि जिले के खिलाड़ी जिला, राज्य और राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहे हैं, जिसमें पुरुष खिलाड़ी रणजी ट्रॉफी और महिला खिलाड़ी आईपीएल व डब्ल्यूपीएल में अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रही हैं।

दिल्ली तक पहुंची मनाली की बेटी गुंजन की गूंज

अनंत ज्ञान, मनाली। मनाली की विशेष बेटी गुंजन ने चंबा की सहपाठी स्नेहा के साथ मिलकर राष्ट्रीय क्विजेबल्ड प्रतियोगिता में दूसरा स्थान प्राप्त कर हिमाचल प्रदेश का नाम रोशन किया है। दोनों छात्राएं एचपीआईसीएसए (हिमाचल प्रदेश इंस्टीट्यूट फॉर चिल्ड्रेन विद स्पेशल एबिलिटीज), सुंदरनगर की छात्राएं हैं। इससे पूर्व दोनों ने राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान हासिल कर राष्ट्रीय स्तर पर हिमाचल का प्रतिनिधित्व किया था। इस उपलब्धि ने यह सिद्ध कर दिया है कि सशक्त मार्गदर्शन और दृढ़ इच्छाशक्ति से विशेष श्रेणी के विद्यार्थी भी असाधारण सफलता प्राप्त कर सकते हैं। मनाली गांव की पूर्व प्रधान मोनिका भारती, पूर्व वार्ड पंच सुरेश सहित क्षेत्रवासियों ने दोनों बेटियों को बधाई दी। मनाली निवासी मेहर चंद ने कहा कि विशेष बच्चों को बोझ न समझकर उनका आत्मविश्वास बढ़ाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आज बेटी गुंजन न केवल आत्मविश्वास से पढ़ाई कर रही है, बल्कि देशभर में पहचान बना रही है, जो सभी अभिभावकों के लिए प्रेरणा है।

स्पीति कप: कुंगा यांगचेन व तानजिन का जलवा

अनंत ज्ञान

काजा। रॉयल एनफील्ड द्वारा प्रस्तुत स्पीति कप आइस हॉकी टूर्नामेंट सीजन-3 के दूसरे दिन काजा आइस हॉकी रिंक पर रोमांच चरम पर रहा। कुंगा यांगचेन और तानजिन दोरजे के शानदार व्यक्तिगत प्रदर्शन की बदौलत कई मुकाबले एकतरफा रहे, वहीं अंडर-18 और सीनियर वर्ग में भी दमदार खेल देखने को मिला।

महिला वर्ग में कुंगा यांगचेन ने पांच गोल दागकर शम जोन महिला टीम को पिन ज़ोन के खिलाफ 6-0 की बड़ी जीत दिलाई। वहीं सीनियर पुरुष वर्ग में तानजिन दोरजे ने आठ गोल कर पिन जोन को लाहौल के खिलाफ 12-2 से विजयी बनाया। दिन की शुरुआत अंडर-18 मुकाबले से हुई। इसमें सेंटर जोन ने टोड जोन को 6-1 से हराया। प्रशांत ने तीन गोल कर हैट्रिक जमाई, जबकि कुंगा तक्पा ने दो गोल दागे। अंतिम पीरियड में सेंटर जोन का दबदबा साफ नजर आया। महिला वर्ग में शम जोन ने पिन जोन को पूरी तरह बैकफुट पर रखते हुए 6-0 से मात दी। कुंगा यांगचेन ने पहले ही मिनट में गोल कर संकेत दे दिए थे। उन्होंने हैट्रिक के साथ कुल पांच गोल किए, जबकि तानजिन छोडोन ने एक गोल जोड़ा।

पिन जोन की टीम पूरे मुकाबले में कोई गोल नहीं कर सकी। सीनियर पुरुष वर्ग में सेंटर जोन ने शम जोन को 4-1 से हराया। छिमेद नामदोल ने शानदार खेल दिखाते हुए चारों गोल दागे और टीम को लगातार दूसरी जीत दिलाई। इस जीत के साथ सेंटर जोन चार अंकों के साथ अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंच गया। दिन के सबसे हाई-स्कोरिंग मुकाबले में पिन जोन ने लाहौल को 12-2 से करारी शिकस्त दी। तानजिन दोरजे ने आठ गोल किए, जिनमें 127 सेकेंड के भीतर एक तेज हैट्रिक और दूसरी नेचुरल हैट्रिक शामिल रही। पद्मा नामदोल और तानजिन ताशी ने भी गोल कर जीत को यादगार बना दिया। अंडर-18 के अंतिम मुकाबले में शम जोन ने टोड जोन को 8-2 से हराया।

तक्पा थुक्तान ने हैट्रिक लगाई, जबकि रिग्जिन आंग्रुप ने तीन गोल कर टीम को अंक तालिका में शीर्ष पर पहुंचाया। स्पीति कप सीजन-3 का तीसरा दिन 9 फरवरी 2026 को खेला जाएगा। अंडर-18 में सेंटर जोन और पिन जोन आमने-सामने होंगे। सीनियर पुरुष वर्ग में लाहौल का मुकाबला टोड जोन से होगा, जबकि महिला वर्ग में डिफेंडिंग चैंपियन सेंटर जोन और शम जोन के बीच टक्कर होगी। स्पीति कप के दूसरे दिन के मुकाबलों ने साफ कर दिया है कि इस बार खिताबी दौड़ बेहद रोमांचक होने वाली है।

मनाली के समस्त होटल और होमस्टे संचालकों के लिए बड़ी राहत: भुवनेश्वर

अनंत ज्ञान

मनाली। मनाली के विधायक भुवनेश्वर गौड़ ने मनाली विधानसभा क्षेत्र के समस्त होटल और होमस्टे संचालकों को बड़ी राहत दिलाई है।

इलाके में लंबे समय से 'फायर एनओसी' की वजह से जटिल प्रक्रियाओं के कारण आर्थिक दबाव झेल रहे थे। इस समस्या को जड़ से खत्म करने के लिए विधायक ने विधानसभा के सदन में मजबूती के साथ आपकी आवाज उठाई थी। उन्होंने कहा कि मुझे यह बताते हुए गर्व हो रहा है कि प्रदेश सरकार ने हमारी मांग को स्वीकार करते हुए होटल एवं होमस्टे के पंजीकरण और नवीनीकरण की प्रक्रिया से 'फायर एनओसी' की अनिवार्यता को समाप्त करने का ऐतिहासिक फैसला लिया है।यह जीत मुख्यमंत्री की दूरदर्शिता और प्रदेश के पर्यटन के प्रति उनके अटूट प्रेम का प्रमाण है। विधायक ने कहा कि आपने मनाली और लाहौल की जनता के दर्द को समझा व एक अभिभावक की तरह यह बड़ी रियायत देकर प्रदेश में 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' की नई मिसाल पेश की है। मुख्यमंत्री के जनहितैषी निर्णय से हजारों परिवारों के चेहरे पर मुस्कान आई है। खुशी जाहिर करते हुए कहा कि हमारे संघर्ष की जीत है। मनाली का हर छोटा-बड़ा कारोबारी अब बिना किसी अनावश्यक बाधा के स्वाभिमान के साथ अपना काम कर सकेगा। आपका विश्वास ही मेरी असली ताकत है। भुनेश्वर गौड़ ने सदन में कहा कि होटल और होम स्टे मालिक इस मापदंड को अनुसरण नहीं कर सकते हैं। नोटिफिकेशन से पहले जो भवन तैयार हुए हैं, वह भी इसका अनुसरण नहीं कर पाएंगे। उन्होंने कहा कि जो हैरिटेज भवन हैं इनमें संयंत्र लगाना नामुमकिन है। इन लोगों को होटल रजिस्ट्रेशन से वंचित रखा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने विधायक को विश्वास दिलाया और कहा कि हिमाचल को हम पर्यटन की दृष्टि से आगे लाना चाहते हैं। हम नीति में बदलाव लाएंगे। उन्होंने माना कि टूरिज्म इंडस्ट्रीज ही सरकार को अधिक जीएसटी देती है और कुछ ही महीनों में इसके नियमों में बदलाव लाएंगे।

एनक्यूएएस टीम ने भालठा केंद्र का किया निरीक्षण

अनंत ज्ञान ब्यूरो, कुल्लू। पांचवें दिन की अंतिम चरण की निरीक्षण प्रक्रिया में एनक्यूएएस की टीम ने जिला कुल्लू के जरी स्वास्थ्य खंड स्थित आयुष्मान आरोग्य मंदिर, भालठा उपकेंद्र का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान डॉ. सुरेंद्र सिंह डोगरा एवं डॉ. विजय ने संयुक्त रूप से स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता, रोगी-केंद्रित देखभाल, सुरक्षा मानकों तथा संक्रमण नियंत्रण व्यवस्थाओं का विस्तृत मूल्यांकन किया। इस अवसर पर डॉ. सुरेंद्र सिंह डोगरा ने बताया कि एनक्यूएएस एक व्यापक गुणवत्ता ढांचा है, जिसका उद्देश्य स्वास्थ्य संस्थानों में उच्च गुणवत्ता वाली सेवाएं प्रदान करना तथा मरीजों को सुरक्षित, प्रभावी और संतोषजनक उपचार उपलब्ध कराना है। निरीक्षण के दौरान डॉ. नम्रता विद्यार्थी मेडिकल ऑफिसर इंचार्ज डॉ. विकास ने डॉ. सुरेंद्र और डॉ. विजय का स्वागत किया।

दिनेश व गुंजन ने दिखाई ईमानदारी

अनंत ज्ञान, सैंज। जिला कुल्लू की सैंज तहसील की सुचैहण पंचायत के रोपा गांव तथा शैंशर पंचायत के मनाहरा गांव की गुंजन ने शनिवार को ईमानदारी को नैतिकता की मिसाल पेश की। मामला शनिवार शाम का है जब रैला-दो पंचायत के भूपन निवासी डावे राम राणा बाजार से घर जाते हुए टैक्सी स्टैंड से बोदलीमाता के लिए पैदल चले लेकिन इस बीच रास्ते में उनकी जेब से 12000 रुपए की नकद राशि तथा मोबाइल फोन गिर गया, जब तक उन्हें कुछ पता चलता तो वह करीब 3 किलोमीटर आगे निकल चुके थे। इस दौरान सुचैहण पंचायत के रोपा गांव के दिनेश कुमार व गुंजन सुपुत्री ने बताया कि उन्हें रिवर टच के नजदीक रास्ते में 12000 रुपए नकद राशि तथा मोबाईल गिरे हुए मिले और मालिक न मिलने पर उन्होंने यह सारी धनराशि व सामान पुलिस थाना सैंज के कार्यालय में जमा किया। उधर, पुलिस थाना सैंज में पूरी प्रक्रिया के बाद सारा सामान व नकद राशि मालिक को सौंप दी।

हिमाचल स्की पर्वतारोहण की टीम चयनित

अनंत ज्ञान

मनाली। हिमाचल स्की पर्वतारोहण की टीम चयनित कर ली गई है। सोलंग स्की स्लोप में आयोजित ट्रायल में पुरुष और महिला दोनों वर्गों की वर्टिकल व स्प्रिंट श्रेणियों में एथलीटों ने भाग लिया।

इन ट्रायल्स का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिमाचल का प्रतिनिधित्व करने के लिए सर्वश्रेष्ठ प्रतिभाओं को चुनना रहा। ट्रायल में चयनित खिलाड़ी राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर हिमाचल का प्रतिनिधित्व करेंगे। हिमाचल स्की माउंटेनियरिंग एसोसिएशन द्वारा प्रदेश के एथलीटों के लिए महत्वपूर्ण चयन ट्रायल आयोजित किए गए। पुरुष और महिला दोनों वर्गों की 'वर्टिकल' और 'स्प्रिंट' श्रेणियों में एथलीटों ने अपने साहस और सहनशक्ति का प्रदर्शन किया। मिलानो कोर्टिना 2026 शीतकालीन ओलंपिक में इस खेल के ऐतिहासिक पदार्पण को देखते हुए खिलाड़ियों में भारी उत्साह था, अब हिमाचल प्रदेश को केवल पर्यटन की दृष्टि से ही नहीं, बल्कि खेल जगत में उत्कृष्टता के एक वैश्विक मंच के रूप में भी देखा जा रहा है। नेशनल स्की माउंटेनियरिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया' के अध्यक्ष प्रवीण सूद पिंटू ने कहा कि हिमाचल प्रदेश इस खेल के लिए वैश्विक केंद्र बनने की अद्भुत क्षमता रखता है। स्कीमो हिमालय के प्राकृतिक और दुर्गम क्षेत्रों में खेला जाता है। उन्होंने कहा कि हिमाचल ने पहले ही अपनी क्षमता साबित कर दी है। एसोसिएशन को विश्वास है कि ये खिलाड़ी औली में होने वाले नेशनल गेम्स (13-15 फरवरी) और इस महीने के अंत में गुलमर्ग में होने वाले खेलो इंडिया विंटर गेम्स में हिमाचल का नाम रोशन करेंगे।

हिमाचल स्की पर्वतारोहण की चयनित टीम व अन्य। अनंत ज्ञान

हिमाचल टीम में चयनित हुए खिलाड़ी

स्प्रिंट महिला वर्ग में साक्षी ठाकुर, शिवानिका, नताशा महर, तेंजिन डोल्मा का चयन हुआ है। पुरुष वर्ग में महल ठाकुर, सोनू शर्मा, राहुल ठाकुर व अंशुमन चयनित हुए है। वर्टिकल महिला वर्ग में नताशा महर, साक्षी ठाकुर, सेजल ठाकुर व शिवानिका का चयन हुआ है। पुरुष वर्ग में राहुल ठाकुर, गौरवित ठाकुर, सोनू शर्मा व महल ठाकुर का चयन हुआ है।

सिमसा में दिखा तेंदुआ, लोगों में खौफ

अनंत ज्ञान, मनाली। मनाली स्थित सिमसा में तेंदुआ देखा गया है। वन रक्षक मनाली ललित ने कहा कि इस क्षेत्र में एक आवारा पशु की भी मृत्यु हुई है, जिसे शायद तेंदुए ने अपना शिकार बनाया होगा सिमसा, छियाल, कन्याल, मढ़ी और गधेरनी के समस्त ग्रामवासियों को वन विभाग मनाली के द्वारा सूचित किया गया है कि सिमसा में एक जंगली तेंदुआ देखा गया है और एक आवारा पशु की मृत्यु हुई है। विभाग ने क्षेत्र के ग्रामवासियों को आगाह किया है कि अपने पशुओं को खुले में न छोड़ें तथा छोटे बच्चों को भी अकेला न छोड़े और अकेले इधर उधर व्यर्थ न घूमें। साथ ही यदि तेंदुआ दोबारा दिखे, तो वन विभाग को तुरंत सूचित करें। उधर, क्षेत्र में तेंदुए की आहट से लोगों में खौफ का माहौल है। लोगों ने वन विभाग से तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाने की मांग की है ताकि तेंदुआ किसी भी तरह का नुकसान न कर सके।

श्याम संगीत सम्मेलन में कलाकारों ने जमाया रंग

मधुरेश की तबला प्रस्तुति ने बटोरी तालियां, बांसुरी व शास्त्रीय संगीत ने बांधा समां

अनंत ज्ञान

कुल्लू। देवसदन कुल्लू में आयोजित 25वें श्याम संगीत सम्मेलन में राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त कलाकारों ने अपनी शानदार प्रस्तुतियों से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

सम्मेलन का मुख्य आकर्षण रहे अंतरराष्ट्रीय तबला वादक पंडित मधुरेश भट्ट, जिन्होंने विभिन्न तालों की मनमोहक प्रस्तुतियों से श्रोताओं को झूमने पर मजबूर कर दिया। उनकी कला को दर्शकों ने खूब सराहा। सम्मेलन में अंतरराष्ट्रीय बांसुरी वादक पंडित राजेंद्र प्रसाद प्रसन्ना, तबला वादक पंडित अभिषेक मिश्रा एवं उनके शिष्य की संगत ने भी संगीत प्रेमियों को भावविभोर कर दिया। वहीं, क्रियाना घराना के शास्त्रीय संगीतकार पंडित केबलिया कुमार ने देर रात तक अपनी प्रस्तुति से श्रोताओं को बांधे रखा। कार्यक्रम की मुख्यातिथि तारा इंटरनेशनल स्कूल की निदेशक रहीं, जबकि एसपी ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। संस्था के अध्यक्ष डॉ. सूरत ठाकुर, कार्यकारी अध्यक्ष पंडित विद्या सागर सहित अन्य पदाधिकारियों ने मुख्यातिथि व अध्यक्ष का भव्य स्वागत किया। अध्यक्षीय संबोधन में एसपी ने सभी से चिट्टा मुक्त कुल्लू बनाने में सहयोग की अपील की। कार्यक्रम का मंच संचालन सुंदर श्याम महंत ने प्रभावशाली ढंग से किया। इस अवसर पर डॉ. सूरत ठाकुर ने गुरु श्याम लाल की जीवनी व समाज व संगीत जगत में उनके योगदान पर प्रकाश डाला।

यह सम्मेलन गुरु श्याम लाल की स्मृति में आयोजित किया जाता है, जिनका संगीत की दुनिया में अमूल्य योगदान रहा है। कार्यक्रम में प्रदेश के प्रसिद्ध संगीतकार एस.डी. कश्यप, विजय सेन, लोक गायक धर्मेंद्र शर्मा सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

समारोह के दौरान प्रस्तुति देते कलाकार। अनंत ज्ञान

कुल्लू कॉन्वेंट स्कूल में स्कॉलरशिप टेस्ट में 217 विद्यार्थियों ने लिया भाग

स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट के दौरान विद्यार्थी। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान

कुल्लू। कॉन्वेंट सीनियर सेकेंडरी स्कूल कुल्लू द्वारा रविवार को स्कॉलरशिप कम एडमिशन टेस्ट-2026 का आयोजन सफलतापूर्वक किया गया। यह परीक्षा कक्षा 9वीं एवं 11वीं में प्रवेश के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए आयोजित की गई थी।

स्कूल के एमडी सुरेश कुमार ने बताया कि इस परीक्षा में क्षेत्र के कुल 217 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। परीक्षा का उद्देश्य प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करना व आर्थिक सहायता प्रदान करना रहा। उन्होंने बताया कि परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों को 21,700 तक की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी। उन्होंने बताया कि इसके अंतर्गत शीर्ष 3 विद्यार्थियों को नकद पुरस्कार दिए जाएंगे, जबकि चौथे से दसवें स्थान तक आने वाले विद्यार्थियों को 50 फीसदी फीस में छूट दी जाएगी।

विद्यालय प्रबंधन ने विद्यार्थियों की भागीदारी व अभिभावकों के सहयोग पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस प्रकार की परीक्षाएं छात्रों की प्रतिभा को पहचानने और उन्हें आगे बढ़ने का अवसर प्रदान करती हैं। विद्यालय भविष्य में भी इस प्रकार के शैक्षणिक एवं प्रोत्साहनात्मक कार्यक्रम आयोजित करता रहेगा।

परेशानी प्रशासन की सुस्ती से बढ़ी लोगों की मुसीबतें, ट्रैफिक जाम की समस्या हो रही उत्पन्न

डोहलूनाला टोल प्लाजा के पास एनएच बना 'हादसों का जोन'

अनंत ज्ञान

मोहन कपूर, पतलीकूहल। कुल्लू से मनाली को जोड़ने वाले मुख्य राष्ट्रीय राजमार्ग पर स्थित डोहलूनाला टोल प्लाजा इन दिनों यात्रियों और स्थानीय वाहन चालकों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। पिछले साल ब्यास नदी के रौद्र रूप और भीषण प्राकृतिक आपदा को बीते चार महीने से अधिक का समय हो चुका है, लेकिन मुख्य मार्ग की स्थिति आज भी बदहाल है।

विडंबना यह है कि आपदा के तुरंत बाद जब घाटी में सेब का सीजन अपने चरम पर था, तब भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण ने तत्परता दिखाते हुए मलबे को हटाकर सड़क को अस्थायी रूप से बहाल किया था। उस समय प्राथमिकता सेब की खेप को सुरक्षित मंडियों तक पहुंचाना था, जिसके लिए कच्ची मिट्टी और अस्थायी पैचवर्क से काम चलाया गया। परंतु, स्थानीय लोगों का आरोप है कि जैसे ही सेब का सीजन खत्म हुआ, विभाग की सक्रियता पूरी तरह ठंडी पड़ गई। वर्तमान में सड़क के बीचों-बीच इतने गहरे और बड़े गड्ढे हो चुके हैं कि दोपहिया और चार पहिया वाहन चालकों का यहां से गुजरना किसी चुनौती से कम नहीं है। रात के समय ये गड्ढे अंधेरे में दिखाई नहीं देते, जिससे राहगीरों के लिए यह मार्ग जानलेवा साबित हो रहा है। स्थानीय निवासियों का कहना है कि विभाग की लापरवाही के कारण जो थोड़ी-बहुत टारिंग की गई थी, वह भी अब उखड़कर बिखर चुकी है।

डोहलूनाला टोल प्लाजा पर सड़क की खस्ताहालत। अनंत ज्ञान

अनंत ज्ञान मुद्दा

मनाली जैसा अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल होने के बावजूद, मुख्य मार्ग की ऐसी जर्जर हालत प्रदेश की छवि को धूमिल कर रही है। पर्यटकों को हिचकोले खाते हुए गंतव्य तक पहुँचना पड़ रहा है, जिससे स्थानीय पर्यटन व्यवसाय से जुड़े लोग चिंतित हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि यदि मुख्य बुनियादी ढांचे की मरम्मत समय पर नहीं हुई, तो इसका सीधा असर राज्य की अर्थव्यवस्था पर पड़ेगा। खराब सड़क के कारण वाहनों में टूट-फूट बढ़ रही है और आए दिन ट्रैफिक जाम की समस्या भी उत्पन्न हो रही है। इस गंभीर स्थिति को देखते हुए प्रशासन अब हरकत में आया है। डीसी कुल्लू, तोरुल एस. रवीश ने स्पष्ट किया है कि सड़क के जिन स्थानों पर गड्ढे बने हैं, उन्हें तुरंत दुरुस्त करने के लिए संबंधित विभाग को सख्त निर्देश जारी कर दिए गए हैं। वहीं, राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण के अधिकारी अशोक चौहान ने बताया कि डोहलूनाला टोल प्लाजा के पास स्थायी मरम्मत कार्य के लिए एस्टीमेट बनाकर उच्च अधिकारियों को भेज दिया गया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि जल्द ही तकनीकी प्रक्रिया पूरी कर स्थायी निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा, जिससे भविष्य में वाहन चालकों को सफर करने में कोई कठिनाई नहीं होगी।

सभी लंबित वित्तीय देनदारियों का जल्द एकमुश्त करें भुगतान: गुलशन

अनंत ज्ञान

कुल्लू। हिमाचल प्रदेश पेंशनभोगी संघ ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा पश्चिम बंगाल सरकार को कर्मचारियों को वर्ष 2009 से 2019 तक 11 वर्षों का मंहगाई भत्ता तुरंत देने के निर्णय को ऐतिहासिक करार देते हुए इस निर्णय का जोरदार स्वागत किया है।

संघ के प्रदेशाध्यक्ष एलआर गुलशन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नरेंद्र कुमार,महासचिव मिलाप चंद, प्रदेश उपाध्यक्ष एवं भुंतर खंड के महासचिव खुशहाल चंद नेगी, प्रदेश उपाध्यक्ष एसपी सागर, नरेंद्र कुमार, सुरेश कुमार शर्मा, सब्जा चंद, तेजसिंह ठाकुर, प्रदेश उपाध्यक्ष (महिला विंग) लीला डोगरा, सुनंदारानी नेगी, चिंतपूर्णा शर्मा, मीना शर्मा, प्रदेश संगठन सचिव मनोरमा डोगरा, प्रवीण कहोल, जिला कुल्लू पेंशनभोगी संघ के अध्यक्ष दयाल सिंह ठाकुर, महासचिव खेमसिंह हांडा, शहरी कुल्लू इकाई के अध्यक्ष तेजसिंह ठाकुर, भुंतर खंड के अध्यक्ष ओंकार दत्त शर्मा, मनाली खंड के अध्यक्ष नील चंद, बंजार खंड के अध्यक्ष नारायण सिंह चौहान, महासचिव शेर सिंह ठाकुर, जिला मंडी पेंशनभोगी संघ एवं औट खंड के अध्यक्ष शारदानंद शर्मा सहित अनेक पेंशनर नेताओं ने कहा कि जब राज्य सरकारें कर्मचारी हितों से 'खिलवाड़' करती हैं, तो देश की सर्वोच्च अदालत द्वारा ऐसी 'निकम्मी' सरकारों पर कानून का 'चाबुक' चलाना स्वाभाविक है। संघ के प्रदेशाध्यक्ष एलआर गुलशन ने हैरानी जताई कि पेंशनरों और कर्मचारियों के समर्थन से सत्ता पर काबिज राज्य सरकारें दशकों तक उनकी वित्तीय देनदारियों को जानबूझ कर कैसे टाल सकती हैं, जबकि माननीयों के वेतन भत्ते बढ़ाने और उनका वित्तीय पोषण करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ती। उन्होंने कहा कि हिमाचल प्रदेश सरकार सुप्रीम कोर्ट के इस ऐतिहासिक निर्णय से 'सबक' लेकर पेंशनरों और कर्मचारियों को एक जनवरी 2016 से देय संशोधित वेतनमान के एरियर, रिटायरमेंट ग्रेच्युटी, 40 प्रतिशत पैंशन कम्युटेशन, लीव इनकैशमेंट,13 प्रतिशत मंहगाई भत्ते की पांच किस्तें, जनवरी 2022 से देय 120 महीनों का डीए एरियर, मेडिकल बिल और सभी लंबित वित्तीय देनदारियों का तुरंत एकमुश्त भुगतान करे।

सोलन जिला में मनरेगा की धीमी प्रगति पर उठे सवाल

डीसी सोलन नाराज, बीडीओ को दिए तेजी लाने के निर्देश

अनंत ज्ञान

सोलन। जिला सोलन मनरेगा के कार्यों में अन्य जिलों से पिछड़ गया। इसका उपायुक्त ने कड़ा संज्ञान लिया। उपायुक्त मनमोहन शर्मा ने मनरेगा कार्यों की धीमी प्रगति पर गहरी नाराजगी जताई है। जिला मुख्यालय में आयोजित बैठक में उन्होंने सभी खंड विकास अधिकारियों (बीडीओ) के साथ योजनाओं की समीक्षा की। बैठक में सामने आया कि सोलन जिला मनरेगा की प्रगति के मामले में प्रदेश में पीछे से दूसरे स्थान पर है, जिस पर डीसी ने चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यह स्थिति संतोषजनक नहीं है और इसे शीघ्र सुधारने की आवश्यकता है। मनमोहन शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रधानमंत्री आवास व मुख्यमंत्री आवास योजना के लम्बित आवासों की जियो टैगिंग करवाना सुनिश्चित करें। बैठक में सांसद निधि, विधायक निधि, पंचायती राज विभाग की योजनाओं, मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन व राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई। इस अवसर पर अतिरिक्त उपायुक्त सोलन राहुल जैन, समस्त खंड विकास अधिकारी सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

बीडीओ कंडाघाट व पट्टा को विशेष निर्देश

उपायुक्त ने विशेष रूप से बीडीओ कंडाघाट और बीडीओ पट्टा को कार्यों में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि कम प्रगति के लिए पोर्टल या तकनीकी कारणों को बहाना नहीं बनाया जा सकता। अधिकारियों को लक्ष्य निर्धारित कर समयबद्ध तरीके से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए।

15वें वित्तायोग के बजट का हो सही उपयोग

डीसी ने 15वें वित्त आयोग के तहत प्राप्त बजट के खर्च में भी देरी पर असंतोष जताया। उन्होंने कहा कि उपलब्ध धनराशि का समय पर और सही उपयोग सुनिश्चित किया जाए। उपायुक्त ने अधिकारियों को चेतावनी दी कि लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और नियमित समीक्षा के माध्यम से प्रगति पर नजर रखी जाएगी।

हिमईरा की दुकानों के निर्माण पर शीघ्र करें कार्रवाई

उपायुक्त ने संबंधित खंड विकास अधिकारियों को निर्देश दिए कि राष्ट्रीय उच्च मार्ग पर हिमईरा की दुकानों के निर्माण के लिए शीघ्र कार्रवाई करें ताकि स्वयं सहायता समूहों को स्वरोज़गार के अवसर प्रदान हो सकें। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि जिला में गठित स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों को हिमईरा की दुकानों के अतिरिक्त होटलों व सार्वजनिक स्थलों पर विक्रय की संभावनाएं तलाशें।

लंबित विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर करें पूर्ण

मनमोहन शर्मा ने खंड विकास अधिकारियों को सांसद निधि, विधायक निधि व मनरेगा के लंबित विकास कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। शर्मा ने कहा कि स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत जिला के समस्त गांव को खुले में शौच मुक्त (ओ.डी.एफ.) मॉडल बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रत्येक ग्राम पंचायत में कूड़ा पृथकीकरण के लिए एक शेड के निर्माण के साथ-साथ सोखता गड्ढे का निर्माण करवाना भी सुनिश्चित करें।

पंचायती राज के चुनाव स्थगित होने के पश्चात पंचायतों के कार्य में लगा विराम

अनंत ज्ञान

संजय राजन, सराहां। पंचायती राज में पंचायती, बीडीसी व जिला परिषद के सदस्यों का कार्यकाल 31 जनवरी को समाप्त होने के पश्चात पंचायत प्रधान की शक्तियां पंचायत सचिवों को बीडीओ की देखरेख में देने की अधिसूचना तो सरकार ने जारी कर दीं। पंचायतों के कार्य सुचारू रूप से चलाने के लिए कमेटियों के गठन का जिक्र भी अधिसूचना में किया, परंतु फरवरी महीने के आठ दिन निकल जाने के बाद भी अभी तक पंचायत सचिवों को लिखित में कोई दिशा-निर्देश नहीं मिले है। लोग भी असमंजस में है कि रोजमर्रा के कार्य करवाने के लिए क्या करें।

◆ जल्द कार्य सुचारू रूप से चलाने की लोगों ने की मांग

ऊना जिले के अंब ब्लॉक की गंगरेट पंचायत के पूर्व प्रधान वीरेंद्र कुमार का कहना है कि जब सरकार ने पहले ही पंचायत चुनावों को बाद मे करवाने का निर्णय ले लिया था, तो पहले से ही सारी तैयारी कर लेनी चाहिए थी। पंचायत सचिवों को अभी तक लिखित में कोई आदेश नहीं मिले हैं न ही उच्च अधिकारियों की तरफ से कोई दिशा निर्देश है कि उन्हें क्या करना है।

वहीं सिरमौर जिला के उपमंडल पच्छाद की ग्राम पंचायत सराहां के पूर्व उप प्रधान नरेंद्र कुमार का कहना हे कि जनप्रतिनिधियों के अभाव में लोगों को अपना कार्य करवाने के लिए भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है।

न्यूज ब्रीफ

पांवटा-बनौर मुख्य सड़क मार्ग की हालत दयनीय

अनंत ज्ञान, शिलाई, पांवटा। जिला सिरमौर के गुरु की नगरी पांवटा साहिब क्षेत्र के पांवटा से बनौर की मुख्य सड़क जो आजभोज क्षेत्र को जोड़ती है, जिस सड़क मार्ग की स्थिति अनेकों वर्षों से दयनीय बनी हुई है। सरकार और जनप्रतिनिधि इसकी सुध लें ताकि जनता को गड्ढों और धूल-मिट्टी से निजात मिल सके। वहीं इस मुख्य सड़क मार्ग पर अनेकों प्रसिद्ध गुरुद्वारे व ऐतिहासिक मंदिर हैं। देश-भर से श्रद्धालु बड़ी ही आस्था के साथ पहुंचते हैं, परंतु जब वह इस सड़क मार्ग से गुजरते हैं तो निसंदेह स्थानीय प्रशासन जनप्रतिनिधियों और सरकार के प्रति ज़रूर खेद व्यक्त करते हैं। यह सड़क मार्ग दर्जनों पंचायतों को जोड़ने वाला है। इस समस्या के प्रति दर्जनों युवा चिंता और आक्रोश व्यक्त कर रहे हैं। जय प्रकाश चौहान, हरीश ठाकुर, बिपिन चौधरी, मानवेंद्र सिंह राणा, जतीन शर्मा, कुलविंदर सिंह, राकेश कुमार, जितेन्द्र ठाकुर, आशा चौधरी, यतींद्र चौहान, ममता ठाकुर, जतीन लाल, हरिन्द्र सिंह, सतीश चौहान ने प्रदेश सरकार और लोकनिर्माण मंत्री से आग्रह किया है इस सड़क मार्ग की मुरम्मत जल्द से जल्द करवाई जाए।

खिलौना बैंक अवधारणा के अंतर्गत बांटे खिलौने

अनंत ज्ञान, सराहां। उपमंडल पच्छाद में बाल विकास परियोजना अधिकारी के अंतर्गत आंगनवाड़ी केंद्रों में आने वाले बच्चों में अनुशासन की प्रवृत्ति अपनाने के उद्देश्य से आंगनवाड़ी केंद्रों में वर्दी आरंभ की है, जोकि प्रदेश की एकमात्र परियोजना है। जहां प्रत्येक आंगनवाड़ी में बच्चे वर्दी पहनकर आते हैं। दीपक चौहान, बाल विकास परियोजना अधिकारी ने यह जानकारी प्रदान करते हुए बताया कि पच्छाद खंड के समस्त आंगनवाड़ी केंद्रों में अभिभावकों एवं समुदाय के सहयोग से वर्ष 2025 से ये प्रक्रिया अमल में लाई गई तथा इसके द्वारा स्वयं एवं वृत पर्यवेक्षिकों ने कुछ धनराशि एकत्र कर 100 स्वेटर क्रय करके उपमंडलाधिकारी पच्छाद डॉक्टर प्रियंका चंद्रा के हाथों से केंद्रों में आने वाले बच्चों को वितरित किए। परिणामवश क्षेत्र की सामाजिक संस्था नव चेतना समूह ने विभाग के द्वारा किए जा रहे प्रयासों को अपना समर्थन देते हुए 100 गर्म स्वेटर प्रदान किए, ताकि सर्दियों में भी बच्चे आंगनवाड़ी केंद्रों में नियमित रूप से पोषाहार एवं अनौपचारिक शाला पूर्व शिक्षा प्राप्त कर सकें। इसी कड़ी में डाक्टर प्रियंका चंद्रा, उपमंडलाधिकारी पच्छाद ने अपने घर में अनुपयोगी खिलौने एक आंगनवाड़ी केंद्र गागल शिकोर में प्रदान किए।

देशव्यापी हड़ताल को एटक ने कसी कमर

अनंत ज्ञान,.सोलन। एटक कार्यालय सोलन में आगामी 12 फरवरी 2026 को होने वाली देशव्यापी हड़ताल की तैयारियों को लेकर एक महत्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता प्रदेशाध्यक्ष जगदीश चन्दर भारद्वाज ने की। बैठक में केंद्र सरकार की मजदूर विरोधी नीतियों के खिलाफ कड़ा रोष प्रकट किया गया। केंद्र सरकार द्वारा दशकों पुराने 44 श्रम कानूनों को समाप्त कर, उनके स्थान पर 4 मजदूर विरोधी श्रम संहिताएं लागू करने की कड़ी निंदा की गई। वक्ताओं ने कहा कि इन 29 कानूनों को कोरोना काल के दौरान बिना किसी व्यापक चर्चा या संसद में उचित बहस के पारित किया गया, जो कि मजदूरों के अधिकारों पर सीधा हमला है। मीडिया प्रभारी, एटक धर्मपाल ठाकुर ने कहा कि बैठक में सोलन और सिरमौर जिलों की विभिन्न यूनियनों के अध्यक्षों और सचिवों ने भाग लिया और हड़ताल को सफल बनाने के लिए जमीनी स्तर पर कार्ययोजना तैयार की।

लीगल एडॉप्शन बारे एक दिवसीय ट्रेनिंग कैंप

अनंत ज्ञान, नाहन। जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं जिला बाल संरक्षण ईकाई सिरमौर के संयुक्त तत्वावधान से सुपरवाइजर सर्कल कार्यालय बेड़ोंन तहसील संगडाह सिरमौर में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं एवं आशा वर्कर्स के लिए लीगल एडॉप्शन से संबंधित जानकारी देने हेतु एक दिवसीय ट्रेनिंग प्रोग्राम रखा गया। इस एक दिवसीय कार्यक्रम की अध्यक्षता सीडीपीओ संगडाह ईशाक मोहम्म के द्वारा की गई। कार्यक्रम की शुरुआत में सीडीपीओ संगडाह ने सभी कार्यकर्ताओं को मुख्य मंत्री हिमाचल प्रदेश के द्वारा चलाई जा रही सुख आश्रय योजना एवं सुख शिक्षा योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ में पोषण ट्रैकर ऐप, दैनिक ट्रैकिंग, ग्रोथ मॉनिटरिंग, पीएमएमवीवाई योजना के ऑनलाइन आवेदन करना व आंगनवाड़ी केंद्रों में पोषाहार सामग्री के सुरक्षित रख-रखाव के बारे में भी जानकारियां दीं। इसके पश्चात जिला बाल संरक्षण ईकाई से संरक्षण अधिकारी गैर संस्थागत संतोष कुमारी ने आईसीडीएस सुपरवाइजर सहित बड़ोंन सर्कल की सभी कार्यकर्ताओं को सेफ लीगल एडॉप्शन की संपूर्ण जानकारी दी। आवेदक को प्रथम आवेदन करने के लिए किन-किन दस्तावेजों की आवश्यकता रहेगी और सी एआरए की बेवसाइट पर ऑनलाइन कैसे आवेदक ने अपना पंजीकरण करना हैं।

कंडाघाट में ज्ञान विज्ञान समिति कला के जत्थे ने नशे से दूर रहने का संदेश दिया

प्रेम कुमार, कंडाघाट। उपमंडल मुख्यालय कंडाघाट में हिमाचल ज्ञान विज्ञान समिति की जिला इकाई सोलन के कला जत्थे ने दो जगह कार्यक्रम प्रस्तुत करके सभी को नशे से दूर रहने का संदेश दिया। यह कला जत्था डाइट सोलन के विद्यार्थियों और एचजीवीएस के सहयोग से तैयार किया गया हैं। इस कार्यक्रम में तहसील कल्याण अधिकारी करण पाठक मुख्यातिथि और समिति जिलाध्यक्ष डॉ बीएस पंवर, उपाध्यक्ष जयंत शर्मा, राज्य सह सचिव सीता राम ठाकुर और हिमाचल फोरम अगेंस्ट ड्रग एब्यूज के संगठनात्मक सहयोगी सत्यवान पुंडीर स्त्रोत व्यक्ति बतौर उपस्थित रहे।स्त्रोत व्यक्तियों ने वैज्ञानिक दृष्टिकोण को अपनाने तथा जीवन में विज्ञान एवं टेक्नोलोजी के महत्व, नशीली दवाओं के बढ़ते खतरे को समझना और इसके सामाजिक, शैक्षणिक एवं स्वास्थ्य संबंधी प्रभावों, युवाओं को नशे से दूर रखने के लिए परिवार की प्रभावशाली भूमिका और समुदाय में मां अभियान को समाज में नशे के बढ़ते जाल को तोड़ने के लिए समाज को जागृत होकर लामबंद होने बारे जानकारी दी।

सराहां-नाड़ब खोजर बस रूट निजी बस संचालकों को न देने पर सीएम को भेजा ज्ञापन

सराहां। हिमाचल प्रदेश पथ परिवहन डिपो नाहन का बस रूट सराहां से नाड़ब खोजर को निजी बस संचालकों को न देने बारे को लेकर स्थानीय ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा है। ग्रामीणों का कहना है कि यह एकमात्र सरकारी बस रूट है जो कि पिछले लगभग 20 -22 वर्षों से नियमित रूप से चला हुआ है। शुरू में यह बस सेवा सराहां से चमरोगी नाहन तक लगभग 20 किलोमीटर पर शुरू हुआ था, उसके बाद लोगो की मांग पर यह परिवहन विभाग ने इसे आगे मेंहंदोबाग और फिर नाड़ब खोजर तक शुरू कर दिया था। इस रूट पर पड़ने वाली लगभग 6 पंचायतों के कई दर्जन गांव के लोग लगभग 10 से 12 हजार ग्रामीणों को इस बस से सीधा लाभ मिल रहा हैं।

शिकंजा : नगर निगम कूड़ा बिल न देने वालों से वसूलेगा जुर्माना

सोलन शहर को स्वच्छ व समृद्ध बनाने में मिलेगा बल

हाउस में कूड़े की दरें बढ़ाने को प्रस्ताव लाने की तैयारी

अनंत ज्ञान

आर मोहन चौहान, सोलन। नगर निगम सोलन शहर में डोर टू डोर कूड़ा उठाने की एवज में बिल न देने वाले उपभोक्ताओं पर शिकांजा कसने जा रहा है। साथ ही गीला और सूखा कूड़ा अलग-अलग न देने पर उपभोक्ता के चालान काटे जाएंगे।

इसके अलावा हाउस में कूड़े की दरें बढ़ाने का प्रस्ताव लाने की तैयारी है। ऐसे में उपभोक्ताओं पर आर्थिक बोझ पड़ सकता है। इसके लिए शहर में व्यापक स्तर पर सर्वे किया गया है। अब कूड़ा बिल न देने पर जुर्माना लगेगा। नगर निगम उन घरों का पता लगाएगा जिन्हें आज तक बिल ही नहीं गया है। इसके लिए नगर निगम की ओर से सर्वे किया जाएगा। ये सर्वे वार्ड सुपरवाइजर की टीम की ओर से होगा। इसमें कूड़े का बिल न भरने वालों का पता लगाएगा। इसमें वे लोग है जो सफाई कर्मचारियों को कूड़ा तो देते हैं। लेकिन उन्हें आज तक न तो निगम से बिल गया है और न ही वे स्वयं आकर बताते हैं। इस मुहिम से शहर को स्वच्छ और समृद्ध बनाने में बल मिलेगा।

कूड़ा कलेक्शन की एवज में बिल ने देने पर जुर्माना लगाया जाएगा। साथ ही गिला और सूखा अलग- अलग देने की भी व्यवस्था सुदृढ़ की जा रही है। इसको लेकर चालान भी काटे गए हैं।

एकता कापटा, आयुक्त, नगर निगम सोलन

नए सिरे से जारी होगा बिल

सर्वे के दौरान जो लोग ऐसे मिलते है तो उन्हें जब से कूड़ा बिल नियम शुरू हुआ है तब से बिल जारी होगा। यानी उन्हें एक तरह से जुर्माना अदा करना होगा। वर्तमान में ऐसे लोगों को स्वयं आगे आने का भी निगम ने आग्रह किया है। हैरत की बात तो यह है कि शहर में कई मकान मालिक ऐसे भी है जो किरायेदारों से कूड़े के नाम पर वसूली करते हैं। लेकिन कूड़ा बिल एक ही जमा करवाते हैं। ऐसा अंदेशा होने के कारण भी निगम ने सर्वे करने का निर्णय लिया है। टीम इसके बारे में घर-घर जाकर जानकारी जुटाएगी। इसके बाद निगम उन्हें बिल जारी करेगा। इससे निगम की आय में भी बढ़ोतर होगी।

कूड़े की दरें बढ़ावे का प्रस्ताव

सोमवार को प्रस्तावित हाउस में घर-घर से कूड़ा उठाने की दरों में वृद्धि का प्रस्ताव रखा जाएगा। पर भाजपा पार्षद इसके विरोध में उतर गए हैं। भाजपा पार्षद शैलेन्द्र गुप्ता ने बताया कि नगर निगम द्वारा आगामी आम सभा के एजेंडे में कूड़ा उठाने की दरें बढ़ाने का प्रस्ताव भेजा गया है, जो पूरी तरह निंदनीय है। कांग्रेस समर्थित उम्मीदवारों ने चुनाव के समय मुफ्त कूड़ा उठाने और मुफ्त पानी देने की घोषणा की थी। अब जनता पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ डालने की तैयारी कर रहा है।

कसौली अदालत से उद्घोषित अपराधी राजस्थान से गिरफ्तार

अनंत ज्ञान

सोलन। सोलन पुलिस द्वारा उद्घोषित अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण सफलता प्राप्त की गई है। पुलिस थाना धर्मपुर की टीम ने न्यायालय द्वारा उद्घोषित अपराधी घोषित किए आरोपी को अंतरराज्यीय स्तर पर की गई सुनियोजित एवं प्रभावी कार्रवाई के उपरांत गिरफ्तार किया है। उप-मंडल पुलिस अधिकारी परवाणु के निर्देशन में गठित पुलिस टीम उद्घोषित अपराधी की तलाश हेतु विभिन्न संभावित स्थानों पर रवाना थी।

तलाशी के दौरान आरोपी दिला राम पुत्र लच्छी राम निवासी गांव मैणू, डा. पारनू, तहसील अर्की, जिला सोलन (हि.प्र.) को राजस्थान राज्य के जिला दौसा क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया। उल्लेखनीय है कि उक्त आरोपी को न्यायालय कसौली द्वारा 1 दिसंबर 2025 को पुनः उद्घोषित अपराधी घोषित किया गया था।

प्रारंभिक जांच में यह तथ्य भी सामने आया है कि उक्त आरोपी अन्य जिलों में भी इसी प्रकार के मामलों में वांछित है, जिसके संबंध में संबंधित पुलिस इकाइयों से आवश्यक समन्वय स्थापित किया जा रहा है। आरोपी के उक्त कृत्यों को भारतीय न्याय संहिता के अंतर्गत दंडनीय पाए जाने पर पुलिस थाना धर्मपुर में उसके विरुद्ध एफआईआर नं. 40/26 दिनांक 08.02.2026 धारा 209 व 269 बीएनएस के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया है।

न्यायालयों के आदेशों की अवहेलना करने वाले उद्घोषित अपराधियों के विरुद्ध कठोर, निरंतर एवं प्रभावी कार्रवाई भविष्य में भी जारी रहेगी। कानून व्यवस्था बनाए रखने एवं न्यायिक प्रक्रिया की गरिमा सुनिश्चित करने हेतु सोलन पुलिस पूर्णतः प्रतिबद्ध है।

तिरु अमलाराजू एसडी वर्मा, एसपी सोलन

2 युवकों से 7.10 ग्राम हेरोइन/चिट्टा बरामद

अनंत ज्ञान

सोलन। जिला पुलिस की एसआईयू टीम द्वारा गुप्त सूचना के आधार पर बैरगाँव में एक मकान में दबिश देकर कमरा में रह रहे 2 युवकों के कब्जा से 7.10 ग्राम हेरोइन/चिट्टा बरामद किया गया। दोनों आरोपियों की पहचान सारांश वालिया पुत्र श्री हरविंदर सिंह वालिया निवासी गांव बसाल तहसील व जिला सोलन उम्र 26 वर्ष व रुशील ठाकुर पुत्र रमेश ठाकुर निवासी गांव बेर की सेर डाकखाना चंबाघाट, तहसील व जिला सोलन उम्र 25 वर्ष के रूप में हुई।

पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार आरोपियों को न्यायालय में पेश करके 4 दिन का पुलिस हिरासत रिमांड हासिल किया गया है जिनसे पूछताछ की जा रही है।

दो अलग-अलग मामलों में पकड़ा 10 ग्राम चिट्टा

सोलन। पुलिस थाना सोलन की टीम द्वारा गश्त के दौरान तो युवकों को काबू करके उनके कब्जा से 7.25 ग्राम हेरोइन/चिट्टा बरामद किया गया। दोनों आरोपियों की पहचान सोनी ठाकुर पुत्र स्व. योग राज ठाकुर निवासी गांव कुंड, डाकखाना बीहू तहसील सुंदरनगर जिला मंडी उम्र 36 वर्ष व देश राज पुत्र राम कृष्ण निवासी गाँव सेरी डाकखाना नेरी तहसील व जिला शिमला उम्र 38 वर्ष के रूप में हुई। इस संबंध में पुलिस थाना सदर सोलन में मामला दर्ज कर न्यायालय में पेश करके 04 दिन का पुलिस हिरासत रिमांड हासिल किया गया है।

वहीं एक अन्य मामले में जिला पुलिस ने सूबाथू रोड पर एक मकान में दबिश देकर किराये के कमरा में रह रहे एक युवक के कब्जा से 3.30 ग्राम चिट्टा/हेरोइन व 10,700/-रुपए बरामद किए। आरोपी की पहचान अमन परिहार पुत्र रणजीत सिंह निवासी गाँव जाबल जमरोट डाकखाना कोटी तहसील व जिला सोलन (हि.प्र.), उम्र 24 वर्ष के रूप में हुई है। पुलिस द्वारा आरोपी को गिरफ्तार किया गया।

केंद्र की मजदूर-विरोधी नीतियों को लेकर मिड-डे मील कर्मियों की हड़ताल 12 को

अनंत ज्ञान

सोलन। सोलन जिले के मिड-डे मील वर्कर्स यूनियन की एक महत्वपूर्ण बैठक जिला अध्यक्ष रीता और जिला सीटू महासचिव सपना की अध्यक्षता में हुई। इसमें विशेष रूप से जिला महासचिव मोहित वर्मा ने भाग लिया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि सोलन के सभी मिड-डे मील वर्कर्स 12 फरवरी को पूर्ण हड़ताल पर रहेंगे। यह हड़ताल केंद्र की मजदूर-विरोधी नीतियों, मिड-डे मील कर्मियों की लंबे समय से लंबित मांगों की अनदेखी तथा चार श्रम संहिताओं के खिलाफ आयोजित की जा रही है। सीटू महासचिव मोहित वर्मा ने कहा कि आज देश की सरकार मजदूरों को अधिकार देने के बजाय उन्हें आधुनिक गुलाम बनाने की दिशा में काम कर रही है। मोहित वर्मा ने यह भी कहा कि सरकार द्वारा लागू की जा रही चार श्रम संहिताएं (वेतन संहिता, औद्योगिक संबंध संहिता, सामाजिक सुरक्षा संहिता और व्यावसायिक सुरक्षा संहिता) मजदूरों के अधिकारों को कमजोर करती हैं।

बैठक में उपस्थित मिड-डे मील वर्कर्स यूनियन के सदस्य। अनंत ज्ञान

भारतीय मजदूर संघ ने उठाई आउटसोर्स कर्मचारियों के वेतन के भुगतान की मांग

अनंत ज्ञान

सोलन। भारतीय मजदूर संघ से संबंधित जल शक्ति कर्मचारी महासंघ मंडल सोलन की बैठक की अध्यक्षता प्रधान सुरजीत राणा ने की। बैठक में उप प्रधान इंद्र सिंह ठाकुर, महासचिव नीता राम, कोषाध्यक्ष दिनेश शर्मा, सचिन, सुनील कुमार, मनीष पाठक, जियालाल, हरनाम सिंह, सुरेंद्र कुमार आदि व लगभग 80 कर्मचारी बैठक में उपस्थित रहे। बैठक में सर्वसमिति से निम्नलिखित प्रस्ताव पास किए गए। इसमें जल शक्ति विभाग सोलन मंडल के अधीन गिरी पेयजल योजना में कार्यरत ठेकेदार अधीन कर्मचारियों को लगभग 8 माह से वेतन का भुगतान नहीं हुआ। इसी योजना के अधीन फिल्टर बेड पर कार्यरत कर्मचारियों को 11 माह से वेतन का भुगतान नहीं हुआ। इसको लेकर मीटिंग में रोष प्रकट किया गया। संघ ने मांग की है की उक्त कर्मचारियों के वेतन का भुगतान शीघ्र किया जाए। अन्यथा संघ को सख्त कार्रवाई करने को मजबूर होना पड़ेगा। सभी विभागों में कार्यरत आउटसोर्स कर्मचारी के लिए स्थाई नीति बनाई जाए और तब तक उक्त आउटसोर्स कर्मचारियों को वेतन प्रति माह 25000 रुपए दिया जाए।

एचआरटीसी चालक दिनेश कुमार शर्मा का पीजीआई में निधन

सोलन। एचआरटीसी बस दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल चालक दिनेश कुमार शर्मा का उपचार के दौरान निधन हो गया। उनके निधन से परिवहन निगम और क्षेत्र में शोक का माहौल है। हिमाचल म पथ परिवहन निगम के चालक दिनेश कुमार शर्मा पिछले कुछ दिनों से गंभीर अवस्था में उपचाराधीन थे। जानकारी के अनुसार 3 फरवरी को चौपाल-नेरवा से पांवटा साहिब जा रही एचआरटीसी बस उत्तराखंड के क्वाणु क्षेत्र में अनियंत्रित होकर गहरी खाई में गिर गई थी। चालक-परिचालक एसोसिएशन के प्रतिनिधियों ने कहा कि निगम ने एक अनुभवी और समर्पित चालक को खो दिया है। उनका अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव नेरवा में किया जाएगा।

मृतकों की संख्या बढ़ी: इस दुर्घटना में पहले ही तीन लोगों की मृत्यु हो चुकी थी, और अब चालक के निधन के बाद मृतकों की संख्या चार हो गई है। हादसे ने पूरे क्षेत्र में गहरा दुःख और शोक का माहौल बना दिया है।

उपमुख्यमंत्री ने जताया शोक: उपमुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री ने भी चालक के निधन पर संवेदना व्यक्त करते हुए शोक संतप्त परिवार के प्रति सहानुभूति जताई है।

श्रद्धा चौहान ने नेट साइकोलॉजी परीक्षा में मनवाया लोहा

अनंत ज्ञान

शिलाई। जिला सिरमौर के गिरिपार क्षेत्र से संबंध रखने वाले युवा अब मानो हर क्षेत्र में अपनी काबिलियत और प्रतिभा का परिचय दे रहे हैं। इसी परिप्रेक्ष्य में गिरिपार क्षेत्र के मिल्ला गांव की बेटी प्रतिभाशाली बेटी श्रद्धा चौहान ने भी नेट साइकोलॉजी जैसे राष्ट्रीय स्तर की परीक्षा को उत्तीर्ण कर इस बात को साबित कर दिया है कि बेटियां भी किसी से कम नहीं। श्रद्धा चौहान श्रीमति कौशल्या चौहान टीजीटी, एवं श्री प्रताप सिंह चौहान आरटी डीजीएम की सुपुत्री (एवं प्रोफेसर अमर सिंह चौहान सेवनिवृत्त प्रिंसिपल) की पोती हैं। बेटी श्रद्धा चौहान इसे पहले प्लस टू में शिमला के नामी पोर्टमोर स्कूल की टॉपर रहीं और स्कूल शिक्षा बोर्ड में हिमाचल में आठवां रैंक प्राप्त किया था।

कफोटा में सड़क तोड़फोड़, एंक्रोचमेंट मामले में डिमार्केशन पर सवाल

अनंत ज्ञान

एसपी जैरथ, नाहन। कफोटा बाजार के समीप जल शक्ति विभाग की सड़क तोड़े जाने और जल शक्ति विभाग व नेशनल हाईवे की भूमि पर एंक्रोचमेंट के मामले ने अब नया मोड़ ले लिया है। जॉइंट डिमार्केशन के दौरान जहां मोर्थ के ठेकेदार द्वारा जल शक्ति विभाग की सड़क तोड़े जाने की पुष्टि हुई, वहीं रेवेन्यू विभाग की निशानदेही प्रक्रिया ने कई सवाल खड़े कर दिए हैं।

मौके पर पहुंची विभागीय टीम अनंत ज्ञान

निशानदेही प्रक्रिया पर उठे सवाल

निशानदेही के दौरान मौके पर मौजूद लोग उस समय हैरान रह गए जब रेवेन्यू विभाग के कानूनगो और पटवारी ने तोड़ी गई सड़क की बजाय नई बनाई गई पकडंडी को नाप कर प्रस्तुत किया। स्थानीय लोगों का आरोप है कि इस प्रक्रिया के जरिए भू-माफिया को लाभ पहुंचाने का प्रयास किया गया।

जॉइंट डिमार्केशन में मोर्थ अधिकारी भी रहे मौजूद

बताया जा रहा है कि इस जॉइंट डिमार्केशन में मोर्थ के रेवेन्यू अधिकारी भी मौजूद थे। इसके बावजूद कंपनी द्वारा तोड़ी गई जल शक्ति विभाग की सड़क का बचा हुआ हिस्सा आज भी मौके पर मौजूद है, जिसे स्थानीय लोग सबसे बड़ा भौतिक सबूत बता रहे हैं।

एंक्रोचमेंट बचाने के आरोप

स्थानीय लोगों का कहना है कि जल शक्ति विभाग और मोर्थ की भूमि पर कब्जा कर बनाई गई दुकानों को बचाने के लिए पूरी निशानदेही को योजनाबद्ध तरीके से मोड़ा गया। आरोप है कि भू-माफिया ने स्थानीय प्रशासन की कथित अनदेखी का लाभ उठाकर बड़े स्तर पर एंक्रोचमेंट की है।

मामले को उच्च न्यायालय में ले जाने की तैयारी

जल शक्ति विभाग और स्थानीय लोगों ने इस निशानदेही को सिरे से खारिज कर दिया है। मामले को लेकर अब इसे उच्च न्यायालय में चुनौती देने की तैयारी की जा रही है। स्थानीय लोगों ने पूरे प्रकरण में बड़े भ्रष्टाचार की आशंका जताते हुए उच्च स्तरीय जांच की मांग की है।

विभाग ने जताई असंतुष्टि

उधर जल शक्ति विभाग के एसडीओ विवेक शर्मा ने कहा कि विभाग इस निशानदेही से संतुष्ट नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जल शक्ति विभाग की सड़क को बिना अनुमति के तोड़ा गया है। उन्होंने बताया कि विभाग इस संबंध में मोर्थ और संबंधित कंपनी के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज करवाएगा।

न्यूज ब्रीफ

महाराष्ट्र: जिला परिषद चुनाव में नाबालिगों ने डाले वोट

एजेंसी, मुंबई। महाराष्ट्र जिला परिषद चुनाव के दौरान नाबालिग को पोलिंग बूथ के अंदर ले जाने से जुड़े दो मामले सामने आए हैं। पहला केस सोलापुर और दूसरा छत्रपति संभाजीनगर जिले से जुड़ा है। सूत्रों के मुताबिक, सोलापुर जिले के अकलूज स्थित यशवंत नगर मतदान केंद्र पर उम्मीदवार अर्जुन सिंह मोहिते पाटिल अपने 14 साल के बेटे के साथ पोलिंग बूथ के अंदर गए। आरोप है कि नाबालिग ने इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन का बटन दबाया। इधर, छत्रपति संभाजीनगर जिले में शिवसेना विधायक अपने नाबालिग बेटे को मतदान केंद्र के अंदर ले गए। विधायक ने अपने और बेटे दोनों की उंगली पर स्याही लगवाई। दरअसल, शनिवार को राज्य के 12 जिलों में जिला परिषद और पंचायत समिति चुनाव हुए। इसमें करीब 67 प्रतिशत वोटिंग प्रतिशत दर्ज किया गया। (अनंत ज्ञान)

रूस के टॉप जनरल पर गोली चलाने वाले का प्रत्यर्पण

एजेंसी, मास्को। रूस की खुफिया एजेंसी फेडरल सिक्योरिटी सर्विस ने पुष्टि की है कि मास्को में एक वरिष्ठ रूसी सैन्य खुफिया अधिकारी पर गोली चलाने वाले संदिग्ध को गिरफ्तार कर लिया गया है। यह हमला लेफ्टिनेंट जनरल व्लादिमीर एलेक्सेयेव पर किया गया था, जो रूस की मिलिट्री इंटेलिजेंस एजेंसी जीआरयू में शीर्ष पद पर कार्यरत हैं। एफएसबी के मुताबिक आरोपी को दुबई से रूस प्रत्यर्पित किया गया है। उसे अदालत में पेश किया गया, जहां सुनवाई के बाद उसे पुलिस हिरासत में भेज दिया गया। यह हमला 6 फरवरी को हुआ था, जब एक अज्ञात हमलावर ने मास्को के उत्तर-पश्चिमी इलाके में एक रिहायशी इमारत के बाहर जनरल एलेक्सेयेव पर गोलीबारी की थी। हमले में वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उन्हें तुरंत अस्पताल में भर्ती कराया गया था। इस मामले की आधिकारिक जानकारी रूस की जांच समिति की प्रवक्ता स्वेतलाना पेट्रेंको ने दी। उन्होंने बताया कि हमलावर ने जनरल को बेहद नजदीक से निशाना बनाया। 64 वर्षीय व्लादिमीर एलेक्सेयेव वर्ष 2011 से जीआरयू में पहले डिप्टी हेड के रूप में सेवाएं दे रहे हैं और रूस की सैन्य खुफिया व्यवस्था में एक बेहद प्रभावशाली अधिकारी माने जाते हैं। (अनंत ज्ञान)

ऑस्ट्रेलिया का क्वींसलैंड 'फ्रॉम द रिवर टू द सी' पर बैन पर विचार

एजेंसी, नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के क्वींसलैंड राज्य ने एंटी-सेमिटिज्म और नफरत फैलाने वाली गतिविधियों को रोकने के लिए सख्त नए कानून बनाने की घोषणा की है। प्रस्तावित कानूनों के तहत फिलिस्तीन समर्थक नारों जैसे 'फ्रॉम द रिवर टू द सी' और 'ग्लोबलाइज द इंतिफादा' पर प्रतिबंध लगाया जा सकता है। प्रीमियर डेविड क्रिसाफुल्ली ने कहा कि यदि कोई व्यक्ति इन नारों को सार्वजनिक रूप से प्रदर्शित, प्रकाशित या उच्चारित करता है और इससे उत्पीड़न या अपमान होता है, तो इसके लिए अधिकतम 2 साल की जेल हो सकती है। उन्होंने इसे बोंडी आतंकी हमले का सीधा जवाब बताया, जिसमें पिछले साल हनुका उत्सव के दौरान 15 लोग मारे गए थे। अटॉर्नी जनरल डेब फ्रेकलिंगटन ने पुष्टि की कि नए कानून में ये दोनों वाक्यांश प्रतिबंधित हेट स्पीच के रूप में शामिल होंगे। प्रस्तावित कानून मंगलवार को राज्य संसद में पेश किया जाएगा। (अनंत ज्ञान)

अफगानिस्तान: काबुल में सिलेंडर ब्लास्ट, 8 मरे

एजेंसी, काबुल। अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में एक आवासीय घर के अंदर गैस सिलेंडर विस्फोट में कम से कम आठ लोग मारे गए। काबुल के गवर्नर कार्यालय ने शनिवार शाम जारी बयान में बताया कि घटना पुलिस डिस्ट्रिक्ट 21 में हुई, जहां एक परिवार अपने घर को ठंड से बचाने के लिए गैस हीटर का उपयोग कर रहा था। गैस रिसाव के कारण सिलेंडर फट गया और इससे घर में मौजूद लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। अफगानिस्तान में व्यापक आधुनिक हीटिंग प्रणाली न होने के कारण अधिकांश घर सर्दियों में अपने घर गर्म रखने के लिए गैस सिलेंडर या पारंपरिक चूल्हे पर निर्भर रहते हैं। ऐसे हादसे अक्सर गैस रिसाव और विस्फोट के कारण होते हैं और गरीब देश में यह एक आम खतरा बन गया है। इससे पहले 5 फरवरी को पूर्वी अफगानिस्तान के खोस्त प्रांत में एक घर के अंदर गैस सिलेंडर फटने से तीन महिलाएं मारी गई थीं और एक अन्य घायल हुई थी। उस घटना में भी परिवार गैस हीटर का उपयोग कर रहा था और गैस रिसाव के कारण विस्फोट हुआ था। घायल पुरुष सदस्य को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। (अनंत ज्ञान)

संघ कहे तो तुरंत पद छोड़ दूंगा: भागवत

बोले-कोई भी हिंदू बन सकता है सरसंघ चालक

एजेंसी, मुंबई

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को कहा कि यदि संघ उनसे पद छोड़ने को कहेगा, तो वे तुरंत ऐसा करेंगे। आमतौर पर 75 साल की उम्र के बाद किसी पद पर नहीं रहने की परंपरा की बात कही जाती है।

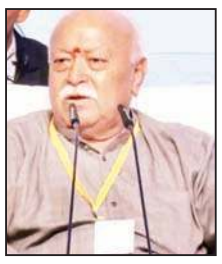

आरएसएस प्रमुख ने कहा कि सरसंघचालक बनने के लिए क्षत्रिय, वैश्य, शूद्र या ब्राह्मण होना कोई योग्यता नहीं है, जो हिंदू संगठन के लिए काम करता है। वही सरसंघचालक (आरएसएस प्रमुख) बनता है।

भागवत रविवार को मुंबई में आरएसएस के शताब्दी वर्ष कार्यक्रम में बोल रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि वीर सावरकर को भारत रत्न दिया गया तो इससे पुरस्कार की गरिमा और बढ़ेगी। भागवत की स्पीच की 6 बड़ी बातें समान नागरिक संहिता (यूसीसी) सभी को विश्वास में लेकर बनाई जानी चाहिए और इससे समाज में मतभेद नहीं बढ़ने चाहिए।

उम्मीद है कि भारत-अमेरिका व्यापार समझौता भारत के हितों को ध्यान में रखकर किया गया होगा और देश को किसी तरह का नुकसान नहीं होगा। घुसपैठ के मुद्दे पर सरकार को बहुत काम करना है। पहचान कर निष्कासन की प्रक्रिया होनी चाहिए। यह पहले नहीं हो पा रहा था, लेकिन अब धीरे-धीरे शुरू हुआ है और आगे बढ़ेगा। आरएसएस का काम प्रचार करना नहीं, बल्कि समाज में संस्कार विकसित करना है। जरूरत से ज्यादा प्रचार से दिखावा और फिर अहंकार आता है। प्रचार बारिश की तरह होना चाहिए। सही समय पर और सीमित मात्रा में।

संघ अपने स्वयंसेवकों से आखिरी बूंद तक काम लेता है। आरएसएस के इतिहास में अब तक ऐसी कोई स्थिति नहीं आई, जब किसी को जबरन रिटायर करना पड़ा हो। संघ की कार्यप्रणाली में अंग्रेजी कभी मुख्य भाषा नहीं बनेगी,

◆ सावरकर को भारत रत्न देने से पुरस्कार की बढ़ेगी गरिमा

क्योंकि यह भारतीय भाषा नहीं है। जहां जरूरत होती है, वहां अंग्रेजी का इस्तेमाल किया जाता है। हमें अंग्रेजी सीखनी चाहिए, लेकिन मातृभाषा को नहीं भूलना चाहिए।

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कहा कि भारत में हिंदू ही है और कोई है ही नहीं। किसी खास रस्म या प्रार्थना से जुड़े धर्म को नहीं दिखाता है, न ही यह किसी खास समुदाय का नाम है। आरएसएस किसी के खिलाफ नहीं है और न ही उसे सत्ता या पावर की इच्छा है। संघ राजनीति में सीधे तौर पर शामिल नहीं है, हालांकि संघ के कुछ लोग राजनीति में सक्रिय हैं। भागवत ने कहा कि बहुत से लोग कहते हैं कि नरेंद्र भाई आरएसएस के प्रधानमंत्री है। उनकी पॉलिटिकल पार्टी भाजपा अलग है। उसमें बहुत स्वयंसेवक है, लेकिन संघ की नहीं। संघ के स्वयंसेवक उसमें हैं। (अनंत ज्ञान)

प्रयागराज संगम में हुआ अजित पवार का अस्थि विसर्जन

एजेंसी, प्रयागराज

महाराष्ट्र के पूर्व डिप्टी सीएम अजित पवार की अस्थियां रविवार को प्रयागराज संगम में प्रवाहित की गईं। अजित पवार के बेटे जय पवार ने पिता की अस्थियां पूरे विधि-विधान से संगम में प्रवाहित कीं। इस दौरान पुजारियों ने अनुष्ठान किए और शोक संतप्त लोगों द्वारा श्रद्धापूर्वक श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए मां गंगा से प्रार्थना की गई।

अस्थि विसर्जन के दौरान परिवार के सदस्य और पार्टी कार्यकर्ता भावुक नजर आए, अजित पवार का परिवार चार्टर्ड फ्लाइट से बारामती से प्रयागराज पहुंचा। रविवार सुबह करीब 11 बजे प्रयागराज एयरपोर्ट पर परिवार का आगमन हुआ।

पूर्व उपमुख्यमंत्री अजित पवार के बेटे जय पवार नंगे पैर अस्थि कलश लेकर एयरपोर्ट से बाहर निकले। इस दौरान हाथ में अस्थियों का बॉक्स देखकर मौजूद लोगों की आंखें नम नजर आईं। सभी लोगों की मौजूदगी में अजित पवार की अस्थियों को अंतिम विदाई दी गई। अजित पवार का परिवार एयरपोर्ट से संगम तक लंबे काफिले के साथ रवाना हुआ। इस बीच प्रयागराज संगम के वीआईपी घाट पर अस्थि विसर्जन की रस्म पूरी की गई। इस दौरान भाजपा और एनसीपी के कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

एनसीपी की युवा इकाई के राष्ट्रीय अध्यक्ष धीरज शर्मा की अगुवाई में कश्मीर से कन्याकुमारी तक अस्थि कलश यात्रा निकाली गई थी। यह अस्थि कलश यात्रा 12 राज्यों से होकर गुजरी। यात्रा का समापन रविवार (8 फरवरी) को बेटे जय पवार और परिवार की मौजूदगी में संगम पर हुआ। (अनंत ज्ञान)

गुजरात: देर से आने पर टोका तो स्टूडेंट ने महिला टीचर को मारा थप्पड़

एजेंसी, अहमदाबाद

गुजरात के पंचमहल जिले में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां 12वीं कक्षा के एक छात्र ने परीक्षा के दौरान महिला टीचर को क्लासरूम में थप्पड़ मार दिया। घटना 24 जनवरी को शेरा कस्बे के एसजे डेव हाई स्कूल की है। सीसीटीवी फुटेज सामने आने के बाद मामला तूल पकड़ गया और 3 फरवरी को पुलिस ने एफआईआर दर्ज की।

पुलिस के अनुसार, आरोपी छात्र दूसरी प्रीलिम परीक्षा के लिए देर से पहुंचा था। महिला इन्विजिलेटर ने उससे देरी का कारण पूछा, जिस पर वह भड़क गया। छात्र ने कहा कि घर में मुझसे कोई कुछ नहीं पूछता, आप कौन होती हैं सवाल करने वाली। सीसीटीवी फुटेज में दिखता है कि परीक्षा के दौरान छात्र क्लासरूम में दाखिल हुआ और गेट पर टीचर से बहस करने लगा। इसके बाद उसने महिला टीचर के गाल पर थप्पड़ मारा और जोर से धक्का दे दिया। शोर सुनकर अन्य छात्र अपनी सीटों से उठकर मौके पर पहुंचे। आरोपी इसके बाद मौके से फरार हो गया। वीडियो वायरल होने के बाद घटना को लेकर भारी नाराजगी देखने को मिली। पुलिस ने बताया कि घटना वाले दिन ही आरोपी के पिता ने स्कूल पहुंचकर टीचर और प्रभारी प्रिंसिपल से माफी मांगी थी। (अनंत ज्ञान)

विजयपुरा में ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट क्रैश, पायलट समेत दो घायल

एजेंसी, विजयपुरा। कर्नाटक के विजयपुरा जिले में रविवार को एक प्राइवेट ट्रेनिंग एयरक्राफ्ट क्रैश हो गया। इस हादसे में विमान में सवार कैप्टन और ट्रेनी पायलट घायल हो गए, जिन्हें इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। शुरुआती जांच में इंजन में तकनीकी खराबी की आशंका जताई जा रही है। यह घटना विजयपुरा जिले के बालेश्वर तालुका के मंगलोर गांव में हुई। जानकारी के अनुसार, रेड बर्ड एविएशन का यह हल्का ट्रेनिंग विमान उड़ान के दौरान अचानक नियंत्रण खो बैठा और जमीन पर गिर गया। हादसे के वक्त विमान में केवल दो लोग सवार थे। घटना की सूचना मिलते ही बालेश्वर पुलिस और आपातकालीन सेवाएं मौके पर पहुंचीं। घायलों को 108 एंबुलेंस की मदद से तुरंत नजदीकी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका इलाज जारी है। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक, यह विमान कलबुर्गी से बेलगावी की ओर जा रहा था। उड़ान के दौरान इंजन में आई तकनीकी खराबी के कारण हादसा होने की आशंका है। फिलहाल पुलिस और संबंधित एजेंसियां दुर्घटना के कारणों की जांच कर रही हैं। (अनंत ज्ञान)

बलूचिस्तान में पाकिस्तान सेना का तांडव, 180 हिरासत में

एजेंसी, क्वेटा

बलूच विद्रोहियों और पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के बीच हालिया हिंसक झड़पों के बाद पाकिस्तान ने बलूचिस्तान में व्यापक सैन्य कार्रवाई शुरू कर दी है।

स्थानीय मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, रविवार को चलाए गए संयुक्त ऑपरेशन में कम से कम 180 लोगों को हिरासत में लिया गया है। अधिकारियों ने बताया कि बलूचिस्तान के कई शहरों में हुए हमलों के बाद फ्रंटियर कॉर्प्स और पुलिस ने मिलकर सर्च ऑपरेशन चलाया। इस दौरान बड़ी संख्या में संदिग्धों को पकड़ा गया। पाकिस्तानी अखबार डॉन के मुताबिक, ऑपरेशन के दौरान हथियारों और गोला-बारूद का बड़ा जखीरा भी बरामद किया गया है।

इससे पहले, पिछले शनिवार को शुरू हुए ऑपरेशन के बाद पाकिस्तानी अधिकारियों ने दावा किया था कि 216 बलूच विद्रोही मारे गए हैं। हालांकि, स्वतंत्र मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी कहा गया है कि इस सुरक्षा अभियान के दौरान कई आम नागरिकों की भी मौत हुई है।

6 फरवरी को बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के प्रवक्ता जीयंद बलूच ने बयान जारी कर कहा कि संगठन ने अपने पहले से तय मकसद को सफलतापूर्वक हासिल किया है।

द बलूचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार, बीएलए ने इस अभियान को अब तक का सबसे बड़ा, सबसे घातक और सबसे सुनियोजित ऑपरेशन बताया है। बीएलए के मुताबिक, बलूच लड़ाकों ने कई इलाकों में सुरक्षा चौकियों, सैन्य ठिकानों और शहरी क्षेत्रों के कुछ हिस्सों पर अस्थायी नियंत्रण स्थापित किया। (अनंत ज्ञान)

सीएम नायब सिंह सैनी ने पशु प्रदर्शनी में 298 विजेताओं को बांटे 50 लाख रुपए के इनाम

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। 41वीं राज्य स्तरीय प्रदर्शनी में मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने अलग-अलग नस्ल मेल व फीमेल चैंपियनशिप में आठ पशुपालकों को कुल 20 लाख रुपए की इनाम राशि दी है। इन पशुपालकों को अपने-अपने वर्ग के लिए 2.50-2.50 लाख रुपए का चेक दिया गया है। अहम पहलू यह है कि राज्य स्तरीय पशुधन प्रदर्शनी में कुल 53 वर्गों में 298 विजेताओं को कुल 50 लाख 20 हजार 600 रुपए की राशि वितरित की गई है।

हरियाणा के पशुपालन विभाग के महानिदेशक डॉ. प्रेम सिंह ने कहा कि मुर्रा नस्ल मेल चैंपियनशिप में पानीपत के गांव बुरसम निवासी नरेंद्र सिंह, मुर्रा नस्ल फीमेल चैंपियनशिप में हिसार के गांव सिंघवा खास निवासी ईश्वर सिंह की मुर्रा नस्ल की भैंस को चैंपियन पुरस्कार दिया गया। इन दोनों पशुपालकों को इनाम के रूप में 2.50- 2.50 लाख रुपए की राशि का चेक दिया गया है।

उन्होंने बताया कि हरियाणा नस्ल मेल चैंपियनशिप में पानीपत के गांव डिडवानी निवासी नरेंद्र की हरियाणा नस्ल के सांड ने चैंपियन पुरस्कार हासिल किया है। इस पशुपालक को इनाम के रूप में 2 लाख 50 हजार रुपए का चेक दिया गया है। इसी तरह हरियाणा नस्ल फीमेल चैंपियनशिप में झज्जर के गांव गवालिशन निवासी अनूप की हरियाणा नस्ल गाय चैंपियन रही, साहीवाल नस्ल मेल चैंपियनशिप में करनाल के तरावड़ी निवासी अनुज के साहीवाल बैल चैंपियन रहा। इसी प्रतियोगिता के फीमेल वर्ग में करनाल के दादूपुर रोडाना निवासी राजबीर की साहीवाल नस्ल की गाय चैंपियन रही।

उन्होंने कहा कि एक्सोटिक क्रॉस ब्रीड मेल चैंपियनशिप में गांव सगा निवासी पवन का पशु चैंपियन रहा। इसी तरह करनाल के गांव गलिबखेडी का अक्षदीप की फीमेल पशु चैंपियन रही। इन पशुपालकों को 2 लाख 50 हजार रुपए इनाम का चैक दिया गया है। उन्होंने कहा कि रोहतक निवासी सन्नी के पशु को मुर्रा युवा बुल प्रतियोगिता में प्रथम आने पर 51 हजार रुपए, महेंद्रगढ़ के झींक निवासी इंद्रजीत के पशु को मुर्रा बफेलो ड्राई प्रतियोगिता में प्रथम आने पर 51 हजार रुपए, रोहतक के भगवतीपुर निवासी रामनिवास के पशु को मुर्रा बफेलो हेल्फर प्रतियोगिता में प्रथम आने पर 51 हजार रुपए का इनाम मिला। (अनंत ज्ञान)

एल्यूडेकोर ने शुरू की देश की सबसे बड़ी मुफ्त एसीपी फायर टेस्टिंग

अनंत ज्ञान, चंडीगढ़। फसाड और बिल्डिंग मैटेरियल सेक्टर में फायर सेफ्टी को लेकर बढ़ती चिंताओं के बीच, एल्यूडेकोर ने एसीपी (एल्यूमिनियम कंपोजिट पैनल) उद्योग के लिए देश की सबसे बड़ी नि:शुल्क, स्वैच्छिक और ओपन-टू-ऑल टेस्टिंग पहल की शुरुआत की है।

यह पहल इसके मान्यता प्राप्त इन-हाउस 'रिएक्शन-टू-फायर' टेस्टिंग सुविधा के माध्यम से ब्रांड-प्रस्तता से मुक्त, निष्पक्ष और गोपनीय तरीके से सभी एसीपी उत्पादों के लिए लागू होगी। सैंपल सीधे साइट से लिए जाएंगे, ताकि टेस्ट किए गए प्रोडक्ट और इस्तेमाल में लाए गए प्रोडक्ट में कोई अंतर न रहे।

एल्युडेकोर के डायरेक्टर सौरव कावरा ने कहा कि यह पहल उद्योग की पारदर्शिता, भरोसेमंद उत्पाद चयन और जीवन सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए है। कंपनी ने पिछले 12 वर्षों में 3 लाख से अधिक फैब्रिकेटर्स के साथ ट्रेनिंग और नॉलेज प्रोग्राम किए हैं, और यह नई पहल उसी दीर्घकालिक जुड़ाव का अगला चरण है।

निशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर का 250 रोगियों ने उठाया लाभ

अनंत ज्ञान

चंडीगढ़। श्री धनवंतरी आयुर्वेदिक महाविद्यालय एवं अस्पताल ने आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के समर्थन से मानसा देवी कॉम्प्लेक्स में आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए निशुल्क आयुर्वेदिक चिकित्सा शिविर का सफल आयोजन किया।

शिविर का उद्घाटन सतनाम सिंह संधू, सांसद (राज्यसभा) और डॉ. सुदर्शन शास्त्री, निदेशक SDACH ने रिबन काटकर किया। चिकित्सा शिविर में 5 आयुर्वेदिक परामर्शदाता, 2 सीनियर रिसर्च फेलो, 2 रेजिडेंट मेडिकल ऑफिसर, 10 इंटर्न, फार्मासिस्ट और लैब तकनीशियन की टीम ने सेवाएं प्रदान कीं।

करीब 250 रोगियों ने इस शिविर में भाग लिया। उन्हें रीढ़ से संबंधित पुराने रोग जैसे कमर दर्द, गर्दन दर्द, साइटिका, सर्वाइकल और लंबर स्पॉन्डिलाइटिस के लिए जांच, परामर्श और निशुल्क औषधियां उपलब्ध करवाई गईं। रोगियों को आयुर्वेदिक जीवनशैली, आहार और पंचकर्म आधारित उपचार पद्धतियों की जानकारी भी दी गई।

डॉ. नरेश मित्तल, महासचिव, श्री धनवंतरी एजुकेशनल सोसायटी ने कहा कि संस्था समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग को गुणवत्तापूर्ण आयुर्वेदिक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। शिविर में रोगियों की भारी उपस्थिति रही और इसे जनकल्याणकारी पहल के रूप में सराहा गया।

पंचकूला में रॉयल केनेल क्लब ने करवाया मेगा डॉग शो

अनंत ज्ञान

◆ अंतरराष्ट्रीय प्रतिभागियों ने बढ़ाई शो की रौनक

पंचकूला। रॉयल केनेल क्लब पंचकूला ने सेक्टर 3 के होटल हॉलिडे इन के सामने अपने 7वें मेगा डॉग शो का सफल आयोजन किया। इस कार्यक्रम में ट्राईसिटी, देश और विदेश से डॉग ब्रीडर्स, ट्रेनर्स और शौकीनों ने भाग लिया, जिससे इसे एक अंतरराष्ट्रीय स्वरूप मिला।

अरिशंदर सिंह, आईपीएस, डीजीपी विजिलेंस और ब्रिटिश उप उच्चायुक्त सुश्री अल्बा स्मेरिग्लियो ने मुख्य अतिथि के रूप में शो की शोभा बढ़ाई और डॉग्स के प्रति जिम्मेदारी बढ़ाने के प्रयासों की सराहना की।

रॉयल केनेल क्लब के सिकंदर सिंह ने बताया कि शो का उद्देश्य स्वदेशी और विदेशी डॉग्स की नस्लों के बारे में जागरूकता फैलाना और पालतू जानवरों की जिम्मेदारी से देखभाल को बढ़ावा देना है।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय जजों ने निर्णायक भूमिका निभाई। डॉग्स की विभिन्न नस्लों, जैसे पोमेरेनियन, माल्टीज, चिहुआहुआ, लैब्राडोर, जर्मन शेफर्ड, रॉटवैलर, साइबेरियन हस्की और अकिता इनु का प्रदर्शन हुआ। कई कैटेगरी के विजेताओं को ट्रॉफियां प्रदान की गई। आयोजन को सफल बनाने में प्लैनेट पेट्स, किंडर पांडा प्ले स्कूल और जर्मन लैंग्वेज इंस्टीट्यूट के योगदान को भी सराहा गया। (अनंत ज्ञान)

सफलता 22,000 नॉटिकल मील की लोकायन-26 यात्रा जारी

आईएनएस सुदर्शिनी ने पार किया ओमान

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय नौसेना के सेल ट्रेनिंग शिप आईएनएस सुदर्शिनी ने ओमान के सलालाह बंदरगाह पर अपना पहला पोर्ट कॉल सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। आईएनएस सुदर्शिनी 'लोकायन-26' नामक दस महीने की लंबी समुद्री यात्रा पर है। ओमान की यह यात्रा इस सफर का एक अहम पड़ाव था। भारतीय शिप अब यहां से आगे निकल चुका है।

'लोकायन-26' अभियान का मकसद दुनिया भर में भारत की समृद्ध समुद्री परंपरा और 'वसुधैव कुटुम्बकम' यानी सारी दुनिया एक परिवार है, के संदेश को फैलाना है। 'सुदर्शिनी' 10 महीने लंबी यात्रा के दौरान कुल 13 देशों के 18 विदेशी बंदरगाहों की यात्रा कर रहा है।

पारंपरिक विधि से बना यह नौसैनिक शिप फ्रांस और अमेरिका जैसे देशों में आयोजित विशेष अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रमों में भी शामिल होगा। नौसेना का शिप 'सुदर्शिनी' कुल 22,000 नॉटिकल मील से अधिक की समुद्री यात्रा कर रहा है। सलालाह में प्रवास के दौरान आईएनएस सुदर्शिनी के कमांडिंग ऑफिसर ने ओमान की रॉयल नेवी के साउदर्न नेवल एरिया कमांडर कैप्टन मोहम्मद अल धैलानी और आरएनओ जहाज अल मोअजर के कमांडिंग ऑफिसर कैप्टन मोहम्मद अल महारी से मुलाकात की। बातचीत में भारत और ओमान के बीच पुराने समुद्री रिश्तों और दोनों नौसेनाओं की दोस्ती को और मजबूत करने पर जोर दिया गया। इसके अलावा ओमान की रॉयल नेवी के अधिकारियों को जहाज का गाइडेड टूर भी कराया गया।

रक्षा मंत्रालय के मुताबिक स्थानीय लोगों से जुड़ाव बढ़ाने के लिए आईएनएस सुदर्शिनी को आम लोगों के लिए भी खोला गया। करीब 600 से ज्यादा लोगों ने इस तीन मस्तूल वाले भारतीय जहाज को करीब से देखा। इन लोगों में स्कूल के बच्चे भी शामिल थे। उन्होंने यहां समुद्र में नौकायन की बारीकियों के बारे में जाना। अब आईएनएस सुदर्शिनी लोकायन-26 की अगली यात्रा पर रवाना हो चुकी है। पूरे जोश और उत्साह के साथ यह जहाज समुद्रों में भारत की सदियों पुरानी नौकायन परंपरा, दोस्ती और सद्भावना का संदेश आगे बढ़ा रहा है। (अनंत ज्ञान)

प्राकृतिक खेती कम खर्चीली, अधिक आय और पर्यावरण संरक्षण का रास्ता

अनंत ज्ञान

सोनीपत। किसानों को रासायनिक खेती से बाहर निकालकर प्राकृतिक खेती से जोड़ने के उद्देश्य से खरखौदा स्थित भरत वाटिका में 'प्राकृतिक खेती समृद्ध किसान सम्मेलन' आयोजित किया गया। मुख्यातिथि गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने किसानों को प्राकृतिक खेती अपनाने के लिए वैज्ञानिक तथ्यों के साथ प्रेरित किया।

राज्यपाल ने कहा कि प्राकृतिक खेती कम खर्चीली, दीर्घकालिक रूप से लाभकारी और पर्यावरण संरक्षण में सहायक पद्धति है। इसका आधार देसी गाय है, जिसके गोबर और गोमूत्र में मौजूद सूक्ष्म जीवाणु मिट्टी को उपजाऊ बनाते हैं। उन्होंने जीवामृत बनाने और उपयोग की विधि बताते हुए किसानों से अपील की कि वे कम से कम अपनी जमीन के एक हिस्से में इस खेती की शुरुआत करें।

केंद्र सरकार ने प्राकृतिक खेती को राष्ट्रीय मिशन के रूप में अपनाया है और हरियाणा सरकार किसानों को नि:शुल्क प्रशिक्षण प्रदान कर रही है। इस अवसर पर भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली, विधायक पवन खरखौदा और क्षेत्र के हजारों किसान उपस्थित रहे।

स्पोर्ट्स विंडो

पूर्व क्रिकेटर शिखर धवन बने दिल्ली खेल महाकुंभ के ब्रांड एंबेसडर

एजेंसी, नई दिल्ली। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और अर्जुन अवॉर्डी शिखर धवन को दिल्ली खेल महाकुंभ का ब्रांड एंबेसडर बनाया गया है।

यह खेल महाकुंभ दिल्ली सरकार के शिक्षा और खेल निदेशालय की एक पहल है। इस दूरदर्शी प्रतियोगिता का मकसद राजधानी में जमीनी स्तर पर खेलों में भागीदारी को मजबूत करना और प्रतिभा की पहचान करना है। दिल्ली खेल महाकुंभ का पहला एडिशन 13 फरवरी से राजधानी के 16 जगहों पर होगा, जिसमें हजारों युवा एथलीट बास्केटबॉल, फुटबॉल, एथलेटिक्स, कबड्डी, कुश्ती, स्क्वैश और वॉलीबॉल में हिस्सा लेंगे। दिल्ली के शिक्षा एवं खेल मामलों के मंत्री आशीष सूद ने कहा कि दिल्ली खेल महाकुंभ को प्रतिभा और खेल के विकास के लिए एक बदलाव लाने वाले प्लेटफॉर्म के तौर पर देखा जा रहा है। शिखर धवन का ब्रांड एंबेसडर के तौर पर जुड़ना इस पहल को बहुत ज्यादा विश्वसनीयता और प्रेरणा देता है और यह जमीनी स्तर पर विकास, बड़े पैमाने पर भागीदारी को बढ़ावा देने और भविष्य के खेल टैलेंट को पहचानने के हमारे मकसद के साथ पूरी तरह से मेल खाता है। (अनंत ज्ञान)

अमेरिका ने वर्ल्ड कप में शामिल करने के लिए जताया आईसीसी का आभार

एजेंसी, नई दिल्ली। मुंबई में भारत और अमेरिका के बीच टी-20 विश्व कप मैच में शामिल होने के बाद भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) और उसके चेयरमैन जय शाह को 'क्रिकेट की एक अविश्वसनीय शाम' के लिए धन्यवाद दिया। रविवार को सोशल मीडिया एक्स पर अमेरिकी राजदूत गोर ने कहा कि टी-20 विश्व कप में क्रिकेट की अविश्वसनीय शाम के लिए आईसीसी और जय शाह को धन्यवाद। मुझे लगता है कि संयुक्त राज्य अमेरिका में क्रिकेट का भविष्य बहुत उज्ज्वल है, जिसमें आगामी ओलंपिक्स भी शामिल है। मैच के दौरान सर्जियो गोर ने आईसीसी चेयरमैन जय शाह से मुलाकात की और अमेरिका में क्रिकेट के तेजी से विकास पर चर्चा की। अमेरिकी राजदूत ने एक अन्य पोस्ट में लिखा कि टी-20 विश्व कप में आईसीसी चेयरमैन जय शाह से मिलकर बहुत अच्छा लगा। हमने विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे, प्रतिभाशाली खिलाड़ियों और अद्भुत प्रशंसकों के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका में क्रिकेट के तेजी से विकास पर चर्चा की। (अनंत ज्ञान)

जसप्रीत बुमराह के बाद अभिषेक शर्मा की तबीयत भी खराब

एजेंसी, नई दिल्ली। कप्तान सूर्यकुमार यादव के सामने एक बड़ी समस्या खड़ी हो गई है, उन्हें पिछले मैच के हीरो को अगले मैच से बाहर करना पड़ सकता है। खबर आई कि अभिषेक शर्मा की तबीयत भी खराब हो गई है। बता दें कि जसप्रीत बुमराह भी तबीयत खराब होने की वजह से ही पहला मैच नहीं खेल पाए थे। सूर्यकुमार ने बताया कि मौसम के कारण जसप्रीत बुमराह को तेज बुखार हो गया था, जैसे अभिषेक की थी. हालांकि मोहम्मद सिराज ने कंफर्म किया कि अभिषेक का पेट खराब था. हालांकि उन्होंने उम्मीद जताई कि नामीबिया के खिलाफ होने वाले अगले मैच से पहले वह ठीक हो जाएंगे। सिराज ने कहा, 'सब ठीक है, उनका पेट खराब था और इसी वजह से वह फील्डिंग करने नहीं आए।' सूर्यकुमार यादव ने ये भी कंफर्म किया कि वाशिंगटन सुंदर दिल्ली में टीम इंडिया के साथ जुड़ जाएंगे. बता दें कि भारत का अगला मैच 12 फरवरी को दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में है। ये मैच नामीबिया के साथ है। (अनंत ज्ञान)

खूबसूरत वॉलीबॉल खिलाड़ी गुनेस

जेहरा गुनेस तुर्की की एक प्रसिद्ध पेशेवर वॉलीबॉल खिलाड़ी है। इन्हें दुनिका का सबसे खूबसूरत एथलीट माना जाता है। 6 फीट 5 इंच लंबी यह मिडिल ब्लॉकर वकीफबैंक इस्तांबुल और तुर्की की राष्ट्रीय महिला टीम की मुख्य सदस्य हैं।

न्यूजीलैंड ने अफगानिस्तान को 5 विकेट से दी शिकस्त

17.5 ओवर में हासिल किया 183 रन का लक्ष्य, टिम सीफर्ट रहे मैच के हीरो

एजेंसी, चेन्नई

टिम सीफर्ट के तेजतर्रार अर्धशतक की बदौलत न्यूजीलैंड ने आईसीसी टी20 विश्व कप के ग्रुप डी मैच में रविवार को अफगानिस्तान को पांच विकेट से हराकर अपने अभियान की शुरुआत जीत के साथ की। 183 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड ने 17.5 ओवर में पांच विकेट पर 183 रन बनाकर मुकाबला अपने नाम किया। न्यूजीलैंड की जीत के नायक सलामी बल्लेबाज और विकेटकीपर टिम सीफर्ट रहे, जिन्होंने 42 गेंदों में तीन छक्कों और सात चौकों की मदद से 65 रन बनाए। दूसरे ओवर में 14 रन पर दो विकेट गंवाने के बाद सीफर्ट ने ग्लेन फिलिप्स (42 रन, 25 गेंद) के साथ तीसरे विकेट के लिए 47 गेंदों में 74 रन की अहम साझेदारी कर टीम को मजबूती दी।

लक्ष्य का पीछा करते हुए न्यूजीलैंड को स्पिनर मुजीब उर रहमान ने शुरुआती झटका दिया, जिन्होंने दूसरे ओवर में फिन एलेन (1) और रचिन रविंद्र (0) को लगातार गेंदों पर बोल्ड किया। इसके बाद सीफर्ट और फिलिप्स ने पारी संभाली। फिलिप्स ने कप्तान राशिद खान की गेंदों पर आक्रामक शॉट लगाए, हालांकि राशिद ने उन्हें बोल्ड कर साझेदारी तोड़ी। इसके बावजूद मार्क चैपमैन (28), डेरिल मिचेल (नाबाद 25) और कप्तान मिचेल सेंटनर (नाबाद 17) ने टीम को जीत तक पहुंचाया। इससे पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान ने छह विकेट पर 182 रन बनाए। गुलबदिन नायब ने 35 गेंदों में चार छक्कों और तीन चौकों की मदद से 63 रन की शानदार पारी खेली। उन्होंने सेदिकुल्लाह अटल

◆ अफगानिस्तान के लिए गुलबदिन ने बनाए 63 रन

(29 रन) के साथ तीसरे विकेट के लिए 51 गेंदों में 79 रन की साझेदारी की, जिससे अफगानिस्तान की पारी को मजबूती मिली।

अफगानिस्तान की शुरुआत सतर्क रही और पावर प्ले में टीम ने दो विकेट पर 44 रन बनाए। रहमानुल्लाह गुरबाज (27) अच्छी लय में दिखे लेकिन लॉकी फर्ग्युसन की धीमी गेंद पर बोल्ड हो गए। फर्ग्युसन ने इब्राहिम जादरान (10) को भी आउट किया। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने बीच के ओवरों में रन गति पर अंकुश लगाया, हालांकि अंतिम पांच ओवरों में अफगानिस्तान ने 52 रन जोड़कर स्कोर 180 के पार पहुंचाया। अजमतुल्लाह उमरजई (14) ने दो छक्के लगाकर टीम को 182 रन तक पहुंचाया। न्यूजीलैंड की ओर से लॉकी फर्ग्युसन सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 40 रन देकर दो विकेट लिए। (अनंत ज्ञान)

सूर्याकुमार ने तोड़ा कोहली का रिकॉर्ड

एजेंसी, मुंबई

भारत ने टी-20 वर्ल्ड कप में जीत से शुरुआत की है। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में अमेरिका के साथ खेले गए मैच में टीम इंडिया के कप्तान सूर्या ने न सिर्फ मैच जिताऊ पारी खेली, बल्कि विराट कोहली का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया। वे टी-20 में सबसे ज्यादा बार प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड जीतने वाले भारतीय बन गए। टी-20 क्रिकेट में प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड के मामले में सूर्यकुमार यादव अब भारत के लिए सबसे आगे पहुंच गए हैं। उन्होंने 17वीं बार यह अवॉर्ड जीतते ही विराट कोहली का रिकॉर्ड तोड़ दिया, जिनके नाम 16 अवॉर्ड दर्ज थे। इस लिस्ट में रोहित शर्मा 14 के साथ तीसरे, अक्षर पटेल 8 के साथ चौथे और जसप्रीत बुमराह 7 अवॉर्ड के साथ पांचवें स्थान पर हैं। रोहित शर्मा के बाद सूर्या दूसरे भारतीय कप्तान बने, जिन्हें टी-20 वर्ल्ड कप में प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड मिला। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए शनिवार के आखिरी मुकाबले में भारत ने अमेरिका को 29 रन से हराया था। मैच में अमेरिका की टीम ने टॉस जीतकर पहले बॉलिंग चुनी थी, लेकिन उनकी फील्डिंग ने मैच का रुख पलट दिया। अमेरिकी खिलाड़ियों ने 3 अहम कैच छोड़ दिए, जिससे उसे हार का मुंह देखना पड़ा। (अनंत ज्ञान)

◆ सबसे ज्यादा 17 बार जीता प्लेयर ऑफ द मैच अवॉर्ड

टी-20 इंटरनेशनल में 1000 रन पूरे

भारत ने टूर्नामेंट के अपने पहले मैच में 20 ओवर में 9 विकेट पर 161 रन बनाए, जिसमें सूर्यकुमार यादव ने 49 गेंदों पर नाबाद 84 रन बनाए। 162 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए अमेरिका की टीम 20 ओवर में 8 विकेट पर 132 रन ही बना सकी। सूर्या ने कप्तान के तौर पर अपना 8वां टी-20 अर्धशतक लगाया और इसी के साथ बतौर कप्तान टी-20 इंटरनेशनल में 1000 रन भी पूरे कर लिए।

कनाडा के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन के इरादे से उतरेगी दक्षिण अफ्रीका टीम

एजेंसी, अहमदाबाद

दक्षिण अफ्रीका को खिताब के लिए चुनौती पेश करनी है तो सोमवार को कनाडा के खिलाफ टी20 विश्व कप में अपना अभियान शुरू करते हुए अपने हालिया फॉर्म से बेहतर प्रदर्शन करना होगा। जून 2024 में भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप 2024 फाइनल हारने के बाद से दक्षिण अफ्रीका ने 32 मैच में से सिर्फ 12 में जीत हासिल की है। हालांकि पिछले साल विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीतकर ट्रॉफी का सूखा खत्म करने के बाद अब उनमें विश्व खिताब जीतने का आत्मविश्वास बढ़ा है। रेयान रिकेल्टन और ट्रिस्टन स्टब्स मूल टीम का हिस्सा नहीं थे लेकिन डोनावन फेरेरा और टोनी डि जॉर्जी के चोटिल होने के बाद उन्हें टीम में जगह मिली है। केशव महाराज स्पिन आक्रमण की अगुआई करेंगे, वहीं, बल्लेबाजी विभाग में क्विंटन डिकॉक और डेवाल्ड ब्रेविस पर नजरें रहेंगी। दक्षिण अफ्रीका की टीम पिछले टूर्नामेंट में बारबडोस में फाइनल में अधिकांश समय लक्ष्य का पीछा करने की स्थिति में होने के बावजूद भारत से हार गई थी और टीम पर इसका असर दिखेगा। दूसरी ओर कनाडा ने पिछले चार महीने में शीर्ष स्तर का अधिक क्रिकेट नहीं खेला है। टीम अपना लगातार दूसरा टी-20 विश्व कप खेल रही है जिसमें 23 साल के दिलप्रीत बाजवा ने निकोलस किर्टन से कप्तानी संभाली है।

संभावित टीमें

कनाडा: दिलप्रीत बाजवा (कप्तान), अजयवीर हुंडल, अंश पटेल, डाइलन हेलिगर, हर्ष ठाकेर, जसकरनदीप सिंह, कलीम सना, कंवरपाल ताथगुर, नवनीत धालीवाल, निकोलस किर्टन, रविंदरपाल सिंह, साद बिन जफर, शिवम शर्मा, श्रेयस मोवा, युवराज समरा।

दक्षिण अफ्रीका: एडेन मारक्रम (कप्तान), कोर्बिन बॉश, डेवाल्ड ब्रेविस, क्विंटन डिकॉक, मार्को यानसेन, जॉर्ज लिंडे, केशव महाराज, क्वेना मफाका, डेविड मिलर, लुंगी एनगिडी, एनरिच नोर्किया, कागिसो रबाडा, रेयान रिकेल्टन, जेसन स्मिथ और ट्रिस्टन स्टब्स।

नेपाल के खिलाफ इंग्लैंड को मुश्किल से मिली जीत

टी-20 विश्व कप के रोमांचक मुकाबले में 4 रन से जीता मुकाबला

एजेंसी, मुंबई

आईसीसी टी-20 विश्व कप 2026 में रविवार को इंग्लैंड और नेपाल के बीच बेहद रोमांचक मुकाबला देखने को मिला। मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में खेले गए ग्रुप सी के इस मैच में नेपाल को आखिरी ओवर में जीत के लिए 10 रन चाहिए थे, लेकिन टीम सिर्फ 5 रन ही बना सकी। इंग्लैंड ने मुकाबला चार रन से जीतकर टूर्नामेंट में विजयी आगाज किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए इंग्लैंड ने 20 ओवर में 7 विकेट के नुकसान पर 184 रन बनाए थे।

जवाब में नेपाल की टीम 20 ओवर में 6 विकेट पर 180 रन ही बना सकी। इंग्लैंड जैसी मजबूत टीम के खिलाफ 185 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी नेपाल को चौथे ओवर में पहला झटका लगा। आसिफ शेख 7 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद 42 के स्कोर पर सलामी बल्लेबाज कुसल भुर्तेल 17 गेंदों में 29 रन बनाकर पवेलियन लौटे। नेपाल की पारी को कप्तान रोहित पौडेल और दीपेंद्र सिंह ने संभाला और दोनों ने टीम को 12 ओवर में 100 रन के पार पहुंचाया। हालांकि, 15वें ओवर में दीपेंद्र 29 गेंदों में 6 चौके और एक छक्के की मदद से 44 रन बनाकर आउट हो गए।

अगले ही ओवर में कप्तान रोहित पौडेल भी 34 गेंदों में 39 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। फिर 146 रन पर नेपाल का पांचवां विकेट आरिफ शेख के रूप में गिरा, जिन्होंने 8 गेंदों में 10 रन बनाए। अंतिम ओवरों में लोकेश बम ने संघर्ष जारी रखा और 18वें ओवर में जोफ्रा आर्चर को दो छक्के जड़े। नेपाल को आखिरी दो ओवर में जीत के लिए 24 रन चाहिए थे, लेकिन टीम लक्ष्य तक नहीं पहुंच सकी। लोकेश बम 20 गेंदों में 4 चौके और 2 छक्कों की मदद से 39 रन बनाकर नाबाद लौटे। इंग्लैंड की ओर से लियाम डॉसन ने 2 विकेट लिए। (अनंत ज्ञान)

वानखेड़े में पिच के व्यवहार से हैरान थे हम: अक्षर पटेल

एजेंसी, मुंबई। भारतीय उपकप्तान अक्षर पटेल ने कहा कि टीम अमेरिका के खिलाफ टी-20 विश्व कप के पहले मैच में पिच की प्रकृति से हैरान थी क्योंकि आमतौर पर वानखेड़े स्टेडियम में काफी रन बनते हैं। मुश्किल पिच पर बल्लेबाजी क्रम के ध्वस्त होने के बावजूद अक्षर ने कहा कि टीम प्रतिस्पर्धी स्कोर बनाने को लेकर आश्वस्त थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 77 रन तक छह विकेट गंवा दिए थे लेकिन कप्तान सूर्यकुमार यादव की 49 गेंद में 84 रन की नाबाद पारी से मेजबान टीम नौ विकेट पर 161 रन बनाने में सफल रही। भारत ने अमेरिका को आठ विकेट पर 132 रन पर रोककर 29 रन से जीत दर्ज की। मैच के बाद अक्षर ने संवाददाताओं से कहा, 'योजना मैच की स्थिति के अनुसार बनाई जाती है। आम तौर पर मुंबई में विकेट सपाट होता है और हमें यह तय करने में लगभग तीन ओवर लगे कि अच्छा स्कोर क्या होगा।' हमें पता था कि अगर एक भी बल्लेबाज चल गया तो हम 140-150 रन के आसपास पहुंच जाएंगे, लेकिन पिच के व्यवहार से हम हैरान थे क्योंकि हमें लगा था कि यह एक सपाट विकेट है, जो आम तौर पर मुंबई में होता है।' (अनंत ज्ञान)

मैनचेस्टर ने टोटेनहैम को 2-0 से हराया

माइकल कैरिक के मार्गदर्शन में प्रीमियर लीग फुटबॉल में लगातार चौथी जीत

एजेंसी, मैनचेस्टर

माइकल कैरिक के मार्गदर्शन में मैनचेस्टर यूनाइटेड ने प्रीमियर लीग फुटबॉल में लगातार चौथी जीत हासिल की जिससे कुछ हफ्ते पहले मुश्किलों में नजर आ रही टीम अब काफी बेहतर स्थिति में दिख रही है। शनिवार को यूनाइटेड ने टोटेनहम को 2-0 से हराकर मुख्य कोच के तौर पर कैरिक की शत प्रतिशत जीत का सिलसिला जारी रखा और पिछले दो वर्षों से चैंपियंस लीग से बाहर रहने के बाद वापसी की उम्मीदों को बढ़ाया। (अनंत ज्ञान)

25 मैचों में 44 अंक के साथ चौथे स्थान पर पहुंचा

मैनचेस्टर की टीम अब 25 मैचों में 44 अंक के साथ चौथे स्थान पर है। आर्सेनल ने शीर्ष पर नौ अंक की बढ़त बना ली है। टीम ने स्थानापन्न खिलाड़ी विक्टर ग्योकेरेस के दो गोल से संडरलैंड के खिलाफ 3-0 से जीत दर्ज की। आर्सेनल के 25 मैच में 56 अंक हैं। दूसरे स्थान पर मौजूद मैनचेस्टर सिटी (24 मैच में 47 अंक) रविवार को लीवरपूल से खेलेगा जबकि तीसरे स्थान पर मौजूद एस्टन विला (25 मैच में 47 अंक) ने बोर्नमाउथ के साथ 1-1 से ड्रॉ खेला। चेल्सी ने कोल पाल्मर की हैट्रिक से आखिरी स्थान पर मौजूद वॉल्व्स के खिलाफ 3-1 की जीत दर्ज की।

पीसीबी चीफ से मिलने लाहौर पहुंचे बीसीबी प्रमुख अमीन उल

एजेंसी, कराची। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) के अध्यक्ष अमीन उल इस्लाम पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के बीच वर्चुअल बैठक से पहले लाहौर पहुंच गए हैं। यह बैठक पाकिस्तान द्वारा भारत के खिलाफ टी20 विश्व कप मैच के प्रस्तावित बहिष्कार पर जारी गतिरोध को सुलझाने के लिए हो रही है। पूर्व टेस्ट क्रिकेटर अमीन ने लाहौर में पीसीबी अध्यक्ष मोहसिन नकवी से मुलाकात की और उम्मीद है कि वह वर्चुअल चर्चा में हिस्सा लेंगे, जिसका मकसद पाकिस्तान को 15 फरवरी को होने वाले टी-20 विश्व कप मैच में भारत के खिलाफ नहीं खेलने के अपने फैसले पर फिर से विचार करने के लिए मनाना है। नकवी ने भारत मैच के बहिष्कार के सरकार के निर्देशों पर ज्यादा टिप्पणी नहीं की है लेकिन एक विश्वसनीय सूत्र ने बताया कि श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) द्वारा पीसीबी को एक ईमेल भेजने के बाद स्थिति बदल गई है। इस ईमेल में उनसे बहिष्कार खत्म करने का आग्रह किया गया है। आईसीसी के सीईओ संजोग गुप्ता भी एसएलसी अध्यक्ष शम्मी सिल्वा से मिलने कोलंबो गए हैं जिन्होंने नकवी को विश्व कप में भारत के खिलाफ मैच खेलने के लिए ईमेल भेजा था। आईसीसी पहले ही पाकिस्तान से स्पष्टीकरण मांग चुका है कि 'फोर्स मेज्योर' नियम का इस्तेमाल कैसे किया जा सकता है। (अनंत ज्ञान)

अंडर-19 विश्व कप की 'टीम ऑफ द टूर्नामेंट' में भारत के 3 खिलाड़ी

12 सदस्यीय टीम में वैभव, कनिष्क और हेनिल पटेल शामिल

एजेंसी, नई दिल्ली

अंडर-19 क्रिकेट विश्व कप में भारतीय टीम ने इंग्लैंड को हराकर रिकॉर्ड छठी बार खिताब अपने नाम किया है। इस बीच रविवार को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने अंडर-19 विश्वकप की 'टीम ऑफ द टूर्नामेंट' की घोषणा कर दी। फाइनल मैच में ऐतिहासिक पारी खेलने वाले भारतीय सलामी बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को इस टीम में जगह मिली है।

उनके साथ कनिष्क चौहान और हेनिल पटेल को भी 12 सदस्यीय सर्वश्रेष्ठ टीम में शामिल किया गया है। उपविजेता इंग्लैंड के भी तीन खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ टीम में जगह मिली है। थॉमस रेव को टीम का कप्तान और विकेटकीपर नियुक्त किया गया है। इंग्लैंड के ही मैनी लुम्सडेन और बेन मेस को बी जगह मिली है। श्रीलंका के वीरन चामुदिथा को सर्वश्रेष्ठ टीम में शामिल किया गया है।

◆ उपविजेता इंग्लैंड के भी 3 खिलाड़ी टीम में शामिल

अफगानिस्तान के फैसल खान शिनोजादा और नूरिस्तानी उमरजई को अपनी टीम को सेमीफाइनल तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाने के बाद चुना गया है। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान ओलिवर पीक भी टूर्नामेंट की सर्वश्रेष्ठ टीम में शामिल हैं। वहीं, पाकिस्तान के अली रजा और वेस्टइंडीज के स्पिनर विटेल लावेस को भी टीम में जगह मिली है। (अनंत ज्ञान)

बॉक्सिंग लवलीना और अरुंधति की अगुआई में भारतीय खिलाड़ियों ने किया शानदार प्रदर्शन

भारत ने बॉक्सैम एलीट में जीते नौ स्वर्ण पदक

एजेंसी, ला नूसिया

ओलंपिक पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और पूर्व युवा विश्व चैंपियन अरुंधति चौधरी की अगुआई में भारत ने बॉक्सैम एलीट इंटरनेशनल 2026 टूर्नामेंट में शानदार प्रदर्शन करते हुए नौ स्वर्ण पदक जीते। शनिवार को सात एलीट महिला फाइनल में भारतीयों ने प्रतिनिधित्व किया, वहीं 54 किग्रा वर्ग में फाइनल दो भारतीयों के बीच हुआ। भारतीय महिलाओं ने प्रत्येक में स्वर्ण पदक जीता।

बॉक्सैम एलीट 2026 में 20 देशों के 200 से अधिक मुक्केबाजों ने भाग लिया। भारत नौ स्वर्ण, तीन रजत और सात कांस्य पदक के साथ प्रतियोगिता में सबसे सफल रहा। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, 'बॉक्सैम एलीट ने मुक्केबाजों को वैसा ही अनुभव दिया जिसकी हम सत्र के इस चरण में तलाश कर रहे थे। स्पेन में प्रदर्शन, विशेष रूप से फाइनल में जीत का अनुपात हमारे कार्यक्रम की प्रगति को दर्शाता है। पूरे दल को एक उत्कृष्ट अभियान के लिए बधाई।'

महिलाओं के प्रदर्शन पर बात करते हुए भारतीय महिला मुख्य कोच सांटियागो नीवा ने कहा, 'महिलाओं का प्रदर्शन असाधारण था। सिर्फ पदक के मामले में ही नहीं बल्कि उनके अनुशासन, स्पष्टता और आत्मविश्वास के साथ मुक्केबाजी के लिए। सात फाइनल में पहुंचकर और सभी सात जीतना, यह दिखाता है कि पूरी प्रणाली में कितना अच्छा काम हो रहा है।' (अनंत ज्ञान)

सचिन ने केओमा, आकाश ने कोंसबेकोव को दी मात

पुरुषों के फाइनल में सचिन (60 किग्रा) ने कनाडा के केओमा-अली अल अहमदीह को 3-2 से हराया, जबकि आकाश (75 किग्रा) ने कजाखस्तान के अमन कोंसबेकोव पर 3-2 की जीत के बाद एक और स्वर्ण पदक जीता। दीपक (70 किग्रा) और अंकुश (80 किग्रा) को क्रमशः कजाखस्तान और यूक्रेन के मजबूत प्रतिद्वंद्वियों का सामना करने के बाद रजत पदक से संतोष करना पड़ा।

महिलाओं ने अंतिम दिन किया बेहतरीन प्रदर्शन

भारतीय महिलाओं ने अंतिम दिन बेहतरीन प्रदर्शन किया। मंजू रानी (48 किग्रा) और नीतू (51 किग्रा) ने क्रमशः स्पेन की मार्टा लोपेज और नोएलिया गुटिरेज पर सर्वसम्मत जीत के साथ शुरुआत की। फिर पूनम (54 किग्रा) ने एक कड़े मुकाबले वाले हमवतन प्रीति को हराया। प्रिया (60 किग्रा) और अरुंधति (70 किग्रा) ने यूक्रेनी प्रतिद्वंद्वियों पर 5-0 से शानदार जीत हासिल की। लवलीना (75 किग्रा) ने संयम से खेलते हुए इंग्लैंड की मैरी-केट स्मिथ को 4-1 से हराया। नैना (80 किग्रा) ने यूक्रेन की रायसा पिस्कुन पर जीत से क्लीन स्वीप पूरा किया।